



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 19, 1985/आश्विन 27, 1907

No. 42]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 19, 1985/ASVINA 27, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the
Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1985

सूचना

MINISTRY OF LAW & JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 27th September, 1985

NOTICE

का. आ. 4810:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसार
में सजम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पी. एस. बाजाज,
एडवोकेट 434 लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, नई दिल्ली-110014 ने उक्त
प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन
इस बात के लिए दिया है कि उसे नई दिल्ली व्यापसाय करने के लिए
नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार
का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप
में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(24)/85-न्या.]

S.O. 4810.—Notice is hereby given by the Competent
Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956,
that application has been made to the said Authority, under
rule 4 of the said Rules, by Shri P. S. Bajaj, Advocate; 434
Lal Bahadur Shastri Marg, New Delhi-110014 for appoint-
ment as a Notary to practise in New Delhi

2. Any objection to the appointment of the said person as
a Notary may be submitted in writing to the undersigned
within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(24)/85-JudI.]

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1985

सूचना

क्रा. भा. 4811 :—नोटरीय नियम, 1956 के नियम 8 के अन्तर्गत प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री बलराम लाल शर्मा, एडवोकेट, रेवा (म.प्र.) ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे उक्त व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5/46/85-न्या.]

[एस. गुप्ता, सहाय प्राधिकारी]

New Delhi, the 3rd October, 1985

NOTICE

S.O. 4811.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Balram Lachwani, Advocate, Rewa, (M.P.) for appointment as a Notary to practise in Rewa.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(46)/85-Judl.]

S. GOOPTU, Competent Authority

भारत और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार

और लोक शिकायत तथा पेंशन ब्यवस्था

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1985

क्रा. भा. 4812 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के द्वारा (5) के अन्तर्गत अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय सेवा परीक्षा तथा सेवा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के संबंध में भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (आवरण) नियमावली, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :

1. (1) उक्त नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (आवरण) संशोधन नियम, 1985 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय सिविल सेवा (आवरण) नियमावली, 1964 में, नियम 13 के विद्यमान उप-नियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तर्भावित किए जाएंगे अर्थात् :

5) उप नियम (2), (3) तथा (4) में किसी बात के बावजूद, सरकारी कर्मचारी विदेशी उच्चाधिकारियों से प्रतीकात्मक स्वरूप के उपहार स्वीकार कर सकते हैं तथा ऐसे उपहारों को अपने पास रख सकते हैं।

(6) विदेशी उच्चाधिकारियों से प्राप्त ऐसे उपहार जो प्रतीकात्मक स्वरूप के नहीं हैं सरकारी कर्मचारी द्वारा तभी अपने पास रखे जा सकते हैं यदि उपहार का बाजार मूल्य मूल देश में रु. 3000/- से अधिक नहीं है।

(7) जहाँ कहीं किसी मामले में यह शंका होती है कि क्या विदेशी उच्चाधिकारियों से प्राप्त उपहार प्रतीकात्मक स्वरूप का है अथवा नहीं, अथवा जहाँ उपहारों का बाजार मूल्य मूल देश में स्पष्ट रूप से रु. 3000/- से अधिक बनता है अथवा जहाँ उपहारों के वास्तविक बाजार मूल्य के बारे में कोई शंका होती है उन सभी मामलों में सरकारी कर्मचारी द्वारा ऐसे उपहारों को स्वीकार करने तथा उनको अपने पास रखना सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों द्वारा विनियमित होगा।

(8) सरकारी कर्मचारी एसी किसी विदेशी फर्म से कोई उपहार स्वीकार नहीं करते जो या तो भारत सरकार के साथ किसी अनुबंध में शामिल है अथवा उसके साथ सरकारी कर्मचारी का कोई सरकारी संबंध रहा है अथवा होने की सम्भावना है। सरकारी कर्मचारी द्वारा किसी भी अन्य विदेशी फर्म से उपहारों को स्वीकार करना उप-नियम (4) के उपबंधों के अधीन होगा।

[सं. 11013/21/84-स्थापना (क)]

जी. सोतारामन, अवर सचिव

टिप्पणी: केन्द्रीय सिविल सेवा (आवरण) नियमावली, 1964 में निम्न-लिखित संशोधन किए गए हैं :

क्रम. अधिसूचना तारीख भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं. संख्या [भाग II खण्ड 3 उपखण्ड (ii)]

क्र. सं.	अधिसूचना संख्या	तारीख	भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं. संख्या	क्रा. भा.	दिनांक
1.	25/23/68-स्था.	(क)	3-2-70 482		14-2-70
2.	25/11/72-स्था.	(क)	24-10-72 3643		4-11-72
3.	25/57/64-स्था.	(क)	5-1-73 83		13-1-73
4.	11013/12/75-स्था.	(क)	13-3-76 846		28-2-76
5.	25/19/74-स्था.	(क)	30-6-76 2563		17-7-76
6.	11013/19/75-स्था.	(क)	6-7-76 269		24-7-76
7.	11013/6/75-स्था.	(क)	24-11-76 4663		11-12-76
8.	11013/14/76-स्था.	(क)	28-8-77 2859		17-9-77
9.	11013/3/78-स्था.	(क)	20-9-78 2859		30-9-78
10.	11013/12/78-स्था.	(क)	20-12-78 3		6-1-80
11.	11/13/3/80-स्था.	(क)	24-4-80 1270		16-5-81

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING,
ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSION

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 3rd October, 1985

S.O. 4812.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Service (Conduct) Amendment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, after the existing sub-rule (4) of rule 13, the following sub-rules shall be inserted, namely :—

“(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (4), a Government servant may receive gifts of symbolic nature from foreign dignitaries and retain such gifts,

(6) Gifts from foreign dignitaries which are not of symbolic nature may be retained by a Government servant if the market value of the gift in the country of origin does not exceed Rs. 3,000.

(7) Where there is doubt whether a gift received from a foreign dignitary is of symbolic nature or not, or where the market value of the gifts in the country of origin apparently exceeds Rs. 3,000 or where there is any doubt about the actual market value of the gifts, the acceptance of such gifts and retention thereof, by the Government servant shall be regulated by the instructions issued by the Government in this regard from time to time.

(8) A Government servant shall not accept any gift from any foreign firm which is either contracting with the Government of India or is one with which the Government servant had, has, or is likely to have, official dealings. Acceptance of gifts by a government servant from any other foreign firm shall be subject to the provisions of sub-rule (4).”

[No. 11013/21/84-Estt. (A)]

G. SITARAMAN, Under Secy.

Note :—The following Amendments have been made to CCS (Conduct) Rules, 1964 :—

Sl. No.	Notification No.	Date	Published in the Gazette of India
[Part II Section 3 Sub-Section (ii) S.O. No. Date]			
1	25/23/68-Estt(A)	3-2-70	482 14-2-70
2	25/11/72-Estt(A)	24-10-72	3643 4-11-72
3	25/57/74-Estt(A)	5-1-73	83 13-1-73
4	11013/12/75-Estt(A)	13-2-76	846 28-2-76

1	2	3	4
5	25/19/64-Estt(A)	30-6-76	2563 17-7-76
6	11013/19/75-Estt(A)	6-7-76	2691 24-7-76
7	11013/6/75-Estt(A)	24-11-76	4663 11-12-76
8	11013/14/76-Estt(A)	24-8-77	2859 17-9-77
9	11013/3/78-Estt(A)	20-9-78	2859 30-9-78
10	11013/12/78-Estt(A)	20-12-78	3 6-1-80
11	11013/3/80-Estt(A)	24-4-80	1270 10-5-80

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1985.

आयकर

क्र. आ. 4813—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पटित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक तथा अनुप्राकृतिक विज्ञानों के क्षेत्र में “संस्था” प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित बातों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :

1. यह कि दि सोसाइटी फार दि नेशनल इन्स्टिट्यूट्स आफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्ट्स, पटियाला वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त सशियों का पुनः लेख्य रखेगा।

2. यह कि उक्त संस्था अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणों, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

3. यह कि उक्त संस्था अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपर्कित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिमपत्ति, देनदारियाँ दर्शाते हुए तुलना-पत्र की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भजगी।

4. यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली को अनुमोदन की समारप्ति से तीन माह पूर्व और अन्तिम बढ़ाने हेतु आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर, प्रावना-पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

“दि सोसाइटी फार दि नेशनल इन्स्टिट्यूट्स आफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्ट्स, पटियाला”

यह अधिसूचना 16/2/1985 से 31/3/1987 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6192 (फा. सं. 203/251/83-आ. क. क्र. II)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 10th April, 1985

INCOME-TAX

S.O. 4813.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions :—

- (i) That the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports, Patiala will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said institution will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their annual accounts showing their audited total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said institute will apply to CBDT, Ministry of Finance, Deptt. of Revenue, New Delhi, three months in advance before the expiry of the approval for further extension. Any delay in submitting application would lead to rejection of application.

INSTITUTION

"The Society for the National Institutes of Physical Education and Sports, Patiala."

This notification is effective for a period from 16-2-1985 to 31-3-1987.

[No. 6192 (F. No. 203/251/83-ITA. II)]

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1985

का. आ. 4814:—इस कार्यालय के दिनांक 18 मई, 1983 की अधिसूचना संख्या 5187 (फा. सं. 203/179/82-आ. क. नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने निम्नलिखित व्यापारिक प्रतिष्ठान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 के उपधारा (1) के खंड (क) के उपखंड (i) से (iii) में यथा उल्लिखित व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने या परियोजना, रिपोर्ट तैयार करने या बाजार सर्वेक्षण करने या कर निर्धारित के कारखानों का कोई अन्य सर्वेक्षण करने से संबंधित कार्य को पूरा करने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित किया है।

व्यापारिक प्रतिष्ठान

मैसर्स चतुर्वेदी एंड कंपनी, 60 बेंटिन्क स्ट्रीट, कलकत्ता-700069
यह अधिसूचना 19.8.1985 से 18.8.1988 तक की अवधि के लिए लागू होगी।

[संख्या 6382 (फा. सं. 203/114/85-आ. क. नि. (ii)]

New Delhi, the 23rd August, 1985

S.O. 4814.—In continuation of this Office Notification No. 5187 (F. No. 203/179/82-ITA-II) dated 18th May, 1983, it is hereby notified for general information that the concern mentioned below has been approved by the Central Board of Direct Taxes for the purposes of carrying out the work in connection with the preparation of the feasibility report or the preparation of project report or conducting market survey for the business of an assessee, as is referred to it in sub-clauses (i) to (iii) of clause (a) of sub-section (2) of section 35D of the Income-tax Act, 1961

CONCERN

M/s. Chaturvedi & Company, 60, Bentinck Street, Calcutta-700069.

This notification is effective for a period from 19-8-1985 to 18-8-1988.

[No. 6382] F. No. 203/114/85-ITA-II]

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1985

का. आ. 4815:—इस कार्यालय की दिनांक 25-1-1982 की अधिसूचना सं. 4444 (फा. सं. 203/66/81-आ. क. नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और औद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6, के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) (पैराल/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:

1. यह कि रि सेंटर फार डिवलपमेंट स्टडीज एंड एक्टिविटीज, पूना वैज्ञानिक अनुसंधानों के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रहेगा।
2. यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिकों अनुसंधानों संबंधी क्रियाकलापों का वार्षिक विवरणों विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
3. यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय वृत्ति हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां वित्तीय वृत्ति हुए हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

4. यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग), नई दिल्ली, को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पहले और अवधि बढ़ाने हेतु आवदन करेगा। अनुमोदन की समाप्ति की तारीख के बाद प्रार्थना पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज एंड एक्टिविटीज, पो. बा. 843, देकन जिमखाना, पुणे-411004"

यह अधिसूचना 1-4-1983 से 31-3-1986 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6388/(फा.सं. 203/71/85-आ. क. नि.-II)]

New Delhi, the 29th August, 1985

S.O. 4815.—In continuation of this Office Notification No. 4444(F. No. 203/66/81-ITA-II) dated 25-1-1982, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science and Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That the Centre for Development Studies and Activities, Poona will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish Annual Returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Centre for Development Studies and Activities, P.B. 843, Deccan Gymkhana, Pune-411004."

This Notification is effective for a period from 1-4-1983 to 31-3-1986.

[No. 6388 (F. No. 203/71/85-ITA.II)]

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1986

का. आ. 4816:—इस कार्यालय को दिनांक 9-11-1983 की अधिसूचना सं. 5458 (फा. सं. 203/50/83-आ. क. नि. II) के संश्लेष में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथपठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) (क) (पैंत/स/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" वर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:

1. यह कि मैन-मेड टेक्स्टाइल रिसर्च फाउंडेशन, बम्बई, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।
2. यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
3. यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपराक्षत वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियां दर्शाते हुए मुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
4. यह कि उक्त संस्थान अनुमोदन की समाप्ति के 3 माह पहले केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग), नई दिल्ली को और अवधि बढ़ाने के लिए आवदन करेगा। अनुमोदन की तारीख के बाद प्राप्त होने वाले आवदन पत्रों को रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"मैन-मेड टेक्स्टाइल रिसर्च फाउंडेशन, बम्बई"

यह अधिसूचना 1-4-1984 से 31-12-1986 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6403/(फा. सं. 203/135-आ. क. नि.-II)]

गिरीश शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1985

S.O. 4816.—In continuation of this Office Notification No. 5458 (F. No. 203/50/83-ITA-II) dated 9-11-1983, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That the Man-Made Textiles Research Foundation, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

(ii) That the said Institute will furnish annual returns of scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.

(iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

(iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Man-Made Textiles Research Foundation, Bombay".

This Notification is effective for a period from 1-4-1984 to 31-12-1986.

[No. 6403 (F. No. 203/135/85-ITA.II)]

GIRISH DAVE, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1985

(आय-कर)

क्रा.आ. 4817:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा (2ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा संपूर्ण तमिलनाडु राज्य में प्रख्यात "अरुलमिगु करणेश्वरार मंदिर सं 16, करणेश्वरार काइल स्ट्रीट, मायलापुर, मद्रास" को सार्वजनिक पूजा स्थल के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं. 6343 (फा. सं. 176/34/85-आ. क. (नि-1)]

आर. के. तिवारी, अवर सचिव

New Delhi, the 26th July, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 4817.—In exercise of the powers conferred by sub-section 2(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Arulmigu Karaneswarar Temple No. 16, Karaneswarar Koil Street, Mylapore, Madras" as a place of public worship known throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 6343 (F. No. 176/34/85-IT(AI)]

R. K. TEWARI, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1985

आयकर

क्रा. आ. 4818:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 19-12-1983 की अधिसूचना सं. 5533 (फा. सं. 398/13/83-आ. क. (ब.)) का अधिसूचना करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एम. एन. राघवन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एम. एन. राघवन द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 6361/फा. सं. 398/16/85-आ. क. (ब.)]

New Delhi, the 5th August, 1985

INCOME-TAX

S.O. 4818.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 5533 [F. No. 398/13/83-IT(B)] dated the 19-12-1983, the Central Government hereby authorises Shri M. N. Raghavan, being a 'Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri M. N. Raghavan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 6361/F. No. 398/16/85-IT(B)]

क्रा. आ. 4819:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 9-5-1983 की अधिसूचना सं. 5171 (फा. सं. 398/13/83-आ. क. (ब.)) का अधिसूचना करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के. के. मय्याई को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री मय्याई द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 6363 (फा. सं. 398/16/85-आ. क. (ब.))]

S.O. 4819.—In pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 5171 [F. No. 398 13/83-IT(B)] dated the 9-5-1983, the Central Government hereby authorise Shri K. K. Mathai, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri K. K. Mathai takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 6363/F. No. 398/16/85-IT(B)]

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1985

का. आ. 4820.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार, राजस्व विभाग की दिनांक 28-1-1983 की अधिसूचना संख्या 5075 (फा. सं. 398/1/83-आ.क. (ब.)) के अधिकरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बी. एन. परमार को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए भूतलसी प्रभाव से प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना 8-7-85 से लागू होती है।

[सं. 6406 (फा. सं. 398/24/85-आ.क. (ब.))]

New Delhi, the 4th September, 1985

S.O. 4820.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 5075 [F. No. 398/1/83-IT(B)] dated the 28-1-1983, the Central Government hereby authorises ex-post-facto Shri V. N. Parmar, being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification comes into force with effect from 8-7-85.

[No. 6406/F. No. 398/24/85-IT(B)]

का. आ. 4821.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी, श्री एन. जे. डोरिया को केन्द्रीय सरकार द्वारा भूतलसी प्रभाव से अर्थात् दिनांक 8-7-85 से दिया गया प्राधिकार एतद्वारा सूचित किया जाता है।

[संख्या 6408 (फा. सं. 398/24/85-आ.क. (ब.))]

बी. ई. एलिकेंडर, अवर सचिव

S.O. 4821.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), ex-post-facto authorisation of the Central Government is hereby conveyed to Shri N. J. Doria being a Gazetted Officer of Central Government to exercise of the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act from 8-7-85.

[No. 6408/F. No. 398/24/85-IT(B)]

B.E. ALEXANDER, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1985

आदेश

स्टाम्प

का. आ. 4822.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, बम्बई को केवल दस लाख पचास हजार रुपये के समेकित स्टाम्प शुल्क को अशायनी करने की अनुमति देती है जो उक्त कंपनी द्वारा जारी किए जाने वाले चोदह करोड़ रुपये के अंकित मूल्य के सौ-सौ रुपये के 15 प्रतिशत अधिकार प्रतिभूत असंपरिवर्तनीय ऋणपत्रों 1 मीरीज में कम संख्या 1 से 30,000 तक) पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाव है।

[सं. 35/85-स्टाम्प-फा. सं. 33/38/85-बि. क.]

बी. आर. मेहमी, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 1985

ORDERS

STAMPS

S.O. 4822.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the M/s. Mahindra and Mahindra Ltd., Bombay to pay consolidated stamp duty of Ten lakhs and fifty thousand rupees only, chargeable on account of the stamp duty on 14,00,000, 15 per cent Rights secured Non-convertible debentures of Rs. 100 each (I series bearing Sl. No. 1 to 30,000) of the face value of Fourteen crores rupees to be issued by the said company.

[No. 35/85-Stamp—F. No. 33/38/85-ST]

B. R. MEHMI, Under Secy.,

(आर्थिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1985

का. आ. 4823.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री आर. एस. वृजपूरिया को नानंदा ग्रामीण बैंक, बिहारखरोक (बिहार) का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा पहली जुलाई, 85 से प्रारम्भ हो कर 30 जून, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री वृजपूरिया अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एक. 2-21/85-आर. आर. आर.बी]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 19th September, 1985

S.O. 4823.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri R. S. Brijpuria, as the Chairman of the Nalanda Gramin Bank, Biharshriff (Bihar) and specifies the period commencing on the 1st July, 1985 and ending with the 30th June, 1988 as the period of which the said Shri Brijpuria shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-21/85-RRB]

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1985

का. आ. 4824.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री नरपरचन्द संचेती को मरुधर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, चुरु का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 10-8-85 से प्रारम्भ होकर 31-8-88 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री नरपरचन्द संचेती अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एक. 2-52/82-आर., आर., बी.]

New Delhi, the 23rd September, 1985

S.O. 4824.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Narpar Chand Sancheti, as the Chairman of the Marudhar Kshetriya Gramin Bank, Churu and specified the period commencing on the 10-8-85 and ending with 31-8-88 as the period for which the said Shri Narpar Chand Sancheti shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-52/82-RRB]

का. आ. 4825.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार को तत्कालीन वित्त मंत्रालय (राजस्व और बैंकिंग विभाग) की दिनांक 7 मार्च, 1977 की अधिसूचना सं. का. आ. 220(ख) में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

उपर्युक्त अधिसूचना में "रामनाथपुरम और तिरुनेलवेली जिले" शब्दों के स्थान पर "रामनाथपुरम, तिरुनेलवेली, पसुमपन मुथुरामलिंगम और कामराजनगर के जिले" शब्द रखे जाएंगे।

[सं. एक-1(5)/85-आर. आर. बी.]

अ.वा. मीरचंदानी, विशेषक

S.O. 4825.—In exercise of the powers conferred by sub-section (ii) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance (Department of Revenue and Banking) No. S.O. 220(E) dated the 7th March, 1977, namely :—

In the said notification for the words "districts of Ramana-nathapuram and Tirunelveli", the words "districts of Ramana-nathapuram, Tirunelveli, Pasumpon, Muthuramalingam and Kamarajar" shall be substituted.

[No. F. 1(5)/85-RRB]

C. W. MIRCHANDANI, Director

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1985

का. आ. 4826.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (1) और (2) के उपबंध जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड, श्रीनगर पर 6 सितम्बर, 1985 से 5 दिसम्बर, 1985 तक की तीन महीने की अवधि के बावजूद, अथवा जब तक इस बैंक के लिये नियमित पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो जाती, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/4/85-बी. ओ. 111(1)]

New Delhi, the 25th September, 1985

S.O. 4826.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declare that the provisions of sub-sections (1) and (2) of Section 10-B of the said Act, shall not apply to the Jammu and Kashmir Bank Ltd., Srinagar, for a period of 3 months from 6th September, 1985 to 5th December, 1985 or till the appointment of a regular whole-time Chairman for that Bank, whichever is earlier.

[No. 15/4/85-B.O. III(i)]

का. आ. 4827.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (9) के उपबंध जहाँ तक उनका संबंध अध्यक्ष के कर्तव्यों का पालन करने के लिए बैंक द्वारा चार महीने से अधिक की अवधि के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति करने का मनाही से है, जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड, श्रीनगर पर 5 दिसंबर, 1985 तक लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/4/85-बी. ओ. III (ii)]

एम. एस. सीथारामन, अवर सचिव

S.O. 4827.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declare that the provisions of sub-section (9) of Section 10-B of the said Act shall not, to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of a Chairman beyond a period exceeding four months, apply to the Jammu and Kashmir Bank Ltd., Srinagar, upto the 5th December, 1985.

[No. 15/4/85-B.O. III(ii)]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1985

का. आ. 4828.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3527 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा, बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	किया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	तिलहर	तिलहर	फाचपुर	2	0-79
			गसरा	8	0-39
				5	0-94
				6	0-56
				7	0-05
				1	0-05

[सं. O—14016/423/85—जी पी]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 7th October, 1985

S.O. 4828.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3527 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

900 GI/85—2

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Tilhar	Tilhar	Fatchpur	2	0.79
				8	0.39
			Gaisra	5	0.94
				6	0.56
				7	0.05
				1	0.05

[No. 0-14016/423/85—GP]

का. आ. 4828.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3527 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाइड्रो-कार्बोना-अम्लीयपुर गैस पाइप लाइन प्रांजय

जिला	तहसील	पार्गना	ग्राम	सूचना संख्या	जिला	गया
					रकबा	(एकड़ में)
1	2	3	4	5	6	
शह- अहमपुर	सदर	कान्त	नगरिया	68	—	46
				69	—	22
				70	—	03
				89	—	72
				92	—	26
				87	—	03
				95	—	33
				96	—	09
				97	—	—
				94	—	30
				98	—	50
				86	—	02
				99	—	40
				124	—	02
				130	—	36
				123	1	00
				119	—	02
				109	—	27
				119	—	45
				111	—	48
				114	—	01

[सं. O-14016/38/85-ता पी]

SCHEDULE

H.B.J. Pipe Line Project

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shah- jhanpur	Sadar	Kant	Nagar- ria	68	— 46
				69	— 22
				70	— 03
				89	— 72
				92	— 26
				87	— 03
				95	— 33
				96	— 07
				97	— —
				94	— 30
				98	— 50
				86	— 02
				99	— 40
				124	— 02
				130	— 36
				123	1 00
				119	— 02
				109	— 27
				110	— 45
				111	— 48
				114	— 01

[No. O-14016/383/85—GP]

S.O. 4829.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3210 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

का. आ. 4830.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3231 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय लिया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और अगर उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह- जहापुर	सदर	कंट	नगरिया	1	— 12
			मालमपुर	52	— 25
				53	— 12
				51	— 21
				3	— 15
				4	— 03
				45	— 25
				46	— 10
				50	— 01
				26	— 06
				30	— 21
				31	— 28
				36	— 25
				37	— 07
				41	— 04
				42	— 22
				38	— 22
				43	— 33
				44	— 30
				247	— 03
				248	— 15
				249	— 27
				250	— 02
				266	— 26
				267	— 23
				277	— 08
				278	— 06
				279	— 09
				280	— 10
				281	— 10
				282	— 15
				282	— 02
				285	— 04
				286	— 02
				289	— 02
				290	— 09
				291	— 10
				292	— 21
				293	— 04
				294	— 26
				295	— 03
				336	— 16
				337	— 05
				338	— 30
				339	— 08

[सं० O-14016/384/85-गैस पा.]

S.O. 4830.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3231 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah- jahanpur	Sadar	Kant	Nagaria	1	— 12
			Alampur	52	— 25
				53	— 12
				51	— 21
				3	— 15
				4	— 03
				45	— 25
				46	— 10
				50	— 01
				26	— 06
				30	— 21
				31	— 28
				36	— 25

1	2	3	4	5	6
	Nagaria	37	—	07	
	Alampur	41	—	04	
		42	—	22	
		38	—	22	
		43	—	33	
		44	—	30	
		247	—	03	
		248	—	15	
		249	—	27	
		250	—	02	
		266	—	26	
		267	—	23	
		277	—	08	
		278	—	06	
		279	—	09	
		280	—	10	
		281	—	10	
		282	—	15	
		282	—	02	
		285	—	04	
		286	—	02	
		289	—	02	
		290	—	09	
		291	—	10	
		292	—	21	
		293	—	04	
		294	—	26	
		295	—	18	
		336	—	16	
		337	—	05	
		338	—	30	
		339	—	08	
		340	—	03	
		341	—	03	
		342	—	03	
		348	—	15	
		354	—	21	
		346	—	68	
		355	—	68	
		356	—	30	
		357	—	06	
		358	—	04	
		359	—	02	
		347	—	57	
		381	—	93	

[No. O-14016/384/85—GP]

का. अ. 4831.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. अ. सं. 3224 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देश किया है।

अतः, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निवेदन करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. जी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह	सदर	कांठ	असुरा	1	— 06
महापुर				49	— 79
				50	— 04
				53	— 02
				55	— 48
				56	1 25
				57	1 08
				63	— 04
				64	— 88
				65	— 53
				66	— 01
				76	— 02
				77	— 03
				96	— 06
				97	— 60

[सं. O-14016/386/85—जी. पी.]

S.O. 4831.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3224 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands, specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE H.B.J. Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahar-pur	Sadar	Kant	Arthuwa	1	06
				49	79
				50	04
				53	02
				55	48
				56	25
				57	08 ^a
				63	04
				64	88
				65	53 ^a
				66	01
				76	02 ^b
				77	03 ^c
				96	06 ^d
				97	60 ^e

[No. O-14016/386/85-Gr]

का. जा. 4832.—यतः पेट्रोनियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. जा. सं. 3226 तारीख 4-7-85 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देश किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा बरेल्ल: जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गांवा संख्या	रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह	सदर	जमौर	पिपरीना	1	02
जहांपुर			अहमदपुर	2	13
				2/1241	01
				3	20
				5	36
				6	08
				7	05
				8	38
				27	35
				28	02
				31	72
				33	36
				34	12
				42	02
				46	75
				49	01
				50	78
				438	33
				585	41
				584	20
				586	01
				577	01
				587	06
				588	34
				589	46
				590	01
				592	44
				593	33
				613	15
				614	01
				615	30
				668	06
				681	90
				683	03
				684	09
				685	90
				690	25
				725	03
				734	01
				735	25
				736	04
				737	08
				746	24
				787	03
				788	65
				793	60

[सं. धी-14016/388/85 जी पी]

S.O. 4832.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3226 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Sadar	Jamour	Piproula	1	02
			Ahamad-pur	2	13
				2/1241	01
				3	20
				5	36
				6	08
				7	05
				8	38
				27	35
				28	02
				31	72
				33	36
				34	12
				42	02
				46	75
				49	01
				50	78
				438	38
				585	41
				584	20
				586	01
				577	01
				587	06
				588	34
				589	46
				590	01
				592	44
				593	33

1	2	3	4	5	6
				613	15
				614	01
				515	30
				668	06
				681	90
				683	03
				684	09
				685	90
				690	25
				725	03
				734	01
				735	25
				736	04
				737	08
				746	24
				787	03
				788	65
				793	60

[No. O-14016/389/85—GP]

का. आ. 4833.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3227 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा सं.	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	सदर	काँट	सिरोमनपुर	9	85
				10	40
				24	06

1	2	3	4	5	6
				31	— 48
				32	— 21
				35	— 08
				39	— 54
				40	— 12
				41	— 14
				42	— 05
				43	— 13
				8	— 03

[सं. ऑ-14016/390 / 85-जी.पी.]

S.O. 4833.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3227 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (59 of 1962), the Central Government user in the lands specified in the schedule appended to this said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ; right of user in the said lands shall instead of vesting in

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Kant	Siro-manpur	9	— 85
				10	— 40
				24	— 06
				33	— 48
				34	— 21
				35	— 08
				39	— 54
				40	— 12
				41	— 14
				42	— 05
				43	— 13
				8	— 03

का. आ. 4834.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3499 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में गभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गांवा संख्या	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
गोहाजहां	सदर	काट	टीडा		
पुर			कनबा	9	0-13
				12	0-45
				14	0-95
				15	0-12
				21	0-55
				23	0-10
				24	0-15
				25	0-10
				26	0-10
				27	0-01
				28	0-07
				29	0-04
				30	0-12
				31	0-15
				34	0-10
				36	0-24
				37	0-99
				91	0-45
				92	0-40
				94	0-15
				96	0-61
				104	0-36

1	2	3	4	5	6
				105	0-07
				106	0-69
				118	0-06
				38	0-01
				13	0-36

[सं. आ० 14016/394/85- जी पी]

S.O. 4839.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3507 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Kant	Tanda-kanwa	9	— 13
				12	— 45
				14	— 95
				15	— 12
				21	— 55
				23	— 10
				24	— 15
				25	— 10
				26	— 10
				27	— 01
				28	— 07
				29	— 04
				30	— 12
				31	— 15
				34	— 10
				36	— 24
				37	— 99
				91	— 45
				92	— 40

1	2	3	4	5	6
				94	— 15
				96	— 61
				104	— 36
				105	— 07
				106	— 69
				118	— 06
				38	— 01
				13	— 36

[No. O-14016/394/85—GP]

का. आ. 4835.—यतः पेट्रोलियम और रनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3501 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइनों बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	सुबर	कांट	कुरियाकला	985	0-65
				982	0-32
				981	0-31
				977	0-50
				976	0-05
				967	0-05
				968	0-83
				970	0-80
				971	0-25
				951	0-32

1	2	3	4	5	6
		कुरिया कला—जौरा		950	0-29
				949	0-09
				948	0-50
				947	0-11
				943	0-15
				1011	0-08
				1074	0-10
				978	0-03
				946	0-02
				972	0-03

[सं. O-14016/396/85-जी पी]

S.O. 4835.—Whereas, by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3501 dated 17-7-85 under sub-section (1) Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5
Shah-jhanpur	Sadar	Kant	Kurria	985
			Kalan	982
				981
				977
				976
				967
				968
				970
				971
				951
				950
				949
				948

1	2	3	4	5	6
		Kurria Kalan—(Contd.)		947	0-11
				943	0-15
				1011	0-08
				1074	0-10
				978	0-03
				946	0-02
				972	0-03

[No. O-14016/396/85-GP]

का. आ. 4836.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3503 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सूक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में गभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
महा-जहापुर	सदर	कांट	टांडा पर्वत		
				14	1-00
				15	0-74
				16	0-09
				50	0-02
				137	0-02
				150	0-03
				156	0-27
				157	0-15
				158	0-61
				159	0-25
				243	0-07

1	2	3	4	5	6
			टांडा पर्वत ज़ार.	245	0-33
				247	0-33
				248	0-28
				249	0-24
				250	0-82
				251	0-30

[सं. O- 14016/ 398/85- जी पी]

S.O. 4836.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3503 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Kant	Tanda	14	1-00
			Parrawat	15	0-74
				16	0-09
				50	0-02
				137	0-02
				150	0-03
				156	0-27
				157	0-15
				158	0-61
				159	0-25
				243	0-07
				245	0-33
				247	0-33
				248	0-28
				249	0-24
				250	0-82
				251	0-30

का. आ. 4837.—यह: पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3504 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह: मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अब: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गांटा स.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	सदर	कान्त	अक्षितपार-	2302	0-23
			नगर उर्फ	2303	0-03
			इकनौरा	2342	0-35
				2343	0-65
				2344	0-02
				2403	0-07
				2404	0-42
				2405	0-74
				2406	0-02
				2447	0-04
				2477	1-01
				2488	0-30
				2489	0-10
				2491	0-33
				2492	0-33
				2309	0-10
				2493	0-26
				2496	0-32
				2500	0-32
				2502	0-02

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			अधिनगर नगर उर्फ	2509	0-02				Ahtiyar Nagar	2500	0-32
			एकनौर (जरा)	2510	0-36				wrf Eknoura	2502	0-02
				2511	0-16				(Contd.)	2509	0-02
				2512	0-08					2510	0-36
				2513	0-38					2511	0-16
										2512	0-08
										2513	0-38

[स. O- 14016/ 399/85- जी पी]

S.O. 4837.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3504 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Sadar	Jamour	Akhtiyar	2302	0-23
			Nagar	2303	0-03
			wrf	2342	0-35
			Eknoura	2343	0-65
				2344	0-02
				2403	0-07
				2404	0-42
				2405	0-74
				2406	0-02
				2447	0-04
				2477	1-01
				2488	0-30
				2489	0-10
				2491	0-33
				2492	0-33
				2309	0-10
				2495	0-26
				2496	0-32

[No. O-14016/399/85—GP]

का. आ. 4838.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3498 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अन्वेषी में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अन्वेषी में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अन्वेषी में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होना।

मन्तव्य

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गांठा स.	लिखा गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहापुर	तिलहर	तिलहर	शिवदासपुर		
				4	1-30
				12	0-80
				13	0-91
				14	0-95
				16	0-60
				1	0-15
				15	0-06
				111	0-52
				113	0-38
				8	0-02

[स. O- 14016/ 401/ 85- जी पी]

S.O. 4838.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3498 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Shivraj-pur	4	1-30
				12	0-80
				13	0-91
				14	0-95
				16	0-60
				1	0-15
				15	0-06
				111	0-52
				113	0-38
				8	0-02

[No. O-14016/401/85-GP]

का. आ. 4839.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3507 तारीख 19-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	मदर	कांट	गोपालपुर	6	1-68
			ठठपुरा	8	0-34
				651	0-45
				652	0-55
				653	0-12
				650	0-05
				708	0-01
				709	0-02

[गं. O- 14016/403/85- जी पी]

S.O. 4839.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3507 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Kant	Gopalpur	6	1-68
			Ththi-pur	8	0-34
				651	0-45
				652	0-55
				653	0-12
				650	0-05
				708	0-01
				709	0-02

[No. O-14016/403/85-GP]

का. आ. 4840.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप- (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3508 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा करती है जो कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	मिलहर	तिलहर	खन्डसार	13	0-36
				30	0-02

1	2	3	4	5	6
			खन्डसार	31	0-02
				32	0-76
				37/1	0-47
				37/2	0-47
				38	0-01
				39	1-13
				40	0-05
				42	0-01
				44	0-90
				45	0-02
				46	0-02
				47	0-45
				53	0-18
				265	1-02
				266	0-17
				264	0-02
				263	0-02
				260	0-01
				259	1-27
				258	0-13
				257	0-73
				250	0-64
				247	1-40
				286	2-90
				291	0-02
				237	0-02
				238	0-02

[सं. O- 14016/404/85-जी पी]

S.O. 4840.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O 3508 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Khand-sar	13	0-36
				30	0-02
				31	0-02
				32	0-76
				37/1	0-47
				37/2	0-47
				38	0-01
				39	1-13
				40	0-05
				42	0-01
				44	0-90
				45	0-02
				46	0-02
				47	0-45
				53	0-18
				265	1-02
				266	0-17
				264	0-02
				263	0-02
				260	0-01
				259	1-27
				258	0-13
				257	0-73
				250	0-64
				247	1-40
				286	2-90
				291	0-02
				237	0-02
				238	0-02

[No. 0-14016/404/85—GP

का. आ. 4841.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3511 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देश किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	ग.टा. सं.	अर्जित रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	सदर	काट	बसिखेड़ा	8	0-45
				9	0-55
				10	0-47
				11	0-26
				25	0-72
				26	0-27
				123	0-08
				124	0-45
				121	0-18
				113	0-28
				113	0-15
				114	0-45
				127	0-20
				132	0-33
				135	0-06
				134	0-05
				136	0-12
				138	0-14
				140	0-12
				139	0-10
				142	0-36
				164	0-68
				163	0-58
				424	0-48
				425	0-35
				423	0-30
				394	0-40
				292	0-26
				391	0-38
				395	0-11
				390	0-51
				384	0-11
				389	0-22
				341	0-70
				303	0-15
				303	0-39
				301	0-55
				298	0-12
				12	0-22

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
				27	0-03				Bans khera	127	0-20
				122	0-06					132	0-33
				165	0-05					135	0-06
				183	0-03					134	0-05
				383	0-05					136	0-12
				388	0-07					138	0-14
				387	0-03					140	0-12
				304	0-01					139	0-10
				125	0-06					142	0-36
				7	0-10					164	0-58
				1	0-06					163	0-58
				3	0-20					424	0-48

[सं० O- 14016/ 407/85- जं० पा]

S.O. 4841.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3511 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Sadar	Kant	Banskhera	8	0-45
				9	0-55
				10	0-47
				11	0-26
				25	0-72
				26	0-27
				123	0-08
				124	0-45
				121	0-18
				113	0-28
				113	0-15
				114	0-45

[No. O-14016/407/85—GP]

का. आ. 4842.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3512 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अग्सूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	अर्जित रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहानपुर	तिलहर	खेड़ाभेड़ा	खेड़ागठ	34	0-22
				35	0-48
				36	0-02

[सं. O-14016/408/85-जी.पी.]

S.O. 4842.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3512 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah- jahanpur	Tilhar	Khera- Bajhera	Khera- Rath	34 35 36	0-22 0-48 0-02

[No. O-14016/408/85—GP]

का. आ. 4843.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3515 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहानपुर	मदन	कांठ	पगड़ौरा	1818 1807 1808 1806 1804 1834 1835	0-55 0-02 0-25 0-82 0-35 0-52 0-13

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			पलहौरा	1836	0-02				पलहौरा	219	0-24
				1737	0-02					183	0-05
				1737	0-05					207	0-04
				1739	0-24					203	0-40
				1745	0-14					203	0-24
				1738	0-37					201	0-25
				1741	0-04					202	0-12
				1740	0-15					1822	0-30
				1666	0-27						
				1667	0-30						
				1756	0-10						
				810	0-08						
				811	0-27						
				1665	0-10						
				812	0-36						
				813	0-04						
				814	0-04						
				815	0-42						
				824	0-29						
				825	0-87						
				826	0-01						
				828	0-54						
				837	0-27						
				833	0-50						
				840	0-15						
				839	0-34						
				841	0-02						
				842	0-30						
				844	0-50						
				843	0-18						
				845	0-10						
				846	0-20						
				849	0-11						
				854	0-05						
				906	0-11						
				255	0-28						
				254	0-27						
				253	0-21						
				251	0-04						
				252	0-25						
				245	0-14						
				247	0-09						
				348	0-30						
				249	0-02						
				233	0-18						
				235	0-27						
				236	0-26						
				237	0-30						
				224	0-12						
				225	0-22						
				226	0-08						
				222	0-09						
				221	0-38						
				220	0-18						
				217	0-02						
				218	0-34						

[म ० 14016/411/83-जो]

S.O. 4843.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3515 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Kant	Palhoura	1818	0-55
				1807	0-02
				1808	0-25
				1806	0-82
				1804	0-35
				1834	0-52
				1835	0-13
				1836	0-02
				1737	0-02
				1737	0-05
				1739	0-24
				1745	0-14
				1738	0-37
				1741	0-04
1740	0-15				
				1666	0-27

1	2	3	4	5	6
		Palhoura	1667	0-30	
			1756	0-10	
			810	0-08	
			811	0-27	
			1665	0-10	
			812	0-36	
			813	0-04	
			814	0-04	
			815	0-42	
			824	0-29	
			825	0-87	
			826	0-01	
			828	0-54	
			837	0-27	
			838	0-50	
			840	0-15	
			839	0-84	
			841	0-02	
			842	0-30	
			844	0-50	
			843	0-18	
			845	0-10	
			846	0-20	
			849	0-11	
			854	0-05	
			906	0-11	
			255	0-28	
			254	0-27	
			253	0-21	
			251	0-04	
			252	0-25	
			245	0-14	
			247	0-09	
			348	0-30	
			249	0-02	
			233	0-18	
			235	0-27	
			236	0-26	
			237	0-30	
			224	0-12	
			225	0-22	
			226	0-08	
			222	0-09	
			221	0-39	
			220	0-18	
			217	0-02	
			218	0-34	
			219	0-24	
			188	0-05	
			207	0-04	
			208	0-40	
			203	0-24	
			201	0-25	
			202	0-12	
			1822	0-30	

का. आ. 4844.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3512 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा तरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह	तिलहर	पिलहर	बाबूपुर बुर्जा	235	0-35
जहापुर			उर्फ नगला	239	0-08
				240	0-15
				243	0-67
				244	0-64
				246	0-16
				247	0-28
				248	0-02
				249	0-63
				250	0-03

[सं. O-14016/415/35-जी.पी.]

S.O. 4844.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3512 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired (Akrd)
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Babu pur	235	0-35
			Bujurg	239	0-08
			Urf	240	0-15
			Nagala	243	0-67
				244	0-64
				246	0-16
				247	0-28
				248	0-02
				249	0-63
				250	0-03

[No. O-14016/415/85-GP]

का. आ. 4845.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम संस्थान की अधिसूचना का. आ. सं. 3522 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उसे अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	अर्जित रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहापुर	तिलहर	तिलहर	साहमपुर	4	0-23
				5	0-35
				6	1-17
				12	0-32
				13	0-70
				18	0-59
				22	0-55
				21	0-01

[सं. O-14016/418/85-ज/पा]

S.O. 4845.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3522 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired Acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahan-pur	Tilhar	Tilhar	Sham-pur	4	0-23
				5	0-35
				6	1-17
				12	0-32
				13	0-70
				18	0-59
				22	0-55
				21	0-01

[No. O-14016/418/85-GP]

का. आ. 4846.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3524 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीसपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाह- जहांपुर	तिलहर	खेड़ा बर्माड़ा	नवादा	1	1-25
				11	0-01
				14	0-94
				52	1-05
				56	0-07
				76	0-15
				75	1-05
				74	0-40
				73	0-11
				72	0-11
				71	0-11
				70/1	0-30
				70/2	0-30

[सं. O-14016/420/85-जीपी]

S.O. 4846.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3524 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah- jhanpur	Tilhar	Khera- bjahara	Navada	1	1-25
				11	0-01
				14	0-94
				52	1-05
				56	0-07
				76	0-15
				75	1-05
				74	0-40
				73	0-11
				72	0-11
				71	0-11
				70/1	0-30
				70/2	0-30

[No. अ-14016/420/85-GP]

का. आ. 4847.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3526 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	मिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाह-जहानपुर	तिलहर	तिलहर	मोहम्मद-पुरहरा	7	0-84
				31	0-90
				29	0-10
				30	0-28
				20	0-85
				21	0-70
				23	0-30
				80	0-60
				79	0-90
				78	1-65
				193	0-37
				194	0-23
				198	0-65
				17	0-16
				27	0-03
				93	0-15
				92	0-22
				12	0-03
				13	0-02
				197	0-10

[सं. O-14016/422/85-जीपी]

S.O. 4847.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3526 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired in acres
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Mohammadpur Hara	7	0-84
				31	0-90
				29	0-10
				30	0-28
				20	0-85
				21	0-70
				23	0-30
				80	0-60
				79	0-90
				78	1-65
				193	0-37
				194	0-23
				198	0-65
				17	0-16
				27	0-03
				93	0-15
				92	0-22
				12	0-03
				13	0-02
				197	0-10

[No. O-14016/422/85-GP]

का. आ. 4848.—यतः पेट्रोलियम और मिनरल एंड प्वाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3528 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची					
हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट					
जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	तिलहर	तिलहर	सलेमपुर खुर्द	1	0-08
				2	0-30
				3	0-07
				4	0-01
				9	0-01
				10	0-20
				11	0-18
				12	0-05
				13	0-40
				14	0-15
				15	0-02
				116	0-60
				117	0-03
				115/220	0-10

[नं. O-14016/424/85-जीपी]

S.O. 4848.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3528 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act) 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Salem-pur	1	0-08
			Khurd	2	0-30
				3	0-07
				4	0-01
				9	0-01
				10	0-20

1	2	3	4	5	6
				11	0-18
				12	0-05
				13	0-40
				14	0-15
				15	0-02
				116	0-60
				117	0-03
				115/220	0-10

[No. O-14016/424/85-GP]

का. आ. 4849.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. गा. सं. 3529 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्दिष्ट किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित रकबा है.
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	तिलहर	खेड़ा-बरेड़ा	साहार पुर जादोपुर	38	0-08
				139	0-01
				141	0-96
				142	0-01
				140	0-01
				147	0-10
				148	0-18
				149	0-03
				150	0-50
				151	0-24
				152	0-45

1	2	3	4	5	6
				153	0-17
				183	0-03
				184	0-03
				185	0-03
				202	0-20
				203	0-18
				204	0-03
				205	0-70

[नं. O-14016/125/85-जीपी]

S.O. 4849.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3529 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act) 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

1	2	3	4	5	6
Shaha-	Tilhar	Khera-	Tahar-	138	0-08
jahan-		Baihera	pur	139	0-01
pur		Jodo-	pur	141	0-96
				142	0-01
				140	0-01
				147	0-10
				148	0-18
				149	0-03
				150	0-50
				151	0-24
				152	0-45
				153	0-17
				183	0-03
				184	0-03
				185	0-03
				202	0-20
				203	0-18
				204	0-03
				205	0-70

[No. O-14016/425/85-GP]

का. आ. 4850.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3530 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों का बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना अग्र्य घोषित कर दिया था।

और यतः रक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा : बरेली : ऊ.डी.एन.पी. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिल्हा	तहसील	परगना	गाँव	गाटा सं.	विस्थापन रकबा
1	2	3	4	5	6
गाहगरीपुर	विपठर	खेडा	अगरोला	3 एम	0 19
		बसेडा		7	0 45
				8	0 26
				9	0 13
				10	0 25
				14	0 08
				17	0 33
				18	0 05
				19	0 03
				24	0 06
				25	0 14
				26	0 30
				28	0 02
				29	0 32
				30	0 09
				37	0 63

[नं. O 14016 / 426 / 85 ज. प.]

S.O. 4850.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3530 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act) 1962 (50 of 1962), the Central Government

declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shahajhanpur	Tilhar	Khera-bajhera	Agiala	3M.	0-19
				7	0-45
				8	0-26
				9	0-13
				10	0-25
				14	0-08
				17	0-33
				18	0-05
				19	0-03
				24	0-06
				25	0-04
				26	0-30
				28	0-02
				29	0-32
				30	0-09
				37	0-68

[No. O-14016/426/85-GP]

का. आ. 4851.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3672 तारीख 23-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देश किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जयदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लॉट नं.	विस्थापित भूमि का क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	तिलहर	निवहर	बैमर, बैमरा	9	1.05
				19	0.45
				28	0.68
				27	0.12
				25	0.90
				21	0.54
				330	0.61
				313	0.40
				332	1.50
				335	0.07
				131	1.45
				456	0.02
				455	0.06
				454	0.50
				453	0.40
				447	0.46
				446	0.02
				448	0.46
				440	0.10
				436	1.15
				452	0.02
				522	0.45
				523	0.70
				524	0.55
				527	0.05
				530	0.46
				529	0.02
				531	0.12
				564	0.10
				578	0.15
				637	0.10
				643	0.58
				638/981	0.02
				638	0.80
				642	0.75

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			640		1-40						
			639		0-25					23	0-90
			648		0-02					24	0-54
			655		0-03					330	0-01
			654		0-80					333	0-40
			659		0-11					332	1-30
			660		0-54					335	0-02
			661		0-11					331	0-45
			785		0-02					456	0-02
			785		1-00					455	0-36
			757		0-05					454	0-50
			783		0-40					453	0-40
			782		0-11					447	0-40
			767		0-80					446	0-02
			768		0-57					448	0-45
			769		0-75					440	0-10
			770		0-52					436	1-15
			771		0-12					452	0-02

[म. O-14016 / 129 / 85-जी पी]

S.O. 4851.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3672 dated 23-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Baisari	9	1-05
			Baisara	29	0-45
				28	0-68
				27	0-02

[No. O-14016/429/85-GP]

का. आ. 4852.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं.

3676 तारीख 23-7-85 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उम अधिसूचना में मंलग्न अगसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यत्: लक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यत्: केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में मंलग्न अगसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चित किया है ।

अथ, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में मंलग्न अगसूची में विनिर्दिष्ट, उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-अमरगढ़ गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं	लिया गया रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
गजियापुर	तिलहर	तिलहर	बंझाचक	145	0-02
				144	0-18
				139	0-03
				141	0-02
				138	0-30
				148	0-50
				149	0-50
				132	0-10
				150	0-02
				133	0-60
				100	0-65
				99	0-35
				101/128	0-02
				101	0-38
				102	0-80
				103	0-47
				109	1-00
				108	0-18
				253	0-16
				329	1-00
				330	0-02
				351	0-27
				332	0-13
				324	0-02
				345	0-22
				341	1-18

1	2	3	4	5	6
				397	0-08
				381	0-02
				380	0-08
				379	1-12
				385	0-02
				384	0-14
				383	0-01
				386	0-38
				387	1-46
				388	0-03
				372	0-08
				371	0-40

[स. O-14016/133/85-जोर्दा]

S.O. 4852.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3676 dated 23-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah- jhanpur	Tilhar	Tilhra	Bandhi Chak	145	0-02
				144	0-18
				139	0-03
				141	0-02
				138	0-30
				148	0-50
				149	0-50
				132	0-10
				150	0-02
				133	0-60
				100	0-65
				99	0-35

1	2	3	4	5	6
				101/428	0-02
				101	0-38
				102	0-60
				103	0-47
				109	1-00
				108	0-18
				253	0-16
				329	1-00
				330	0-02
				351	0-27
				332	0-13
				324	0-02
				345	0-22
				344	1-18
				397	0-08
				381	0-02
				380	0-08
				379	1-12
				385	0-02
				384	0-14
				383	0-01
				386	0-38
				387	1-46
				388	0-03
				372	0-08
				371	0-40

[No. O-14016/433/85-GP]

का. आ. 4853.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3677 तारीख 23-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्दिष्ट किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों

में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के द्वारा भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी दायित्वों में मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा अर्जित है
शाहजपुर	निलहर	खेड़ा	बकलिया	228	0-30
		बघेड़ा	धर्मपुर	237	0-10
				238	0-20
				239	0-10
				243	0-30
				214	0-10
				218	0-05
				331	0-03
				341	0-03
				342	0-40
				343	0-15
				315	0-20
				350	0-10
				351	0-09
				355	0-30
				356	0-21
				357	0-12
				358	0-10
				373	0-35
				351	0-30

[ग. ओ- 14016/433/85 जी.पी.]

S.O. 4853.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. No. 3677 dated 23-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

प्राधिकरण लि० में सभ बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired
Shah-jahan-pur	Tilhar	Khera Baghera	Kanklia	228	0-30
			Dhar-	237	0-10
			ampur	238	0-20
				239	0-10
				243	0-30
				244	0-10
				248	0-05
				331	0-03
				341	0-03
				342	0-40
				343	0-15
				345	0-20
				350	0-10
				354	0-09
				355	0-30
				356	0-21
				357	0-12
				358	0-10
				373	0-35
				351	0-30

जिला	तहसील	परगना	गांव	गांटा मं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
शाहजहांपुर	तिलहर	तिलहर	रेना	45	0-10
				46	0-06
				47	1-52
				54	0-67
				55	0-01
				56	0-67
				67	0-08
				89	0-09
				90	0-20
				91	0-12
				66	0-08
				128	0-01
				131	0-05
				132	0-04
				133	0-05
				134	0-04
				135	0-04
				136	0-22
				138	0-06
				64	0-02

[No. O-14016/434/85-GP]

[न. O-14016/435/85-जी.पी.]

का. आ. 4854:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. सं 3678 तारीख 23-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनविशेष भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनविशेष भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का बिनविशेष किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनविशेष उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्र सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस

S.O. 4854.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. No. 3678 dated 23-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the competent authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Raina	45	0-10
				46	0-06
				47	1-52
				54	0-67
				55	0-01
				56	0-67
				67	0-08
				89	0-09
				90	0-20
				91	0-12
				66	0-08
				128	0-01
				131	0-05
				132	0-04
				133	0-05
				134	0-04
				135	0-04
				136	0-22
				138	0-06
				64	0-02

[No. O-14016/435/85-GP]

का. आ. 4855.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3924 तारीख 8-8-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार द्वारा प्रयोजन के लिए उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होना चाहिए और राष्ट्रीय गैस प्राधिकरण लि. में गैसी धाराओं के मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की हम तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जयदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	नियोज्य रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
श्रीहृजहापुर	तिनहर	तिनहर	नरमा नगला	606	0-26
				609	0-48
				610	0-07
				611	0-01
				612	0-02
				621	0-21
				622	0-30
				623	0-02
				624	0-04
				625	0-55
				613	0-02
				610/659	0-20
				629/660	0-04
				632	0-75
				633	0-03
				643	0-02
				642	0-13
				644/4	0-67
				647	0-40
				648/1	0-15
				648/2	0-30
				650/3	0-04
				651	0-06
				606/658	0-18
				620	0-02
				645	0-05

[गं. O-14016/466/85-जो.पी.]

S.O. 4855.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3924 dated 8-8-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declared that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquires for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Narsa-Nagla	606	0-26
				609	0-48
				610	0-07
				611	0-01
				612	0-02
				621	0-21
				622	0-30
				623	0-02
				624	0-04
				625	0-55
				613	0-02
				610/659	0-20
				629/660	0-04
				632	0-75
				633	0-03
				643	0-02
				642	0-13
				644/4	0-67
				647	0-40
				648/1	0-15
				648/2	0-30
				650/3	0-04
				651	0-06
				606/658	0-18
				620	0-02
				645	0-05

[No. O-14016/466/85-GP]

का०आ० 4856—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 के उपधारा (1) के अधिनियम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिसूचना सं० का०आ० 3985 तारीख 8-8-85 द्वारा केन्द्र सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकार, ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिनियम सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्र सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

एव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा घोषित करने है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विभाग के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्र सरकार में निहित होने के बजाय भारत या गैस प्राधिकरण लि० में सभ बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन के इस तारख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्रामा	गाटा सं.	अर्जित रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	तिलहर	तिलहर	रव्याजामराय	103/4	0-05
				103/2	0-95
				115	0-06
				147/1	0-11
				147/2	0-87
				147/3	0-42
				147/4	1-45
				119	0-01
				150	0-01
				151	0-53
				194	0-54
				195	0-08
				196	0-02
				197	0-01
				198	0-04

[स. O-14016/486/85 जी. पी.]

S.O. 4856.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S. O. 3985 dated 8-8-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired Acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Tilhar	Tilhar	Khwaja sarai	103/1	0-05
				103/2	0-95
				145	0-06
				147/1	0-11
				147/2	0-87
				147/3	0-42
				147/4	1-45
				149	0-01
				150	0-01
				151	0-53
				194	0-54
				195	0-08
				196	0-02
				197	0-01
				198	0-04

[No. O-14016/485/85-GP]

का. आ. 4857.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3510 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट	जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा नं.	विद्या श्याम राव
	1	2	3	4	5	6
शहजहाँपुर	तिलहर	तिलहर	छकड़ प	108	1-05	
				117	0-58	
				119	0-27	
				121	0-03	
				183	0-45	
				184	0-53	
				185	0-45	
				186	0-06	

[सं. O-14016/406/85-ज. पो.]

S.O. 4857.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3510 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquires for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE
H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Tilhar	Tilhar	Chha-krapur	108	1-05
				117	0-58
				119	0-27
				121	0-03
				183	0-45
				184	0-53
				185	0-45
				186	0-06

[No. O-14016/406/85-GP]

का. आ. 4858.—यह अधिनियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 870 तारीख 2-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह: सभ्य प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एम् एम् जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम: नरगढ़ तहसील: दतिया जिला: दतिया राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची		
अ. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1	2	3
1	41	0.168
2	80	0.351
3	78	0.150
4	77	0.060
5	47	0.210
6	48	0.196
7	76/1	0.274
8	73	0.528
9	74	0.124
10	72/2	0.468
11	117	0.210
12	118	0.336
13	120	0.732
14	121/1	0.201
15	132	0.030
16	81	0.010
17	76/2	0.129
18	72/1	0.180
19	131/2क/2	0.096
20	131/2क/1	0.162
21	133	0.040
22	202/1ख	0.040
23	201/2	0.030
24	201/1क	0.162
25	201/1ख	0.030

1	2	3
26	200/1	0.020
27	199/1	0.040
28	145/1	0.180
29	146	0.073
30	131/2ख	0.288
31	123/ग	0.422
32	139	0.150
33	138/1क	0.600
34	144/1	0.020
35	143/1	0.030
36	147	0.180
37	112/2	0.020
38	142/3	0.144
39	141	0.113
40	110/3	0.040
41	138/1ग	0.280
42	138/1ख	0.300
43	116/1	0.020
योग: कुल क्षेत्रफल		7.741

[पं O-14016/86/85 जं. पं.]

S.O. 4858.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. No. 870 dated 2-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village: Nagarh Tehsil: Datia Distt. Datia

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hectare
1.	41	0.168
2.	80	0.351
3.	78	0.150
4.	77	0.060

1	2	3
5.	47	0.210
6.	48	0.196
7.	76/1	0.274
8.	73	0.528
9.	74	0.124
10.	72/2	0.468
11.	117	0.210
12.	118	0.336
13.	120	0.732
14.	121/1	0.201
15.	132	0.30
16.	81	0.010
17.	76/2	0.129
18.	72/1	0.180
19.	131/2/2	0.090
20.	131/2K/1	0.162
21.	133	0.040
22.	202/1 KH	0.040
23.	201/2	0.030
24.	201/1 K	0.162
25.	201/1 KH	0.030
26.	200/1	0.020
27.	199/1	0.040
28.	145/1	0.100
29.	146	0.073
30.	131/2 KH	0.288
31.	123/1 G	0.422
32.	139	0.150
33.	138/1 K	0.600
34.	144/1	0.020
35.	143/1	0.020
36.	147	0.180
37.	142/2	0.020
38.	142/3	0.144
39.	141	0.113
40.	140/3	0.040
41.	138/1 G	0.280
42.	138/1 KH	0.300
43.	116/1	0.020
Total Area		7.741

[No. O-14016/86/85-GP.]

का. आ. 4859.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1135 तारीख 16-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः मजमू'प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्टें देनी हैं।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम: आम खेड़ (नई सराय) तहसील : अजमेर नगर राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. 1	खण्ड नं. 1 (हेक्टेर में)	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेर में)
1	2	3
1.	315	0.073
2.	318	0.178
3.	313	0.326
4.	312	0.073
5.	308	0.010
6.	306	0.021
7.	304	0.324
8.	296	0.031
9.	295	0.397
10.	294/2	0.042
11.	293	0.209
12.	102	0.115
13.	104/1	0.627
14.	107	0.021
15.	159/1	0.418
16.	150	0.050
17.	147/1	0.178
18.	142	0.042
19.	140	0.439
20.	138	0.042
21.	114/3	0.512
22.	118	0.376
23.	114/2	0.042
24.	114/722	0.031
25.	139	0.010
26.	157	0.125
27.	158	0.052
28.	289	0.193
29.	292	0.042
30.	305	0.199
31.	310	0.335
32.	159/2	0.031
33.	317	0.178
34.	338	0.010
35.	320	0.168
36.	321	0.021
37.	311	0.010
38.	285	0.031

1	2	3
39.	104/2	0.094
40.	106/1	0.042
41.	147/2	0.010
42.	136	0.031
43.	115	0.042
योग : कुल क्षेत्रफल		5.932

[सं. ओ-14016/139/85-जी. पी.]

S.O. 4859.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1135 dated 16-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Aam Kheda (Nai Sarai) Teshil : Isaghar

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hectare
1.	315	0.073
2.	316	0.178
3.	313	0.326
4.	312	0.073
5.	308	0.010
6.	306	0.021
7.	304	0.324
8.	296	0.031
9.	295	0.397
10.	294/2	0.042
11.	293	0.209
12.	102	0.115
13.	104/1	0.627
14.	107	0.021
15.	159/1	0.418
16.	150	0.050
17.	147/1	0.178
18.	142	0.042

1	2	3
19.	140	0.439
20.	138	0.042
21.	114/2	0.512
22.	118	0.376
23.	114/2	0.042
24.	114/722	0.031
25.	138	0.010
26.	157	0.125
27.	158	0.052
28.	289	0.193
29.	292	0.042
30.	305	0.199
31.	310	0.335
32.	159/2	0.031
33.	317	0.178
34.	338	0.010
35.	320	0.168
36.	321	0.021
37.	311	0.010
38.	285	0.031
39.	104/2	0.094
40.	106/1	0.042
41.	147/2	0.010
42.	136	0.031
43.	115	0.042

Total Area

5.932

[No. O-14016/139/85-G.P.]

का. आ. 4860.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1121 तारीख 16-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और अगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : सिमरिया तहसील : दतिया जिला : दतिया राज्य (मध्य प्रदेश)

घनसूची

अनु क्र	खसरा नं	उपयोग अधिकार प्रमाण का क्षेत्र (हेक्टर में)
(1)	(2)	(3)
1.	177	0.448
2.	174	0.445
3.	173	0.240
4.	170/1	0.018
5.	170/2	0.160
6.	171	0.080
7.	169	0.360
8.	153	0.320
9.	172/1	0.018
10.	172/3	0.180
11.	168	0.021
12.	178/1	0.015
13.	119	0.051
14.	122	0.011
15.	114	0.345
16.	130	0.005
17.	133	0.055
18.	132	0.016
19.	131	0.005
20.	134	0.080
21.	135	0.025
22.	136	0.049
23.	137	0.080
24.	147	0.017
25.	150	0.040
26.	152	0.040
27.	140	0.010
28.	141	0.040
29.	151/1	0.032
30.	210	0.200
31.	211	0.380
32.	212	0.450
33.	215	0.580
34.	218	0.015
35.	219	0.260
36.	67	0.080
37.	61	0.048
38.	62	0.006
39.	63	0.450
40.	43/1	0.210
41.	43/2	0.125
42.	44/2	0.350

1	2	3
43.	44/1	0.020
44.	29	0.560
45.	28	0.150
46.	27	0.280
47.	23	0.060
48.	37	0.025
49.	31	0.051
50.	346	0.620
51.	348	0.196
52.	350	0.320
53.	351	0.346
54.	352	0.100
55.	357	0.150
56.	358	0.088
58.	217	0.041
59.	359	0.010
60.	142	0.002
61.	209	0.135

योग : कुल क्षेत्रफल 9.515

[सं. O-14016/141/85-जी.पी.]

S.O. 4860.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1121 dated 16-3-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Simariya Tehsil : Datiya Distt. : Datiya

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	177	0.448
2.	174	0.445
3.	173	0.240

1	2	3
4.	170/1	0.018
5.	170/2	0.160
6.	171	0.080
7.	169	0.360
8.	153	0.320
9.	172/1	0.010
10.	172/3	0.180
11.	168	0.021
12.	178/1	0.015
13.	119	0.051
14.	122	0.011
15.	114	0.345
16.	130	0.005
17.	133	0.055
18.	132	0.016
19.	131	0.005
20.	134	0.080
21.	135	0.025
22.	136	0.049
23.	137	0.080
24.	149	0.017
25.	150	0.040
26.	152	0.040
27.	140	0.010
28.	141	0.040
29.	151/1	0.032
30.	210	0.200
31.	211	0.380
32.	212	0.450
33.	215	0.580
34.	218	0.015
35.	219	0.260
36.	67	0.080
37.	61	0.048
38.	62	0.006
39.	63	0.450
40.	43/1	0.210
41.	43/2	0.125
42.	44/2	0.350
43.	44/1	0.020
44.	29	0.560
45.	28	0.150
46.	27	0.280
47.	23	0.060
48.	37	0.025
49.	31	0.051
50.	346	0.620
51.	348	0.196
52.	350	0.320
53.	351	0.340
54.	352	0.100
55.	357	0.150

1	2	3
56.	358	0.088
58.	217	0.041
59.	359	0.010
60.	142	0.002
61.	209	0.135
Total Area		9.515

[No. O-14016/141/85-G.P.]

का. भा. 4861.—यतः वे. भूमियम और जमिन पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का वर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के वे. भूमियम नजालय की अधिसूचना का. भा. सं. 1745 तारीख 27-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना जालम घोषित कर दिया था।

और, यतः सलग्न प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैर प्राधिकरण लि. में सभी भाषाओं से मुक्त रूप से बोधना के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. रीड पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : फुरौल तहसील : करेरा जिला : जिवपुरी
राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार वर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1	2	3
1.	478/1	0.675
2.	479	0.200
3.	480	0.580
4.	481	0.052
5.	471	0.063
6.	472	—
7.	470	0.677
8.	485	0.102
9.	469	0.073
10.	467	0.031
11.	413	0.084
12.	414	0.214

1.	2.	3.
13.	411	0.314
14.	409/1	0.205
15.	407/1	0.115
16.	407/2	—
17.	408	—
18.	409/2	—
19.	399/1	0.200
20.	405/2	0.209
21.	402	0.157
22.	400/1,2,3	0.366
23.	344	0.105
24.	342/2	0.105
25.	250/1	0.157
26.	244/2	0.105
27.	249/1	0.209
28.	249/2	0.309
29.	248	0.021
30.	256	0.210
31.	258	—
32.	257	0.031
33.	255/1	0.084
34.	255/2/3	0.225
35.	289/1	0.300
36.	289/2	0.010
37.	288/2	0.016
38.	287	0.125
39.	286	0.051
40.	284	0.262
41.	275/1	0.021
42.	276	0.032
43.	176/1	0.080
44.	176/2	0.090
45.	177	0.051
46.	175	0.155
47.	171	0.022
48.	172	0.200
49.	140/1	0.205
50.	140/2	0.185
51.	141/1	0.052
52.	136	0.202
53.	135	0.209
54.	134	0.052
55.	133	0.022
56.	130	0.180
57.	131/1	0.380
58.	121	0.052
59.	122/3	0.418
60.	122/4	0.418

योग—कुल क्षेत्रफल 9.669

[सं. O-14016/290/85 जी.पी.]

S.O. 4861.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1745 dated 27-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village:Kurrol Tehsil:Karera Distt:Shivpuri

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	478/1	0.675
2.	479	0.200
3.	480	0.580
4.	481	0.052
5.	471	0.063
6.	472	—
7.	470	0.677
8.	465	0.102
9.	469	0.073
10.	467	0.031
11.	413	0.084
12.	414	0.314
13.	411	0.314
14.	409/1	0.205
15.	407/1	0.115
16.	407/2	—
17.	408	—
18.	409/2	—
19.	399/1	0.200
20.	405/2	0.209
21.	402	0.157
22.	400/1,2,3	0.366
23.	344	0.105
24.	342/2	0.105
25.	250/1	0.157
26.	244/2	0.105
27.	249/1	0.209
28.	249/2	0.309
29.	248	0.021

1	2	3
30.	256	0.210
31.	258	—
32.	257	0.031
33.	255/1	0.084
34.	255/2/3	0.225
35.	289/1	0.300
36.	289/2	0.010
37.	288/2	0.010
38.	287	0.125
39.	286	0.051
40.	284	0.262
41.	275/1	0.021
42.	276	0.032
43.	176/1	0.080
44.	176/2	0.090
45.	177	0.051
46.	175	0.155
47.	171	0.022
48.	172	0.200
49.	140/1	0.205
50.	140/2	0.185
51.	141/1	0.052
52.	136	0.202
53.	135	0.209
54.	134	0.052
55.	133	0.022
56.	130	0.180
57.	131/1	0.380
58.	121	0.052
59.	122/3	0.418
60.	122/4	0.418

Total Area

9.769

[No. O-14016/290/85-G.P.]

का. आ. 4862.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1982 (1982 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2033 तारीख 11-6-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अनिवार्य किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : उताव तहसील: दतिया जिला: दतिया राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हे. में)
1	2	3
1.	346	0.016
2.	349	0.008
3.	350/2	0.041
4.	353	0.332
5.	357	0.105
6.	358	0.137
7.	375	0.065
8.	377	0.041
9.	378	0.137
10.	379	0.041
11.	380	0.041
12.	381	0.024
13.	384	0.024
14.	385/1	0.113
15.	385/2	—
16.	389	0.049
17.	390	0.137
18.	391/1	0.267
19.	391/2	—
20.	501	0.081
21.	502	0.081
22.	522	0.145
23.	523/1	0.113
24.	523/2	—
25.	526	0.097
26.	528	0.016
27.	529	0.097
28.	546	0.057
29.	547	0.032
30.	548	0.041
31.	549	0.016
32.	550	0.210
33.	551	0.008
34.	617	0.348
35.	618	0.057
36.	642	0.221
37.	644	0.081
38.	645	0.041
39.	646	0.145
40.	647	0.016
41.	674	0.105
42.	671	0.061
43.	673	0.101

1	2	3
44.	675	0.129
45.	696	0.237
46.	691	0.024
47.	701	0.251
48.	702/1सी0	—
49.	703	—
50.	714	—
51.	702/1	0.004
52.	713	0.170
53.	714	0.113
54.	715	0.202
55.	1639	0.065
65.	1641	0.081
57.	1642	0.227
58.	1643	0.105
59.	1647	0.041
60.	1648	0.030
61.	1649	0.094
62.	1654	0.041
63.	1660	0.162
64.	1661/2	0.186
65.	1662	0.065
66.	1669	0.008
67.	1671	0.218
68.	1703	0.016
69.	1973	0.097
70.	1976	0.162
71.	1977	0.057
72.	1978	0.064
73.	1979	0.145
74.	1980	0.049
75.	1985	0.162
76.	1988	0.170
77.	2003/2	0.008
78.	2005	0.121
79.	2006/1	0.105
80.	2007/11	0.227
81.	2010/1	0.121
82.	2011	0.145
83.	2013	0.073
84.	520	0.021
85.	605	0.031
86.	641	0.020
87.	527	0.005
88.	530	0.040
89.	374	0.010
90.	1989	0.020
91.	1674	0.010
92.	2050	0.390
93.	2046	0.020
94.	2047	0.050
95.	2048	0.020
96.	1995	0.040
योग:-कूल क्षेत्रफल		7.879

[सं. O-14016/312/85 जी पी]

S.O. 4862.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2033 dated 11-6-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Unnava Tehsil : Datia, Distt : Datia (M.P.)

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	346	0.016
2.	349	0.008
3.	350/2	0.041
4.	353	0.332
5.	357	0.105
6.	358	0.137
7.	375	0.065
8.	377	0.41
9.	378	0.137
10.	379	0.041
11.	380	0.041
12.	381	0.024
13.	384	0.024
14.	385/1	0.113
15.	385/2	—
16.	389	0.049
17.	390	0.137
18.	391/1	0.267
19.	391/2	—
20.	501	0.081
21.	502	0.081
22.	522	0.145
23.	523/1	0.113
24.	523/2	—

1	2	3
25.	526	0.097
26.	528	0.016
27.	529	0.097
28.	546	0.057
29.	547	0.032
30.	548	0.041
31.	549	0.016
32.	550	0.210
33.	551	0.008
34.	617	0.348
35.	618	0.057
36.	642	0.221
37.	644	0.081
38.	645	0.041
39.	646	0.145
40.	647	0.016
41.	674	0.105
42.	671	0.061
43.	673	0.101
44.	675	0.129
45.	696	0.237
46.	697	0.024
47.	701	0.251
48.	702/1 M	—
49.	703	—
50.	714	—
51.	702/2 M	0.004
52.	713	0.170
53.	714	0.113
54.	715	0.202
55.	1639	0.065
56.	1641	0.081
57.	1642	0.227
58.	1643	0.105
59.	1647	0.041
60.	1648	0.030
61.	1649	0.094
62.	1654	0.041
63.	1660	0.162
64.	1661/2	0.186
65.	1662	0.065
66.	1669	0.008
67.	1671	0.218
68.	1703	0.016
69.	1973	0.097
70.	1976	0.162
71.	1977	0.057
72.	1978	0.064
73.	1979	0.145
74.	1980	0.049
75.	1985	0.162
76.	1988	0.170
77.	2003/2	0.008
78.	2005	0.121
79.	2006/1	0.105
80.	2007/1	0.227

1	2	3
81.	2010/1	0.121
82.	2011	0.145
83.	2013	0.073
84.	520	0.021
85.	605	0.031
86.	641	0.020
87.	527	0.005
88.	530	0.040
89.	374	0.010
90.	1989	0.020
91.	1674	0.010
92.	2050	0.390
93.	2046	0.020
94.	2047	0.050
95.	2048	0.020
97.	1995	0.010
Total Area		7.879

[No. O-14016/312/85-G.P.]

का. आ. 4863.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2034 तारीख 11-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था :

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के त्वाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : बाजना . तहसील : पिछोर जिला : शिवपुरी : राज्य : (मध्यप्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खमरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1.	146	0.105
2.	147	0.345
3.	143	0.031
4.	54	0.596
5.	55	0.251
6.	75	0.021
7.	91	0.387
8.	92	0.272
9.	94	0.262
10.	96	0.240
11.	97	0.015
12.	84	0.481
13.	104	0.021
14.	103	0.658
15.	109 मी.	0.554
16.	117	0.251
17.	119	0.136
18.	120	0.052
19.	137	0.094
20.	136	0.512
21.	135	0.125
22.	138	0.021
योग : कुल क्षेत्रफल		5.430

[सं. O 14016 / 313 / 85-जी. पी.]

S.O. 4863.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2034 dated 11-5-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

900 GI/85—7

Village : Bazna Tehsil : Pictchor Distt. : Shivpuri State : M.P.

SCHEDULE

Sl. No.	Kh. No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectors
1.	146	0.105
2.	147	0.345
3.	143	0.031
4.	54	0.596
5.	55	0.251
6.	75	0.021
7.	91	0.387
8.	92	0.272
9.	94	0.262
10.	96	0.240
11.	97	0.015
12.	84	0.481
13.	104	0.021
14.	103	0.658
15.	109 M.	0.554
16.	117	0.251
17.	119	0.136
18.	120	0.052
19.	137	0.094
20.	136	0.512
21.	135	0.125
22.	138	0.021
Total Area		5.430

[No. O-14016/313/85-GP]

कां.प्रा. 4864.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 2047 तारीख 11-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में

में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूपमें घोषणाके प्रकाशनकी इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जी. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम: धिलोदरा तहसील: पिछोर जिला: शिवपुरी राज्य : (मध्यप्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार प्रार्जन का क्षेत्र हेक्टर में
1.	145	0.690

योग : कुलक्षेत्रफल

[सं० 14016 / 326 / 85-जी. पी.]

S.O. 4864.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 2047 dated 11-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village : Chilodhara, Tehsil :Pitchor Distt.:Shivpuri
State : M.P.

SCHEDULE

Sl. No.	Kh. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecter
1.	145	0.690
Total Area		0.690

[No. O-14016/326/85-GP]

क. अ. 4864:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50)

की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना वा. अ. सं. 2319 तारीख 1-6-85 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जी. गैस पाइपलाईन प्रोजेक्ट

ग्राम: मायापुर तहसील: पिछोर जिला: शिवपुरी राज्य : मध्यप्रदेश

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार प्रार्जन का क्षेत्र हेक्टर में
1	2	3
1.	8	0.742
2.	12	1.202
3.	18	0.157
4.	19	0.961
5.	21	0.021
6.	22	0.376
7.	40	0.157
8.	43	0.281
9.	47	0.094
10.	49	0.167
11.	52	0.031
12.	64	0.261
13.	65	0.596
14.	66	0.074
15.	67	0.439
16.	68	0.878
17.	69	0.031
18.	54	0.010
19.	11	1.735
20.	10	0.115
21.	658	1.369
22.	15	0.755
23.	659	0.303
24.	44	0.042
25.	51	0.031
26.	53	0.084
27.	189	0.089
28.	38	0.083

1	2	3
29.	48	0.021
30.	50	0.042
31.	55	0.084
32.	59	0.125
33.	13	0.051
34.	61	0.167
35.	17	0.397
36.	62	0.125
37.	45	0.010
38.	63	0.021
योग		13.021

[सं. O-14016-335/85 जी. पी.]

S.O. 4865.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2319 dated 1st June, 1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Mayadur Tehsil : Pitchore
Distt. : Shivpuri State : M.P.

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hecter
1.	8	0.742
2.	12	1.202
3.	18	0.157
4.	19	0.961
5.	21	0.021
6.	22	0.376
7.	40	0.157

1	2	3
8.	43	0.281
9.	47	0.094
10.	49	0.167
11.	52	0.031
12.	64	0.261
13.	65	0.596
14.	66	0.073
15.	67	0.439
16.	68	0.878
17.	69	0.031
18.	54	0.010
19.	11	1.735
20.	10	0.115
21.	658	1.369
22.	16	0.755
23.	659	0.303
24.	44	0.042
25.	51	0.031
26.	53	0.084
27.	189	0.084
28.	38	0.083
29.	48	0.021
30.	50	0.042
31.	55	0.084
32.	59	0.125
33.	13	0.951
34.	61	0.167
35.	17	0.397
36.	62	0.125
37.	45	0.010
38.	63	0.021

Total Area

13 0 21

[No. O 14016/335/85-G.P.]

का.आ. 48 66.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 का (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 2322 तारीख 1-6-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : मुहार तहसील : पिछोर जिला : शिवपुरी राज्य (मध्यप्रदेश)

अनुसूची		
अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1.	229	0.593
2.	228	0.094
3.	227	0.852
4.	225	1.354
5.	224	0.010
6.	222	0.261
7.	221	0.199
8.	220	0.394
9.	219	0.094
10.	218	0.293
11.	212	0.115
12.	213	0.234
13.	214	0.240
14.	197	0.115
15.	198	0.142
16.	195	0.118
17.	194	0.178
18.	181	0.219
19.	179/2	0.539
20.	165	0.188
21.	164	0.523
32.	142	0.890
23.	144	0.146
24.	145	0.97
25.	127	0.209
26.	125	0.543
27.	115	0.021
28.	126	0.031
29.	92	0.094
30.	138	0.073
31.	151	0.042
32.	152	0.052
33.	167	0.105
34.	182	0.010
35.	201	0.157
36.	211	0.073
योग कुल क्षेत्रफल		9.577

S.O. 4866.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2382 dated 1-6-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village : Muhar Tehsil Pitchor Distt. : Shivpur M.P.

SCHEDULE

Sl. No.	Kh. No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1.	229	0.593
2.	228	0.094
3.	227	0.852
4.	225	1.354
5.	224	0.010
6.	222	0.261
7.	221	0.199
8.	220	0.394
9.	219	0.094
10.	218	0.293
11.	212	0.115
12.	213	0.234
13.	214	0.240
14.	197	0.115
15.	198	0.142
16.	195	0.118
17.	194	0.178
18.	181	0.219
19.	179/2	0.539
20.	165	0.188
21.	164	0.523
22.	142	0.890
23.	144	0.146
24.	145	0.397

1	2	3
25.	127	0.209
26.	125	0.543
27.	115	0.021
28.	126	0.031
29.	92	0.094
30.	138	0.073
31.	151	0.042
32.	152	0.052
33.	167	0.105
34.	182	0.010
35.	201	0.157
36.	211	0.073
Total Area		9.577

[No. O-14016/338/85-GP]

क्रा. आ. 4867.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना क्रा.आ.सं. 2325 तारीख 1-6-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट		
ग्राम : बमोरडामरान तहसील : पिछार जिला : शिवपुरी राज्य (मध्य)		
अनुसूची		
अनु. क्र.	खनरा न	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1	2	3
1.	824	0.335
2.	826	0.063
3.	831	0.146
4.	827	0.010
5.	838	0.073
6.	840	0.428
7.	841	0.031
8.	2952	0.282
9.	2956	0.010
10.	2951	0.293
11.	2950	0.031
12.	2949	0.052
13.	2948	0.199
14.	2943	0.314
15.	2937	0.146
16.	2936	0.261
17.	2936/3005	0.021
18.	2929	0.136
19.	2930	0.010
20.	2904	0.031
21.	2932	0.084
22.	2931	0.021
23.	2885	0.100
24.	2886	0.105
25.	2887	0.010
26.	2890	0.481
27.	2892	0.282
28.	2837	0.010
29.	2834	0.308
30.	2833	0.010
31.	2832	0.199
32.	2831	0.282
33.	2817	0.199
34.	2816	0.136
35.	2815	0.178
36.	2736	0.199
37.	2734	0.115
38.	2725	0.251
39.	2727	0.031
40.	2688	0.314
41.	2729	0.042
42.	2726	0.005
43.	833	0.052
44.	837	0.052
45.	2730	0.105
46.	2732	0.115

1	2	3
47.	2888	0.010
48.	2891	0.021
49.	2947	0.021
योग कुल क्षेत्रफल		6.610

[सं. O-14016/341/85 जा.पा.]

S.O. 4867.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2325 dated 1st June, 1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipeline Project

Village : Bamordamron Tehsil : Pitchor
Distt. : Shivpuri M.P.

SCHEDULE

Sl. No.	Kh. No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	824	0.335
2.	828	0.063
3.	831	0.146
4.	827	0.010
5.	838	0.073
6.	840	0.428
7.	841	0.031
8.	2952	0.282
9.	2956	0.010
10.	2951	0.293
11.	2950	0.031
12.	2949	0.052
13.	2948	0.199
14.	2943	0.314
15.	2937	0.146
16.	2936	0.261
17.	2936/3005	0.021
18.	2929	0.136

19.	2930	0.010
20.	2904	0.031
21.	2932	0.084
22.	2931	0.021
23.	2885	0.100
24.	2886	0.105
25.	2887	0.010
26.	2890	0.481
27.	2892	0.282
28.	2837	0.010
29.	2834	0.308
30.	2833	0.010
31.	2832	0.199
32.	2831	0.282
33.	2817	0.199
34.	2816	0.136
35.	2815	0.178
36.	2736	0.199
37.	2734	0.115
38.	2725	0.251
39.	2727	0.031
40.	2688	0.314
41.	2729	0.042
42.	2726	0.005
43.	833	0.052
44.	837	0.052
45.	2730	0.105
46.	2732	0.115
47.	2888	0.010
48.	2891	0.021
49.	2947	0.021

Total Area

6.610

[No. O-14016/341/85-G.P.]

का. भा. 4868 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) के अधिनियम भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय का अधिसूचना का. भा. सं. 2331 तारीख 1-6-85 द्वारा केन्द्रिय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 का उप-धारा (1) के अधिनियम सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रिय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार

में निहित होने के बजाय भारत के नैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ग.सं. बी० जे० नैस पाठ्य ल. इन प्रोजेक्ट		
ग्राम : छिरवाहा तहसील-पिछौर जिला : गिरपुरी राज्य (मध्यप्रदेश)		
अनुसूची		
अनुक्रम नं०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टेर में)
1	2	3
1.	2243	0.167
2.	2258	0.031
3.	2252	0.606
4.	2215	0.031
5.	2164	0.010
6.	2163	0.031
7.	2162	0.021
8.	2143	0.490
9.	576	0.053
10.	2051	0.261
11.	2052	0.021
12.	2053	0.178
13.	2054	0.010
14.	547	0.115
15.	554	0.031
16.	2055	0.010
17.	553	0.015
18.	2064	0.013
19.	2048	0.167
20.	2049	0.188
21.	2046	0.010
22.	551	0.010
23.	801	0.126
24.	2045	0.021
25.	546	0.010
26.	2043	0.136
27.	2042	0.167
28.	2044	0.084
29.	2041	0.021
30.	2040	0.042
31.	1961	0.031
32.	1962	0.010
33.	548	0.021
34.	1963	0.010
35.	539	0.147
36.	532	0.156
37.	533	0.095
38.	536	0.084
39.	537	0.105
40.	546	0.137
41.	549	0.031
42.	555	0.031
43.	582	0.157
44.	583	0.021
45.	607	0.010
46.	579	0.199

1	2	3
47.	793	0.010
48.	800	0.126
49.	810	0.209
50.	809	0.115
51.	808	0.010
52.	580	0.010
53.	581	0.010
54.	577	0.010
55.	578	0.021
56.	572	0.021
57.	608	0.042
58.	612	0.031
59.	613	0.010
60.	753	0.084
61.	755	0.010
62.	756	0.010
63.	748	0.084
64.	811	0.052
65.	754	0.073
66.	742	0.063
67.	741	0.084
68.	736	0.084
69.	735	0.105
70.	807	0.042
71.	734	0.010
72.	733	0.010
73.	819	0.272
74.	752	0.021
75.	737	0.021
76.	723	0.095
77.	724	0.178
78.	725	0.010
79.	726	0.052
80.	728	0.010
81.	713	0.010
82.	806	0.021
83.	823	0.010
84.	822	0.010
85.	824	0.209
86.	826	0.219
87.	830	0.304
88.	828	0.010
89.	831	0.105
90.	833	0.304
91.	839	0.136
92.	840	0.126
93.	320/3158	0.010
94.	671	0.188
95.	322	0.010
96.	321/8 एम	0.010
97.	803/3145	0.021
98.	2137	0.188
99.	2159	0.261
100.	2165	0.083
101.	2196	0.031
102.	2137/3156	0.199

1	2	3
104.	2139	0.304
105.	2140	0.230
106.	2195	0.325
107.	2241	0.020
108.	2242	0.021
109.	2256	0.387
110.	2141	0.220
111.	2197	0.157
112.	2199	0.010
113.	832	0.073
114.	841	0.063
योग		10.681

[सं. O-14016 / 347 / 85-जी पी]

S.O. 4868.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2331, dated 1-6-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Village : Chhirwaha Tehsil : Pichhore

Distt. : Shivpuri

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in hectares)
1	2	3
1	2243	0.167
2.	2258	0.031
3.	2252	0.606
4.	2215	0.031
5.	2164	0.010
6.	2163	0.031
7.	2162	0.021
8.	2143	0.490
9.	576	0.053

1	2	3
10.	2051	0.261
11.	2052	0.021
12.	2053	0.178
13.	2054	0.010
14.	547	0.115
15.	554	0.031
16.	2055	0.010
17.	553	0.105
18.	2064	0.013
19.	2043	0.167
20.	2049	0.188
21.	2046	0.010
22.	551	0.010
23.	801	0.126
24.	2045	0.021
25.	546	0.010
26.	2043	0.136
27.	2042	0.167
28.	2044	0.084
29.	2041	0.021
30.	2040	0.042
31.	1961	0.031
32.	1962	0.010
33.	548	0.021
34.	1963	0.010
35.	539	0.147
36.	532	0.156
37.	533	0.093
38.	536	0.084
39.	537	0.105
40.	538	0.010
41.	540	0.137
42.	549	0.031
43.	555	0.031
44.	582	0.157
45.	583	0.021
46.	607	0.010
47.	579	0.199
48.	793	0.010
49.	800	0.126
50.	810	0.209
51.	809	0.115
52.	808	0.010
53.	580	0.010
54.	581	0.010
55.	577	0.010
56.	578	0.021
57.	572	0.021
58.	608	0.042
59.	612	0.031
60.	613	0.010
61.	753	0.084
62.	755	0.010
63.	756	0.010
64.	748	0.084
65.	811	0.052

1	2	3
66.	754	0.073
67.	742	0.063
68.	741	0.084
69.	736	0.084
70.	735	0.105
71.	807	0.042
72.	734	0.010
73.	733	0.010
74.	819	0.272
75.	752	0.021
76.	737	0.021
77.	723	0.095
78.	724	0.178
79.	725	0.010
80.	726	0.052
81.	728	0.010
82.	713	0.010
83.	806	0.021
84.	823	0.010
85.	822	0.010
86.	824	0.209
87.	826	0.219
88.	830	0.304
89.	828	0.010
90.	831	0.105
91.	833	0.304
92.	839	0.136
93.	840	0.126
94.	320/3158	0.010
95.	671	0.188
96.	322	0.010
97.	321m	0.010
98.	803/3145	0.021
99.	2137	0.188
100.	2159	0.261
101.	2165	0.083
102.	2196	0.031
103.	2137/3156	0.199
104.	2139	0.304
105.	2140	0.230
106.	2195	0.325
107.	2241	0.020
108.	2242	0.021
109.	2256	0.387
110.	2141	0.220
111.	2197	0.157
112.	2199	0.010
113.	832	0.073
114.	841	0.063
Total Area		10.681

[No. C-14016/347/85-G.P.]

का. आ. 4869 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पदार्थ-
लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,
1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के
900 GI/85—8

अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना
का. आ. सं० 2332 ता० 1-6-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार
ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट
भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने
के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया
था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की
धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट
दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर
विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची
में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने
का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची
में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन
बिछाने के प्रयोजन लिए के एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती
है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार
में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में
सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस
तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम ककरोवा उर्फ टूनी तहसील मिर्जौर जिला शिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1	2	3
1	1641	0.108
2	1642	0.390
3.	1643	0.119
4.	1646	0.504
5	1645	0.314
6.	1649	0.223
7.	1766	0.243
8.	1767/1935	0.564
9.	1782	0.684
10.	1798	0.214
11.	1789	0.292
12.	1792	0.593
13.	1873	0.131
14.	1878	0.105
15.	1627	0.010
16.	1626	0.010
17.	1875	0.174
18.	1790	0.081
19.	1639	0.020
20.	1628	0.021

1	2	3
21.	1764	0.021
22.	1881	0.021
23.	1882	0.197
24.	1877/2	0.200
25.	1876	0.280
26.	1874	0.105
27.	1640	0.062
योग कुल क्षेत्रफल 5.613		
[सं. O-14016 / 348 / 85 जी.पी.]		

S.O. 4869.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 2332 dated 1-6-85 Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Kakrowa, URF Tunj, Tehsil : Pich-hore, Dist. : Shivpuri

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R. O.U. in Hectares
1	2	3
1.	1641	0.108
2.	1642	0.390
3.	1643	0.119
4.	1646	0.504
5.	1645	0.314
6.	1649	0.223
7.	1766	0.243
8.	1767/1984	0.564
9.	1782	0.684
10.	1788	0.214
11.	1789	0.282
12.	1792	0.593
13.	1873	0.131
14.	1878	0.105

1	2	3
15.	1627	0.010
16.	1626	0.010
17.	1875	0.174
18.	1790	0.081
19.	1639	0.020
20.	1628	0.021
21.	1764	0.021
22.	1881	0.021
23.	1882	0.197
24.	1877/2	0.200
25.	1876	0.280
26.	1874	0.105
27.	1640	0.062
Total Area		5.613
[No O. 14016/348/85 (G.P.)]		

दा० आ० 4870 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना आ० आ० सं० 3212 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय लिया है।

अब, आ० उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची					
हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट					
जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	सदर	कान्त	बरुवा बुजुर्ग	168	0-21
				169	0-34
				170	0-15
				166	0-15
				171	0-03
				235	0-03
				521	0-04
				522	0-43
				515	0-07
				535	—
				536	—
				537	0-03
				538	0-43
				539	0-27
				540	0-45
				543	0-03
				544	0-63
				545	0-01
				520	0-03
				521	0-04

[सं. O-14016/378/85-जी पी.]

S.O. 4870.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3212 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Para-gana	Village	Plot No.	Area (in acres)
1	2	3	4	5	6
Shahj-	Sadar	Kant	Baruwa	168	0-21
hanpur			bujurag	169	0-34

1	2	3	4	5	6
				17	0-15
				166	0-15
				171	0-03
				235	0-03
				521	0-04
				522	0-43
				515	0-07
				535	0-30
				536	0-06
				537	0-03
				538	0-43
				539	0-27
				540	0-45
				543	0-03
				544	0-63
				545	0-01
				520	0-03
				521	0-04

[No. O-14016/378/85-G.P.]

कांभा० 4871.—यतः पट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना कांभा० सं० 3280 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आये, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय लिया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आये उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा - बरेली - जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	सदर	अमोर	बरुवाबुर्ग	65	0-18
				66	0-15
				70	0-25
				71	0-02

1	2	3	4	5	6
बिना कुर्द- (जारी)				75	73
				76	10
				77	05
				78	03
				79	04
				82	60
				83	30
				84	01
				89	03
				90	16
				91	15
				92	09
				94	08
				138	33
				139	09
				140	41
				141	18
				149	38
				150	42
				193	15
				194	42
				195	39
				196	03
				203	11
				204	38
				205	01
				206	02
				208	08
				209	02
				213	01
				214	07
				215	06
				216	06
				217	10
				218	73
				219	27
				220	02
				232	50
				233	20
				239	05
				240	01
				247	27
				248	16
				249	60
				250	02
				252	15
				253	03

[सं. O-14016/379/85-ओ. पी.]

S.O. 4871.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3280 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Distt	Tehsil	Para-gana	Vill-age	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Jamour	Barua	65	0-18
			Khurd	66	0-15
				70	0-25
				71	0-02
				75	0-73
				76	0-10
				77	0-05
				78	0-03
				79	0-04
				82	0-60
				83	0-30
				84	0-01
				89	0-03
				90	0-16
				91	0-15
				92	0-09
				94	0-08
				138	0-33
				139	0-09
				140	0-41
				141	0-18
				149	0-38
				150	0-42
				193	0-15
				194	0-42
				195	0-39
				196	0-03
				203	0-11
				204	0-38
				205	0-01
				206	0-02
				208	0-08
				209	0-02

1	2	3	4	5	6
BaruaKhurd--(Contd.)				213	0-01
				214	0-07
				215	0-06
				216	0-06
				217	0-10
				218	0-72
				219	0-27
				220	0-02
				232	0-50
				233	0-20
				239	0-05
				240	0-01
				247	0-27
				248	0-16
				249	0-60
				250	0-02
				252	0-15
				253	0-03

[No. O. 14016/379/85-G.P.]

का.आ. 4872 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3219 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट					
जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहापुर	सदर	कांठ	थारपुर	1083	0-75
				1084	0-21
				1098-एम	0-28
				1097	0-06
				1106	0-02
				1103	0-05
				1100	0-22
				1101	0-14
				1270	0-12
				1269	0-36
				1238	0-06
				1346	0-36
				1347	0-37
				1348	0-24
				1349	0-02
				1350	0-06
				1351	0-03
				1357	0-24
				1392	0-11
				1391	0-09
				1393	0-14
				1395	0-46
				1396	0-34
				1298	0-10
				1268	0-09
				1394	0-14
				1359	0-22
				1299	0-10
				1360	0-01
				1094	0-01
				1095	0-02
				1099	0-09
				1339	0-24
				1355	0-01
				1356	0-02
				1358	0-08
				1388	0-13
				1390	0-09
				1389	0-06
				1397	0-03

[सं. O-14016/381/85-जी.पी.]

S.O. 4872.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3219 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Kant	Yarpur	1083	0-75
				1084	0-21
				1098	0-28
				1097	0-06
				1106	0-02
				1103	0-05
				1100	0-22
				1101	0-14
				1270	0-12
				1269	0-36
				1238	0-06
				1346	0-36
				1347	0-37
				1348	0-24
				1349	0-02
				1350	0-06
				1351	0-03
				1357	0-24
				1392	0-11
				1391	0-09
				1393	0-14
				1395	0-46
				1396	0-34
				1298	0-10
				1268	0-09
				1394	0-14
				1359	0-22
				1299	0-10
				1360	0-01
				1094	0-01
				1095	0-02
				1099	0-09
				1339	0-24
				1355	0-01
				1356	0-02
				1358	0-08
				1388	0-13

1	2	3	4	5	6
		Yarpur (contd.)	1390	0-09	
			1389	0-06	
			1397	0-03	

[No. O-14016/381/85-GP]

का. आ. 4873.—यनः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3225 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के तत्वाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	सदर	कांठ	बहलोल-पुर	122/17	0-83
				128	0-06
				129	0-40

[सं. O-14016/388/88-जी. पी.]

S.O. 4873.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3225 dated 4-7-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipeline Project

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acre acqd. Area
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Sadar	Kant	Bahlolpur	122/17 128 129	0-83 0-06 0-40

[No. O-14016/388/85-GP]

का. आ. 4874:— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3228 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार

में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट					
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	शेरा सं.	अर्जित रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	सदर	कांट	गटेहरा	13	0-55
				14	0-45
				41	0-03
				44	0-12
				46	0-31
				47	0-02
				53	0-06
				59	0-21
				61	0-26
				62	0-01
				63	0-03
				64	0-45
				65	0-05
				71	0-06
				72	0-52
				73	0-04
				75	0-15
				76	0-15
				77	0-03
				78	0-31
				79	0-04
				80	0-12
				142	0-03
				147	1-00
				148	0-51
				149	0-21
				150	0-04
				154	0-04
				172	0-15
				173	0-24
				174	0-29
				175	0-37
				60	0-07
				66	0-01
				74	0-10

[सं. O-14016/391/85-जी.पी.]

S.O. 4874.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3228 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipeline Project

Distt	Tehsil	Pargana Vill.	Plot No.	Acre acqd. Area
1	2	3	4	5
Shah-jahanpur	Sodar	Kant Gatehra	13	0-55
			14	0-45
			41	0-03
			44	0-12
			46	0-81
			47	0-02
			53	0-06
			59	0-21
			61	0-26
			62	0-01
			63	0-03
			64	0-45
			65	0-05
			71	0-06
			72	0-52
			73	0-04
			75	0-15
			76	0-15
			77	0-03
			78	0-31
			79	0-04
			80	0-12
			142	0-03
			147	1-00
			148	0-51
			149	0-21
			150	0-04
			154	0-04
			172	0-15
			173	0-24
			174	0-29
			175	0-37
			60	0-07
			66	0-01
			74	0-10

का०आ० 4875.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का०आ० सं० 3229 तारीख 4-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 का उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय लिया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
हाजिरा	बरेली	जगदीशपुर	मुझिया	599	0-12
			नरायन	600	0-09
				601	0-32
				602	0-09
				603	0-01
				604	0-39
				605	0-57
				608	0-02
				609	0-23
				610	0-04
				611	0-17
				613	0-04
				614	0-16
				615	0-12

1	2	3	4	5	6
				616	0-06
				719	0-37
				720	0-03
				721	0-10
				722	0-23
				723	0-10
				727	0-01
				731	0-01
				732	0-12
				733	0-10
				735	0-09
				736	0-06
		मुड़िया		737	0-07
		नरायन		738	0-03
				739	0-13
				740	0-20
				716	0-15
				724	0-03

[सं. ओ-14016/392/85-जी.पी.]

S.O. 4875.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3229 dated 4-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Jamour	Mudiya	599	0-12
			Narayan	600	0-09
				601	0-32
				602	0-09
				603	0-01
				604	0-39

900 GI/85-9

1	2	3	4	5	6
				605	0-57
				608	0-02
				609	0-23
				611	0-04
				611	0-17
				613	0-04
				614	0-16
				615	0-12
				616	0-06
				719	0-37
				720	0-03
				721	0-10
				722	0-23
				723	0-10
				727	0-01
				731	0-01
				732	0-12
				733	0-10
				735	0-09
				736	0-06
				737	0-07
				738	0-03
				739	0-13
				740	0-20
				716	0-15
				724	0-03

[No. O-14016/392/85-GP]

का. आ. 4876—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3500 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और अगि यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और प्राये उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

घनुसूची					
हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट					
जिला	तहसील	पारगना	गांव	गाटा नं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	सदर	जमौर	गंधार	1177	0-04
				1182	0-63
				1183	0-08
				1184	0-50
				1227	0-30
				1228	0-10
				1231	0-07
				1232	0-32
				1233	0-33
				1240	0-40
				1241	0-20
				1243	0-02
				1244	0-18
				1245	0-62
				1316	0-01
				1317	0-28
				1318	0-40
				1319	0-46
				1374	0-28
				1380	0-04
				1382	0-58
				1387	0-16
				1391	0-02
				1395	0-45
				1396	0-12
				1398	0-09
				1136	0-01
				1438	0-12
				1439	0-08
				1440	0-15
				1441	0-62
				1442	0-15
				1443	0-23
				1444	0-06
				1445	0-12
				1446	0-04
				1447	0-48
				1751	0-40
				1752	0-70
				1752/	0-06
				1814	
				1753	0-18
				1779	0-12
				1239	0-18
				1315	0-12
				1338	0-06
				1230	0-32
				1339	0-34
				1394	0-15
				1425	0-10

1	2	3	4	5	6
				1461	0-12
				1780	0-04
				1437	0-02
				1810/	0-03
				1446	
				1390	0-02
				1384	0-03
				1178	0-02
				1379	0-04
				1423	0-04

[सं. ओ-14016/395/85-जी.पी.]

S.O. 4876.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3500 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Jamour	Ghand-har	1177	0-04
				1182	0-63
				1183	0-08
				1184	0-50
				1227	0-30
				1228	0-10
				1231	0-07
				1232	0-32
				1233	0-33
				1240	0-40
				1241	0-20
				1243	0-02
				1244	0-18
				1245	0-62
				1316	0-01
				1317	0-28

1	2	3	4	5	6
				1318	0-40
				1319	0-46
				1374	0-26
				1380	0-04
				1382	0-58
				1387	0-16
				1391	0-02
				1395	0-45
				1396	0-12
				1398	0-09
				1136	0-01
				1438	0-12
				1439	0-08
				1440	0-15
				1441	0-62
				1442	0-15
				1443	0-23
				1444	0-06
				1445	0-12
				1446	0-04
				1447	0-48
				1751	0-40
				1752	0-79
				1752/1814	0-06
				1753	0-18
				1779	0-12
				1239	0-18
				1315	0-12
				1338	0-06
				1230	0-32
				1339	0-34
				1394	0-15
				1425	0-10
				1461	0-12
				1780	0-04
				1437	0-02
				1810/	0-03
				1446	
				1390	0-02
				1384	0-03
				1178	0-02
				1379	0-04
				1423	0-04

[No. O-14016/395/85-GP]

का. या. 4877 :-यस: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) के अधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय को अधिसूचना का. भा. सं. 3503 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने निवे अधिजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकार ने उक्त अधिनियम के धारा 6 का उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे ष है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधिजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम के धारा 6 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूच में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा प्रजित किया जाता है।

और आगे उस धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने का बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभा बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन का हक आरंभ की निहित होगी।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
महजराहापुर	सदर	कांट	मुकुन्दपुर	1	0-10
				2	0-21
				6	0-52
				7	0-21
				25	0-54
				26	1-45
				33	0-03
				34	0-14
				35	0-03
				36	0-20
				47	0-58

[सं. ओ-14016/397/85-जी.पी.]

S.O. 4877.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3502 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Kant	Mukund-pur	1	0-10
				2	0-21
				6	0-52
				7	0-21
				25	0-54
				26	1-45
				33	0-03
				34	0-14
				35	0-03
				36	0-20
				37	0-55

[No. O-14016/397/85-GP]

का.आ. 4878 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्जन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 3505 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रिय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः संक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के अन्तर्गत भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन का इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
शाह-जहांपुर	तिलहर	तिलहर	हबीबपुर उर्फ भरखरिया	1	0-13
				6	0-17
				7	0-52
				8	0-20
				9	0-24
				14	0-49
				11	0-45
				32	0-02
				39	0-20
				40	1-16
				33	0-48
				36	0-34
				37	0-27
				38	0-40
				98	0-13
				106	0-24
				107	0-34
				108	0-21
				109	1-00

[सं. ओ—14016/400/85-जी. पी.]

S.O. 4878.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3505 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acqd. in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jahanpur	Tilhar	Tilhar	Habib-pur Urf	1	0-13
				6	0-17
			Bhar-kheria	7	0-52
				8	0-20
				9	0-24

1	2	3	4	5	6
				14	0-49
				11	0-45
				32	0-02
				39	0-20
				40	1-16
				33	0-48
				36	0-34
				37	0-27
				38	0-40
				98	0-13
				106	0-24
				107	0-34
				108	0-21
				109	1-00

[No. O-14016/400/85-GP]

का. आ. 4879.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3506 तारीख 17-7-1985 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय रैम प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा, बरेली, जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं.	नियमन रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
बरेली	खजूर	जमोरा	सिमरिया	512	0-27
जगदीशपुर			सहसपुर	528	0-36
				528	0-12

1	2	3	4	5	6
			सिमरिया	530	0-86
			सहसपुर	531	0-40
				532	0-04
				566	0-05
				567	0-10
				568	0-16
				569	0-19
				600	1-15
				602	0-24
				603	0-30
				604	0-05
				650	0-95
				651	0-55
				851	0-02
				852	0-16
				869	0-01
				870	0-06
				872	0-01
				873	0-32
				874	0-15
				875	0-03
				876	0-14
				885	0-15
				886	0-15
				887	0-18
				889	0-10
				890	0-18
				892	0-20
				893	0-30
				894	0-74
				898	0-57
				899	0-02
				900	0-30
				901	0-70
				918	0-57
				919	0-51
				916	0-07

[सं. ओ-14016/402/85—जी. पी.]

S.O. 4879.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3506 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Sadar	Jamour	Simariya	512	0-27
			Sahas-	529	0-36
			pur	528	0-12
				530	0-86
				531	0-40
				532	0-04
				566	0-05
				567	0-10
				568	0-16
				569	0-19
				600	1-15
				602	0-24
				603	0-30
				604	0-05
				650	0-95
				651	0-55
				851	0-02
				852	0-16
				869	0-01
				870	0-06
				872	0-01
				873	0-32
				874	0-15
				875	0-03
				876	0-14
				885	0-15
				886	0-15
				887	0-18
				889	0-10
				890	0-18
				892	0-20
				893	0-30
				894	0-74
				898	0-57
				899	0-02
				900	0-30
				901	0-70
				918	0-57
				919	0-51
				916	0-07

का. आ. 4880:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3514 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की दृष्टि तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरौली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परेगना	गांव	गाटा नं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-जहापुर	मिलहर	मिलहर	जोषपुर	174	0-36
			नवविद्या	175	0-70
				177	0-30
				307	0-16
				315	0-60
				316	0-08
				330	0-25
				331	0-10
				332	0-13
				313	0-28
				311	0-10
				397	0-60
				389	0-25
				308	0-13
				309	0-20

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			जोधपुर	394	0-30					316	0-08
			नवदिया	395	0-20					330	0-25
				398	0-10					331	0-10
				399	0-09					332	0-13
				400	0-46					313	0-28
				401	0-18					311	0-10
				407/6	0-94					387	0-50
				409	0-08					389	0-25
				410	0-32					308	0-13
				412	0-23					309	0-20
				413	0-14					394	0-30
				414	0-05					395	0-20
				411	0-03					398	0-16
				491	0-52					399	0-09
				492	0-10					400	0-46
				493	0-28					401	0-18
				496	0-54					407/6	0-94
				169	0-04					409	0-08
				310	0-13					410	0-32
				402	0-01					412	0-23

[स. ओ.—14016/410/85-जी. पी.]

S.O. 4880.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3514 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Jodhpur	174	0-36
				175	0-70
			Nawadia	177	0-30
				307	0-16
				315	0-60

[No. O-14016/410/85-GP]

का. आ. 4881:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3516 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिरचय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा नं.	अजित रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
शाह- जहापुर	तिलहर	खेड़ा बसोड़ा	मिल्सीपुर	557	0-01
				560	0-30
				561	0-50
				562	0-01

[सं. ओ.—14016/412/85-जी. पी.]

S.O. 4881.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3516 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shaha- jahanpur	Tilhar	Khera- Bajhera	Milkipur	557	0-01
				560	0-30
				561	0-50
				662	0-01

[No. O-14016/412/85--GP]

का. वा. 4882.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की अधिसूचना का. वा. सं. 3518 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, चौपणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा नं.	भिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाह- जहापुर	तिलहर	खेड़ा बसोड़ा	हेमीपुर	11	0-04
			कोसीपुर	12	0-02
				33	0-28
				34	0-32
				35	0-16
				36	0-12
				198	0-15
				204	0-30
				205	0-20
				206	0-50
				214	0-30
				223	0-40
				222	0-30
				233	0-05
				234	0-10
				235	0-19
				236	0-07
				247	0-20
				248	0-22
				249	0-04
				250	0-09
				251	0-08
				265	0-05
				267	0-01
				268	0-02
				269	0-25
				270	0-10
				271	0-32
				272	0-34
				276	0-33
				277	0-05
				279	0-01
				280	0-20
				281	0-10
				282	0-10
				283	0-10
				284	0-16
				286	0-18
				287	0-25

[सं. ओ.—14016/414/85-जी. पी.]

S.O. 4882.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3518 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shaha-jhanpur	Tilhar	Khera-Bajhera	Hemi-pur	11	0-04
				12	0-02
			Komi-pur	33	0-28
				34	0-32
				35	0-16
				36	0-12
				198	0-15
				204	0-20
				205	0-20
				206	0-50
				214	0-30
				223	0-40
				222	0-20
				233	0-05
				234	0-10
				235	0-19
				236	0-07
				247	0-20
				248	0-22
				249	0-04
				250	0-09
				251	0-08
				265	0-05
				267	0-01
				268	0-02

1	2	3	4	5	6
				269	0-25
				270	0-10
				271	0-32
				272	0-34
				276	0-33
				277	0-05
				279	0-01
				280	0-20
				281	0-10
				282	0-10
				283	0-10
				284	0-16
				286	0-18
				287	0-25

[No. O-14016/414/85-GP]

क्रा०आ० 4883.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना क्रा०आ० सं० 3520 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची						1	2	3	4	5	6
हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट										14	0-37
जिला तहसील परगना गाँव गाँव सं. मिया गया रकबा (एकड़ में)										28	0-21
1	2	3	4	5	6					29	0-04
शाह-तिलहर	तिलहर	तिलहर	मझोला	6	1-25					30	0-02
जहापुर				7	0-49					41	0-02
				8	0-03					42	0-50
				14	0-37					43	0-06
				28	0-21					44	0-41
				29	0-04					53	0-09
				30	0-02					60	0-09
				41	0-02					61	0-55
				42	0-50					62	0-80
				43	0-06						
				44	0-11						
				53	0-09						
				60	0-09						
				61	0-55						
				62	0-80						

[स. O—14016/416/85-डो. पी०]

S.O. 4883.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3520 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Aera in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-	Tilhar	Tilhar	Majhola	6	1-25
jhanpur				7	0-49
				8	0-03

1	2	3	4	5	6
				14	0-37
				28	0-21
				29	0-04
				30	0-02
				41	0-02
				42	0-50
				43	0-06
				44	0-41
				53	0-09
				60	0-09
				61	0-55
				62	0-80

[No. O-14016/416/85-GP]

का. आ. 4884.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3521 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर दिखार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट					
जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाँव सं.	मिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-	तिलहर	तिलहर	पट्टी वरुण	187	0-22
जहापुर				188	0-50
				186	0-87
				177	0-04
				178	0-01
				179	0-01

1	2	3	4	5	6
				180	0-01
				181	0-01
				174	0-75
				172	0-34
				76	0-52
				75/1	0-52
				75/2	0-54
				69	0-47
				22	0-52
				23	0-42
				25	0-11
				28	0-51
				28	0-25
				29	0-28
				65	0-37
				64	0-15
				44	0-03
				45	0-15
				46	0-16
				63	0-32
				60	0-15
				61	0-19
				48	0-02
				49	0-16
				51	0-06
				52	0-01
				62	0-07
				182/1	0-03
				77	0-06
				76/199	0-04
				27	0-06
				50/1	0-02
				30	0-05

[सं. O-14016/417/85-जो. पी.]

S.O. 4884.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3521 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Tilhar	Patti-Baksh	187	0-22
				188	0-50
				186	0-87
				177	0-04
				178	0-01
				179	0-01
				180	0-01
				181	0-01
				174	0-75
				172	0-34
				76	0-52
				75/1	0-52
				75/2	0-54
				69	0-47
				22	0-52
				23	0-42
				25	0-11
				26	0-51
				28	0-25
				29	0-28
				65	0-37
				64	0-15
				44	0-03
				45	0-15
				46	0-16
				63	0-32
				60	0-15
				61	0-19
				48	0-02
				49	0-16
				51	0-06
				52	0-01
				62	0-07
				182/1	0-03
				77	0-06
				76/199	0-04
				27	0-06
				50/1	0-02
				30	0-05

[No. O-14016/417/85—G.P.]

का. आ. 4885.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1268 तारीख 23-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिल्ला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं०	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
महाजिह्वा तिलहर पुर	तिलहर	जगन्नाथपुर		151	0-42
				154	1-08
				153	0-40
				205	0-50
				206	0-25
				207	0-04
				210	0-08
				213/1	0-73
				214	0-25
				215	0-21
				216	0-62
				149	0-05
				184	0-02
				198	0-05

[सं० O-14016/421/85-जी०पी०]

S.O. 4885.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3525 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project.

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhanpur	Tilhar	Jagan-nathpur		151	0-42
				154	1-08
				153	0-40
				205	0-50
				206	0-25
				207	0-04
				210	0-08
				213/1	0-73
				214	0-25
				215	0-21
				216	0-62
				149	0-05
				184	0-02
				198	0-05

[No. O-14016/421/85-G.P.]

का० आ० 4886 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 के उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 3671 तारीख 13-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 के उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अन्यथा, उक्त अधिनियम के धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्त लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और यहाँ उस धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्र सरकार में निहित होने के बजाय भारत या उस प्राधिकरण लि० में सभ बाधामा से मुक्त रूप में बाँटना के प्रकाशन के इस तारख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-वरेली-अगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाँव सं०	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
हाजिरा	तिलहर	खेड़ा बसेड़ा	अगरोली	9	0-05
				10	0-03
				11	0-15
				14	0-15
				15	0-05
				16	0-05
				17	0-03
				18	0-13
				19	0-30
				20	0-05
				26	0-25
				27	0-26
				28	0-27
				33	0-30
				34	0-02
				35	1-15
				64	0-05
				69	0-01

[सं० O-14016/430/85-जी०पी०]

S.O. 4886.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3673 dated 13-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
Shah-jhanpur	Tilhar	Khera Bajhera	Agroli	9	0-05
				10	0-03
				11	0-15
				14	0-15
				15	0-05
				16	0-05
				17	0-03
				18	0-13
				19	0-30
				20	0-05
				26	0-25
				27	0-26
				28	0-27
				33	0-30
				34	0-02
				35	1-15
				64	0-05
				69	0-01

[No. O-14016/430/85—G.P.]

का. आ. 4887.—यहाँ पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3674 तारीख 23-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को प्राप्त लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यहाँ सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और यहाँ यहाँ केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्त लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के द्वारा भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा - बरेली - जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं०	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	तिलहर	खेड़ा बसेड़ा	मोहब्बत गंज	70	0-10
			कुशा डाडा	71	0-05
				73	0-43
				89	0-18
				88	0-18
				87	0-30
				86	0-18
				92	0-27
				93	0-22
				94	0-25
				95	0-45
				103	0-78
				127	0-20
				128	0-15
				34	0-52
				135	0-52
				136	0-30
				137	0-02
				148	0-10
				215	0-10
				90	0-03
				147/1	1-00
				147/2	0-30
				72	0-02
				91	0-15

[सं० O-14016/431/85-जी०पी०]

S.O. 4887.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3674 dated 23-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby, declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhan-pur	Tilhar	Khera-Bajhera	Mohb-bat ganj Kuwan Dara	70	0-10
				71	0-05
				73	0-43
				89	0-18
				88	0-18
				87	0-30
				86	0-18
				92	0-27
				93	0-22
				94	0-25
				95	0-45
				103	0-78
				127	0-20
				128	0-15
				134	0-52
				135	0-52
				136	0-30
				137	0-02
				148	0-10
				215	0-10
90	0-03				
147/1	1-00				
147/2	0-50				
72	0-02				
91	0-15				

[No. O-14016/431/85 G.P.]

का. आ. 4888.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3674 तारीख 23-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्त लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एचबीजे. गैस प्राप्ति लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	अर्जित रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	तिलहर	खेड़ा बाजेड़ा	गोविन्दपुर	12	0-02
				13	1-00
				20	0-12
				21	0-05
				23	0-02
				24	0-12
				26	0-01
				29	0-02
				30	0-55
				31	0-45
				43	0-02
				44	0-02
				265	0-35
				266	0-30
				267	0-01
				268	1-05
				271	0-02
				292	0-75
				294	0-25
				297	0-70
				299	0-25
				300	0-50
				328	0-50
				330	0-35
				331	0-37
				332	0-42
				338	0-01
				340	0-10
				343	1-25
				18	0-01
				19	0-01
				25	0-01
				256	0-02
				255	0-01
				264	0-02
				318	0-02
				341	0-01

S.O. 4888.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 3675 dated 23-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area (acqd. acres)
1	2	3	4	5	6
Shah-jahan-pur	Tilhar	Khara-Bajhera	Govindpur	12	0-02
				13	1-00
				20	0-12
				21	0-05
				23	0-02
				24	0-12
				26	0-01
				29	0-02
				30	0-55
				31	0-45
				43	0-02
				44	0-02
				265	0-35
				266	0-30
				267	0-01
				268	1-05
				271	0-02
				292	0-75
				294	0-25
				297	0-70
				299	0-25
				300	0-50
				328	0-50
				330	0-35
				331	0-37
				332	0-42

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			Govindpur	338	0-01				जालमपुर	145	0-02
			(Contd.)	340	0-10				(जालमपुर)	146	0-30
				343	1-25					149	0-85
				18	0-01					159	0-10
				19	0-01					160	0-80
				25	0-01					166	0-90
				256	0-02					167	0-40
				255	0-01					241	0-10
				264	0-02					243	0-01
				318	0-02					244	0-15
				341	0-01					245	0-60
										252	0-63
										256	0-98
										257	0-51
										260	0-03
										263	0-50
										264	0-73
										267	0-02
										270	0-52
										271	1-08
										274	0-05
										648	0-30
										649	0-50
										650	0-75
										653	0-68
										654	0-68
										659	0-03
										684	1-20
										685	0-35
										686	0-05
										687	0-05
										729	0-02
										730	0-25
										731	0-10
										741	0-70
										740	0-05
										743	0-25
										742	0-05
										744	0-35
										745	0-05
										123	0-01
										148	0-01
										162	0-03
										246	0-05
										255	0-01
										683	0-01
										746	0-01
										739	0-05

[No. O-14016/432/85 G.P.]

का. आ. 4889.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3679 तारीख 23-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे रणः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में शोषण के प्रकारन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं०	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	बिलहर	बैडा	बखेड़ा	119	0-20
				120	0-10
				121	0-40
				124	0-30
				144	0-02

[सं. O-14016/436/85-जी.पी.]

S.O. 4889.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3679 dated 23-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report, to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE HBJ Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres
1	2	3	4	5	6
Shah-jhan-pur	Tilhar	Khera Bjahara	Alam-pur	119	0-20
				120	0-10
				121	0-40
				124	0-30
				144	0-02
				145	0-02
				146	0-30
				149	0-85
				159	0-10
				160	0-80
				166	0-90
				167	0-40
				241	0-10
				243	0-01
				244	0-15
				245	0-60
				252	0-03
				256	0-98
				257	0-51
				260	0-03
				263	0-50
				264	0-73
				267	0-02
				270	0-52
				271	1-08
				274	0-05
				648	0-30
				649	0-50
				650	0-75
				653	0-68
				654	0-68
				659	0-03
				684	1-20
				685	0-35

1	2	3	4	5	6
			Alampur	686	0-05
			(Contd.)	687	0-05
				729	0-02
				730	0-25
				731	0-10
				741	0-70
				740	0-05
				743	0-25
				742	0-05
				744	0-35
				745	0-05
				123	0-01
				148	0-01
				162	0-03
				246	0-05
				255	0-01
				683	0-01
				746	0-01
				739	0-05

[No. O-14016/436/85 G.P.]

क्र. आ. 4890.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना क्र. आ. सं. 3904 तारीख 7-8-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजारा-बरेली-अगरीणपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

SCHEDULE

H.B. Gas Pipeline Project

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा नं०	क्षेत्रफल रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँ-तिलहर पुर	तिलहर	राजपुर		10	0-28
				11	0-33
				12	0-02
				20	0-25
				21	0-08
				23	0-05
				34	0-62
				35	0-20
				36/3	0-38
				36/4	0-02
				42	0-54
				47	0-60
				52	0-34
				54	0-38
				57/1	0-25
				57/2	0-25
				59/1	0-49
				59/2	0-49
				58	0-20
				60/1	0-20
				60/2	0-02
				66/1	0-09
				66/2	0-80
				44	0-03

[सं. O-14016/452/85-जी पी.]

S.O. 4890.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3904 dated 7-8-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby, declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

Distt.	Tehsil	Paragana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shah-jhan-pur	Tilhar	Tilhar	Rajupur	10	0-28
				11	0-33
				12	0-02
				20	0-25
				21	0-08
				23	0-05
				34	0-62
				35	0-20
				36/3	0-38
				36/4	0-02
				42	0-54
				47	0-60
				52	0-34
				54	0-38
				57/1	0-25
				57/2	0-25
				59/1	0-49
				59/2	0-49
				58	0-20
				60/1	0-20
				60/2	0-02
				66/1	0-09
				66/2	0-80
				44	0-03

[No. O-14016/452/85 G.P.]

का. आ. 4891.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3923 तारीख 8-8-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	पार्गना	ग्राम	गांठा सं०	अंजित रकबा (एकड़ों में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँ-पुर	तिलहर	तिलहर	धर्मपुर	390/16	0-10
			कंजा	396	0-06
				397	0-84
				416	0-27
				417	0-03
				418	0-33
				421	0-42
				422	0-17
				431	0-08
				432	0-02
				433	0-30
				434	0-34
				436	0-43
				437	0-08

[सं. O-14016/467/85-जी पी.]

S.O. 4891.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. No. 3923 dated 8-8-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired In Acre
1	2	3	4	5	6
Shah-jahan-pur	Tilhar	Tilhar	Dharam-pur	390/16	0-10
			Kanja	396	0-06
				397	0-84
				416	0-27
				417	0-03
				418	0-33
				421	0-42
				422	0-17
				431	0-08
				432	0-02
				433	0-30
				434	0-34
				436	0-43
				437	0-08

[No. O-14016/467/85-G.P.]

का. शा. 4892.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3517 तारीख 17-7-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अंजित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा-जरेली-जगदीशपुर गैस लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा नं०	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँ- पुर	तिलहर	खेड़ाबल्लावा	बिसबिरवा पुर	4	0-20
				7	0-02
				8	0-25
				9	0-40
				19	0-02
				30	0-35
				33	0-45
				34	0-01
				38	0-01
				49	0-08
				50	0-30
				52	0-67
				32	0-01

[स. O-14016/413/85-जी०पी०]

एम.एस. श्रीनिवासन, उप सचिव

S.O. 4892.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3517 dated 17-7-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central

Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shah- jahan- pur	Tilhar	Khera Bajhera	Bisbir- awa	4	0-20
				7	0-02
				8	0-25
				9	0-40
				19	0-02
				30	0-35
				33	0-45
				34	0-01
				38	0-01
				49	0-08
				50	0-30
				52	0-67
				32	0-01

[No. O-14016/413/85-G.P.]

M.S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1985

का. आ. 4893:—कयर बोर्ड (सेवा) उपविधि, 1983 का मंशोधन करने के लिए निम्नलिखित उपविधियाँ, जो कयर बोर्ड द्वारा, कयर बोर्ड (कारखाना का संयंत्रबद्ध, कर्मचारियों की सेवा शर्तें और सेवाओं का रखा जाना) उपविधि, 1955 की अवधि 15 के साथ पठित कयर उद्योग अधिनियम, 1953 (1953 का 45) की धारा 27 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनायी गई हैं और जिनकी पुष्टि केन्द्रीय सरकार द्वारा कर दी गई है, उक्त धारा 27 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार प्रकाशित की जाती है।

1 (1) इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम कयर बोर्ड (सेवा) मंशोधन उपविधि 1985 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 कयर बोर्ड (सेवा) उपविधि 1983 की अनुसूची में "सफाईवाला" के पद से संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात्:—

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पद अथवा अवधन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु- सीमा
1	2	3	4	5	6
उप-निदेशक (सहकारिता)	* कार्यभार के आधार पर परि- वर्तन किया जा सकता है।	समूह "क"	700-40-900 रु. रो-10-1100-50 1300 रु.	चयन	चालीस वर्ष से अधिक नहीं टिप्पण:—आयु सीमा अव- धारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जा अंदमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।
वैज्ञानिक सहायक (पालिमा प्रौद्योगिकी)	एक* कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	समूह "ख"	550-25-750-रु. रो. लागू नहीं होता -30-900 रु.		30 वर्ष से अधिक नहीं टिप्पण: आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जा अंदमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

परिक्षा की अवधि यदि कोई हो
प्रोन्नति के लिए न्यूनतम अर्हताएं

7	8
(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बाणिज्य/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी में प्रथम या द्वितीय श्रेणी में मास्टर की डिग्री या समतुल्य और साथ ही सहकारिता में उच्चतर डिप्लोमा या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में सहकारिता में प्रथम या द्वितीय श्रेणी में मास्टर की डिग्री या समतुल्य।	सब स्नातक, जिसके पता दस वर्ष का अनुभव है, जिनमें से पांच वर्ष का अनुभव पर्यवेक्षी हैसियत में होना चाहिए।
(2) सहकारी संसाधनों में संबंधित कार्य का पांच वर्ष का अनुभव।	
टिप्पण: 1: अर्हताएं अन्यथा सुश्रुति अभ्यर्थियों की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।	
टिप्पण: 2: अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में जब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्त प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन मनुष्यों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।	
किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में पालिमा प्रौद्योगिक/रबड प्रौद्योगिकी प्लास्टिक में डिग्री या समतुल्य।	लागू नहीं होता
टिप्पण: अर्हताएं अन्यथा सुश्रुति अभ्यर्थियों की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।	

भर्ती की पद्धति/ती सीधे होंगे या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे
द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिष्ठता। प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

9

10

प्रोन्नति, जिसके नहीं सकने पर सीधे भर्ती द्वारा

रु० 650—960 के वैतनमान में कायर बोर्ड में अधिकारियों से से प्रोन्नति।

सीधे भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6
बुनाई सहायक	*एक *(कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।)	समूह "ग"	425-15-500-ब. रो.-15-560-20- 700 रु.	लागू नहीं होता	तीस वर्ष से अधिक नहीं। टिप्पण: आय-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।
सहकारिता निरीक्षक	*दो *(कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।)	समूह "ग"	425-15-500-ब.- रो.-15-560-20- 700 रु.	चयन	तीस वर्ष से अधिक नहीं। टिप्पण: आय-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप आवेदन में हैं) प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।
7			8		
किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कक्षा प्रौद्योगिकी में डिग्री या समतुल्य			लागू नहीं होता		
या					
(1) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से कक्षा प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा, और					
(2) बुनाई का दो वर्ष का अनुभव।					
टिप्पणी 1 अर्हताएं अथवा सुसहित अभ्यर्थियों की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।					
टिप्पण 2 अनुभव सम्बन्धी अर्हताएं (अर्हताएं) नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उक्त समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।					
(1) एक विषय के रूप में सहकारिता के माध्यम से किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से प्रथम या द्वितीय श्रेणी में डिग्री।			ऐसा उच्च श्रेणी लिपिक/कनिष्ठ आधुनिक जिसके पास तीन वर्ष का अनुभव और किसी मान्यताप्राप्त संगठन में सहकारिता में उच्चतर डिप्लोमा प्रमाण-पत्र या समतुल्य है।		
या					
किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र माध्यम की डिग्री और किसी मान्यताप्राप्त संगठन में सहकारिता में उच्चतर डिप्लोमा प्रमाण-पत्र या समतुल्य।					
(2) सहकारी संस्थाओं से सम्बन्धित कार्य का दो वर्ष का अनुभव।					
टिप्पणी 1 अर्हताएं अथवा सुसहित अभ्यर्थियों की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।					
टिप्पण 2 अनुभव सम्बन्धी अर्हताएं (अर्हताएं) नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उक्त समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।					
भर्ती की पद्धति भर्ती सीधी होगी या प्रोत्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों को प्रतिनिधता			प्रोत्ति प्रतियुक्ति स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्ति प्रतियुक्ति स्थानांतरण किया जाएगा।		
9			10		
सीधी भर्ती द्वारा			लागू नहीं होता		
प्रोत्ति, जिनके न ग्राहक के सीधी भर्ती द्वारा			उच्च श्रेणी लिपिक और कनिष्ठ आधुनिक		
1	2	3	4	5	6
क्रेडिट लेखापरीक्षक (आंतरिक लेखा-परीक्षा)	*दो *(कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।)	समूह "ख"	550-25-750-दो रो. चयन 30-900 रु		तीस वर्ष से अधिक नहीं। टिप्पण: आय-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।

7	8
<p>आवश्यक : (i) उच्च लेखा कर्म के साथ बी काम (ii) या तो किसी पब्लिक या प्राइवेट सेक्टर उपक्रम की लेखा शाखा में तीन वर्ष का अनुभव।</p>	<p>सेवा सहायक लेखापाल, जिनके पास पांच वर्ष का अनुभव है और लेखा कार्य या लेखाओं की परीक्षा या निरीक्षण का ज्ञान है।</p>
<p>बांछनीय : लेखा परीक्षा कार्य में अनुभव। टिप्पण 1 : अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।</p>	<p>ऐसा कनिष्ठ लेखापाली एक उच्च श्रेणी लिपिक, जिसके पास आठ वर्ष का अनुभव है और लेखा कार्य या लेखाओं की संपरक्षा का ज्ञान।</p>
<p>टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी अर्हताएं (अर्हताएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।</p>	

9	10
<p>प्रोन्नति जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा</p>	<p>सहायक, लेखापाल, कनिष्ठ लेखापरीक्षक, उच्च श्रेणी लिपिक,</p>
<p>1</p>	<p>6</p>
<p>कनिष्ठ लेखापाल</p>	<p>तीन वर्ष से अधिक नहीं</p>
<p>*श्री *कांभार के आधारे पर परिवर्तन किया जा सकता है)</p>	<p>टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में अभ्यर्थियों से (उत्तरे भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।</p>

7	8
<p>किसी नाम्यताप्राप्त विध्यालय में डिग्री और किसी पब्लिक या प्राइवेट सेक्टर उपक्रम की लेखा शाखा में दो वर्ष का अनुभव।</p>	<p>ऐसा निम्न श्रेणी लिपिक, जिसके पास पांच वर्ष का अनुभव है जिनमें काम से कम एक वर्ष का अनुभव लेखा संबंधित कार्य का होना चाहिए।</p>
<p>टिप्पण 1 : अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।</p>	
<p>टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी अर्हताएं (अर्हताएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।</p>	

9	10
<p>प्रोन्नति जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।</p>	<p>निम्न श्रेणी लिपिक</p>

[फा. सं. 6 (2)/84— आई सी सी]
श्री. नरेंद्रमन संयुक्त मन्त्रि

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 25th September, 1985

S.O. 4893.—The following bye-laws to amend the Coir Board (Services) Bye-laws, 1983, made by the Coir Board in exercise of the powers conferred by section 27 of the Coir Industry Act, 1953 (45 of 1953), read with bye-law 15 of the Coir Board (Transaction of Business, Conditions

of Service of Employees and Maintenance of Accounts) Bye-laws, 1955, and confirmed by the Central Government, are hereby published as required by sub-section (2) of the said section 27, namely :—

1. (1) These bye-laws may be called the Coir Board (Services) Amendment Bye-laws, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Schedule to the Coir Board (Services) Bye-laws, 1983, after the entries relating to the post of 'Sweeper', the following entries shall be added, namely :—

Name of post	No. of Posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Director (Co-operativisation)	One* *(Subject to variation dependant on work load)	Group 'A'	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Selection	Not exceeding forty years Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the Union Territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep.)	(i) First or Second Class Master's Degree in Commerce/Economics/Statistics of a recognised University or equivalent with higher Diploma in Co-operation. OR First or Second Class Master's Degree or equivalent in Cooperation of a recognised University. (ii) Five years' experience in work connected with co-operative societies. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the appointing authority in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
Minimum qualifications for promotion			Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.		In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	
8			9		10	
Graduate with ten years' experience out of which five years should be in a supervisory capacity.			Promotion falling which by direct recruitment.		Promotion from officers of the Coir Board in the grade of Rs. 650-960.	

1	2	3	4	5	6	7
Scientific Assistant (Polymer Technology)	One* (Subject to variation dependant on work load.)	Group 'B'	Rs. 550-25-750- EB-30-900.	Not applicable	Not exceeding thirty years. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Territories of Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	A Degree in polymer technology/rubber technology/plastics of a recognised university or equivalent. Note : Qualifications are relaxable at the discretion of the appointing authority in case of candidates otherwise well qualified.
8	9		10			
Not applicable	By direct recruitment		Not applicable			
1	2	3	4	5	6	7
Senior Auditor (Internal Audit)	Two* (Subject to variation dependant on work load.)	Group 'B'	Rs. 500-25-750- EB-30-900	Selection	Not exceeding thirty years. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Territories of Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential: (i) B. Com. with Advance Accountancy. (ii) Three years' experience in the accounts branch either in a public or private sector undertaking. Desirable : Experience in audit work. Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the appointing authority in case of candidates otherwise well qualified. Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of selection the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

8	9	10
Assistant Accountant with five years experience with knowledge of accounts work, auditing or inspection of accounts.	Promotion failing which by direct recruitment	Assistants, Accountants, Junior Auditors, Upper Division Clerks
Junior Auditor/Upper Division Clerk with eight years experience with knowledge of accounts work, auditing or inspection of accounts		

1	2	3	4	5	6	7
Weaving Assistant	One* *Subject to variation dependant on work load.	Group 'C'	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Not applicable.	Not exceeding thirty years Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Territories of the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Degree in textile technology from a recognised university or equivalent. OR (i) Diploma in Textile technology from a recognised institution; and (ii) Two years' experience in weaving. Note : 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the appointing authority in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Caste and Scheduled Tribes if at any stage of selection the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

8			9			10	
Not applicable			By direct recruitment			Not applicable	
1	2	3	4	5	6	7	
Co-operative Inspector	Two* *(Subject to variation dependant on work load.)	Group 'C'	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Selection	Not exceeding thirty years. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications in India (other than those in the Union Territories of An-	(i) First or second class Degree of a recognised university with co-operation as one of the subjects. OR Degree in Economics/Statistics of a recognised university with higher Diploma Certificate or equivalent in Co-operation from a recognised organisation.	

1	2	3	4	5	6	7
					daman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	(ii) Two years experience in the work connected with co-operative societies. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

8	9	10
Upper Division clerk/Junior Stenographer with three years experience with higher Diploma certificate or equivalent in cooperation from a recognised organisation.	Promotion falling which by direct recruitment.	Upper Division clerks and Junior Stenographers.

1	2	3	4	5	6	7
Junior Auditor	Two* (Subject to variation dependant on work-load).	Group 'C'	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Selection	Not exceeding thirty years. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Territories of Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep.)	A degree from a recognised university with two years' experience in the accounts branch of a public or private sector undertaking. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the appointing authority in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

8

9

10

Lower Division Clerks with five years experience of which atleast one year should be in work connected with accounts.

Promotion falling which by direct recruitment.

Lower Division Clerks.

[F. No. 6(2)/84- ICC]

G. VENKATARAMANAN, Jt. Secy.

NOTE

The principal By-laws were published vide No. S.O. 4481 dated the 21st November, 1983.

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1985

का.आ. 4894- एवाधिकार तथा अवरोधिक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वाग इम अधिसूचना के अनुलग्नक में उल्लिखित उपक्रमों के पंजीकरण को उक्त उपक्रमों के वृत्त उपक्रम होने पर, जिन पर उक्त अधिनियम के अध्याय III के भाग 5 के उपबन्ध अब लागू नहीं होते हैं, के निरस्तकरण को अधिसूचित करती है।

[स. 16/12/85-एम-3]

एल.सी.गोयल, अवग सचिव

अधिसूचना सं. 16/12/85-एम-3 का अनुलग्नक

क.सं. उपक्रम का नाम	पंजीकृत पते	पंजीकरण संख्या
1. ज्योति मार्केटिंग एंड प्रोजेक्ट्स लि.	बम्बई सापिंग सेन्टर, आर. सी. दत्त रोड, वारोदरा-390005 (गुजरात)	1560/82
2. ज्योति इलेक्ट्रिक मोटर्स लि.	नेशनल हाइवे, नं. 8, भोगार, तालुका आनन्द, डिस्ट्रिक्ट खेड़ा (गुजरात)	1561/82
3. ज्योति कन्सल्टेन्ट्स लि.	16-अलकापुरी मोमोडटी, अलकापुरी, वारोदरा-390005 (गुजरात)	1562/82
4. ज्योति स्विचगियर्स लि.	भोगार 388 340, तालुका आनन्द, जिला खेड़ा. (गुजरात)	1564/82
5. मं. कलर केम लि.	राविन्द्र एनेक्सी, दिनसंग बान्छा रोड, 194, चर्च गेट, रेक्ला मेगन, बम्बई-400020	1304/76
6. मै. कुन्दलिका इन्वैस्टमेंट्स लि.	न्यथोपरि	1850/84
7. मै. अमर डाइ केम लि.	रत्न उद्यान, सीतलादेवी टेम्पल रोड, पी.बी. नं. 6471, महेंद्रम, बम्बई-400016	1601/82
8. मै. के.सी.ए. लि.	न्यथोपरि	1411/78
9. मै. राजपालायम मिल्स लि.	पी.बी. नं. 1, समसिगापुरम रोड, राजपालायम-626117	1219/75
10. मै. तन्जावर टक्स-टाइल्स लि.	तमिलनाडू 2, फर्स्ट क्रॉस स्ट्रीट, इन्दरा नगर, मद्रास-600 020	1217/75

11. मद्रास बीपबोर्ड लिमिटेड

श्री. भवन्तम, 1089/डब्ल्यू-20 पी.एस.के. नगर, राजपालायम-626108, तमिलनाडू

1216/75

12. जयराम मिल्स लि.

समसिगापुरम रोड, राजपालायम-626117, पी.बी. नं. 11, तमिलनाडू

1225/75

13. रामाराजू सर्जिकल काउन्सिल लि.

पी.बी. नं. 119, पी.एस.के. नगर, राजपालायम-626117 तमिलनाडू

1225/75

14. साउदर्न एस्वेस्टोज लि.

रामामंदिरम, राजपालायम-626117, तमिलनाडू

1224/75

15. मद्रास सिमेन्ट लि.

न्यथोपरि

1221/75

16. कर्नाटका अलुमिनियम लि.

न. आई.के.आर.एस. रोड, मेटागल्ली, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, मैसूर-570016

1731/84

17. जी. क्लेरिज एंड कं. लि.

41ए, डा. ई. मोसेस रोड, बर्ली बम्बई-400 018

1425/78

18. बम्बई गैस पब्लिक लि. कम्पनी

इम्पायर हाउस 214 बडा. दादाभाई नोरोजी रोड, बम्बई-400 001

699/71

19. गोमिनको बिर्ल

बिर्ला बिल्डिंग्स, 38-स्ट्रीट रोड, कलकत्ता-700001

442/70

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 30th September, 1985

S.O. 4894.—In pursuance of Sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of the undertakings mentioned in the Annexure to this notification, the said undertakings being undertakings to which the provisions of Part A, Chapter III of the said Act no longer apply.

[No. 16/12/85. M-III]

L. C. GOYAL, Under Secy.

Annexure to the Notification No. 16/12/85. M-III				
S. Names of the No. Undertakings	Registered address	Registration No.		
1. Jyoti Marketing and Projects Ltd.	Bombay Shopping Centre, R.C. Dutt Road, Vadodara-390005 (Gujarat)	1560/82	10. M/s. Thanjavur Textiles Ltd.	2, First Cross Street, Indira Nagar, Madras-600020 1217/75
2. Jyoti Electric Motors Ltd.	National High Way No. 8, MOGAR, Taluka Anand Distt. Kheda (Gujarat)	1561/82	11. Madras Chipboard Ltd.	Sri Bhavanani 1089/W-20, P.S.K. Nagar, Rajapalayam-626108 Tamilnadu 1216/75
3. Jyoti Consultants Ltd.	16-Alkapuri Society Alakapuri, Vadodara-390005 (Gujarat)	1569/82	12. Jayaram Mills Ltd.	Samusigapuram Road Rajapalayam-626117, P.B. No. 11 Tamilnadu. 1222/75
4. Jyoti Switchgears Ltd.	MOGAR 388 340, Taluka Anand, Distt. Kheda (Gujarat)	1564/82	13. Ramaraju Surgical Cotton Mills Ltd.	P.B. No. 2, 119, P.S.K. Nagar, Rajapalayam-626117 Tamilnadu 1225/75
5. M/s. Colour-Chem Limited	Ravindra Annexe, Dinshaw Vachha Road, 194-Churchgate Reclamation, Bombay-400020.	1304/76	14. Southern Asbestos Cement Ltd.	Ramamandiram, Rajapalayam-626117 Tamilnadu. 1224/75
6. M/s. Kundalika Investments Ltd.	-do-	1850/84	15. Madras Cements Ltd.	-do- 1221/75
7. M/s. Anar Dye-Chem Ltd.	Rang Udyan, Sitaladevi Temple Road, P.B. No. 6741, Mahim, Bombay-400016.	1601/82	16. Karnataka Aluminium Ltd.	No. 1, K.B.S. Road Metagalil, Industrial Estate, Mysore-570016 1731/84
8. M/s. K.C.A. Limited.	-do-	1411/78	17. G. Claridge & Co. Ltd.	41A, Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400018. 1425/78
9. M/s. Rajapalayam Mills Ltd.	P.B. No. 1, Samusigapuram Road Rajapalayam-626117 Tamilnadu	1219/75	18. Bombay Gas Public Ltd. Company (Formerly Bombay Gas Co. Ltd.)	Empire House, 214-Dr. Dadabhai Naoroji Road, Bombay-400001. 699/71
			19. Cominco Buxani Zinc Ltd	Buxani Buildings, 38-Strand Road, Calcutta-700001. 424/70

आद्य एवं तात्त्विक आधुनिक मन्त्रालय

(तात्त्विक आधुनिक विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1985

का. भा. 4895:—समय समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुद्र) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अर्थात् भारतीय मानक संस्था एकादश अधिवृत्ति करती है कि या ईन्फो स सीएस एन-1108934, जिसके धर्म लेने अनुसूची में दिए गए हैं दिनांक 85-07-01 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्र. सं.	लाईसेंस संख्या और दिनांक	लाईसेंसधारी का नाम और पता	यह कि लाईसेंस के अधीन बन्ध/प्रक्रिया	सम्बन्ध भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एस / एन-1108934 8-2-08-19	मैसर्स सर्वे केमिकल इंडस्ट्रीज, पं मोतीगाल नन्द जेठ जमुना कानारा, आगरा	मालाधियात धूलन चूर्ण 5%	IS: 2568-1978 मलाधियात धूलन चूर्ण की विनिर्दि

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 4th September, 1985

S.O. 4895.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-1108934 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1985-07-01.

THE SCHEDULE

Sl. Licence No. and Date	Name and Address of the licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
1. CM/L-1108934 82-08-19	M/s Sunray Chemical Industries, Pt. Moti Lal N hru Road, Jamuna Kinara, Agra.	Malathion DP 5 %	IS: 2568-1978 Specification for Malathion Dusting Powders.
[CMD/55 : 1108934]			

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1985

का प्र. 4896.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुद्र) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के भारतीय मानक संस्था पत्रद्वारा अधिष्ठाित करता है कि लाईसेंस सं. सी एम एल 1051325 जिसके व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 1985-05-16 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम सं.	लाईसेंस संख्या और पता	लाईसेंसधारी का नाम और पता	रद्द लाईसेंस के प्रयोजित वस्तु/प्रक्रिया	सम्बद्ध भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1	सीएमएल-1051325 1982-03-11	सैसर्स क्यूजवैस इंडिया प्रा. लि., रेलवे स्टेशन के सामने राज रामपुर दिल्ली-110042 (कार्यालय 240, रामनगर, कृष्णनगर, दिल्ली-110051)	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त थ्रॉटल वुल्हे (1) दो बर्नरों वाले निम्न रेटिंग के स्टोव। छोटे बर्नर 57 लिटर/घंटा बड़े बर्नर 75 लिटर/घंटा (2) 57 लि/घंटा रेटिंग के एक बर्नर वाले वुल्हे। (3) निम्नलिखित रेटिंगों के तीन बर्नरों वाले वुल्हे छोटे बर्नर: 18 लिटर/घंटा मध्यम बर्नर: 57 लिटर/घंटा बड़े बर्नर: 75 लिटर/घंटा	4246-1984 द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त थ्रॉटल वुल्हे की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)

[सं. सी एम सी/ 55 : 1051325]

New Delhi, the 6th September, 1985

S.O. 4896. - In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. 1051325 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1985-05-16.

THE SCHEDULE

Sl. Licence No. & date.	Name & Address of the licensee	Article/process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard	
1	2	3	4	5
1. CM/L-1051325 1982-03-11	M/s Fusbare India Pvt. Ltd., Opposite Railway Station, Sagmaipur village, Delhi-110042 having their office at 240, Ram Nagar, Krishna Nagar, Delhi-110051.	Domestic gas stoves for use with lique- fied petroleum gases:- (i) Double burner stove with ratings: Small burner : 57 litres/h Big burners: 75 litres/h	IS : 4246-1984 Specifi- cation for domestic gas stoves for use with liquefied pet- roleum gases (Third Revision)	

(ii) Single burner stove with ratings
57 litres/h.

(iii) Three burner stove with ratings:—
Small burner : 18 litres/h
Medium burner : 57 litres/h
Large burner : 75 litres/h

[CMD/55 : 10513 25]

नई दिल्ली, 24 मिनम्बर 1985

का. प्र. 4897.—भारत का मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भा. मा. संस्था द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के संशोधन वर्णित किये गये हैं, उक्त विनियमों के विनियम 3 के उपविनियम (1) के पश्चात् प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम सं., संशोधित भारतीय मानक की संख्या और पदनाम	गजट अधिसूचना की संख्या और तिथि जिसमें भा० मा० का निर्धारण अधिसूचित हुआ था	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5
1. IS : 417 भाग (1)—1974 फुटबाल, बालीबाल, बास्केटबाल, नेटबाल, छोटाबाल बाटरपोलो खेल की विशिष्टि: भाग 1 फुटबाल (तीसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 4697 दिनांक 1975-11-01	संख्या 2 अगस्त, 1982	खंड 3.1 का संशोधन किया गया है।	1982-08-31
2. IS 417 (भाग 2)—1974 फुटबाल, बालीबाल, बास्केटबाल, नेटबाल, छोटाबाल और बाटरपोलो-लोबाल की विशिष्टि: भाग 2 बालीबाल (तीसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 4697 दिनांक 1975-11-01	संख्या 2 अगस्त 1982	खंड 3.1 का संशोधन किया गया है।	1982-08-31
3. IS : 777—1970 कांचिन झुकाई की टाईल का विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 1635 दिनांक 1972-07-08	संख्या 2 सितंबर 1982	खंड बी-1-3-2-2 और बी-1-3-2-4 व खंड बी-1-3-2-4 के नीचे दो गई टिप्पणी को बदला गया है।	1982-09-30
4. IS : 1097—1979 हस्तकला सुती मच्छर-दानी जाली की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 3449 दिनांक 1982-10-02	संख्या 1 सितंबर 1982	(i) तालिका 1 और 2 को संशोधित किया गया है। (ii) खंड 6.1 को संशोधित किया गया है। (iii) पृष्ठ 7 पर "+" चिह्न को पास्टिपणी को बदला गया है।	1982-09-30
5. IS 1322—1970 जलसहोकरण और सोल-सहोकरण के लिए बिटुमेन तमरे की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 120 दिनांक 1973-01-14	संख्या 3 अप्रैल 1982	खंड 3-1-1 के स्थान पर एक नया खंड लाया गया है।	1982-04-30
6. IS. 1384—1977 तेल दबाव वाल्व की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 3171 दिनांक 1980-11-15	संख्या 3 जुलाई 1982	पृष्ठ 8 पर रेखाचित्र 3 को बदला गया है।	1982-07-31
7. IS 1824—1978 कीटनाशी आकाशीय छिड़काव की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 3416 दिनांक 1980-12-13	संख्या 2 अगस्त 1982	खंड 2.2 के उपखंड खंड 2-2-1 जोड़ा गया है।	1982-08-31
8. IS: 1899—1977 धमनीय की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 2116 दिनांक 1980-09-09	संख्या 1 अगस्त 1982	(i) खंड 4.2 की अंतोपचारिक तालिका को संशोधित किया गया है। (ii) पृष्ठ 5 पर "*" चिह्न वाली चिह्न वाली व पृष्ठ 13 पर "+" चिह्न वाली पास्टिपणियों को बदला गया है। (iii) खंड 6.2 व परिशिष्ट ए को संशोधित किया गया है।	1982-08-31

1	2	3	4	5	6
9. IS:2372-1963 भीमलन टावर के लिए इमारती लकड़ी की विशिष्टि ।	एस. प्रो. 2160 दिनांक 1973-08-03	संख्या 2 सितम्बर 1982	(i) खंड ए-3.1(बी), ए-3.1(ए) और तालिका 1 को संशोधित किया गया है । (ii) खंड ए-3.2 के उपरान्त खंड ए-3.2.1 जोड़ा गया है ।	1982-09-30	
10. IS:2386 (भाग 6)-1963 कंक्रीट के विद्युत रोड़ी की परीक्षण विधियां भाग 6 बारीक रोड़ी की गारा बनाने की गुणता मापन	एस. प्रो. 3590 दिनांक 1969-12-28	संख्या 1 फरवरी 1982	(i) खंड 7 और 7.1 (पुनर्संशोधन उपरान्त खंड 8 और 8.1) को बदला गया है । (ii) खंड 1.1 के उपरान्त नये खंड 2 और 2.1 जोड़े गये हैं और वर्तमान खंड "2 से 7" का पुनर्संशोधन "3 से 8" किया गया है ।	1982-02-28	
11. IS:2567-1978 मैलाखियान पायसनीय मांद्रव्य की विशिष्टि । (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 3408 दिनांक 1980-12-13	संख्या 1 जून 1982	खंड 2.2.1 और 2.2.1 के स्थान पर नये खंड लाये गये हैं ।	1982-06-30	
12. IS:2577-1974 मोटरगाड़ियों के लिए काट्रिज बल्ब सिक की विशिष्टि । (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 2858 दिनांक 1976-08-07	संख्या 2 सितम्बर 1982	खंड 6.10 के स्थान पर नया खंड दिया गया है ।	1982-09-30	
13. IS:2720 (भाग 14)-1968 धरती की परीक्षण विधियां भाग 14 से संसजनरिक्त धरती का घनत्व सूचकांक (धुलनात्मक घनत्व)	एस. प्रो. 3929 दिनांक 1969-09-27	संख्या 3 अगस्त 1982	(i) खंड 1.1 और 8.3 को संशोधित किया गया है । (ii) पृष्ठ 4 पर "+" चिह्न वाली और पृष्ठ 13 पर "*" चिह्न वाली पादटिप्पणियों को बदल दिया गया है ।	1982-08-31	
14. IS:2720 (भाग 20)-1966 धरती की परीक्षण विधियां भाग 20 गैरविक संकुचन निर्धारण	एस. प्रो. 913 दिनांक 1977-03-1	संख्या 2 जुलाई 1982	(i) खंड 3.1 को संशोधित किया गया है । (ii) पृष्ठ 4 पर "*" व "+" चिह्न की पादटिप्पणियों को बदला गया है । (iii) खंड 5.1 में दिये गए सूत्र को बदला गया है ।	1982-07-31	
15. IS:2720 (भाग 33)-1971 धरती की परीक्षण विधियां भाग 33 रिंग और जल प्रतिस्थापन विधि द्वारा घटनारण्य घनत्व निर्धारण	एस. प्रो. 3055 दिनांक 1973-10-27	संख्या 1 मार्च 1982	(i) खंड 2.8.3 8.3 12.3 और 4.3 को संशोधित किया गया है । (ii) [पृष्ठ 5, 7, 8, व 9 पर IS:2720 (भाग 2) सम्बंधित पादटिप्पणी]--- वर्तमान के स्थान पर निम्नलिखित लाइये: धरती की परीक्षण विधियां भाग 2 जल मात्रा निर्धारण । (दूसरा पुनरीक्षण)	1982-03-31	
16. IS:2911 (भाग 4)-1979 पाइप नीच डिजाइन और निर्माण की गैज संहिता भाग 4 पाईप का लोड टेस्ट	--	संख्या 1 जून 1982	खंड 4.2.3.1(बी) और 4.2.3.5 को संशोधित किया गया है ।	1982-06-30	
17. IS:3182-1975 बुनागारा के लिए टूटी हुई ईंटों (जली मिट्टी) की बारीक रोड़ी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 3440 दिनांक 1978-12-02	संख्या 1 अप्रैल 1982	(i) खंड 2.1 और तालिका 1 को संशोधित किया गया है । (ii) पृष्ठ 4 पर "*" चिह्न को पादटिप्पणी को बदला गया है ।	1982-04-30	
18. IS:3291-1968 ड्रेन प्रयोग की सिलाई मशीन के लिए आग पकड़ने के कम की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 593 दिनांक 1969-02-15	संख्या 1 जुलाई 1982	(i) खंड 3.1 के स्थान पर नया खंड लाया गया है । (ii) पृष्ठ 4 पर "*" और "+" चिह्न वाली पादटिप्पणियों को बदला गया है ।	1982-07-31	
19. IS:3347 (भाग 1, खंड 2)-1979 सामान्य बहने के प्रवर्धित वायु संडनों में प्रयोग के लिए ट्रांसफार्मर के चीनी बुशिंग के परिमाण भाग 1 किशों तक---खंड 2 धात्विक अंग (पहला पुनरीक्षण)	--	संख्या 1 जून 1982	(i) खंड 2.1 की प्रतीपकारिक तालिका का बदला गया है । (ii) "9" चिह्न की पादटिप्पणी के उपरान्त "*" चिह्न की पादटिप्पणी जोड़ी गई है ।	1982-06-30	

1	2	3	4	5	6
20. IS : 3455-1971 साबे बर्कपीस की मापन रीति। (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 1265 दिनांक 1974-05-25	संख्या 4 मई, 1982	पृष्ठ 10 पर खंड 10.2.4 को काटिये।	1982-05-31	
21. IS:3491-1965 कुसुम तेल की विशिष्ट	एस. प्रो. 2246 दिनांक 1966-07-30	संख्या 2 अगस्त 1982	हाल में पाया गया कि कुसुम तेल का प्रायोडीन मूल्य निर्धारित मूल्य से अधिक है। कुसुम बीज के नमूने एकत्रित किये गये और कई प्रयोगशालाओं में उनका परीक्षण किया गया। परीक्षण फलों में ऊँचे मूल्यों की पुष्टि हुई और उनके आधार पर तकनीकी समिति ने निर्णय किया कि विशिष्ट में दिये गये प्रायोडीन मूल्य की सीमा को 148 तक बढ़ाया जाये।	1982-08-31	
22. IS : 3766-1977 धातु परीक्षण के लिए वेन्डुलम हम्पेट परीक्षा मशीन की असंशोधित विधि।	एस. प्रो. 3416 दिनांक 1980-12-13	संख्या 2 सितम्बर 1982	खंड 3.4.3.1.2 को संशोधित किया गया है।	1982-09-30	
23. IS : 4060-1978 मोटरगाड़ियों के लिए विशा संकेतक कौशक की विशिष्ट। (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 2274 दिनांक 1981-08-29	संख्या 2 दिसम्बर 1982	खंड 5.3 का संशोधन किया गया है।	1982-09-30	
24. IS:4329-1967 मापी (बलनी-किररी) सूक्ष्मवर्णी की विशिष्ट	एस. प्रो. 520 दिनांक 1968-02-10	संख्या 2 *सितम्बर 1982	खंड 1.1, 2.1, 2.4, 4.2, और 4.6 को बदला गया है।	1982-09-30	
25. IS : 4984-1978 पेयजल सफाई, अलमल एस. प्रो. 2863 और ओहोमिक तरलमल के लिए ऊँचे बलस की पोलोएथिलीन पाइप की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	दिनांक 1981-10-17	संख्या 1 जून 1982	खंड 3.1, ए-4.3 और तालिका 1 को संशोधित किया गया है।	1982-09-30	
26. IS : 5029-1978 हस्तपताल में सामान्य उपयोग के पलंग की विशिष्ट। (पहला पुनरीक्षण)	---	संख्या 1 जुलाई 1982	(i) खंड 2.1, 2.5 और 3.1.1 को संशोधित किया गया है। (ii) पृष्ठ 4 पर " " चिह्न की पथ-टिप्पणी को बदला गया है।	1982-07-31	
27. IS:5653-1970 सीधे कागज पिच की विशिष्ट।	एस. प्रो. 3544 दिनांक 1971-09-25	*संख्या 1 अगस्त 1982	खंड 5 के स्थान पर नया खंड लाया गया है।	1982-08-31	
28. IS : 6175 (भाग-2)-1977 मोट्रिक पेच बूड़ी के लिए हैंड टैप और शार्ट मशीन टैप की विशिष्ट: भाग 2 एम 3 से एम 10 तक (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 612 दिनांक 1980-03-15	संख्या 1 अप्रैल 1982	खंड 5 के उपरान्त खंड 5.1 जोड़ा गया है।	1982-04-30	
29. IS : 6175 (भाग-3)-1977 मोट्रिक पेच बूड़ी के लिए हैंड टैप और शार्ट मशीन टैप की विशिष्ट: भाग 3 एम 3 से एम 68 तक मोटी पिच के और एम 3 से एम 100 तक भारी पिच के (पहला पुनरीक्षण)	एस. प्रो. 612 दिनांक 1980-03-15	संख्या 1 अगस्त 1982	खंड 5 के उपरान्त खंड 5.1 जोड़ा गया है।	1982-08-31	
30. IS : 7323-1974 अलाशायों के संचालन की मार्गदर्शिका	एस. प्रो. 2858 दिनांक 1976-08-07	संख्या 1 सितम्बर 1982	खंड 2.16 को बदला गया है।	1982-09-30	
31. IS:7329-1974 सुरक्षक रब कनवेस टखना जूतों के धात्विक फर्मा की विशिष्ट	एस. प्रो. 1597 दिनांक 1976-05-08	संख्या 1 जुलाई 1982	तालिका 1 को संशोधित किया गया है।	1982-07-31	

*भा. मा. संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए यह संशोधन 1983-01-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
32. IS : 7528-1974 मोटरगाड़ियों के लिए सांचे के घने चीनी के फ्यूज लिंक की विशिष्टि	एस. प्रो. 3494 दिनांक 1976-10-02	संख्या 1 सितम्बर 1982	खंड 6 10 के स्थान पर नया खंड लाया गया है।	1982-09-30	
33. IS:7539-1975 तकनीकी कार्बोरिल की विशिष्टि	एस. प्रो. 1892 दिनांक 1977-06-11	संख्या 1 सितम्बर 1982	तालिका 1 को संशोधित किया गया है।	1982-09-30	
34. IS:8190 (भाग 2)-2980 कीटनाशक पदार्थों के डिस्काबन्दी की अपेक्षाएं: भाग 2 सरल कीटनाशक पदार्थ (पहला पुनरीक्षण)	--	संख्या 1 सितम्बर 1982	तालिका 2 का संशोधन किया गया है और उसमें की गई टिप्पणी को बदला गया है।	1982-09-30	
35 IS:8249-1976 इपि ग्रेड के जिनक सल्फेट की विशिष्टि	एस. प्रो. 99 दिनांक 1980-01-12	संख्या 2 जून 1982	खंड ए-2.1.1.3 और ए-2.2.3 को संशोधित किया गया है।	1982-06-30	
36 IS:8707-1978 मैन्कोजेब, तकनीकी की विशिष्टि	एस. प्रो. 1550 दिनांक 1981-05-23	संख्या 1 मई 1982	खंड बी-3.2 और सी-2.3 के स्थान पर नये खंड लाये गये हैं।	1982-05-31	
37. IS:8973-1978 श्वेण खोश क्रियाविधि सम्बन्धी शब्दावली	2274 दिनांक 1981-08-29	संख्या 1 जुलाई 1982	खंड ए-1 को बदला गया है।	1982-07-31	
38. IS:9574-1980 पसीदार स्प्रिंगसयोजन के नमूनों की तकनीकी संरक्षण शर्तें	--	संख्या 1 जून 1982	रेखाचित्र 1 को बदला गया है।	1982-06-30	
39. IS : 10000 (भाग)-1980 प्रास्तारिक वाहन इंजन की परीक्षण विधियां: भाग 7 स्थिर गति इंजन की गतिविधि परीक्षाएं और विद्युत जनरेटर के लिए इंजन का चयन	--	संख्या 1 अप्रैल 1982	खंड 2.3.3 और 2.3.4 में दो गई अनौपचारिक तालिकाओं को बदला गया है।	1982-04-03	
40. IS : 10001-1981 सामान्य उपयोग के (20 किवा तक) स्थिर गति के सम्यो-इन प्रज्वलन (डीजल) इंजन की कार्यकारिता अपेक्षाओं की विशिष्टि।	--	संख्या 1 जून 1982	खंड 3.1 (ए), 3.1 (बी), 3.1 (एच), 3.1.1 (17), 4.2.1 और 5 का संशोधन किया गया है।	1982-06-30	

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और अहमदाबाद, बंगलूर, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, फानपुर, मद्रास, मोहाली, पटना, और विरुधनमपुर स्थित इसके शाखा कार्यालयों में उपलब्ध हैं।

[सं. सी. एम. डी./13/85]

New Delhi, the 24th September, 1985

S.O. 4897.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the amendment	Brief Particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS : 417 (Pt I)-1974 Specification for footballs, volleyballs, basketballs, netballs, throwballs and water-polo balls: Part I Footballs (third revision)	S.O. 4697 dt. 1975-11-01	No. 2 Aug 1982	Clause 3.1 has been amended	1982-08-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. IS : 417 (Pt II)—1974 Specification for foot-balls, volleyballs, basketballs, netballs, throwballs and water-polo balls: Part II Volleyballs (third revision)	-do-	No. 2 Aug. 1982	Clause 3.1 has been amended	1982-08-31	
3. IS : 777—1970 Specification for glazed earthenware tiles (first revision)	S.O. 1635 dt. 1972-07-08	No. 2 Sep 1982	Clause P-1.3.2.2, B-1.3.2.4 and note under clause B-1.3.2.4 have been substituted by new ones	1982-09-30	
4. IS : 1097—1979 Specification for handloom cotton mosquito netting (first revision)	S.O. 3449 dt. 1982-10-02	No. 1 Sep 1982	(i) Tables 1 and 2 have been amended (ii) Clause 6.1 has been amended (iii) Foot-note with '+' mark (page 7) has been substituted by a new one	1982-09-30	
5. IS: 1322—1970 Specification for bitumen felts for waterproofing and dampproofing (second revision)	S.O. 120 dt. 1973-01-13	No. 3 Apr 1982	Clause 3.1.1 has been substituted by a new one	1982-04-30	
6. IS : 1384—1977 Specification for oil pressure lanterns (second revision)	S.O. 3171 dt. 1980-11-15	No. 3 Jul 1982	Fig 3 at page 8 has been substituted by a new one	1982-07-31	
7. IS: 1824—1978 Specification for insecticidal space spray (second revision)	S.O. 3416 dt. 1980-12-13	No. 2 Aug 1982	Clause 2.2.1 has been added after clause 2.2	1982-08-31	
8. IS: 1899—1977 Specification for blow lamps (second revision)	S.O. 2116 dt. 1980-08-09	No. 1 Aug 1982	(i) Informal table of clause 4.2 has been amended (ii) Foot-notes with '*' mark (page 5) and with '+' mark (page 13) have been substituted by new ones (iii) Clause 6.2 and Appendix A have been amended	1982-08-31	
9. IS: 2372—1963 Specification for timber for cooling towers	S.O. 2160 dt. 1963-08-03	No. 2 Sep 1982	(i) Clause A—3.1 (b), A—3.1 (a) and Table 1 have been amended (ii) Clause A—3.2.1 has been added after clause A.—3.2	1982-09-30	
10. IS: 2386 (Pt VI)—1963 Methods of test for aggregates for concrete : Part VI Measuring mortar making properties of fine aggregate	S.O. 3590 dt. 1963-12-28	No. 1 Feb 1982	(i) Clauses 7 and 7.1 (renumbered as 8 and 8.1) has been substituted by a new one (ii) Clauses 2 and 2.1 have been added after clause 1.1 and subsequent clauses '2 to 7' have been renumbered as '3 to 8'	1982-02-28	
11. IS: 2567—1978 Specification for malathion emulsifiable concentrates (second revision)	S.O. 3408 dt. 1980-12-13	No. 1 Jun 1982	Clauses 2.2.1 and 2.3.1 have been substituted by new ones	1982-06-30	
12. IS: 2577—1974 Specification for cartridge fuse-links for automobiles (first revision)	S.O. 2858 dt. 1976-08-07	No. 2 Sep 1982	Clause 6.10 has been substituted by a new one	1982-09-30	
13. IS: 2720 (Pt XIV)—1968 Methods of test for soils : Part XIV determination of density index (relative density) of cohesionless soils	S.O. 3929 dt. 1969-09-27	No. 3 Aug 1982	(i) Clauses 1.1 and 8.3 have been amended (ii) Foot-note with '+' mark (page 4) and with '*' mark (page 13) have been substituted by new ones	1982-08-31	
14. IS: 2720 (Pt XX)—1966 Methods of test for soils: Part XX Determination of linear shrinkage	S.O. 913 dt. 1967-03-18	No. 2 Jul 1982	(i) Clause 3.1 has been amended (ii) Foot-notes with '*' and '+' marks (page 4) have been substituted by new ones (iii) Formula under clause 5.1 has been substituted by a new one	1982-07-31	
15. IS : 2720 (Pt XXXIII)—1971 Methods of test for soils : Part XXXIII Determination of the density in-place by the ring and water replacement method	S.O. 3055 dt. 1973-10-27	No. 1 Mar 1982	(i) Clauses 2.8, 3.8, 3.12.3 and 4.3 have been amended (ii) [Page, 5, 7, 8 and 9, foot-note for IS : 2720 (Part II)]— Substitute the following for existing: 'Methods of test for soils: Part II Determination of water content (second-revision)	1982-03-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. IS: 2911 (Pt IV)—1979 Code of practice for design and Construction of pile foundations: Part IV Load test on piles	—	No. 1 Jun 1982	Clauses 4.2.3.1 (b) and 4.2.3.5 have been amended	1982-06-30	
17. IS: 3182—1975 Specification for broken bricks (burnt clay) fine aggregate for use in lime mortar (first revision)	S.O. 3440 dt. 1978-12-02	No. 1 Apr 1982	(i) Clause 2.1 and Table 1 have been amended (ii) Foot-note with '*' mark (page 4) has been substituted by a new one	1982-04-30	
18. IS: 3291—1968 Specification for thread take up cams for sewing machines for household purposes (first revision)	S.O. 593 dt. 1969-02-15	No. 1 Jul 1982	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one (ii) Foot-notes with '*' and '+' marks (page 4) have been substituted by new ones	1982-07-31	
19. IS: 3347 (Pt I/Se 2)—1979 Dimensions for porcelain transformer bushings for use in normal and lightly polluted atmospheres: Part I Upto and including 1 kV Section 2 Metal Parts (first revision)	—	No. 1 June 1982	(i) Informal Table of clause 2.1 has been amended (ii) Foot-note with '**' mark has been added after foot-note with '7' mark	1982-06-30	
20. IS: 3455—1971 (Gauging practice for plain workpieces (first revision)	S.O. 1265 dt. 1974-05-25	No. 4 May 1982	(Page 10, clause 10.2.4)—Delete	1982-05-31	
21. IS: 3491—1965 Specification for safflower oil	S.O. 2246 dt. 1966-07-30	No. 2 Aug 1982	Iodine value of safflower oil has been found to be more than maximum specified limit in the recent past. Samples of safflower seeds were collected from major producing centres and tested in different independent laboratories. The test results confirmed the higher value and on the basis of these results concerned technical committee decided raise the limit for iodine value up to 148 in this specification	1982-08-31	
22. IS: 3766—1977 Method for calibration of pendulum impact testing machines for testing metals (first revision)	S.O. 3416 dt. 1980-12-13	No. 2 Sep 1982	Clause 3.4.1.2 has been amended	1982-09-30	
23. IS: 4060—1978 Specification for flashers for direction indicators for automobiles (first revision)	S.O. 2274 dt. 1981-08-29	No. 2 Sep 1982	Clause 5.3 has been amended	1982-09-30	
24. IS: 4329—1967 Specification for measuring (travelling) microscope	S.O. 520 dt. 1968-02-10	No. 2 Sep 1982	Clause 1.1, 2.1, 2.4, 4.2 and 4.6 have been substituted by new ones	1982-09-30	
25. IS: 4984 —1978 Specification for high density polyethylene pipes for potable water supplies, sewage and industrial effluents (second revision)	S.O. 2863 dt. 1981-10-17	No. 1 Jun 1982	Clauses 3.1, A-4.3 and Table 1 have been amended	1982-06-30	
26. IS: 5029—1979 Specification for bedsteads hospital, general purposes (first revision)	—	No. 1 Jul 1982	(i) Clauses 2.1, 2.5 and 3.1.1 have been amended (ii) Foot-note with '¶' mark (page 4) has been substituted by a new one	1982-07-31	
27. IS: 5653—1970 Specification for pins, paper straight	S.O. 3544 dt. 1971-09-25	No. 1 Aug 1982	Clause 5 has been substituted by a new one	1982-08-31	
28. IS: 6175 (Pt II)—1977 Specification for hand taps and short machine taps for ISO metric screw threads: Part II From M3 to M10 (first revision)	S.O. 612 dt. 1980-03-15	No. 1 Apr 1982	Clause 5.1 has been added after clause 5	1982-04-30	

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1983-01-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29. IS : 6175 (Pt III)—1977 Specification for hand taps and short machine taps for ISO metric screw threads : Part III M3 to M68 with coarse pitches and from M3 to M100 with fine pitches (first revision)	S.O. 612 dt. 1980-03-15	No. 1 Aug 1982	Clause 5.1 has been added after clause 5	1982-08-31	
30. IS : 7323—1974 Guidelines for operation of reservoirs	S.O. 2858 dt. 1976-08-07	No. 1 Sept. 1982	Clause 2.16 has been substituted by a new one	1982-09-30	
31. IS : 7329—1974 Specification for metal lasts for safety rubber-canvas ankle boots	S.O. 1597 dt. 1976-05-08	No. 1 Jul 1982	Table 1 has been amended	1982-07-31	
32. IS : 7528—1974 Specification for porcelain (moulded) fuse-links for automobiles	S.O. 3494 dt. 1976-10-02	No. 1 Sep 1982	Clause 6.10 has been substituted by a new one	1982-09-30	
33. IS : 7539—1975 Specification for carbaryl, technical	S.O. 1892 dt. 1977-06-11	No. 1 Sep 1982	Table 1 has been amended	1982-09-30	
34. IS : 8190 (Pt II)—1980 Requirements for Packing of pesticides : Part II Liquid pesticides (first revision)	—	No. 1 Sep 1982	Table 2 has been amended and its note as has been substituted by a new one	1982-09-30	
35. IS : 8249—1976 Specification for zinc sulphate agricultural grade	S.O. 99 dt. 1980-01-12	No. 2 Jun 1982	Clauses A-2.1.1.3 and A-2.2.3 have been amended	1982-06-30	
36. IS : 8707—1978 Specification for mancozeb, technical	S.O. 1550 dt. 1981-05-23	No. 1 May 1982	Clauses B-3.2 and C-2.3 have been substituted by new ones	1982-05-31	
37. IS : 8973—1978 Glossary of terms relating to leak detection techniques	S.O. 2274 dt. 1981-08-29	No. 1 Jul 1982	Clause A-I has been substituted by a new one	1982-07-31	
38. IS : 9574—1980 Technical supply conditions for clamps for leaf spring assemblies	—	No. 1 Jun 1982	Fig. 1 has been substituted by a new one	1982-06-30	
39. IS : 10000 (Pt VIII)—1980 Methods of test for internal combustion engines : Part VII Governing tests for constant speed engines and selection of engines for use with electrical generators	—	No. 1 Apr 1982	Informal tables of clauses 2.3.3 and 2.3.4 have been substituted by new ones	1982-04-30	
40. IS : 10001—1981 Specification for performance requirements for constant speed compression ignition (diesel) engines for general purposes (up to 20 kW)	—	No. 1 Jun 1982	Clauses 3.1(a), 3.1(b), 3.1(h), 3.1.1(xvii), 4.2.1 and 5 have been amended	1982-06-30	

Copies of these Indian Standards are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its Branch Offices at Ahmedabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubneshwar, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali, Patna and Trivendrum.

[No. CMD/13 : 5]

का. आ. 4898:-- समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम, 1955, के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार, अधिसूचित किया जाता है कि प्रमाणन सूत्र लगाने के लाइसेंस, जिनके व्योम नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, स्तम्भ 6 में दी गयी लिखियों से गताविधि हो गये हैं अथवा उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	लाइसेंसधारी	उत्पाद और भारतीय मानक की संख्या	राजपत्र अधिसूचना की एम. ओ. संख्या और तिथि, जिसमें लाइसेंस की मंजूरी छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	स्थगित लाइसेंस				
1.	सी एम/एन-204 1960-06-28	जयपुर मेटल एंड इलेक्ट्रिकल्स लिमि., जयपुर (राजस्थान)	बायलर स्टे बॉल्ट और रिबों के लिए तांबे की छड़े : - IS:288-1960	एम. ओ. 1815 1960-07-23	1978-10-15 के बाद नवीकरण स्थगित उसी तारीख से लाइसेंस गताविधि है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. सी.एम./एल- 406 1962-04-25	डी गंगा प्लाईवुड मैनु. क. प्रा. लि. कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते -- IS: 10 (भाग 2)- 1978	एम. ओ. 1509 1962-05-19	1979-09-15 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है	
3. सी.एम./एल- 462 1962-09-28	गोभर साल्ट्स लिमि., साबरमती (राजस्थान)	जेरी नमक और खाने का मादा नमक -- IS: 253- 1970	एम. ओ. 1980 1963-06-22	1980-01-15 के बाद गतावधि	
4. सी.एम./एल- 756 1964-08-12	श्री वेंकटेश्वर मिन्नरम्म प्रा. लि., मद्रास	डी डी टी धूलन पाउडर -- IS: 564- 1975	एम. ओ. 3553 1961-10-10	1977-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है	
5. सी.एम./एल- 983 1964-12-24	कम्पनी मैटेलिक आक्साइड्स प्रा. लिमि., थाणे- 400604 (महाराष्ट्र)	पेंट के लिए जस्ता आक्साइड -- IS: 35- 1975	एम. ओ. 274 1965-01-23	1980-01-15 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है	
6. सी.एम./एल- 984 1964-12-24		पेंटों और जोड़ने के प्रयोजनों के लिए लाल मांसा -- IS: 57- 1965	एम. ओ. 274 1965-01-23		
7. सी.एम./एल- 1006 1965-02-08	सिद्ध इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा. लि., कानपुर (उ. प्र.)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS: 1977- 1975	एम. ओ. 987 1965-03-27	1980-02-15 के बाद गतावधि	
8. सी.एम./एल- 1356 1966-11-30	श्रावणकोर केमिकल्स एंड मैनु. कं. लिमि. हा. - उद्योग मंडल वाया अ- स्वाये (केरल)	बी एच सी (एच सी एच), जल विसर्जनीय पाउडर सान्द्रण -- IS: 562- 1972	एम. ओ. 3923 1966-12-24	1975-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तिथि से लाइसेंस गता- वधि है।	
9. सी.एम./एल- 1359 1966-11-30	स्टोईटोन इलेक्ट्रोकेमिकल (इंडिया) फरीदाबाद (हरियाणा)	तापनमय राधिल जलमह कैमरा -- IS: 3035 (भाग 1)- 1975 IS: 3035 (भाग 2)- 1965; और IS: 3035 (भाग 3)- 1967		1979-11-30 के बाद वधि	
10. सी.एम./एल- 1823 1968-10-31	डी. हिन्दुस्तान वुड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, त्रि. - अलेप्पी (केरल)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते -- IS: 10 (भाग 2)- 1976	एम. ओ. 4257 1968-11-30	1977-01-15 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- गतावधि है।	
11. सी.एम./एल- 1863 1968-12-23	रुहाईलोन्स पेंटिफाइड्स एंड इमेक्टिफाइड्स प्रा. लि. - बाद - 500039	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पाउडर -- IS: 561- 1972	एम. ओ. 370 1969-01-25	1978-07-15 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- गतावधि	
12. सी.एम./एल- 1932 1969-03-10	एन. डी. बिहसर एंड कं. देहरादून (उ. प्र.)	डाक्टरी थर्मामीटर -- IS: 3055- 1965	एम. ओ. 1639 1969-05-03	1979-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है	
13. सी.एम./एल- 1965 1969-05-07	माउथ इंडिया सेमिफाइन इस्पात जि. - कायमुल्लुर (त. ना.)	गोबरवुड और मृत्तालयों के लिए पत्रों की टंकियां -- IS: 774- 1971	एम. ओ. 2557 1969-06-28	1976-04-30 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है	
14. सी.एम./एल- 2012 1969-07-08	सेन्ट्रल इलेक्ट्रोफाइड्स एंड पेंटिफाइजर्स, बंबई -- 400072	बी एच सी (एच सी एच) पायसनीय मांसा -- IS: 632- 1972	एम. ओ. 3585 1969-09-06	1980-02-29 के बाद गतावधि	
15. सी.एम./एल- 2078 1969-09-22		एलिब्रन पायसनीय मांसा -- IS: 1307- 1973	एम. ओ. 4310 1969-10-25		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. सीएम/एल- 2169 1960-12-08	महालक्ष्मी ग्लास वर्क्स प्रा. लि हैदराबाद	काच की छत्र की बोतले IS: 1392- 1971	एस. ओ. 437 1970-02-07	1979-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है	
17. सीएम/एल- 2183 1969-12-31	विक्टर केबल कार्पोरेशन साहिवाबाद (उ. प्र.)	नापनम्य रोधित धतुगह केबल, पी बी सी रोधित और पी बी सी खोलदार-- IS: 3035 (भाग 1)- 1965	"	1978-12-31 के बाद गतावधि	
18. सीएम/एल- 2194 1969-12-31	मिलवान ऐंड कम्पनी कलकत्ता	चाय की ग्राईन्ड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग-- IS: 10 (भाग 4)- 1976	"	1979-12-15 के बाद गतावधि	
19. सीएम/एल- 2279 1970-03-16	सेन्ट्रल इंसेचिटराइट्स ऐंड फर्टिलाइजर्स, बंबई .	डी डी टी जलविमर्जनीय पाउडर साहाय्य -- IS: 565- 1975	एस. ओ. 1508 1970-04-25	1980-02-29 के बाद गतावधि	
20. सीएम/एल- 2913 1972-02-16	अग्रवाल हाइड्रोवर वर्क्स प्रा. लि., गोहाटी- 16	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी सरोखी उत्पान की मरिया- -- IS: 1786- 1966	एस. ओ. 2801 1972-10-14	1980-02-15 के बाद गतावधि	
21. सीएम/एल- 3974 1972-03-28	कोर्स (इंडिया) लिमि०, धारण (महाराष्ट्र)	रंजकों से बनी फाउन्टनेन की स्पाइरिया :- IS: 1221- 1971	एस०ओ० 887 1973-03-24	1976-11-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है।	
22. सीएम/एल- 3032 1972-03-30	एवरशाइन इलेक्ट्रिकल वर्क्स (ई०) नई दिल्ली	नापनम्य रोधित श्रुतुसह केबल-भाग 1 पी बी सी रोधित और पी बी सी खोलदार; और भाग 2: पालियेथा- इलीन रोधित टेपयुक्त और बिना टेपगुथे एवं मिश्रित-- IS : 3035 (भाग 1 और 2)- 1965	एस ओ- 887 1973-03-24	1978-12-31 के बाद गतावधि	
23. सीएम/एल- 3229 1972-11-28	बी०एस०एम०कम्पनी एरोड	डी बी टी धूलन पाउडर-- IS : 564-- 1975	एस०ओ० 1700 1973-06-16	1977-06-30 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि है	
24. सीएम/एल- 3231 1972-11-28	सेवा प्रा० लिमि०, कोयमुतूर	सामान्यकायों के लिये अस्पंदन इंजनों की नियम, गति का निष्पादन-- IS : 1601- 1960	" "	1979-04-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
25. सीएम/एल- 3245 1972-12-07	मद्रास मशीनटूल्स मैग्ने० लि०, कोयमुतूर-641005 (त० ना०)	डीजल इंजल-- IS : 1601-1960	एस०ओ० 1797 1974-07-20	1978-12-15 के बाद नवीकरण स्थगित; उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि है	
26. सीएम/एल- 3255 1972-12-11	श्रीराम रेफ्रिजेशन इंडस्ट्रीज लिमि०, हैदराबाद	लोन-फेजी प्रेरण मोटर-- IS : 325- 1970	एस०ओ० 1797 1974-07-30	1979-12-15 के बाद गतावधि	
27. सीएम/एल- 3322 1973-02-06	देवीप्रयाग इलेक्ट्रोनिक्स ऐंड माइंस लिमि०, धारण	रखड़ रोधित केबल-- IS : 434 (भाग 1 और 2)- 1964	एस०ओ० 1553 1973-06-02	1979-12-31 के बाद गतावधि	
28. सीएम/एल- 3323 1973-02-16	" " "	पी बी सी रोधित केबल-- IS : 694 (भाग 1 और 2)-- 1964	" " "	" "	
29. सीएम/एल- 3342 1973-02-23	एन०सी० अक्वर्मी पेट्रिकेटर्स, प्रा० लि० मि०, कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिये धातु की फिटिंग-- IS : 10 (भाग 4)-- 1976	" " "	1979-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि है	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
30. सी एम/एल- 3382 1973-04-06	किर्लोस्कर आर्वांस लिमि०, किर्लोस्करवाड़ी, जिल० सोनीपती (महाराष्ट्र)	कृषि-कार्यों के लिये साफ, ठंडे ताजा पानी के शैतिज अपकेन्द्री पम्प - IS : 6592--1992	एस०ओ० 875 1975-03-22	1980-04-15 के बाद गतावधि	
31. सी एम/एल- 3497 1973-07-31	एमजी अंतराल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, प्रा० लि०, कलकत्ता	गभी दाब की पेयजल पूर्ति के लिये कम- घनत्व वाले पॉलियोथेनॉल पाइप - IS : 3076--1968	एस ओ 1233 1975-04-19	1979-07-31 के बाद गतावधि ।	
32. सी एम/एल- 3560 1973-07-28	सेंट्रल इंसेक्टिसाइड्स गेंड फाटि- लाइजर्स (प्रा० : सेंट्रल प्लान्ट कं० प्रा० लि० बम्बई-400072 (ए.एस.)	पेंडोलफान पायमनीय साम्र-- IS : 4323--1967	एमओ 1380 1975-05-03	1980-02-20 के बाद गतावधि	
33. सी एम/एल- 3732 1974-03-01	नेशनल ड्रम मैनु० कं० बम्बई	निरालम्ब पी० वीसी बरसाती यस्त्र-- IS : 4761--1968	एम ओ 2524 1975-08-09	1978-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि ।	
34. सी एम/एल- 3831 1974-05-15	रेलिंग इंडिया लिमि०, हावड़ा	डी डी टी धूलन पाउडर - IS : 564--1975	एस ओ 4695 1975-11-01	1981-01-31 के बाद नवीकरण, स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
35. सी एम/एल- 3840 1974-05-15	टावर्स एण्ड ट्रांसफार्मर्स प्रा० लि० गाजियाबाद (उ०प्र०)	एनुमिनियम लड़दार जालक और एलु- मिनियम जालक अस्तीकृत इस्पात प्रबलित-- IS : 398(भाग 1 और 2)- 1976	एम ओ " "	1978-05-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
36. सी एम/एल- 3898 1974-07-26	यूनिवर्सल केबल्स लिमि० मतना (म०प्र०)	कोयले की खानों में प्रयोग के लिये रख- रखाई लौहदार अनुगामी केबल-- IS : 691--1966	एस ओ 459 1976-01-24	1978-07-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
37. सी एम/एल- 3927 1974-08-20	एवरेस्ट प्लाईवुड इंडस्ट्रीज हा० माकूम जंक्शन जि० डिब्रूगढ़ (असम)	बाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते - IS : 10 (भाग 2)--1976	एस ओ 686 1976-02-14	1980-02-15 के बाद गतावधि	
38. सी एम/एल- 3953 1974-09-16	ट्रिबुनल इन्सुलेटिड केबल कम्पनी गाजियाबाद (उ०प्र०)	तापमान रोधित ग्रासहू केबल पीवीसी रोधित और पीवीसी बोलदार-- IS : 3035(भाग 1)--1965	एस ओ 1762 1976-05-29	1978-12-31 के बाद गतावधि ।	
39. सी एम/एल- 3965 1974-09-25	पम्प मैनु० कं० जयपुर	जलकल कार्यों के लिये स्प्रूस वाल्व-- IS : 780--1969	" "	1980-01-15 के बाद गतावधि ।	
40. सी एम/एल- 4068 1974-11-28	कोर्स इंडिया लि० राणे (महाराष्ट्र)	फेरो गैलो टेनेट फाउन्टेन की स्पाही (0.1) प्रतिशत पोह्युसत) IS : 1220--1972	एम ओ 2022 1976-06-19	1976-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
41. सी एम/एल- 4097 1974-12-30	श्री वेंकटेश्वर मिनरल प्रा० लि० मद्रास	डी डी टी पायमनीय साम्र-- IS : 633--1975	एस ओ 2286 1976-07-03	1978-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
42. सी एम/एल- 4122 1975-01-08	लिब्रो स्टील रोलिंग मिल्स लिमि० तिरुचिरापल्ली-4	मंरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वेल्लन के लिये बले ब्रिडेट हंगट और लगातार बले ब्रिडेट-- IS : 6914--1978	एस ओ 2465 1976-07-10	1979-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
43. सी एम/एल- 4137 1975-01-13	टी पी साफ्ट एंड सेंस (प्रा) लिमि० हावड़ा-711101	जलकल कार्यों के लिये स्प्रूस वाल्व-- IS : 780--1969	एस ओ 2465 1976-07-10	1979-09-30 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
44. सी एम/एल- 4225 1975-02-21	बी इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स, लिमि०, नगपतिम	मैटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड के कोरदार तार के लिये मृदु इस्पात-- IS : 2879--1975	एस ओ 2475 1976-07-10	1978-02-28 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45. सी एम/एल- 4263 1975-03-20	आदित्य मितरल ट्रेडर्स कोण्डापुरम (रे०स्टे०) जिला कन्नडा (आ०प्र०)	डी डी टी घुलन पाउडर-- IS : 564-- 1975	एस ओ 3623 1976-10-16	1980-03-31 के बाद स्वगित।	
46. सी एम/एल- 4372 1975-05-12	बी एलमिनियम इंडस्ट्रीज लिमि० (स्टील प्राडक्ट्स डिभिजन) कुम्भारा (केरल)	केबलों को कथजित करने के लिये मृदु इस्पात के तार पतियाँ और टेप- IS : 3975--1967	" "	1978-05-15 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
47. सी एम/एल- 4378 1975-05-15	विजयश्री फर्टिलाइजर्स इंसैक्टिसा- इडम एण्ड फंगीसाइडम गुट्टर (जि०) (आ०प्र०)	डी डी टी घुलन पाउडर-- IS : 564-- 1975	" "	1978-08-15 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
48. सी एम/एल- 4385 1975-05-15	" "	मालाथियोन पायसनीय साख-- IS : 2567-- 1978	" "	" "	
49. सी एम एल- 4393 1975-05-23	श्री विजयदुर्गा पल्बराइजिंग मिल्स बल्लारी-853101	कारबेरिल घुलन पाउडर-- IS 7122--1973	एस ओ 3623 1976-10-16	1977-05-3 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
50. सी एम एल- 4394 1975-05-23	विजयश्री फर्टिलाइजर्स इंसैक्टिसा इण्ड एण्ड फंगीसाइड्स, पिडुगुरैला जिला गुट्टर	" "	" "	1978-08-15 के बाद नवीकरण स्वगित उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
51. सी एम एल- 4476 1975-07-14	बीएस इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कंट्रोलस प्रा० लि० बम्बई-400093	डी सी मीटर 7.5 किबा (10 हापा) और 11 किबा (15 हापा) 440 वोल्ट ५५५ उद्दीपित यौगिक फिपटा श्रेणी "बी" रोडनयुक्त-- IS : 4722--1968	एस ओ 3914 1976-10-30	1977-07-15 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
52. सी एम एल- 4494 1975-07-18	हिक्सन एण्ड बाबाजी लिमिटेड बम्बई-400093	कोलतार खाद्य रंग निर्माण और मिश्रण-- IS : 5346--1975	" "	1979-05-31 के बाद गतावधि।	
53. सी एम एल- 4555 1975-08-11	जी भार स्टील एण्ड प्रसायज प्रा. लिमिटेड बंगलोर	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 228--1975	एस ओ 428 1977-02-05	1977-08-15 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
54. सी एम एल- 4567 1975-08-11	विजय स्टील रोलिंग मिल्स प्रा. लि० बंगलौर	कंजीट प्रबलन के लिये ठंडी सरोही इस्पात की सरिया-- IS : 1786--1966	" "	1980-01-15 के बाद गतावधि।	
55. सी एम एल- 4592 1975-08-29	डी नेशनल रोलिंग एण्ड स्टील रोलर्स लिमि० 24 परगना, (प० बंगाल)	एसीएसप्रार जालकों के प्रबलन के लिये अस्तीकृत इस्पात कोर तार-- IS : 398 (भाग 2)--1976	" "	1978-12-31 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
56. सी एम एल- 4645 1975-09-17	मैगनम सीमेंट वाटर प्रूफिंग कं कलकत्ता-47	ममाल सीमेंट जलसहकरण यौगिक-- IS : 2646--1975	एस ओ 832 1977-03-19	1978-09-15 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
57. सी एम एल- 4740 1975-10-15	अमेरिकन स्प्रिंग एण्ड प्रीसिंग वर्क्स लिमिटेड, बम्बई	पूर्णक धातु गिराई यंत्र-- IS : 1976--1969	एस ओ 1148 1977-04-16	1979-12-31 के बाद गतावधि	
58. सी एम एल- 4773 1975-10-31	यूनिवर्सल टिम्बर कारपोरेशन यमुना नगर	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड की पट्टियाँ-- IS : 10 (भाग 3)--1974	" "	1977-10-31 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
59. सी एम एल- 4819 1975-11-24	विजय पल्बराइजर्स गुट्टर जिला (आ०प्र०)	बी एच सी (एच सी एच) जलबिसर्ज- नीय पाउडर साख-- IS : 562--1972	एस ओ 1147 1977-04-16	1977-11-30 के बाद नवीकरण स्वगित उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
60. सी एम एल- 4867 1975-12-04	इंडिया बरलेप एण्ड लेमिनेटबर्क्स कलकत्ता-700001	उर्वरक भरने के लिये जूट के परतदार बोरे-- IS : 7406--1974	एस ओ 3083 1977-10-08	1979-11-30 के बाद नवीकरण स्वगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	

1	2	3	4	5	6
61. सी एम/एल-4879 1975-12-12	बलपुष्प टोबेको कं० घुबरी (भरम)	बंदियां— IS : 1925—1974	एस ओ 308J 1977-10-08	1980-01-15 के बाद गतावधि।	
62. सी एम/एल-4947 1976-01-06	ऊषा अलायज एण्ड स्टील लिमि० भारियपुर	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वेलन के लिये कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 2830—1964	एस ओ 1312 1977-05-07	" "	
63. सी एम/एल-4994 1976-02-02	जेनिथ स्टील पाइप्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि० बम्बई-400020	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वेलन के लिये कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 2831—1969	एस ओ 3441 1978-12-02	1980-02-29 के बाद स्थगित।	
64. सी एम/एल-5010 1976-02-20	विश्वेश्वरैया भार्यरत एण्ड स्टील लिमि० भद्रावती (कर्नाटक)	जल, गैस और मल के लिये अप- केन्द्रीय बूले (स्पन) लोहे के दाब पाइप— IS : 1536—1967	एस ओ 3441 1978-12-02	1980-02-15 के बाद स्थगित।	
65. सी एम/एल-5017 1976-02-20	जेनिथ स्टील पाइप्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि० बम्बई-400020	पसीवार कमानी (रेल के डिब्बों) के उत्पादन के लिये इस्पात के इंगट और बिलेट— IS : 8051—1976	एस ओ "	1980-02-29 के बाद स्थगित	
66. सी एम/एल-5028 1976-02-26	मैट्रल इंजेक्टसाइड्स एण्ड फाटि- नाइजर्स, बम्बई-400072	केन्द्रीययोन पायसनीय जाल— IS : 5281—1969	" "	" "	
67. सी एम/एल-5032 1976-02-26	जेनिथ स्टील पाइप्स एण्ड इंडस्ट्रीज लिमि० बम्बई-400020	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वेलन के लिये कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 2830—1969	" "	" "	
68. सी एम/एल-5082 1976-03-10	होप (इंडिया) लिमि० कलकत्ता-700007	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वेलन के लिये कार्बन इस्पात के इंगट बिलेट इंगट— IS : 6915—1978	एस ओ 12 1979-01-08	1978-01-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
69. सी एम/एल-5064 1976-03-10	"	स्वच्छ लिफ्टन के लिये फुंडलीदार शंखावर्त और पसीवार कमानीयों के बास्ते इस्पात— IS : 3431—1975	" "	" "	
70. सी एम/एल-5065 1976-03-10	" "	रेशी शीर्ष प्रतिष्ठा द्वारा (मशीनी पेचों के निर्माण के लिये मनु इस्पात के तार की रेशें— IS : 2255—1977	" "	" "	
71. सी एम/एल-5119 1976-04-19	अखिलाज इलेक्ट्रिकल्स प्रा० लि० मद्रास-600018	एलुमिनियम लहरदार जालक और एलु- मिनियम जालक जस्तीकृत इस्पात प्रचलित— IS : 398 (भाग 1 और 2)—1976	एस ओ 314 1979-01-27	1978-03-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
72. सी एम/एल-5144 1976-04-21	सुपर स्टील्स, करीयाबाव हरियाणा	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये मनु इस्पात का तार— IS : 280—1972	एस ओ 314 1979-01-27	1979-10-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
73. सी एम/एल-5758 1976-04-29	शक्ति पाइप्स लि० मद्रास	जल, गैस और मल के लिये अपकेन्द्रीय बूले (स्पन) लोहे के दाब पाइप— IS : 1536—1967	" "	1978-05-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
74. सी एम/एल-5183 1976-05-07	हिन्दुस्तान लैमिनेट्स नई दिल्ली	उर्वरक भरने के लिये जूट के परतदार बोरे— IS : 7406—1974	एस ओ 954 1979-03-17	1980-02-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
75. सी एम/एल-5376 1976-09-21	दी राजस्थान स्माल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन, लिमि० जयपुर	बंदियां— IS : 1925—1974	एस ओ 1226 1979-04-14	1979-07-31 के बाद स्थगित।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76. सी एम/एल- 5393 1976-08-02	एलडी गयर रोपर्स लिमि० होमवोवली, जिला थाणे	एसीएसआर चालकों के प्रबलन के लिये जस्तीकृत इस्पात कीर तार— IS : 398 (भाग 2)—1976	एस ओ 3548 1979-10-20	1977-07-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
77. सी एम/एल-5420 1976-08-09	नवराग स्टील इंडस्ट्रीज बम्बई-400059	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS : 1977—1975	" "	1977-08-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि	
78. सी एम/एल 5464 1976-09-02	गणेश वेन्ट कपसे बना जिला कानहा-174303 (जि० प्र०)	दुहरे कन्टेनर में सामान्य कार्यों के लिये एलुमिनियम के वेन्ट — IS : 2339—1967	एस ओ 3549 1979-10-20	1979-08-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
79. सी एम/एल- 5532 1976-09-24	प्रशोक स्टील इंडस्ट्रीज रावपुर-711204	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 226—1975	" "	1980-01-31 के बाद स्थगित।	
80. सी एम/एल-5533 1976-09-24	अशोक स्टील इंडस्ट्रीज हाथड़- 711204	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS : 1977-1975	एस ओ 3549 1979-10-20	1980-01-31 के बाद स्थगित	
81. सी एम/एल-5535 1976-09-24	केलेडोनियन ब्रूट मिल्स कं. लि. 24 परगना (प.ब.)	उर्वरकों के बोरी के लिए ब्रूट का कपड़ा— IS : 7407-1974	" "	1978-09-30 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
82. सी एम/एल-5555 1976-10-04	भगवती आवत जिन लि. बल्लभगढ़ (हरियाणा)	सम्बन्धित अक्षिज्जन गैस— IS : 309-1974	एस ओ 3550 1979-10-20	1979-02-28 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
83. सी एम/एल-5697 1976-12-10	पोलिफिब वीवीपीए (हरियाणा)	स्कूटर और मोटर साइकिल सवारों के लिए बचाव टोप— IS : 4151-1968	एस ओ 3762 1979-11-17	1977-12-15 के बाद नवीकरण स्थगित उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
84. सी एम/एल-5701 1976-12-10	प्रकाश एंड कंपनी नई दिल्ली	जलसेवाओं के लिए बर्फों तथा मिश्र- धातु की रकू डाउन टोटियाँ और रोक बाल्व— IS : 781-1977	एस ओ 3762	1972-12-15 के बाद स्थगित	
85. सी एम/एल 5710 1976-12-10	अदिल रबड़ लि. अजिमाबाद (उ.प्र.)	रबड़ का वाहक और उच्चावक सामान्य कार्य पट्टा— IS : 1891 (भाग 1) 1968 तथा रबड़ का वाहक और उच्चावक तापरोधी पट्टा— IS : 1891 (भाग 2) 1972	" "	" "	
86. सी एम/एल 5715 1976-12-13	गुजरात एग्री केमिकल्स नरोड़ा 382735 (गुजरात)	एल्यूमिन पायमनीय खट्टे— IS : 1307-1973	" "	" "	
87. सी एम/एल 5720 1976-12-14	इफीट मिल्स फीड फैक्ट्री (प्रा. प्रादेशिक को आप. डेर. फैड- रेशन लिमि.) मुरादाबाद (उ.प्र.)	दुध चूर्ण (संपूर्ण एवं मखनिया) — IS : 1165—1975	" "	1977-12-15 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
88. सी एम/एल 5729 1976-12-24	जुबिली इंजीनियर्स कोऑप. सोसाइटी लिमि. मिदनापुर (जि.)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 226—1975	एस ओ 3762 1979-11-17	1979-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
89. सी एम/एल 5748 1976-12-31	नेशनल रोडिंग एंड स्टील रोस लिमि. 24 परगना (प.ब.)	केवल कवचन के लिए मुकु इस्पात के तार पत्तियाँ और टेप— IS : 3975—1967	" "	1978-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि	
90. सी एम/एल 5753 1976-12-31	अग्रवाल केबल्स फज्जाबाद (उ.प्र.)	एलुमिनियम लड़दार चालक और एलुमिनियम चालक, जस्तीकृत इस्पात प्रबलित— IS : 398 (भाग 1 और 2) 1976	" "	" "	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
91. सीएम/एस 5754 1976-12-31	रनबोर इंडस्ट्रीज, मखनऊ	शीघ्रकृद और मूलवानों के लिए प्लश को टंकिया— IS : 774-1971	„ „	1979-12-31	के बाद गतावधि।
92. सीएम/एस 5800 1977-01-11	भारत फाउंड्री कोयमुतूर	कृषि के काम के लिए अपकेत्री पंपों के वास्ते स्विचरल केज प्रेरण मोटर— IS : 7538—1975	एसओ 420 1980-02-23	1977-12-31	के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि
93. सीएम/एस 5802 1977-01-11	विश्वेश्वरा आयरन एंड स्टील सि. सिमोना (जि०) (कनाडा)	जल गैस और मल के लिए इ लधा लोहे के फिटिंग और हाथ पाइप— IS : 1538 (भाग 1 से 23) 1976	„ „	1979-12-31	के बाद गतावधि।
94. सीएम/एस 5888 1977-02-28	श्री विजयदुर्गा फल्वगड्जिग मिल्स, बेल्सारी (कनाडा)	टेक्साफीन पायसनीय खाद— IS 7946-1976	एसओ 731 1980-03-22	1979-02-15	के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
95. सीएम/एस 5983 1977-03-22	भंडारी एंड बलीपा (इंडिया) प्रा. लि. कलकत्ता-700017	बॉयसर पानी उपचार योगिक— IS : 7932-1976	एसओ 787 1980-03-29	1978-03-31	के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
96. सीएम/एस 6052 1977-04-20	एनोर स्टील एंडग्राइज प्रा. लि. मद्रास	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1975	एसओ 781 1980-03-20	1978-03-31	के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
97. सीएम/एस 6053 1977-04-20	„ „	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुब्लिश के लिए कार्बन इस्पात के इले बिजेट इंगट— IS : 6915—1978	„ „	„ „	„ „
98. सीएम/एस 6140 1977-06-31	फार्म केमिकल्स मूजफरनगर (उ.प्र.)	डी.डी.टी पायसदीय खाद— IS : 633-1975	एसओ 283 1981-01-24	1979-05-31	के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
99. सीएम/एस 6223 1977-06-30	मीनाशी इंडस्ट्रीज कोयमुतूर	तंग-फेज प्रेरण मोटर— IS : 335-1970	एसओ 284 1981-01-24	1978-06-30	के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि
100. सीएम/एस 6238 1977-07-12	कैकटेबर स्टील प्रा. लि. नई दिल्ली	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1975	एसओ 754 1981-03-07	1979-07-15	के बाद गतावधि।
101. सीएम/एस 6243 1977-07-12	प्योरिक्स लेबोरेटरीज (इंडिया) प्रा. लि. बंगलौर	सल्फ्यूरिक अम्ल— IS : 266-1961	„ „	1978-07-15	के बाद नवीकरण स्थिति उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
102. सीएम/एस 6282 1977-07-21	सेंट्रल इलेक्ट्रीसाइड्स एंड फिटिंग्स लाइसेंस (प्री. सेंट्रलपेस्ट को.) बम्बई-400072	कार्बोरेल घुलन पाउडर— IS : 7123-1973	„ „	1980-02-29	के बाद गतावधि।
103. सीएम/एस 6265 1977-07-25	प्योरिक्स लेबोरेटरीज (इंडिया) प्रा. लि. बंगलौर	हाइड्रोक्लोरिक अम्ल— IS : 265-1976	„ „	1978-07-15	के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
104. सी.एम./एल-6266 1977-07-25	योरक्स लेबोरेटरीज (इंडिया) प्रा. लि. बंगलूर	नाष्ट्रिक अम्ल— IS : 264—1976	एस ओ 754 1981-03-07		1978-07-15 के बाद नवीकरण स्वीकृत, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
105. सी.एम./एल-6212 1977-07-25	तोशिका आनन्द नैम्म लि. अन्नाय नास्तुक जिला, इरु- कुलम (केरल)	टंगस्टन तंतु सामान्य सेवा विजली सैप— IS : 418—1983	“ “		1979-07-13 के बाद नवीकरण स्वीकृत, उसी तारीख से गतावधि लाइसेंस है।
106. सी.एम./एल-6361 1977-08-24	पेस्टिसाइड्स एंड ग्रुअर्स लि. थ.जे-4000607	मालाधियाल नकदीक— IS : 1832—1961	एस ओ 735 1981-03-07		1978-08-31 के बाद नवीकरण स्वीकृत, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
107. सी.एम./एल-6389 1977-08-24	श्री. वेंकटराव मिनरल्स प्रा. लि. मद्रास	डीडीटी जल विमर्शनीय पाउडर—मांद्र— IS : 564—1975	“ “		“ “
108. सी.एम./एल-6413 1977-09-21	फॉन पेस्टिसाइड्स प्रा. लि. कोर्बन-682011	डीडीटी धूलन पाउडर— IS : 564—1975	एस ओ 920 1981-03-21		1978-09-15 के बाद नवी- करण स्वीकृत, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
109. सी.एम./एल-6429 1977-09-26	एसोबीएन स्टैल प्रा. लि. यमुना- नगर	कंक्रीट बलन के लिए ठंडी मरोड़ी इस्पात की सरिया IS : 1786—1986	“ “ “		1978-12-31 के बाद गतावधि।
110. सी.एम./एल-6460 1977-10-19	हिंदुस्तान कालर केमिकल इंडस्ट्रीज, बम्बई	मीमेंट रोगन अभिष्ट रंग का— IS : 5410 1969	एसओ 921 1981-03-21		1979-10-31 के बाद नवीकरण स्वीकृत, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
111. सी.एम./एल-6542 1977-11-23	जिक मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज कलकत्ता-7000003	मुषायम टाका— IS : 193—1966	एस ओ 123 1981-04-18		1978-11-30 के बाद नवी- करण स्वीकृत उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
112. सी.एम./एल-6545 1977-11-23	एलन इंडस्ट्रीज कोयमटूर	कृषि कार्य के लिए अपकेन्नी पंपों के वास्ते लोन फर्जो स्क्विअर केज प्रेरण मोटर— IS : 7538—1975	ए ओ 1233 1981-04-18		1979-11-30 के बाद गतावधि।
113. सी.एम./एल-6603 1977-12-20	केरल इलेक्ट्रिकल्स एंड असाईड इंजिनियरिंग कं. लि. मामोला (डा.) कोचीन (केरल)	एसो कन्टेनटर्स, 12 एम्प और 20 एम्प, 415 बोस्ट हटज और एसो 3 वर्ग IS : 2959—1975	एस ओ 1222 1981-04-18		1978-12-31 के बाद नवीकरण स्वीकृत, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
114. सी.एम./एल-6607 1977-12-20	विष्णु केबल कं. नई दिल्ली	पीबोर्सा रोहित केबल, एलुमिनियम कालकों वाले— IS : 694 (भाग 2)—1964	“ “		“ “
115. सी.एम./एल-6625 1977-12-30	भार. के. महाजन एंड कं. जालंधर 1440 (पंजाब)	हाकी स्टिक— IS : 629—1985	“ “		“ “
116. सी.एम./एल-6629 1977-12-30	कोहिनूर रबर वर्क्स प्रा. लि. कलकत्ता-700011	साधे से बग सोलोड और हॉल, टाइप-1— IS : 5676—1970	एस ओ 1222 1981-04-08		1979-3-31 के बाद नवीकरण स्वीकृत, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।
117. सी.एम./एल-6633 1978-01-06	यूनाइटेड वायर रोपर्स लि. थाने-400606 (महाराष्ट्र)	चमकाले या जस्तीकृत तार के रस्से रेगुलरिज अथवा जोड़े स्वतंत्र तार के रस्सों के कोर— IS : 4521—1977	एस ओ 1615 1981-05-30		1979-01-31 के बाद गतावधि।
118. सी.एम./एल-6650 1978-01-06	क्रैडम एंड कं. (रजि.) कानपुर	पशुओं के लिए साधा नमक या भाटने बाला (सैंधा) नमक खादा और खनिज लवण सहित— IS : 920—1972	“		1980-01-15 के बाद गतावधि।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
119. सीएम/एल-6652 1978-01-10	केरल इलेक्ट्रिकल्स एंड अलाइड इंजीनियरिंग कं. लि. ममाला (बा.) कोर्पोरेशन (केरल)	1000 वोल्ट से अनधिक वोल्टता के एसी मोटर स्टार्टर— IS : 1822—1967	" "	1979-01-15 के बाद गतावधि।	
120. सीएम/एल-6656 1978-01-10	स्वास्तिक बायर्स डा. वीरगाव गुधियारु जि. रायपुर	घासाय इंजीनियरी तारों के लिए मुद्रु हस्यात का तार— IS : 280—1972	" "	" "	
121. सीएम/एल-6657 1978-01-10	विजय स्टील रोलिंग मिल्स प्रा. लि. बंगलौर	संरचना हस्यात (मानक किस्म)— IS : 226—1975	" "	1980-01-15 के बाद गतावधि।	
122. सीएम/एल-6740 1978-02-06	बंगाल रीड्स एंड अलाइड प्राइवेट प्रा. लि. कलकत्ता (प. ब.)	जूट के तुरों में प्रयोग के लिए पिच बाउंड थ्रू रोल— IS : 1552—1978	एसओ 1661 1981-06-06	1980-02-15 के बाद गतावधि।	
123. सीएम/एल-6768 1978-02-14	सूरज स्टील लि. मोनपत (हरियाणा)	संरचना हस्यात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वेल्वन के लिए कार्बन हस्यात के इलेक्ट्रिक इंगट—	" "	1979-02-15 के बाद गतावधि।	
124. सीएम/एल-6770 1978-02-17	सूरज स्टील लि. मोनपत (हरियाणा)	संरचना हस्यात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वेल्वन के लिए कार्बन हस्यात के इलेक्ट्रिक इंगट— IS : 6914—1978	एसओ 1661 1981-06-06	1979-02-28 के बाद गतावधि।	
125. सीएम/एल-6780 1978-02-27	दो बेनीमहारी रबर कं. लि. कन्याकुमारी (जि०) (त. ना.)	अमोनिया सुरक्षित सांद्रित प्राकृतिक रबर का बूथ— IS : 5430—1969	एसओ "	1979-02-28 के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
126. सीएम/एल-6786 1978-02-27	असम सेमिनेटिंग वर्क्स लि. मुक्तिदा 786125 जि. डिब्रूगढ़ (असम)	उर्वरक भरने के लिए परतवार जूट के बोरे— IS : 7406—1974	" "	1980-03-29 के बाद गतावधि।	
127. सीएम/एल-6790 1978-03-27	पी आई एंटर प्राइज अंबाला मिटे (हरियाणा)	रजकों से बनी फाउंटेन पेन की स्पाईट— IS : 1221—1971	" "	" "	
128. सीएम/एल-6793 1978-03-27	हरियाणा केमिकल्स एंड पेस्टिगार्ल्स बहादुरगढ़ (हरियाणा)	मालाशियान पायसनेय साईट— IS : 2567—1973	एसओ 1661 1981-06-06	1979-03-28 के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
129. सीएम/एल-6867 1978-03-17	दो कमसुतूर डिस्ट्रिक्ट कोऑप. स्थिति मिल्स लि. धर्मपुरम (कोयमुतूर)	भूरा सूती धाना— IS : 171—1973	एसओ 1664 1981-06-06	1979-03-31 के बाद नवीकरण स्थिति उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
130. सीएम/एल-6884 1978-03-27	बसोरो फार्म लिपुनोतुरा-682367	एंडोमैल्फान पायसनेय साईट— IS : 4323—1967	" "	1978-03-31 के बाद नवीकरण स्थिति उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
131. सीएम/एल-6885 1978-03-27	" "	डोमीटो पायसनेय साईट— IS : 633—1975	" "	1979-03-31 के बाद नवीकरण स्थिति उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
132. सीएम/एल-6925 1978-03-30	कोर्बून इलेक्ट्रिकल इंडिया प्रा. लि. गलौर-560041	बिजली के बूल्हे— IS : 365—1965	एसओ 1664 1981-06-06	1978-04-15 के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
133. सीएम/एल-6967 1978-04-06	नेशनल इंजीनियरिंग कारपो. फरीदाबाद (हरियाणा)	बिजली के तार लगाने के लिए हस्यात के तारनालिया— IS : 115—19753	एसओ 1725 1981-06-13	" "	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
134. सीएम/एल-7015 1978-05-14	श्री आयरन फाउंड्री एंड इंजी- नियरिंग वर्क्स प्रा. लि. कलकत्ता	मलमूत के लिये बालू उसे लोहे के पाइप— IS: 1729-1964	एस ओ 2003 1981-07-25	1979-09-31 के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
135. सीएम/एल-7027 1978-05-31	एलन इंस्ट्रूज कोयमुतूर	कृषि कार्यों के लिए ग्राफ ठंडे ताज़ा पानी के वास्ते बैलिज अपकेन्द्रिय पम्प IS: 6595-1972		1979-06-15 के बाद नवीकरण स्थिति उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
136. सीएम/एल-7056 1978-06-19	एम एम कार्पोरेशन कलकत्ता	बाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए घासु की फिटिंग— IS: 16 (भाग 4)-1976	एस ओ 2002 1981-07-25	1979-03-31	
137. सीएम/एल-7108 1978-07-13	माइट साउंड इलेक्ट्रॉनिक्स दिल्ली	मोटर गाड़ियों के लिए केबल— IS: 3465-1969	एस ओ 2178 1981-08-15	1979-07-15 के बाद नवीकरण स्थिति उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
138. सीएम/एल/7237 1978-09-22	वायरेड इंडिया अलवर (राज०)	पीकीसी रोहित केबल एलुमिनियम जालकों वाले— IS: 694 (भाग 2)-1964	एस ओ 2315 1981-08-22	1979-09-30 के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गता- वधि।	
139. सीएम/एल-7293 1978-10-24	एशिया केमिकल्स लि. गाजियाबाद	सामान्य कार्यों के लिए दूधरे कटेनर में एलुमिनियम रैट— IS: 2339-1962	एस ओ 2318 1981-08-22	1979-10-31 के बाद गतावधि।	
140. सीएम/एल-7329 1978-11-08	विक्टरी टेक्स्टाइल्स सिस्पुर	माला कुती युती बलियाँ— IS: 4965 (भाग 2)-1975	एस ओ 2270 1981-08-29	1978-11-15 के बाद गतावधि।	
141. सीएम/एल-7424 1978-12-20	हरियाणा स्नान पाइप कम्पनी, चर्खी बावरी जि. भिवानी	आरसीसी पाइप, टाइप एनपी-2 250 से 900 मिमी तक एनपी 3 450 से 900 मिमी तक— IS: 458-1971	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-31 के बाद नवीकरण स्थिति उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
142. सीएम/एल-7444 1978-12-29	एफ एण्ड के इंस्ट्रूज थाणे	तीन फेजी प्रेरण मोटर— IS: 325-1970	" "	" "	
143. सीएम/एल-7475 1979-01-10	गलदा कल्टीन्युअस कास्टिंग लि. देवराबाद	सामान्य इंजीनियरी कार्यों एलुमिनियम मिश्रधातु के रंगट— IS: 617-1975	एस ओ 2277 1981-08-29	1980-01-15 के बाद गतावधि।	
144. सीएम/एल-7479 1979-01-17	यूनिडोर. केवल्स जयपुर	गोमी दागने के केबल— IS: 5950-1971	" "	1980-01-31 के बाद गतावधि।	
145. सीएम/एल-7490 1979-01-22	डिजिट इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) लि. दिल्ली	बिजली के बूल्हे— IS: 365-1975	" "	" "	
146. सीएम/एल-7513 1979-02-02	टाटा आयरन एण्ड स्टील कं. लि. बम्बई	कंक्रिट प्रबलन के लिए ठंडी मरोई इस्पात की सरिया— IS: 1786-1966	एस ओ 2310 1981-09-05	1980-01-15 के बाद गतावधि।	
147. सीएम/एल-7519 1979-02-05	यूनोइटेड पल्पराइजर्स आगरा	कार्बिल जलबिसर्जनीय पाउडर मान्द्र— IS: 7121-1973	" "	1980-02-15 के बाद नवीकरण स्थिति, उसी तारीख से लाइसेंस गतावधि।	
148. सीएम/एल-7540 1979-02-16	नन्दू केमिकल इंस्ट्रूज हुगली (प. बं.)	पशुओं के खाने का तमक और खाने का साधारण तमक— IS: 253-1970	" "	1980-02-29 के बाद गतावधि।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
149. सीएम/एस- 7557 1979-02-28	एसएमपी प्रा. लि. बम्बई	बीएससी (एससीएस) पायसनीय सांख्यिकी— IS: 632-1972	एस ओ 2310 1981-09-05	1980-02-29 के बाद गत वर्ष।	
150. सीएम/एस- 7558 1979-02-28	" "	डीडीटी पायसनीय सांख्यिकी— IS: 633-1975	" "	" "	
151. सीएम/एस- 7559 1979-02-28	" "	फेनीट्रोथियाल पायसनीय सांख्यिकी— IS: 5281-1969	" "	" "	
152. सीएम/एस- 7560 1979-02-28	" "	माल-थियोन पायसनीय सांख्यिकी— IS: 2567-1973	" "	" "	
153. सीएम/एस- 7561 1979-02-28	" "	डायकनोबीज पायसनीय सांख्यिकी— IS: 5277-1969	" "	" "	
154. सीएम/एस- 7562 1979-02-28	एसएमपी लि. बम्बई	डीडीटी जनविमर्शनीय पाउडर सांख्यिकी— IS: 565-1975	एस ओ 2310 1981-09-05	1980-02-29 के बाद गत वर्ष।	
155. सीएम/एस- 7563 1979-02-28	" "	बीएससी (एससीएस) जस विमर्शनीय पाउडर सांख्यिकी— IS: 562-1972	" "	" "	
156. सीएम/एस- 7607 1979-03-12	केरो केमिक पटना	एलुमिनियम सफादार चालक और एलुमिनियम चालक जस्तीकृत इस्पात प्रचलित— IS: 398 (भाग 1 और 2)-1976	एस ओ 2585 1981-10-03	1980-03-15 के बाद गत वर्ष। जिस तारीख के बाद गत वर्ष हुए।	
गत वर्ष भावसे					
157. सीएम/एस- 50 1958-01-20	ईस्ट इंडिया प्लाईवुड क. लि. कूच विहार (प. बंगाल)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10 (भाग 2)-1976	एस ओ 13 1958-02-15	1980-01-31	
158. सीएम/एस- 85 1958-04-24	हिन्दुस्तान टिम्बर इंडस्ट्रीज कलकत्ता-700010	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10 (भाग 2)-1976	एस ओ 758 1958-05-10	1979-12-31	
159. सीएम/एस- 106 1958-11-04	वी मीसूर केमिकल मैग्ने. लि. बंगलौर	तांबा सफादार तख्ते की— IS: 261-1966	एस ओ 2408 1958-11-22	1979-12-15	
160. सीएम/एस- 118 1958-02-19	बंगाल प्लाईवुड मैग्ने. कं. प्रो. इन्ड इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हावड़ा	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10 (भाग 2)-1976	एस ओ 618 1959-05-21	1979-12-31	
161. सीएम/एस- 232 1960-10-17	असम प्लाईवुड प्राइवेट लि. लखीमपुर (जि.) असम	" "	एस ओ 2659 1960-11-05	1980-01-31	
162. सीएम/एस- 365 1961-12-12	डिट्टेज इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) लि. दिल्ली 110007	घरेलू इस्तेमाल के लिए बिजली के सुवाहा पानी बुझाऊ हीटर— IS: 368-1977	एस ओ 199 1962-01-20	1979-11-15	
163. सीएम/एस- 385 1962-02-14	असम सा मिल्स एण्ड टिम्बर कं. लि. कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10 (भाग 2)-1976	एस ओ 751 1962-03-17	1980-02-15	
164. सीएम/एस- 514 1963-03-07	वी इंडियन टून मैग्ने. लि. बम्बई	समान्तर शीक (शार्ट सिरीज) और टेपर शीक डिस्ट्रिब्यूज IS: 5102-1969 और IS: 5103-1969	एस ओ 1145 1963-04-20	1980-03-15	
165. सीएम/एस- 523 1963-03-27	कामरूप इंडस्ट्रीज प्रा. लि. कलकत्ता-700001	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10 (भाग 2)-1976	" "	1979-12-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
166. सीएस/एल-612 1963-12-31	नेशनल रिफाइनरीज प्रा. लि. बम्बई	चांदी और ताम्र में पोलिश का टंकई के लिए मिश्रण—	एस ओ 241 1964-01-18	1980-01-31	
167. सीएस/एल-833 1964-11-06	कांडवली मेटल वर्क्स बम्बई	वर्तनों के लिए पिटा एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रधातु— IS : 21-1975	ए. ओ 79 1965-01-02	1980-02-15	
168. सीएस/एल-1323 1966-08-31	गार्गामार तार प्राइवेट (1935) लि. लोडना (बिहार)	कंक्रीट के जोड़ों के लिए गर्म प्रयुक्त सीमिंग योगिक— IS : 1834-1961	एस ओ 2925 1966-10-01	1979-12-31	
169. सीएस/एल-1562 1967-11-14	जीडेतोम इंडस्ट्रीज (इंडिया) (प्रा.) लि. कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10 (भाग 4)—1976	एस ओ 4568 1967-12-23	1979-10-31	
170. सीएस/एल-1575 1967-11-27	जे. एल. बेनेजी एण्ड मनम कलकत्ता-700005	" "	" "	1979-12-31	
171. सीएस/एल-1591 1967-12-21	विश्वजय मेटल इंडस्ट्रीज मायापुरी, नई दिल्ली	डोर कपोजर (द्रव नियंत्रित)— IS : 3564-1975	ए. ओ 284 1968-01-20	1979-12-31	
172. सीएस/एल-1778 1968-08-30	राज शुभ इंडस्ट्रीज भोपाल-3 (म.प्र.)	पेटों और बर्तनों के लिए चपटे बूझ— IS : 384-1971	एस ओ 3677 1968-10-19	1979-12-15	
173. सीएस/एल-1876 1968-12-23	यूनियन प्राइवेट कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तक्रे— IS : 10 (भाग 2)-1976	एस ओ 320 1969-01-25	1980-03-15	
174. सीएस/एल-2152 1969-11-28	इंडियन टी चेस्ट कं. कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10 (भाग 4)-1976	ए. ओ 5045 1969-12-27	1979-12-31	
175. सीएस/एल-2174 1969-12-12	प्रधान एण्ड कं. कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10 (भाग 4)-1976	एस ओ 437 1970-02-07	1982-02-15	
176. सीएस/एल-2216 1970-01-22	गुरुदेव इंडस्ट्रीज प्रा. लि. कलकत्ता 700001	" "	एस ओ 771 1970-02-28	1980-01-31	
177. सीएस/एल-2219 1970-01-22	नेशनल इंडस्ट्रीज लिबूर (जि०) करम	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)-1974	" "	" "	
178. सीएस/एल-2370 1970-07-21	असम टिम्बर ट्रेडिंग वर्क्स, साबरिगा (असम)	" "	एस ओ 2109 1971-05-29	1979-12-31	
179. सीएस/एल-2453 1970-11-06	गो. आबिद अली कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10 (भाग 4)-1976	एस ओ 3593 1971-10-02	1980-02-29	
180. सीएस/एल-2588 1971-03-15	एम्बो इंडिया जूट मिल्स कं. लि. कलकत्ता	कालीनों के नीचे लगाने के लिए जूट का कपड़ा— IS : 4900-1969	एस ओ 3405 1971-10-02	1980-03-15	
181. सीएस/एल-2703 1971-06-16	कैनु इंडस्ट्रीज एण्ड कं. लि. बम्बई 400074	सर्पिलाई गैस मिलिन्डों (एलपीजी) के लिए बाल्व फिटिंग— IS : 3224-1971	एस ओ 3594 1971-10-02	1979-12-31	
182. सीएस/एल-2867 1972-01-10	ए. आर. दीवानजी एण्ड कं. कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग— IS : 10 (भाग 4)-1976	एस ओ 2777 1972-10-07	1980-02-15	
183. सीएस/एल-3015 1972-03-30	हिन्दुस्तान इन्सुलेटेड केबल कंपनी, गजियाबाद (उ.प्र.)	1100 वोल्ट तक कार्यकारी वोल्टता के लिए पोलिथिन रोडिन केबल— IS : 694-1977	एस ओ 887 1973-03-24	1979-12-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
184. सी एम/एल- 3216 1972-11-10	हिरन स्माल स्केल इंडस्ट्रीज कलकत्ता	भारी धातु उद्योगों तथा खानों में काम करने वालों के लिए सुरक्षा बूट और जूते IS 1989-1973	एस प्रो 1700 1973-05-16	1980-01-15	
185. सी एम/एल- 3242 1972-12-07	सविता केमिकल्स प्रा. लि. पाणे	ट्रांसफार्मर और स्विचगियरों के लिए नवीन रोधन तेल- IS 335-1972	एस प्रो 1797 1974-07-20	1979-12-15	
186. सी एम/एल-3317 1975-01-31	हिन्दू ट्रेडिंग एण्ड मैन्यु. क. नई दिल्ली	कमरुक बाल्व- IS 1703-1977	एस प्रो 1798 1974-07-20	1980-01-31	
187. सी एम/एल-3485 1973-07-16	बैट प्रो इजीनि. एण्ड जनरल मेन्चुफैक्चरिंग दिल्ली	मोटर गाड़ियों के लिए केबल- IS 2465-1969	एस प्रो 1233 1975-04-19	1980-02-15	
188. सी एम/एल- 3676 1974-01-16	इंडियन ट्रेडर्स प्रा. लि. नई दिल्ली	1100 बोल्ड तक कार्यकारी बोस्टता के लिए पी बी सी रोधित केबल- IS 694-1977	एस प्रो 2016 1975-06-28	1980-01-15	
189. सी एम/एल- 3679 1974-01-24	सत्यनारायण विनोदर मल्हार्ड कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तबले- IS 10 (भाग 2)- 1976	एस प्रो 2016 1975-06-28	1980-01-31	
190. सी एम/एल- 3856 1974-06-21	ब्रिटिश इलेक्ट्रोकेम एंड पपास प्रा. लि. कलकत्ता	कृषि कार्यों के लिए साफ ठंडे ताजा पानी के बास्ते धैरिज प्रपकेन्द्री पम्प- IS 6595- 1972	एस प्रो 4903 1975-11-01	1979-12-31	
191. सी एम/एल-3967 1974-09-25	लेखापानी विनोदर एंड या मित्र लेखापानी (प्रमम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तबले- IS 10 (भाग 2)- 1976	एस प्रो 1762 1976-05-29	1980-02-15	
192. सी एम/एल- 4062 1974-11-25	मेटल इंजीनियरिंग एंड कं. कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग- IS 10 (भाग 4)- 1976	एस प्रो 2022 1976-06-19	1979-11-30	
193. सी एम/एल- 4077 1974-11-28	मेमा लि. बड़ौदा	1100 बोल्ड तक कार्यकारी बोस्टता के लिए पॉलिथेन/इलीन रोधित केबल- IS 1596- 1977	एस प्रो 2022 1976-06-19	1979-11-30	
194. सी एम/एल- 4107 1974-12-30	विहार स्टेट लैबर इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट कारपोरेशन प्रा. लि. बम्पारन (जि.) (बिहार)	भारी धातु उद्योगों और खानों में काम करने वालों के लिए सुरक्षा बूट और जूते- IS 1989-1973	एस प्रो 2286 1976-07-03	1979-12-31	
195. सी एम/एल- 4161 1975-01-22	एस पी इंडस्ट्रीज कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए धातु की फिटिंग- IS 10 (भाग 4)- 1976	एस प्रो 2465 1976-07-10	1979-11-15	
196. सी एम/एल-4204 1975-02-10	प्रोमियर प्लास्टिक (इंडिया) कलकत्ता	घोद्योगिक सुरक्षा टोप- IS 2925- 1975	एस प्रो 2473 1976- 07-10	1980-02-29	
197. सी एम/एल- 4210 1975-02-12	रोगस स्टील वर्क्स, कलकत्ता	हैमियन और टाट लूमों के लिए शटल- IS 1186- 1971 स्वचल धारियां पखिर्ती और लूमों के लिए शटल- IS 2584-1971, और बू बड लूमों के लिए शटल- IS 2910-1971	एस प्रो 2473 1976-07-10	1980-02-15	
198. सी एम/एल- 4359 1975-05-09	टिम्पेक प्लाईवुड मिक्स इरिजलकूडा (केरल)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तबले- IS 19 (भाग 2)- 1976	एस प्रो 3623 1976-10-16	1980-03-15	
199. सी एम/एल- 4643 1975-09-12	कांतिनूर रबड़ वर्क्स प्रा. लि. कलकत्ता	खनिजों की सुरक्षा के लिए रबड़ केनवास के बूट- IS 3976- 1975	एस प्रो 832 1977-03-19	1974-11-30	
200. सी एम/एल- 4719 1975-10-15	स्टार स्टील प्रा. लि. बड़ौदा	भशीलों के वेबो के निर्माण के लिए मृदु इस्पात के तार -छड़- IS: 2255-1977	एस प्रो 1148 1977-04-16	1979-11-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
201.	सी एम/एल- 4720 1975-10-15	स्टार स्टील प्रा. लि., बड़ोदा	परतदार कमानियों (रेल-डिब्बे) के उत्पादन के लिए इस्पात के इंगट और बिलेट— IS: 8054-1976	एस ओ 1148 1977-04-16	1979-11-15
202.	सी एम/एल-4721 1975-10-14	स्टार स्टील प्रा. लि. बड़ोदा	काठ के पेचों के निर्माण के लिए इस्पात बार के उत्पादन के वास्ते इस्पात के इंगट और बिलेट— IS 8053- 1976	एस ओ 1148 1977-04-16	1979-11-15
203.	सी एम/एल 4728 1975-10-15	महावीर स्टील रोलिंग मिल्स दिल्ली	इस्पात के दरवाजे, खिड़किया और रोजनदान— IS: 1038- 1975	एस ओ 1148 1977-04-16	1970-11-15 1980-01-31
204.	सी एम/एल- 4754 1975-10-27	पेंटिस्टाइल एंड ब्रूम लि. धाणे	मालावियॉन पायसनीय सान्द्र— IS: 2567- 1978	एस ओ 1148 1977-04-16	1980-02-15
205.	सी एम/एल- 4813 1975-11-24	कपूर टिम्बरम एमनानगर	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए पट्टियों— IS: 10 (भाग 3)- 1974	एस ओ-1147 1977-04-16	1979-11-15
206.	सी एम/एल- 4858 1975-12-04	पवानवीस एंड कं. कलकत्ता	उर्वरक भरने के लिए जूट के परतदार बोरे— IS 7406- 1974	एस ओ 3083 1977-10-08	1979-11-30
207.	सी एम/एल-4875 1975-12-04	इंडियन लेमिनेशन इंडस्ट्रीज प्रा.लि. कलकत्ता	उर्वरक भरने के लिए जूट के परतदार बोरे— IS 7406- 1974	एस ओ 3083 1977-10-08	1979-12-31
208.	सी एम/एल-4881 1975-12-12	कूड एंड इस्म लि., बागई	ग्रंथा चूर्ण— IS 4723-1968	एस ओ- 3083 1977-10-08	1980-02-15
209.	सी एम/एल- 4904 1975-12-17	शिवालिक एप्रो केमिकल्स रोपड़ (पंजाब)	डीडीटी पायसनीय सान्द्र— IS: 633- 1975	एस ओ 3083 1977-10-08	1979-12-15
210.	सी एम/एल- 4905 1975-12-17	शिवालिक एप्रो केमिकल्स रोपड़ (पंजाब)	पेंडोसल्फोन पायसनीय सान्द्र— IS 4323- 1967	एस ओ 3083 1977-10-08	1979-12-15
211.	सी एम/एल- 4906 1975-12-17	शिवालिक एप्रो केमिकल्स रोपड़ (पंजाब)	हाइड्रेक्सिपट पायसनीय सान्द्र— IS 3903- 1975	एस ओ 3083 1977-10-08	1979-12-15
212.	सी एम/एल- 4913 1975-12-19	इस्टन सीमेंट वाटर प्रूफिंग कं., कलकत्ता	ममालित सीमेंट अलससहकारी योगिक— IS: 2645- 1975	एस ओ- 3083 1977-10-08	1979-12-31
213.	सी एम/एल- 4924 1976-01-01	ममोचन्द्र भोलानाथ जलन्धर सिटी (पंजाब)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS: 226- 1975	एस ओ 1312 1977-05-07	1979-12-31
214.	सी एम/एल- 4954 1976-01-15	बी बी खेतान एंड कं. 24-परगना (प. बं.)	एलिट्रन धुलन पाउडर— IS: 1308- 1974	एस ओ 1312 1977-05-07	1980-01-15
215.	सी एम/एल- 4994 1976-02-05	टेक्निको इंडिया कलकत्ता	ताप संवेदनशील ध्वनि बोधक (विद्युत्प्रवर्धित)— IS 2175- 1962	एस ओ 3441 1978-12-02	1980-02-15
216.	सी एम/एल- 5048 1976-03-01	विष्णु केबल क. नई दिल्ली	1100 वोल्ट तक बोल्टता के लिए पालिये- बाइलीन रोधित केबल— IS 1596- 1977	एस ओ 12 1979-01-06	1980-03-15
217.	सी एम/एल- 5049 1976-03-01	प्रोमेन केबल इंडस्ट्रीज दिल्ली	1100 वोल्ट तक कार्यकारी बोल्टता के लिए पीवीसी रोधित (भारी कम) विद्युत केबल— IS 1554 (भाग 1)- 1976	एस ओ 12 1979-01-06	1980-01-31
218.	सी एम/एल- 5059 1976-03-05	मगरपाडा कं. लि., 24 परगना (प. बं.)	उर्वरक के बोरे के लिए जूट का कपड़ा— IS: 6407- 1974	एस ओ- 12 1979-01-06	1980-03-15
219.	सी एम/एल- 5060 1976-03-05	गैंगीज सिन्धु कं. लि. दुगली (जि.) (प. बं.)	उर्वरक के बोरे के लिए जूट का कपड़ा— IS: 6407- 1974	एस ओ 12 1979-01-06	1980-03-15
220.	सी एम/एल- 5079 1976-03-18	पुनास्टेट पल्परजर्जम प्रागया (उ.प्र.)	डीडीटी अलससहकारी पाउडर सान्द्र— IS: 565- 1975	एस ओ 12 1979-01-06	1979-12-31
221.	सी एम/एल- 5086 1976-03-18	जयश्री प्लास्टिक्स कलकत्ता- 700053	वेप जल पूर्ति के लिए उच्च धनत्व पालिये- बाइलीन पाइप— IS: 4984- 1972	एस ओ 12 1979-01-06	1980-03-31

1	2	3	4	5	6
222.	सी एम/एल-5253 1976-05-28	डोमैस्टिक एप्लायसेज ग्यालियर (म. प्र.)	परेलू प्रेशर क्लर- IS: 2347-1974	एस ओ 954 1979-03-17	1979-12-15
223.	सी एम/एल-5302 1976-06-05	स्टार स्टील प्रो. लि. मनेजा जिला बड़ोदा	IS गडार्ई के लिए कार्बन इस्पात के विलेट, ब्लूम मिल्लियां भोग छहें- IS: 1875-1978	एस ओ 1274 1979-04-21	1979-11-15
224.	सी एम/एल-5362 1976-07-14	काउन सजिकल ड्रेसिंग मैनु कं., बम्बई	बैबेज कर कपड़ा- IS: 863-1969	एस ओ 1226 1979-04-14	1978-07-15
225.	सी एम/एल-5421 1976-08-09	अशोक ट्रेडर्स बम्बई	बीएचसी (एचसीएच) जलविमर्जनीय पाउडर- IS: 562-1978	एस ओ 3548 1979-10-20	1980-02-20
226.	सी एम/एल-5638 1976-11-17	ए पी इंडस्ट्रीज कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए घालु के फिटिंग- IS: 10 (भाग 4)-1976	एस ओ 3761 1979-11-17	1979-11-30
227.	सी एम/एल-5639 1976-11-17	सुपर इंडिया मैच कं. प्रा. लि. कठार (जि.) (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के लकने- IS: (भाग 2)-1976	एस ओ 3761 1979-11-17	1979-12-31
228.	सी एम/एल-5650 1979-11-27	प्रभात सान्वेन्ट एक्स्ट्रेक्शन इंडस्ट्रीज प्रा० लि. माना बदार-362630	IS-विटर सलाईवाले बर्गकारटीन- IS: 916-1975	एस ओ 3761 1979-11-17	1979-11-30
229.	सी एम/एल-5679 1976-12-03	श्री उमा स्टील कं. कलकत्ता	चाय की प्लाईवुड की पेटियों के लिए घालु की फिटिंग- IS: 10 (भाग 4)-1976	एस ओ 3762 1979-11-17	1979-11-30
230.	सी एम/एल-5681 1976-12-10	कस्ट्रोस सिस्टम कलकत्ता	आग बुझाने के लिए मशीनी फोम तैयार करने के बास्ते फोम योगिक- IS: 4989-1974	एस ओ 3762 1979-11-17	1979-12-15
231.	सी एम/एल-5722 1976-12-14	कलिंग ट्रप्लस लि. कटक (उड़ीसा)	शिरोपरि पावर लाइन के लिए नलिकाकार इस्पात के खम्भे- IS: 2713-1969	एस ओ 3762 1979-11-17	1979-12-15
232.	सी एम/एल-5736 1976-12-24	ईस्ट कोस्ट प्रस्टिपाउडस गंजाम (गज) (उड़ीसा)	एलिडन पायसनीय सान्द्र- IS: 1307-1973	एस ओ 3762 1979-11-17	1979-12-31
233.	सी एम/एल-5740 1976-12-24	बीनस रबैम कोयमुतुर	टाप रोलरों के लिए काट- IS: 7115-1974	एस ओ 3762 1979-11-17	1979-12-15
234.	सी एम/एल-5744 1976-12-24	हेपीएकम्ब रबर प्रा. लि० कोट्टायाम जि. केरल	कच्चा प्राकृतिक रबर- IS: 4588-1977	एस ओ 3762 1979-11-17	1979-12-15
235.	सी एम/एल-5766 1977-01-06	फूड एंड फालाईड प्राइमटस विजयवाड़ा (आ. प्र.)	बीबीटी धूलन पाउडर- IS: 564-1975	एस ओ 420 1980-02-23	1980-01-15
236.	सी एम/एल-5771 1977-01-07	जेता जेटल वर्क्स, जलन्धर	जल सेवार्थों के लिए इली नांबा मिश्रधातु की स्कूडाउन-टेंटियों और रोक वाल्व- IS: 781-1917	एस ओ 420 1980-02-23	1980-01-15
237.	सी एम/एल-5780 1977-01-11	बिरला जूट मैनु. कं. लि. मि. 24-परगना (प. ब.)	मीमेंट भरने के लिए जूट के बोरे- IS: 2580-1965	एस ओ 420 1980-02-23	1979-12-31
238.	सी एम/एल-5805 1977-01-12	क्रिलोस्कर ट्रैक्टर्स लिमि. नामिक रोड-422101; (महाराष्ट्र)	हीजल इंजन- IS: 1601-1960	एस ओ 420 1980-02-23	1979-12-31
239.	सी एम/एल-5806 1977-01-12	अमित पैक एंटरप्राइजेज, थाणे 400601 (महाराष्ट्र)	ताम्र आक्सीक्लोराइड जलविमर्जनीय पाउडर- (दुबारा भरता) IS: 1507-1977	एस ओ 420 1980-02-23	1980-01-15
240.	सी एम/एल-5807 1977-01-12	पैकवेल इंडस्ट्रीज थाणे-400601 (महाराष्ट्र)	ताम्र आक्सीक्लोराइड जलविमर्जनीय पाउडर- (दुबारा भरता) IS: 1507-1977	एस ओ 420 1980-03-23	1980-01-15
241.	सी एम/एल-5816 1977-01-17	जिट्ज हलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) लि. विल्ली	भंडारण प्रकार के स्वचाल बिजली के जलनायक होटर- IS: 2082-1965	एस ओ 420 1980-02-23	1980-01-15

1	2	3	4	5	6
242.	सी एम/एल-5822 1977-01-24	फार्मिको प्रा. लि., हिम्मतनगर (गुजरात)	मावाधियोन एन पाउडर-- IS: 2568-1978	एस ओ 420 1980-02-23	1980-01-31
243.	सी एम/एल-5835 1977-01-24	फार्मिको प्रा. लि. हिम्मतनगर (गुजरात)	डी डी टी पायसनीय सान्द्र-- IS: 633-1975	एस ओ 420 1980-02-23	1980-01-31
244.	सी एम/एल-5836 1977-01-24	फार्मिको प्रा. लि., हिम्मतनगर (गुजरात)	कार्बोरिल धूलन पाउडर-- IS: 7122-1973	एस ओ 420 1980-02-23	1980-01-31
245.	सी एम/एल-5861 1977-02-03	प्रेमिडेंट इन्डस्ट्रिज भावनगर (गुजरात)	बी एच सी (एच सी एच) धूलन पाउडर-- IS: 561-1978	एस ओ 731 1980-03-22	1980-02-15
246.	सी एम/एल-5829 1977-02-28	गवर्नमेंट मिल्क स्फर्म (डेयरी विकास विभाग महाराष्ट्र सरकार) सांगली महाराष्ट्र	बुध चुर्ण (पूर्ण और मर्रेटा) IS: 1165-1975	एस ओ 731 1980-03-22	1980-02-15
247.	सी एम/एल-5894 1977-02-28	अणोक ट्रेडर्स, बम्बई	कार्बोरिल जलविमर्जनीय पाउडर-- IS: 7121-1973	एस ओ 731 1980-03-10	1980-02-29
248.	सी एम/एल-5895 1977-02-28	अणोक ट्रेडर्स, बम्बई	कार्बोरिल धूलन पाउडर-- IS: 7122-1973	एस ओ 731 1980-03-10	1980-02-29
249.	सी एम/एल-5998 1977-02-28	महाबा पेट्रो केमिकल्स, मद्रास (त. ना.)	पैराफिन मोम-- IS: 4654-1971	एस ओ 731 1980-03-22	1979-12-15
250.	सी एम/एल-5919 1977-02-28	कुबेरजी बेवशी एण्ड क. प्रा. लि., बम्बई	इसकल द्वारा प्रयोग के लिए ट्रेलर पम्प-- IS: 943 और 944-1966	एस ओ 731 1980-03-22	1980-02-29
251.	सी एम/एल-5920 1977-02-28	अणोक ट्रेडर्स, बम्बई	डी डी टी जलविमर्जनीय पाउडर-- IS: 565-1975	एस ओ 731 1980-03-22	1980-02-29
252.	सी एम/एल-5964 1977-03-24	नेविश जैम (इंडिया) प्रा. लि., वरीनी (बिहार)	पैराफिन मोम-- IS: 4654-1974	एस ओ 787 1980-03-29	1979-12-31
253.	सी एम/एल-5992 1977-03-24	बी एस मशीन टूल्स कारपोरेशन, कलकत्ता	ज्वालासह उपकरणों के घेरे-- IS: 2148-1968	एस ओ 787 1980-03-29	1980-03-16
254.	सी एम/एल-6024 1977-04-07	गीता आयरन एण्ड स्टील वर्क, बजूवा, जिन्ना बड़ादा	फिरन रोक टाइप के प्रतिवर्तक (नॉन-रिटर्न) बाल्व एकल कपाठ नमूने के-- IS: 5312 (भाग 1) - 1969	एस ओ 786 1980-03-29	1979-04-15
255.	सी एम/एल-6029 1977-04-07	अमीनबन्द भोलानाथ, जलन्धर मिर्टा (पंजाब)	क्रॉट प्रवलन के लिए ठंडी मरोही इस्पात की सरिया-- IS: 1786-1966	एस ओ 786 1980-03-29	1980-02-29
256.	सी एम/एल-6064 1977-04-25	बी असम ट्यूब्स लि. गोहाटी-78131 (असम)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS: 226-1975	एस ओ 786 1980-03-29	1980-03-15
257.	सी एम/एल-6097 1977-05-13	बी तिरुविवापल्ली डिस्ट्रिक्ट को- ऑप. मिल्स लिमि., मोकलापाटी (डा)-639101 जिल. तिरुची	भूरे रंग का सूती धागा-- IS: 171-1973	एस ओ 283 1981-01-24	1979-11-30
258.	सी एम/एल-6358 1977-07-20	प्रेमिडेंट इन्डस्ट्रिज, भावनगर (गुजरात)	डी डी टी पायसनीय सान्द्र-- IS: 633-1975	एस ओ 754 1981-03-07	1980-02-15
259.	सी एम/एल-6384 1977-08-31	नैवर कारपोरेशन आफ उड़ीसा लि., बालनगर (जि. उड़ीसा)	पूर्णक्रम ऊपरी घमड़ा-- IS: 578-1971	एस ओ 755 1981-03-07	1979-11-30
260.	सी एम/एल-6506 1977-10-31	किमान केमिकल वर्क, बड़ोदा जि. (गुजरात)	डी डी टी धूलन पाउडर-- IS: 564-1975	एस ओ 921 1981-03-21	1979-11-30 1979-10-31
261.	सी एम/एल-6521 1977-11-07	कोहेनूर रबर वर्क्स लि. मि., कलकत्ता-700011	रबड़ की गर्म पानी की बोतलें-- IS: 1867-1975	एस ओ 1223 1981-04-18	1979-11-15
262.	सी एम/एल-6531 1977-11-16	कोहेनूर रबर वर्क्स लि. मि., कलकत्ता-700011	गोद्योगिक और सुरक्षा रबड़ के घटकों तक के बूट (टाइप 3)-- IS: 5557-1969	एस ओ 1223 1981-04-18	1979-11-15

1	2	3	4	5	6
263.	सी एम/एल- 6573 1977-12-09	नवीन ट्रेडिंग कारपो बालकला,	चाय की प्रलाईबुड की पेटियों के लिए घातु की फिटिंग- IS : 10 (भाग 4)-1976	एस ओ 1222 1981-04-18	1979-12-15
264.	सी एम/एल- 6596 1977-12-20	भारता इंजीनियरिंग कं., हृदयबाद	सामान्य कार्यों के लिए स्थिर गति वाले अन्त- द्वंद्व इंजनों का निष्पादन- IS : 1601-1960	एस ओ 1222 1981-04-18	1979-12-15
265.	सी एम/एल- 6604 1977-12-20	बोमिन प्रा. लि.	कृषि कार्यों के लिए साफ ठंडे ताजापानी के वास्ते श्रैतिज अपकेन्नी पम्प- IS : 6595-1972	एस ओ 1222 1981-04-18	1979-12-31
266.	सी एम/एल- 6606 1977-12-20	गौरव प्राइवेटम. मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)	खनिज संभृत कश्चित तापन सत्व 2000वा, 1000वा, 1500वा और 2000वा- IS : 4159-1967	एस ओ 1222 1981-04-18	1979-12-31
267.	सी एम/एल- 6636 1978-01-05	वैकटेश्वर स्टील्स प्रा. लि. नई दिल्ली	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी इस्पात की सस्त्रिया- IS : 1786-1966	एस ओ 1615 1981-05-30	1979-12-31
268.	सी एम/एल- 6668 1978-01-16	डी के मेटल इंडस्ट्रियल बम्बई	पिटे एलुमिनियम के बर्तन, खाना पकाने की मेज, परोसने और रखने के बर्तन- IS : 1600 (भाग 1)-1967	एस ओ 1615 1981-05-30	1979-12-31
269.	सी एम/एल- 6692 1978-01-24	नागार्जुन एगो एण्ड स्टील कार्पो. गुन्टूर (जि) आ. प्र	वी एच सी (एच सी एच) जलविसर्जनी पाउडर सान्द्र- IS : 563-1978	एस ओ 1615 1981-05-30	1979-12-31
270.	सी एम/एल- 6694 1978-01-24	वैकटेश्वर स्टील्स प्रा. लि. दिल्ली	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)- IS : 1977-1975	एस ओ 1615 1981-05-30	1979-12-31
271.	सी एम/एल- 6701 1978-01-25	गिजबुर्गा आयरन वर्क्स प्रा. लि. हावड़ा	फिरन-रोक टाइप के प्रविर्तक (गान-रिटन) वाल्ब एकल कपट नमूने के- IS : 5312 (भाग 1)-1969	एस ओ 1615 1981-05-30	1979-12-31
272.	सी एम/एल- 6703 1978-01-25	विजय इंडस्ट्रियल बड़ोवा	कोलतार के खाद्य रंगों की बनावट और मिश्रण- IS : 5346-1925	एस ओ 1615 1481-05-30	1980-01-31
273.	सी एम/एल- 6707 1978-01-27	स्वर्ण इलेक्ट्रिकल्स बंगलौर	खनिज संभृत कश्चित तापन एलमिट 2000वा, 1000वा, और 2000 वा. IS : 4159-1967	एस ओ 1615 1981-05-30	1980-01-31
274.	सी एम/एल- 6709 1978-01-27	महेश्वर इंडस्ट्रियल बम्बई	पिटे एलुमिनियम के बर्तन, खाना पकाने के मेज खाना परोसने और रखने के बर्तन- IS : 1660 (भाग 1)-1967	एस ओ 1615 1481-05-30	1980-01-31
275.	सी एम/एल- 6734 1978-01-31	भारत इंडस्ट्रियल कारपो. गोहाट (असम)	पैराफिन मोम, टाइप-3 IS : 4654-1974	एस ओ 1615 1981-05-30	1980-01-31
276.	सी एम/एल- 6735 1978-02-02	राष्ट्रीय इंजीनियरिंग वर्क्स (रजी.) बटाला (पंजाब)	शीत कुंडों और मूलदानों के लिए फ्लश की टंकिया- IS : 774-1971	एस ओ 1661 1481-06-06	1980-02-15
277.	सी एम/एल- 6738 1978-02-06	केयलसन, दिल्ली	सूती ट्रिल के लिए दस्ताने, टाइप 15- IS : 6994 (भाग 1)-1973	एस ओ 1661 1981-06-06	1980-02-15
278.	सी एम/एल- 6741 1978-02-07	नागपाल इलेक्ट्रिक एण्ड रेडियो कं नई दिल्ली	विजली के चूल्हे, 1000 वा IS : 2994-1965	एस ओ 1661 1981-06-06	1980-02-15
279.	सी एम/एल- 6745 1978-02-07	वी कर्नाटक स्टेट कोआप. मार्केटिंग फेडरेशन लि. मि. बंगलौर	बी एच सी (एच सी एच) जलविसर्जनीय पाउडर-सांद्र- IS : 562-1978	एस ओ 1661 1981-06-06	1980-02-15

1	2	3	4	5	6
280.	सी एम/एल- 6751 1978-02-08	स्युएन होज मैनु. कं. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)	आग बुझाने के होज-- IS : 636-1962	एस ओ 1661 1981-06-06	1980-02-15
281.	सी एम/एल- 6768 1978-02-17	श्री एस के इंडस्ट्रीज पटना (बिहार)	कृषि कार्यों के लिए साफ डंडे और ताजा पानी के वास्ते शैतिज अपकेन्द्री पम्प IS : 6595-1972	एस ओ 1661 1981-06-06	1980-02-29
282.	सी एम/एल- 8835 1978-03-02	बी के इलेक्ट्रिकल्स जयलपुर (म. प्र.)	एलुमिनियम लड़दार बालक और एलुमिनियम बालक जस्तीकृत इस्पात प्रबलित--- IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976	एस ओ 1664 1981-06-06	1980-03-15
283.	सी एम/एल- 6828 1978-03-03	जयश्री प्लास्टिक्स, कलकत्ता	पेय जल पूर्ति के लिए निम्न घनत्व पालि- थेनाइलीन पाइप-- IS : 3076-1968	एस ओ 1664 1981-06-06	1980-03-31
284.	सी एम/एल- 6878 1978-03-23	फायर इक्विपमेंट कारपो. बम्बई	आग बुझाने के होज-- IS : 636-1962	एस ओ 1664 1981-06-06	1980-03-31
285.	सी एम/एल- 6904 1978-03-29	मृजफर नगर स्टील्स लि. मृजफर नगर (उ० प्र०)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्वैलन के लिए कार्बन इस्पात के ट्वे बिलेट इंगट-- IS : 6915-1978	एस ओ 1664 1981-06-06	1980-03-31
286.	सी एम/एल- 7082 1978-06-28	चेमिक्ट कं. लि. 24-परगना (प. ब.)	उर्वरक बोरो के लिए जूट का कपड़ा-- IS : 7407-1974	एस ओ 2002 1981-07-25	1979-11-30
287.	सी एम/एल- 7167 1978-08-16	हिन्दुस्तान केमिकल, कं. दिल्ली	पैराफिन मोम, टाइप-3 IS : 4654-1974	एस ओ 2180 1981-08-15	1979-08-31
288.	सी एम/एल- 7179 1978-11-30	सुलेखा वर्क्स लिमि 24-परगना (प. ब.)	साख-- IS : 868-1956	एस ओ 2270 1981-08-29	1979-12-15
289.	सी एम/एल- 7394 1978-12-06	कामशील सर्विसेज एजेंसीस बैबी (जि.) (प. ब.)	जूट के लूमों में प्रयोग के लिए अन्तरालबद्ध तार की रीटें-- IS : 1552-1978	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-15
290.	सी एम/एल- 7400 1978-12-08	श्री एग्रो इंडस्ट्रीज, मैसूर (कर्णाटक)	ताम्र आक्सीक्लोराइड जलविसर्जनीय पाउडर-- मान्द्र-- IS : 1507-1977	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-15
391.	सी एम/एल- 7401 1978-12-08	श्री एग्रो इंडस्ट्रीज, मैसूर (कर्णाटक)	मालाधियोन पायसनीय मान्द्र-- IS : 2567-1978	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-15
292.	सी एम/एल- 7402 1978-12-08	श्री एग्रो इंडस्ट्रीज, मैसूर (कर्णाटक)	डीडीटी पायसनीय मान्द्र-- IS : 2567-1978	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-15
293.	सीएम/एल- 7420 1978-12-19	पीटर आटोकिट्स प्रा. लि. बम्बई	सुबाह्य रासायनिक अग्निशामक भाग हाइड्रा--IS: 933-1975	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-31
294.	सीएम/एल- 7421 1978-12-19	पीटर आटोकिट्स प्रा. लि. बम्बई	सुबाह्य रासायनिक अग्निशामक, सोडा एसिड टाइप-- IS : 934-1976	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-31
295.	सीएम/एल- 7424 1978-12-20	हरियाणा स्वन कं मिबानी (जि.)	कंक्रीट पाइप प्रबलन सहित और रहित-- IS : 456-1971	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-13-31
296.	सीएम/एल- 7430 1978-12-30	श्री बड़ानगर जूट फैक्ट्री कलकत्ता	उर्वरक के बोरो के लिए जूट का कपड़ा-- IS : 7407-1974	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-31
297.	सीएम/एल- 7441 1978-12-27	कोताबगरी, बाणे (जि.) महाराष्ट्र	मालाधियोन पायसनीय मान्द्र-- IS : 2567-1978	एस ओ 2276 1981-08-29	1979-12-15
298.	सीएम/एल- 7461 1979-01-08	राजीव कमल इंडस्ट्रीज, पटना (बिहार)	कृषि कार्यों के लिए साफ डंडे ताजा पानी के वास्ते शैतिज अपकेन्द्री पम्प-- IS : 6595-1972	एस ओ 2777 1981-08-29	1980-01-15

1	2	3	4	5	6
299.	सीएम/एल-7468 1979-01-10	मूया होमिऑपैथि. निरपुर (उ. प्र.)	माशा बनी सूती धनियानें— IS : 4964 (भाग 2)—1975	एसओ 2777 1981-08-29	1980-01-15
300.	सीएम/एल-7475 1979-01-12	ईस्टर्न केमिकल इंडस्ट्रीज उदयपुर (प. प्र.)	मालाधिपोन पायसनीय साम्द्र— IS : 2567-1978	एसओ 2777 1981-08-29	1980-01-15
301.	सीएम/एल-7483 1979-01-18	सोना इंडस्ट्रीज— अविश-292004 (उ. प्र.)	सामान्य कार्यों के लिए मिश्रणित वाले धन- इष्टुत धनियों का निष्पादन— IS : 1601-1960	एसओ 2777 1981-08-29	1980-01-15
302.	सीएम/एल-7489 1970-01-22	नेटको केबल इंडस्ट्रीज नई दिल्ली	1100 बोल्ट तक कार्यकारी बोल्टना के लिए (पीथीमी रोधित भारी काम) बिजली के के केबल— IS : 1554 (भाग 1)—1976	एसओ 2277 1981-08-29	1980-01-31
303.	सीएम/एल-7521 1979-02-05	पाइपफिक्स इंडस्ट्रीज गोशियाबाद (उ. प्र.)	घासबर्धे कलबो सोरे के पाइप फिटिंग— IS : 1879 (भाग 1 से 10)—1975	एसओ 2310 1981-09-05	1980-02-15
304.	सीएम/एल-7526 1979-02-07	इन्टर ब्रश नई दिल्ली	पेस्टों और बानियों के लिए बपटे ब्रश— IS : 384-1971	एसओ 2310 1981-09-05	1980-02-15
305.	सीएम/एल-7529 1979-02-08	डिटेल इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) वि० दिल्ली	बिजली की इस्तरों, धम्वचल टाइप— बोल्टना 250 बोल्ट से अनधिक— IS : 366-1965	एसओ 2310 1981-09-05	1980-02-15
306.	सीएम/एल-7530 1979-02-08	डिटेल इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) वि० दिल्ली	बिजली की केटली, 230 बोल्ट, 0 15 किवा और 1.5 लिटर समर्प वाली— IS : 367-1977	एसओ 2310 1981-09-05	1980-02-15
307.	सीएम/एल-7555 1979-02-24	इन्टर कार्वेयूटिकल्स (इंडिया) प्रा. लि०, (विहार)	रोगोपुनाशक तरल काला और सफेद— IS : 1061-1975	एसओ 2310 1981-09-05	1980-02-29
308.	सीएम/एल-1587 1979-03-05	मनोप टाइल्स जयपुर (राजस्थान)	खिड़कियों के खिड़कों पर लगने के लिए पुट्टी— IS : 419-1967	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
309.	सीएम/एल-7592 1979-03-05	त्रय इंडस्ट्रीज मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1975	एसओ 2535 1981-10-05	1980-03-15
310.	सीएम/एल-7591 1979-03-05	जय इंडस्ट्रीज मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1975	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
311.	सीएम/एल-7597 1979-03-05	कृषिसेमिल प्रा. लि बंगलौर (कर्नाटक)	मालाधिपोन पायसनीय साम्द्र— IS : 2567-1978	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
312.	सीएम/एल-7601 1979-03-09	फलसम राजपुरा (पंजाब)	मशीन औरों के लिए शीतक पम्प, साइज 1, साइज 1/120, 1/70 और 1/220— IS : 2161-1962	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
313.	सीएम/एल-7603 1979-03-09	एमोर स्टील एंटरप्राइज प्रा. लि. मद्रास	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वर्तन के लिए कार्बन इस्पात के दले बिलेट इंगर— IS : 6914-1978	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
314.	सीएम/एल-7606 1979-03-12	एवरेस्ट धातु कार्पोरेशन मद्रास	पेरफिल मोम— IS : 4654-1974	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
315.	सीएम/एल-7614 1979-03-12	वेकटेश्वर एण्ड केमिकल्स एण्ड मिनरल्स मद्रास	कार्बोरेल जलविसर्तनीय पाउडर— IS : 7121-1973	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
316.	सीएम/एल-7615 1979-03-12	रामचन्द्र वेन्टीसाइड्स प्रा. लि. बंगलौर	खोडीटी पायसनीय साम्द्र— IS : 633-1975	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-15
317.	सीएम/एल-7626 1979-03-22	एनोमियेटिड केमिकल इंडस्ट्रीज मद्रास	कोलतारी खाद्य रंगों की बनावट और मिश्रण— IS : 5346-1975	एसओ 258-5 1981-10-03	1980-03-31
318.	सीएम/एल-7642 1979-03-22	कामधेनु वेन्टीसाइड्स पुणे (महाराष्ट्र)	फास्फोसाइडिन अवशिलेय साम्द्र— IS : 6177-1971	एसओ 2585 1981-10-03	1980-03-31

S.O. 4898.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulations 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby notified that the Certification Marks licences, details of which are mentioned in the following Schedule have lapsed or their renewals deferred effective from the dates shown in Column 6 :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Licensee	Product and IS : No.	S.O. No. and Date of the Gazette notifying grant of licence	Remarks
1	2	3	4	5	6
LICENCE LAPSED					
	1. CM/L-204 1960-06-28	Jaipur Metal & Electricals Ltd., Jaipur (Rajasthan)	Copper rods for boiler stay bolts and rivets— IS : 288—1960	S.O. 1815 dt. 1960-07-23	Renewal was deferred after 1978-10-15; the licence now stands lapsed after that date.
	2. CM/L-406 1962-04-25	The Ganges Plywood Mfg Co. Pvt. Ltd. Calcutta	Plywood tea-chest panels— IS : 10 (Pt II)—1978	S.O. 1509 dt. 1962-05-19	Renewal was deferred after 1979-09-15; the licence now stands lapsed after that date.
	3. CM/L-462 1962-09-28	Sambhar Salts Ltd, Sambhar Lake (Rajasthan)	Dairy salt and tree flowing table salt— IS : 253—1970	S.O. 1680 dt. 1963-06-22	Lapsed after 1980-01-15
	4. CM/L-756 1964-08-12	Sree Venkateswara Minerals Pvt. Ltd., Madras	DDT dusting powders— IS : 563—1975	S.O. 3553 dt. 1964-10-10	Renewal was deferred after 1977-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
	5. CM/L-983 1964-12-24	Kamani Metallic Oxides Pvt. Ltd, Thana-400604 (Maha- rashtra)	Zinc oxide for paints— IS : 35—1975	S.O. 274 dt. 1965-01-23	Renewal was deferred after 1980-01-15; the licence now stands lapsed after that date.
	6. CM/L-984 1964-12-24	-do-	Red lead for paints and jointing purposes— IS : 57—1965	S.O. 274 dt. 1965-01-23	-do-
	7. CM/L-1006 1965-02-08	Singh Engg Works Pvt Ltd, Kanpur (U.P.)	Structural steel (ordinary qua- lity)— IS : 1977—1975	S.O. 987 dt. 1965-02-27	Lapsed after 1980-02-15.
	8. CM/L-1356 1966-11-30	Travancore Chemical & Mfg Co Ltd. Udyogmandal P.O., Via Alwaye (Kerala)	BHC (HCH) WDPC— IS : 562—1972	S.O. 3923 dt. 1966-12-24	Renewal was deferred after 1975-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
	9. CM/L-1359 1966-11-30	Skytone Electricals (India) Fari- dabad (Haryana)	Thermoplastic insulated weath- erproof cables— IS : 3035 (Pt I)—1965; IS : 3035 (Pt II)—1965; and IS : 3035 (Pt III)—1967	-do-	Lapsed after 1979-11-30.
	10. CM/L-1823 1968-10-31	The Hindustan Wood Industries Thiruvalla, Distt Alleppey (Kerala)	Plywood tea-chest panels IS : 10 (Pt II)—1976	S.O. 4257 dt. 1968-11-30	Renewal was deferred after 1977-01-15; the licence now stands lapsed after that date.
	11. CM/L-1863 1968-12-23	Rhylons Pesticides & Insectici- des Hyderabad-500039	BHC (HCH) DP— IS : 561—1972	S.O. 370 dt. 1969-01-25	Renewal was deferred after 1978-07-15; the licence now stands lapsed after that date.
	12. CM/L-1932 1969-03-10	N.D. Windsor & Co., Dehradun (U.P.)	Clinical thermometers— IS : 3055—1965	S.O. 1639 dt. 1969-05-03	Renewal was deferred after 1979-03-15; the licence now stands lapsed after that date.
	13. CM/L-1965 1969-05-07	South India Sanfits, Arugur, Coimbatore Distt. (T.N.)	Flushing cisterns for water close- ts and urinals— IS : 774—1971	S.O. 2551 dt. 1969-06-28	Renewal was deferred after 1976-04-30; the licence now stands lapsed after that date.
	14. CM/L-2012 1969-07-08	Central Insecticides & Fertiliz- ers, Bombay	BHV (HCH) LC— IS : 632—1972	S.O. 3585 dt. 1969-09-06	Lapsed after 1980-02-29.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15. CM/L-2078 1969-09-22	-do-	Aldrin EC— IS : 1307--1973	S.O. 4310 dt. 1969-10-25	Lapsed after 1980-02-29-	
16. CM/L-2169 1969-12-08	Mahalakshmi Glass Works Pvt. Ltd., Hyderabad	Glass Milk bottles— IS : 1392--1971	S.O. 437 dt. 1970-02-07	Renewal was deferred after 1979-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
17. CM/L-2183 1969-12-31	Victor Cables Corporation, Sahibabad (U.P.)	Thermoplastic insulated weather proof cables, PVC insulated and PVC sheathed— IS : 3035 (Pt I) 1965	-do-	Lapsed after 1978-12-31	
18. CM/L-2194 1969-12-31	Sylvan & Company Calcutta	Plywood tea-chest metal fittings- IS : 10(Pt IV)-1976	-do-	Lapsed after 1979-12-15	
19. CM/L-2279 1970-03-16	Central Insecticides & Fertilisers, Bombay	DDT WDPC-IS : 565-1975	S.O. 1508 dt. 1970-04-25	Lapsed after 1980-02-29	
20. CM/L-2913 1972-02-16	Agarwal Hardware Works Pvt. Ltd, Gauhati-16	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement- IS : 1786-1966	S.O. 2801 dt. 1972-10-14	Lapsed after 1980-02-15	
21. CM/L-2994 1972-03-28	Kores (India) Ltd, Thana (Maharashtra)	Dye-based fountain pen inks- IS : 1221-1971	S.O. 887 dt. 1973-03-24	Renewal was deferred after 1976-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
22. CM/L-3012 1972-03-30	Evershine Electrical Works (I), New Delhi	Thermoplastic insulated weather- proof cables : Part I PVC insu- lated & PVC sheathed; and Part II Polyethylene insulated taped and untapped, braided and compounded IS : 3035 (Pt I & II)-1965	-do-	Lapsed after 1978-12-31	
23. CM/L-3229 1972-11-28	P.N.M. Company, Erode	DDT dusting powders- IS : 564-1975	S.O. 1700 dt. 1973-06-16	Renewal was deferred after 1977-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
24. CM/L-3231 1972-11-28	Sova Pvt. Ltd, Coimbatore	Performance of constant speed internal combustion engines for general purposes- IS : 1601-1960	-do-	Renewal was deferred after 1979-04-15; the licence now stands lapsed after that date	
25. CM/L-3245 1972-12-07	Madras Machinetools Mfrs. Ltd., Coimbatore-641005(T.N.)	Diesel engines- IS : 1601-1960	S.O. 1797 dt. 1974-07-20	Renewal was deferred after 1978-12-15; the licence now stands lapsed after that date	
26. CM/L-3255 1972-12-11	Shriram Refrigeration Inds. Ltd., Hyderabad	Three-phase induction motors- IS : 325-1970	-do-	Lapsed after 1979-12-15	
27. CM/L-3322 1973-02-06	Devidayal Electronics & Wires Ltd., Thana	Rubber insulated cables- IS : 434(Pt I & II)-1964	S.O. 1553 dt. 1973-06-02	Lapsed after 1979-12-31	
28. CM/L-3323 1973-02-16	-do-	PVC insulated cables- IS : 694(Pt I & II)-1964	-do-	-do-	
29. CM/L-3342 1973-02-23	N.C. Chakraborty Fabricators Pvt. Ltd., Calcutta	Plywood tea-chest metal fittings IS : 10(Pt IV)-1976	-do-	Renewal was deferred after 1979-03-15; the licence now stands lapsed after that date	
30. CM/L-3382 1973-04-06	Kirloskar Brothers Ltd, Kirloskarvadi Distt. Sangli, (Maharashtra)	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes- IS : 6595-1972	S.O. 875 dt. 1975-03-22	Lapsed after 1980-04-15	
31. CM/L-3497 1973-07-31	Emco General Plastic Pvt. Ltd., Calcutta	Low density polyethylene pipes for potable water supplies of all pressure- IS : 3076-1968	S. O. 1233 dt. 1975-04-19	Lapsed after 1979-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
32. CM/L-3560 1973-07-28	Central Insecticides & Fertilizers (Prop : Central Plant Co. Pvt. Ltd., Bombay-400072 (AS)	Endosulfan EC- IS : 4323-1967	S.O. 1389 dt. 1975-05-03	Lapsed after	1980-02-29
33. CM/L-3732 1974-03-01	National Dress Mfg Co., Bombay	Unsupported PVC rain wear- IS : 4761-1968	S.O. 2554 dt. 1975-08-09	Renewal was deferred after 1978-03-15; the licence now stands lapsed after that date	
34. CM/L-3831 1974-05-15	Rallis India Ltd., Howrah	DDT DP- IS : 564-1975	S.O. 4695 dt. 1975-11-01	Renewal was deferred after 1980-01-31; the licence now stands lapsed after that date	
35. CM/L-3840 1974-05-15	Towers & Transformers Pvt. Ltd., Ghaziabad (U.P.)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced- IS : 398(Pt I & II)-1976	-do-	Renewal was deferred after 1978-05-15; the licence now stands lapsed after that date	
36. CM/L-3898 1974-07-26	Universal Cables Ltd., Satna (M.P.)	Rubber insulated flexible trail- ing cables for use in coal mines- IS : 691-1966	S.O. 459 dt. 1976-01-24	Renewal was deferred after 1978-07-31; the licence now stands lapsed after that date	
37. CM/L-3927 1974-08-20	Everest Plywood Industries, P.O. Makum Junction Distt. Dibrugarh (Assam)	Plywood tea-chest panels- IS : 10(Pt II)-1976	S.O. 686 dt. 1976-02-14	Lapsed after	1980-02-15
38. CM/L-3953 1974-09-16	Hindustan Insulated Cable Co., Ghaziabad (U.P.)	Thermoplastic insulated weatherproof cables, PVC insulated and PVC sheathed- IS : 3035(Pt I)-1965	S.O. 1762 dt. 1976-05-29	Lapsed after	1978-12-31
39. CM/L-3965 1974-09-25	Pump Mfg Co., Jaipur	Sluice valves for water works purposes- IS : 780-1969	-do-	Lapsed after	1980-01-15
40. CM/L-4068 1974-11-28	Kores (India) Ltd., Thana (Maharashtra)	Ferro-gallow tannate foun- tain pen ink (0.1 percent iron content)- IS : 220-1972	S.O. 2022 dt. 1976-60-619	Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
41. CM/L-4097 1974-12-30	Sree Venkateswara Minerals Pvt. Ltd., Madras	DDT emulsifiable concentrates- IS : 633-1975	S.O. 2286 dt. 1976-07-03	Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
42. CM/L-4122 1975-01-08	Trichy Steel Rolling Mills Ltd., Tiruchirepalli-4	Cast billet ingots and conti- nuously cast billets for rolling into structural steel (standard quality)- IS : 6914-1978	S.O. 2465 dt. 1976-07-10	Lapsed after	1979-12-15
43. CM/L-4137 1975-01-13	T.P. Sahu & Sons (P) Ltd., Howrah-711101	Sluice valves for water works purposes- IS : 780-1969	S.O. 2465 dt. 1976-07-10	Renewal was deferred after 1979-09-30; the licence now stands lapsed after that date	
44. CM/L-4225 1975-02-21	The Indian Steel Rolling Mills Ltd, Nagapatinam	Mild steel for metal arc welding electrode core wire- IS : 2879-1975	S.O. 2473 dt. 1976-07-10	Renewal was deferred after 1978-02-28; the licence now stands lapsed after that date	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45. CM/L-4263 1975-03-20	Audithiya Mineral Traders, Kondapuram R.S. Cuddapah Distt (AP)	DDT DP- IS : 564-1975	S.O. 3623 dt. 1976-10-16	Lapsed after 1980-03-31	
46. CM/L-4372 1975-05-12	The Aluminium Industries Ltd., (Steel Products Division) Kundara (Kerala)	Mild steel wires, strips and tapes for armouring cables- 1975-1967	-do-	Renewal was deferred after 1978-05-15; the licence that date	
47. CM/L-4378 1975-05-15	Vijayasri Fertilizers Insecti- cides & Fungicides, Guntur Distt. (A.P.)	DDT DP- IS : 564-1975	-do-	Renewal was deferred after 1978-08-15; the licence now stands lapsed after that date	
48. CM/L-4385 1975-05-15	-do-	Malathion emulsifiable con- centrates IS : 2567-1978	-do-	-do-	
49. CM/L-4393 1975-05-23	Sri Vijayadurga Pulverising Mills. Bellary-853101	Carbaryl dusting powder- IS : 7122-1973	-do-	Renewal was deferred after 1977-05-31; the licence now stands lapsed after that date	
50. CM/L-4394 1975-05-23	Vijayasri Fertilizers, Insecti- cides & Fungicides, Pidugu- ralla, Guntur Distt.	-do-	-do-	Renewal was deferred after 1978-08-15; the licence now stands lapsed after that date	
51. CM/L-4476 1975-07-14	Venus Electronics & Controls Pvt. Ltd., Bombay-400093	DC motors 7.5 kw (10HP) and 1 kw (15 HP) 440 volts separately excited compound wound with Class 'B' insu- lation- IS : 4722-1968	S.O. 3914 dt. 1976-10-30	Renewal was deferred after 1977-07-15; the licence now stands lapsed after that date.	
52. CM/L-4494 1975-07-18	Hickeson & Dadajoe Ltd., Bombay-400063	Coal tar food colour prepara- tions and mixtures- IS : 5346-1975	-do-	Lapsed after 1979-05-31	
53. CM/L-4555 1975-08-11	G.R. Steel & Alloys Pvt. Ltd., Bangalore	Structural steel (standard-qua- lity)- IS : 226-1975	S.O. 428 dt. 1977-02-05	Renewal was deferred after 1977-08-15; the licence now stands lapsed after that date	
54. CM/L-4567 1975-08-11	Vijaya Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., Bangalore	Cold twisted steel bars for con- crete reinforcement- IS : 1786-1966	-do-	Lapsed after 1980-01-15	
55. CM/L-4592 1975-08-29	The National Rolling & Steel Ropes Ltd., 24 Parganas (W.B.)	Galvanized steel core wire for reinforcement of ACSR con- ductors- IS : 398(Pt II)-1976	-do-	Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
56. CM/L-4645 1975-09-17	Magnum Cement Waterproo- fing Co., Calcutta-47	Integral cement waterproofing compound- IS : 2645-1975	S.O. 832 dt. 1977-03-19	Renewal was deferred after 1978-09-15; the licence now stands lapsed after that date	
57. CM/L-4740 1975-10-15	American Spring & Pressing Works Ltd., Bombay	Rotary paddy weeders- IS : 1976-1969	S.O. 1148 dt. 1977-04-16	Lapsed after 1979-12-31	
58. CM/L-4773 1975-10-31	Universal Timber Corpn., Yamunanagar	Plywood tea-chest battens- IS : 10(Pt III)-1974	-do-	Renewal was deferred after 1977-10-31; the licence now stands lapsed after that date	
59. CM/L-4819 1975-11-24	Vijaya Pulverisers Distt. (A.P.)	BHC (HCH) water dispersible 1977-04-16 powder concentrates- IS : 562-1972	S.O. 1147 dt. 1977-04-16	Renewal was deferred after 1977-11-30; the licence now stands lapsed after that date	

1	2	3	4	5	6
60. CM/L-4867 1975-12-04	India Burlap & Laminating Works, Calcutta-700001	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406-1974	S.O. 3083 dt. 1977-10-08	-do-	Renewal was deferred after 1979-11-30; the licence now stands lapsed after that date
61. CM/L-4879 1975-12-12	Brahmaputra Tobacco Co., Dhubri (Assam)	Bidis— IS : 1925-1974	-do-	-do-	Lapsed after 1980-01-15
62. CM/L-4947 1976-01-06	Usha Alloys & Steel Ltd., Adityapur	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 2830-1964	S.O. 1312 dt. 1977-05-07	-do-	-do-
63. CM/L-4984 1976-02-02	Zenith Steel Pipes & Inds Ltd., Bombay-400020.	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 2831-1969	S.O. 3441 dt. 1978-12-02	-do-	Lapsed after 1980-02-29
64. CM/L-5010 1976-02-02	Visvesvarya Iron & Steel Ltd., Bhadravati (Karnataka)	Centrifugally cast (spun) iron pressure pipes for water, gas and sewage— IS : 1536-1967	-do-	-do-	Lapsed after 1980-02-15
65. CM/L-5017 1976-02-02	Zenith Steel Pipes & Inds Ltd., Bombay-400020	Steel ingots and billets for production of laminated spring (railway rolling stock) IS : 8051-1976	-do-	-do-	Lapsed after 1980-02-29
66. CM/L-5028 1976-02-26	Central Insecticides & Fertilizers Bombay-400072	Fentrothion EC— IS : 5281-1969	-do-	-do-	-do-
67. CM/L-5032 1976-02-26	Zenith Steel Pipes & Inds Ltd., Bombay-400020	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 2830-1969	-do-	-do-	-do-
68. CM/L-5062 1976-03-10	Hope (India) Ltd., Calcutta-700007	Carbon steel cast billets ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915-1978	S.O. 12 dt. 1979-01-06	-do-	Renewal was deferred after 1978-01-15; the licence now stands lapsed after that date
69. CM/L-5064 1976-03-10	Hops (India) Ltd., Calcutta-700007	Steel for volute, helical and laminated springs for automotive suspension— IS : 3431-1975	S.O. 12 dt. 1979-01-06	-do-	Renewal was deferred after 1978-01-15; the licence now stands lapsed after that date
70. CM/L-5065 1976-03-10	-do-	Mild steel wire rod for the manufacture of machine screws (by cold heading process)— IS : 2255-1977	-do-	-do-	-do-
71. CM/L-5119 1976-04-19	Alvittas Electricals Pvt. Ltd., Madras-600018	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Pt I & II)-1976	S.O. 314 dt. 1979-01-27	-do-	Renewal was deferred after 1978-03-31; the licence now stands lapsed after that date
72. CM/L-5144 1976-04-21	Super Steels, Faridabad (Haryana)	Mild steel wire for general engineering purposes— IS : 280-1977	-do-	-do-	Renewal was deferred after 1979-10-15; the licence now stands lapsed after that date
73. CM/L-5158 1976-04-29	Sakthi Pipes Ltd., Madras	Centrifugally cast (spun) iron pressure pipes for water, gas and sewage— IS : 1536-1967	-do-	-do-	Renewal was deferred after 1978-05-15; the licence now stands lapsed after that date
74. CM/L-5183 1976-05-07	Hindustan Laminators, New Delhi	Laminated jute bags for packing fertilizers IS : 7406-1974	S.O. 954 dt. 1979-03-17	-do-	Renewal was deferred after 1980-02-15; the licence now stands lapsed after that date
75. CM/L-5376 1976-09-21	The Rajasthan Small Inds. Corpn Ltd., Jaipur	Bidis— IS : 1925-1974	S.O. 1226 dt. 1979-04-14	-do-	Lapsed after 1979-07-31
76. CM/L-5393 1976-08-02	Eldee Wire Ropes Ltd., Dombivli, Distt. Thana	Galvanized steel core wire for reinforcement of ACSR conductors— IS : 398 (Pt II)-1976	S.O. 3548 dt. 1979-10-20	-do-	Renewal was deferred after 1977-07-31; the licence now stands lapsed after that date
77. CM/L-5420 1976-08-09	Navyug Steel Industries, Bombay-400059	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975	S.O. 3548 dt. 1979-10-20	-do-	Renewal was deferred after 1977-08-15; the licence now stands lapsed after that date

1	2	3	4	5	6
78. CM/L-5464 1976-09-02	Ganesh Paint Works, Una, Distt Kangra-174303 (H.P.)	Aluminium paint for general purposes in dual container— IS : 7339—1963	S.O. 3549 dt. 1979-10-20	Renewal was deferred after 1979-08-31; the licence now stands lapsed after that date	
79. CM/L-5532 1976-09-24	Ashoka Steel Industries, Howrah-711204	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	-do-	Lapsed after 1980-01-31	
80. CM/L-5533 1976-09-24	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	-do-	Lapsed after 1980-01-31	
81. CM/L-5535 1976-09-24	Caledonian Jute Mills Co Ltd., 24 Parganas (W.B.)	Jute fabric for fertilizer bags— IS : 7407—1974	-do-	Renewal was deferred after 1978-09-30; the licence now stands lapsed after that date	
82. CM/L-5555 1976-10-04	Bhagwati Oxygen Ltd., Ballabgarh (Haryana)	Compressed oxygen gas— IS : 309—1974	S.O. 3550 dt. 1979-10-20	Renewal was deferred after 1979-07-28; the licence now stands lapsed after that date	
83. CM/L-5697 1976-12-10	Polyfib, Sonapat (Haryana)	Protective helmets for scooter and motor cycle riders— IS : 4151—1968	S.O. 3762 1979-11-17	Renewal was deferred after 1977-12-15; the licence now stands lapsed after that date	
84. CM/L-5701 1976-12-10	Parkash & Company, New Delhi	Cast copper alloy screw-down bib taps and stop valves for water services— IS : 781—1977	-do-	Lapsed after 1979-12-15	
85. CM/L-5710 1976-12-10	Jindal Rubber Pvt. Ltd., Ghaziabad (U.P.)	Rubber conveyor and elevator general purpose belting— IS : 1891 (Pt I)—1968; and Rubber conveyor and elevator heat resistant belting— IS : 1891 (Pt II)—1972	-do-	-do-	
86. CM/L-5715 1976-12-13	General Agra Chemicals, Nara In-381735 (Gujarat)	Aldrin emulsifiable concentrates— IS:1307—1973	S.O. 3762 dt. 1979-11-17	Lapsed after 1979-12-15	
87. CM/L-5720 1976-12-14	Modern Milk Food Factory, (Prop: Praleshtik Co-op. Dairy Federation Ltd), Muradabad (U.P.)	Milk powder (whole & skim)— IS:1165—1975	-do-	Renewal was deferred after 1977-12-15; the licence now stands lapsed after that date	
88. CM/L-5729 1976-12-24	Jyvenith Engineers Co-op. Soc. Ltd., Distt Midnapore	Structural steel (standard-quality)— IS:226—1975	-do-	Renewal was deferred after 1979-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
89. CM/L-5748 1976-12-31	National Rolling & Steel Ropes Ltd., 24 Parganas (W.B.)	Mild steel wires, strips, and tapes for armouring cables— IS:3975—1967	-do-	Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
90. CM/L-5753 1976-12-31	Agarwal Cables, Faizabad (U.P.)	Aluminium standard conductors and aluminium conductors galvanised steel reinforced— IS:398 (Pt I & II)—1976	-do-	Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
91. CM/L-5754 1976-12-31	Ranvir Industries, Lucknow	Flushing cisterns for water closets and urinals— IS:774—1971	-do-	Lapsed after 1979-12-31.	
92. CM/L-5800 1977-01-11	Bharat Foundry, Coimbatore	Three-phase squirrel induction motors for centrifugal pumps for agricultural application— IS:7538—1975	S.O. 420 dt. 1980-02-23	Renewal was deferred after 1977-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
93. CM/L-5802 1977-01-11	Visvesvaraya Iron & Steel Ltd., Shimoga Distt. (Karnataka)	Cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage— IS:1538 (Pt I to XXIII)—1976	-do-	Lapsed after 1979-12-31	
94. CM/L-5888 1977-02-28	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Bellary (Karnataka)	Texiphone emulsifiable concentrates— IS:7946—1976	S.O. 731 dt. 1980-03-22	Renewal was deferred after 1979-02-15; the licence now stands lapsed after that date.	
95. CM/L-5983 1977-03-22	Bhandari & Asopa (India) Pvt. Ltd., Calcutta-700017.	Boiler water treatment compound— IS:7932—1976	S.O. 787 dt. 1980-03-29	Renewal was deferred after 1978-03-31; the licence now stands lapsed after that date.	

1	2	3	4	5	6
96. CM/L-6052 1977-04-20	Enore Steel Enterprise Pvt. Ltd. Madras.	Structural steel (ordinary-quality) —IS : 1977—1975	S.O. 786 dt. 1980-03-29		Renewal was deferred after 1978-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
97. CM/L-6053 1977-04-20	-do-	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality) — IS : 6915—1978	-do-		-do-
98. CM/L-6140 1977-05-31	Farm Chemicals Muzaffarnagar (U.P.)	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633—1975	S.O. 283 dt. 1981-01-24		Renewal was deferred after 1979-05-31; the licence now stands lapsed after that date.
99. CM/L-6223 1977-06-30	Meenakshi Industries, Coimbatore	Three-phase induction motors— IS : 325—1970	S.O. 284 dt. 1981-01-24		Renewal was deferred after 1978-06-30; the licence now stands lapsed after that date.
100. CM/L-6238 1977-07-12	Vankateshwara Steel (P) Ltd., New Delhi.	Structural steel (standard- quality) — IS : 226—1975	S.O. 754 dt. 1981-03-07		Lapsed after 1979-07-15
101. CM/L-6243 1977-07-12	Purex Laboratories (India) Pvt. Ltd., Bangalore	Sulphuric acid— IS : 266—1961	-do-		Renewal was deferred after 1978-07-15; the licence now stands lapsed after that date.
102. CM/L-6262 1977-07-21	Central Insecticides & Fertilizers, (Prop : Central Paints Co. Pvt. Ltd.), Bombay-400077.	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	-do-		Lapsed after 1980-02-29
103. CM/L-6265 1977-07-25	Purex Laboratories (India) Pvt. Ltd., Bangalore.	Hydrochloric acid— IS : 265—1976	-do-		Renewal was deferred after 1978-07-15; the licence now stands lapsed after that date.
104. CM/L-6266 1977-07-25	Purex Laboratories (India) Pvt. Ltd., Bangalore.	Sulphuric acid— IS : 264—1976	S.O. 754 dt. 1981-03-07		Renewal was deferred after 1978-07-15; the licence now stands lapsed after that date.
105. CM/L-6272 1977-07-25	Toshiba Anand Lamps Ltd., Alwaye Taluk, Ernakulam (Kerala)	Tungsten filament general service electric lamps— IS : 418—1963	-do-		Renewal was deferred after 1979-07-15; the licence now stands lapsed after that date.
106. CM/L-6361 1977-08-24	Pesticides & Brewers Ltd., Thana-400607	Malathion, technical— IS : 1832—1961	S.O. 755 dt. 1981-03-07		Renewal was deferred after 1978-08-31; the licence now stands lapsed after that date.
107. CM/L-6369 1977-08-24	Sree Venkateswara Minerals Pvt. Ltd., Madras.	DDT water dispersible powder concentrates— IS : 565—1975	-do-		Renewal was deferred after 1978-08-31; the licence now stands lapsed after that date.
108. CM/L-6413 1977-09-21	Koen Pesticides (P) Ltd., Cochin-682011	DDT dusting powders— IS : 564—1975	S.O. 970 dt. 1981-03-21		Renewal was deferred after 1978-09-15; the licence now stands lapsed after that date.
109. CM/L-6429 1977-09-26	Azeebeen Steel Pvt. Ltd., Yamunanagar.	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	-do-		Lapsed after 1979-12-31
110. CM/L-6460 1977-01-19	Hindustan Colour; Chemical Inds., Bombay.	Cement paint colour as required— IS : 5410—1969	S.O. 921 dt. 1981-03-21		Renewal was deferred after 1979-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
111. CM/L-6547 1977-11-23	Zinc Metals & Industries, Calcutta-700007	Soft solder— IS : 193—1966	S.O. 1223 dt. 1981-04-18		Renewal was deferred after 1978-11-30; the licence now stands lapsed after that date.
112. CM/L-6545 1977-11-23	Ellen Industries, Coimbatore.	Three-phase squirrel cage induction motors for centri- fugal pumps for agricultural application— IS : 7538—1975	-do-		Lapsed after 1979-11-30
113. CM/L-6603 1977-12-20	Kerala Electrical & Allied Engg. Co. Ltd., Munnar Post, Cochin (Kerala).	AC contactors; 12 amps and 20 amps, 415 volts 50 Hz and AC 3 category— IS : 2959—1975	S.O. 1222 dt. 1981-04-18		Renewal was deferred after 1978-11-31; the licence now stands lapsed after that date.
114. CM/L-6607 1977-12-20	Vaishnu Cable Co., New Delhi.	PVC insulated cables with aluminium conductor— IS : 694 (Pt II)—1964	-do-		Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
115. CM/L-6625 1977-12-30	R.K. Mahajan & Co., Jullundur- 144001 (Punjab)	Hockey sticks— IS : 829—1965	-do-		-do-

1	2	3	4	5	6
16. CM/L-6519 1977-12-30	Kohinoor Rubber Works (Pvt) Ltd, Calcutta-700011	Moulded solid rubber and heels type I— IS : 5676—1970	S.O. dt. 1981-04-18		Renewal was deferred after 1979-12-31; the licence now stands lapsed after that date
117. CM/L-6633 1978-01-05	United Wire Ropes Ltd, Thana- 400606 (Maharashtra)	Bright or galvanized wire ropes with fibre or wide independent wire ropes core— IS : 4521—1977	S.O. 1615 dt. 1981-05-30		Lapsed after 1979-01-31
118. CM/L-6650 1978-01-06	Friends & Co. (Regd), Kanpur.	Common salt and cattle licks for animal consumption inclu- ding cattle plain and mine- ralized— IS : 920—1972	-do-		Lapsed after 1980-01-15
119. CM/L-6652 1978-01-10	Kerala Electrical & Allied Engg. Co. Ltd., Mamala P.O., Cochin (Kerala)	AC motor starter of voltage not exceeding 1000 volts— IS : 1822-1967	-do-		Renewal was deferred after 1979-01-15; the licence now stands lapsed after that date
120. CM/L-6656 1978-01-10	Swastik Wires, P.O. Birgaon Gudhiyaru, Distt Raipur.	Mild steel wire for general engg. purposes— IS : 280—1972	-do-		-do-
121. CM/L-6657 1978-01-10	Vijay Steel Rolling Mills (Pvt) Ltd., Bangalore.	Structural steel (standard quality) IS : 226—1975	-do-		Lapsed after 1980-01-15
122. CM/L-6740 1978-02-06	Bengal Reeds & Allied Products Pvt. Ltd., Calcutta (W.B.)	Pitch bound wire reeds for use in jute looms— IS : 1552—1978	S.O. 1661 dt. 1981-06-06		Lapsed after 1980-02-15
123. CM/L-6760 1978-02-14	Saoraj Steel Ltd., Sonapat (Haryana)	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1978	S.O. 1661 dt. 1981-06-06		Lapsed after 1979-02-15
124. CM/L-6770 1978-02-17	-do-	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1978	-do-		Lapsed after 1979-02-28
125. CM/L-6780 1978-02-27	The Velimalai Rubber Co. Ltd., Kanyakumari Distt. (T.N.)	Ammonia preserved concentra- ted natural rubber latex— IS : 5430—1969	-do-		Renewal was deferred 1979-02-28, the licence now stands lapsed after that date
126. CM/L-6786 1978-02-27	Assam Laminating Works, Tinsukia-786125, Distt. Dibrugarh (Assam)	Laminated jute bags for pack- ing fertilizers— IS : 7406—1974	-do-		Lapsed after 1980-02-29
127. CM/L-6790 1978-02-27	V.I. Enterprises, Ambala City (Haryana)	Dye-based fountain pen inks— IS : 1221—1971	-do-		-do-
128. CM/L-6793 1978-02-27	Haryana Chemicals & Pesticides, Bahadurgarh (Haryana)	Malathion EC— IS : 2567—1973	-do-		Renewal was deferred after 1979-02-28; the licence now stands lapsed after that date.
129. CM/L-6863 1978-03-17	The Coimbatore District Co-op. Spinning Mills Ltd, Dharam- puram (Coimbatore)	Grey cotton yarn— IS : 171—1973	S.O. 1664 dt. 1981-06-06		Renewal was deferred after 1979-03-31; the licence now stands lapsed after that date
130. CM/L-6884 1978-03-27	Klore-Farm, Tripunithura- 682301	Endosulfan emulsifiable concen- trates— IS : 4323—1967	-do-		Renewal was deferred after 1978-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
131. CM/L-6885 1978-03-27	-do-	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633—1975	-do-		Renewal was deferred after 1979-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
132. CM/L-6925 1978-03-30	Fortuno Electrical (I) Pvt. Ltd., Bangalore-560041	Electric hot plates— IS : 365—1965	-do-		Renewal was deferred after 1979-04-15; the licence now stands lapsed after that date.
133. CM/L-6967 1978-04-06	National Engineering Corpn., Faridabad (Haryana)	Steel conduits for electrical wiring— IS : 1653—1975	S.O. 1725 dt. 1981-06-13		Renewal was deferred after 1979-04-15; the licence now stands lapsed after that date.
134. CM/L-7015 1978-05-24	Shree Iron Foundry & Engg. Works Pvt. Ltd., Calcutta.	Sand cast iron soil pipes— IS : 1729—1964	S.O. 2003 dt. 1981-07-25		Renewal was deferred after 1979-05-31; the licence now stands lapsed after that date.

1	2	3	4	5	6
135. CM/L-7027 1978-05-31	Ellen Industries, Coimbatore.	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes— IS : 6595—1972	S O 2003 dt 1981-07-25	Renewal was deferred after 1979-05-15; the licence now stands lapsed after that date.	
136. CM/L-7056 1978-06-19	M.M. Corporation, Calcutta.	Plywood tea-chest metal fittings— IS : 10 (Pt IV)—1976	S.O. 2002 dt. 1981-07-25	-do-	
137. CM/L-7108 1978-07-13	Sight Sound Electronics, Delhi.	Cables for motor vehicles— IS : 2465—1969	S.O. 2176 dt. 1981-08-15	Renewal was deferred after 1979-07-15; the licence now stands lapsed after that date.	
138. CM/L-7237 1978-09-22	Wireway India, Alwar (Rajasthan)	PVC insulated cables with aluminium conductors— IS : 694 (Pt II)—1964	S.O. 2215 dt. 1981-08-22	Renewal was deferred after 1979-09-30 the licence now stands lapsed after that date.	
139. CM/L-7293 1978-10-24	Asia Chemicals Ltd., Ghaziabad	Aluminium paint for general purposes in dual container— IS : 2339—1963	S.O. 2218 dt. 1981-08-22	Lapsed after 1979-10-31	
140. CM/L-7329 1973-11-08	Victory Textiles, Tirupur.	Plain knitted cotton vests— IS : 4964 (Pt II)—1975	S.O. 2270 dt. 1981-08-29	Lapsed after 1979-11-15	
141. CM/L-7424 1978-12-20	Haryana Spun Pipe Co., Charki-Dadri, Distt. Bhiwani.	RCC pipes, types, NP2-250 to 900 mm, NP3-450 to 900 mm— IS : 458—1971	S.O. 2276 dt. 1981-08-29	Renewal was deferred after 1979-12-31; licence now stands lapsed after that date	
142. CM/L-7444 1978-12-27	F & K Industries, Thana.	Three-phase induction motor— IS : 325—1970	-do-	-do-	
143. CM/L-7473 1979-01-10	Galada Continuous Castings Ltd., Hyderabad.	Aluminium alloy ingots for general engineering purposes— IS : 617—1975	S.O. 2277 dt. 1981-08-9	Lapsed after 1980-01-15	
144. CM/L-7479 1979-01-17	Unidor Cables, Jaipur	Shot firing cables— IS : 5950—1971	-do-	Lapsed after 1980-01-31	
145. CM/L-7490 1979-01-22	Ditz Electricals (I) Ltd., Delhi.	Electric hot plates— IS : 365—1965	— -do-	-do-	
146. CM/L-7513 1979-02-02	Tata Iron & Steel Co. Ltd., Bombay.	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786—1966	S.O. 2310 1981-09-05	Lapsed after 1980-01-15	
147. CM/L-7519 1979-02-05	United Pulverisers, Agra	Carbaryl WDPC— IS : 7121—1973	-do-	Renewal was deferred after 1980-02-15; the licence now stands lapsed after that date	
148. CM/L-7540 1979-02-16	Nandu Chemical Industries, Hubli (W.B.)	Dairy salt and free flowing table salt— IS : 253—1970	-do-	Lapsed after 1980-02-29	
149. CM/L-7557 1979-02-28	S.M.P. Pvt. Ltd., Bombay.	BHC (HCH) EC— IS : 632—1972	-do-	-do-	
150. CM/L-7558 1979-02-28	-do-	DDT EC— IS : 633—1975	-do-	-do-	
151. CM/L-7559 1979-02-28	-do-	Featirethion EC— IS : 5281—1969	-do-	-do-	
152. CM/L-7560 1979-02-28	-do-	Malthion EC— IS : 2567—1973	-do-	-do-	
153. CM/L-7561 1979-02-28	-do-	Dichlorvos EC— IS : 5277—1969	-do-	-do-	
154. CM/L-7562 1979-02-28	-do-	DDT WDPC— IS : 565—1975	-do-	-do-	
155. CM/L-7563 1979-02-28	S.M.P. Ltd., Bombay	BHC (HCH) WDPC IS : 562—1972	S.O. 2310 dt. 1981-09-05	Lapsed after 1980-02-29	
156. CM/L-7607 1979-03-12	Ferro Fabric, Patna	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (PTI & II)—1976	S.O. 2585 dt. 1981-10-03	Lapsed after 1980-03-15	
LICENCES DEFERRED				DEFERRED AFTER	
157. CM/L-50 1958-01-20	East India Plywood Co. Ltd., 7 Distt—Kooch Behar (W.B.)	Plywood tea-chest panels— IS : 10 (Pt II)—1976	S.O. 13 dt. 1958-02-15	1980-10-31	
158. CM/L-85 1958-04-24	Hindustan Timber Inds., Calcutta-700010	Plywood tea-chest panels— IS : 10 (Pt II)—1976	S.O. 758 dt. 1958-05-10	1979-12-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
159. CM/L-106 1958-11-04	The Mysore Chemical Mfrs. Ltd., Bangalore	Copper sulphate, technical— IS : 261—1966	S.O. 2408 dt. 1958-11-22	1979-12-15	
160. CM/L-118 1958-02-19	Bongal Plywood Mfg. Co. (Prop: Indira Investors Pvt. Ltd.), Howrah.	Plywood tea-chest panels— IS : 10 (Pt II)—1976	S.O. 618 dt. 1959-05-21	1979-12-31	
161. CM/L-232 1960-10-17	Assam Plywood Products, Distt. Lakhimpur (Assam).	-do-	S.O. 2659 dt. 1960-11-05	1980-10-31	
162. CM/L-365 1961-12-12	Ditz Electricals (India) Ltd, Delhi-110007	Electric portable immersion water heaters for domestic use— IS : 368—1977	S.O. 199 dt. 1962-01-20	1979-11-15	
163. CM/L-385 1962-02-14	Assam Saw Mills & Timber Co. Ltd, Calcutta.	Plywood tea-chest panels— IS : 10 (Pt II)—1976	S.O. 751 dt. 1962-03-17	1980-02-15	
164. CM/L-514 1963-03-07	The Indian Tool Mfrs. Ltd., Bombay.	Parallel shank (short series) and taper shank twist drills— IS : 5102—1969 and IS : 5103—1969	S.O. 1145 dt. 1963-04-20	1980-3-15	
165. CM/L-523 1963-03-27	Kamrup Industries Pvt. Ltd., Calcutta-700001	Plywood tea-chest panels— IS : 10 (Pt II)—1976	-do-	1979-12-31	
166. CM/L-612 1963-12-31	National Refinery Pvt. Ltd., Bombay.	Silver copper brazing alloy— IS : 2927—1975	S.O. 241 dt. 1964-01-18	1980-01-31	
167. CM/L-833 1964-11-06	Kandivli Metal Works, Bombay	Wrought aluminium and aluminium alloys for utensils— IS : 21—1975	S.O. 79 dt. 1965-01-02	1980-02-15	
168. CM/L-1323 1966-08-31	Shalimar Tar Products (1935) Ltd, Lodna (Bihar)	Hot applied sealing compounds for joints in concrete— IS : 1834—1961	S.O. 2975 dt. 1966-10-01	1979-12-31	
169. CM/L-1562 1967-11-14	Zadoneil In Is. (India) Pvt. Ltd., Calcutta.	Plywood tea chest metal fittings— IS : 10 (Pt IV)—1976	S.O. 4568 dt. 1967-12-23	1979-10-31	
170. CM/L-1575 1967-11-27	J.L. Benerjee & Sons, Calcutta-700005	-do-	-do-	1979-12-31	
171. CM/L-1591 1967-12-21	Digvijay Metal Industries, Mayapuri, New Delhi.	Doorclosers (hydraulically regulated) IS : 3564—1975	S.O. 284 dt. 1968-01-20	-do-	
172. CM/L-1778 1968-08-30	Raj Brush Industries, Bhopal-3 (M.P.)	Flat brushes for paints and varnishes— IS : 384—1971	S.O. 3677 dt. 1968-10-19	1979-12-15	
173. CM/L-1876 1968-12-23	Union Products, Calcutta.	Tea chest plywood panels— IS : 10 (Pt II)—1976	S.O. 370 dt. 1969-01-25	1980-03-15	
174. CM/L-2151 1969-11-28	Indian tea-Chest Co., Calcutta-700012	Plywood tea-chest metal fittings IS : 10 (Pt IV)—1976	S.O. 5045 dt. 1969-12-27	1979-12-31	
175. CM/L-2174 1969-12-12	Pravat & Co., Calcutta	-do-	S.O. 437 dt. 1970-02-07	1980-02-15	
176. CM/L-2216 1970-01-22	Gurudev Industries Pvt. Ltd., Calcutta-700001	-do-	S.O. 771 dt. 1970-02-28	1980-01-31	
177. CM/L-2219 1970-01-22	National Industries, Distt. Trichur (Kerala)	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Pt III)—1974	-do-	-do-	
178. CM/L-2370 1970-07-21	Assam Timber Treating Works, Margherita (Assam).	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Pt III)—1974	S.O. 2109 dt. 1971-05-29	1979-12-31	
179. CM/L-2453 1970-11-06	Sk. Abed Ali, Calcutta.	Plywood tea-chest metal fittings— IS : 10 (Pt IV)—1976	S.O. 3593 dt. 1971-10-02	1980-02-29	
180. CM/L-2588 1971-03-15	Anglo India Jute Mills Co. Ltd., Calcutta.	Jute carpet backing fabric— IS : 4900—1969	S.O. 2405 dt. 1971-06-19	1980-03-15	
181. CM/L-2703 1971-06-16	Gannon Dunkerley & Co. Ltd., Bombay-400074	Valve fittings for compressed gas cylinders (LPG)— IS : 3224—1971	S.O. 3594 dt. 1971-01-02	1979-12-31	
182. CM/L-2867 1972-01-10	A.R. Dewanji & Co., Calcutta.	Plywood tea-chest metal fittings IS : 10 (Pt IV)—1976	S.O. 2777 dt. 1972-10-07	1980-02-15	
183. CM/L-3015 1972-03-30	Hindustan Insulated Cable Co., Ghaziabad (U.P.)	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 volts— IS : 694—1977	S.O. 887 dt. 1973-03-24	1979-12-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
184. CM/L-3216 1972-11-10	Hiron Small Scale Indus., Calcutta.	Safety boots and shoes for miners' and heavy metal in- dustries— IS : 1989—1973	S.O. 1700 dt. 1973-06-16	1980-10-15	
185. CM/L-3242 1972-12-07	Savita Chemicals Pvt. Ltd. Thana	New insulating oils for trans- formers and switchgears— IS : 335—1972	S.O. 1797 dt. 1974-07-10	1979-12-15	
186. CM/L-3317 1973-07-31	Hind Trading & Mfg. Co., New Delhi.	Ball valves— IS : 1703—1977	S.O. 1798 dt. 1974-07-20	1980-10-31	
187. CM/L-3485 1973-07-16	But-Bro Engg & General Manu- facturers, Delhi.	Cables for motor vehicles— IS : 2465—1969	S.O. 1233 dt. 1975-04-19	1980-02-15	
188. CM/L-3676 1974-01-16	Indian Traders Pvt. Ltd., New Delhi.	PVC insulated cables for work- ing voltages upto and inclu- ding 1100 volts— IS : 694—1977	S.O. 2016 dt. 1975-06-28	1980-01-15	
189. CM/L-3679 1974-01-24	Satya Narayan Veneer Supply Calcutta.	Plywood tea-chest panels— IS:10 (Pt II)—1976	S.O. 2016 dt. 1975-06-28	1980-01-31	
190. CM/L-3856 1974-06-21	British Electrical & Pumps Pvt. Ltd. Calcutta.	Horizontal centrifugal pumps for clear cold fresh water for agricultural purposes— IS:6595—1972	S.O. 4703 dt. 1975-11-01	1979-12-31	
191. CM/L-3967 1974-09-25	Lekhapani Veneer & Saw Mills Lekhapani (Assam).	Plywood tea-chest panels— IS:10(Pt II)—1976	S.O. 1762 dt. 1976-05-29	1980-02-15	
192. CM/L-4062 1974-11-25	Metal Engg. & Co. Calcutta.	Plywood tea-chest metal fit- tings— IS:10(Pt IV)—1976	S.O. 2022 dt. 1976-06-19	1979-11-30	
193. CM/L-4077 1974-11-28	Cema Limited, Baroda.	Polyethylene insulated cables for voltages upto and including 1100 volts— IS : 1595—1977	-do-	-do-	
194. CM/L-4107 1974-12-30	Bihar State Leather Inds. Develo- pment Corpn. Pvt. Ltd. Distt. West Champaran (Bihar).	Safety boots and shoes for mi- ners' and heavy metal indus- tries— IS:1989—1973	S.O. 2286 dt. 1976-07-03	1979-12-31	
195. CM/L-4161 1975-01-22	S.P. Industries, Calcutta.	Plywood tea-chest metal fit- tings— IS:10(Pt IV)—1976	S.O. 2465 dt. 1976-07-10	1979-11-15	
196. CM/L-4204 1975-02-10	Premier Plastics (India) Cal- cutta.	Industrial safety helmets— IS : 2925—1975	S.O. 2473 dt. 1976-07-10	1980-02-29	
197. CM/L-4210 1975-02-12	Regal Steel Works, Calcutta.	Shuttles for hessian & sacking looms—IS:1186—1971; Shutt- les for automatic cap changing jute looms—IS:2784—1971; and Shuttles for jute borad looms— IS:2910—1971	-do-	1980-02-15	
198. CM/L-4359 1975-05-09	Timcock Plywood Mills Irin- jalakuda (Kerala).	Plywood tea-chest panels— IS:10 (Pt II)—1976	S.O. 3623 dt. 1976-10-16	1980-03-15	
199. CM/L-4643 1975-09-12	Kohinoor Rubber Works (P.) Ltd., Calcutta.	Safety rubber canvas boots for miners— IS:3976—1975	S.O. 832 dt. 1977-03-19	1979-11-30	
200. CM/L-4719 1975-10-15	Star Steel Pvt. Ltd. Baroda.	Mild steel wire rod for the manufacture of machine screws IS:2255-1977	S.O. 1148 1977-04-16	dt. 1979-11-15	
201. CM/L-4720 1975-10-15	-do-	Steel ingots and billets for pro- duction of laminated springs (railway rolling stock)— IS:8054—1976	-do-	-do-	
202. CM/L-4721 1975-10-15	-do-	Steel ingots and billets for the production of steel wire for the manufacture of wood screws— IS:8053—1976	-do-	-do-	
203. CM/L-4723 1975-10-15	Mahabir Steel Rolling Mills Delhi.	Steel door Windows and Venti- lators— IS:1038-1975	-do-	1980-01-31	
204. CM/L-4754 1975-10-27	Pesticides & Brewers Ltd. Thana.	Malathion emulsifiable con- centrates— IS:2567—1978	-do-	1980-02-15	

1	2	3	4	5	6
205.	CM/L-4813 1975-11-24	Kapur Timbers Yamunanagar.	Plywood tea-chest battens— IS:10 (Pt III)—1974	S.O. 1147 dt. 1977-04-16	1979-11-15
206.	CM/L-4858 1975-12-04	Patranobis & Co., Calcutta.	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS:7406—1974	S.O. 3083 dt. 1977-10-08	1979-11-30
207.	CM/L-4875 1975-12-04	Indian Lamination Inds. Pvt. Ltd. Calcutta.	-do-	-do-	1979-12-31
208.	CM/L-4881 1975-12-12	Food & Inns Ltd Bombay.	Egg powder— IS:4723—1968	-do-	1980-02-15
209.	CM/L-4904 1975-12-17	Shivalik Agro Chemicals Repar (Punjab).	DDT emulsifiable concentra- tes— IS:633—1975	-do-	1979-12-15
210.	CM/L-4905 1975-12-17	-do-	Endosulfan EC— IS:4323—1967	-do-	-do-
211.	CM/L-4906 1975-12-17	-do-	Dimethoate EC— IS:3903—1975	-do-	-do-
212.	CM/L-4913 1975-12-19	Eastern Cement Waterproofing Co. Calcutta.	Integral cement waterproofing compound— IS:2645—1975	-do-	1979-12-31
213.	CM/L-4924 1976-01-01	Amin Chand Bholu Nath Jullundhur City (Punjab).	Structural steel (standard qua- lity)— IS:226—1975	S.O. 1312 dt. 1977-05-07	1979-12-31
214.	CM/L-4954 1976-01-15	B.D. Khaitan & Co. 24 Par- ganas (W.B.).	Aldrin dusting powders— IS:1308—1974	-do-	1980-01-15
215.	CM/L-4994 1976-02-03	Technico India, Calcutta.	Heat sensitive fire detectors (electrically operated)— IS:2175—1962	S.O. 3441 dt. 1978-12-02	1980-02-15
216.	CM/L-5048 1976-03-01	Vaishnu Cable Co. New Delhi.	Polyethylene insulated cables for voltages up to and including 1100 volts— IS:1596—1977	S.O. 12 dt. 1979-01-06	1980-03-15
217.	CM/L-5049 1976-03-01	Promain Cable Industries Delhi.	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working vol- tages upto and including 1100 volts— IS:1554 (Pt. I)—1976	-do-	1980-01-31
218.	CM/L-5059 1976-03-05	Agarpara Co. Ltd. 24 Parganas (W.B.).	Jute fabric for fertilizer bag— IS:7407— 974	-do-	1980-03-15
219.	CM/L-5060 1976-03-05	Ganges Mfg Co. Ltd. Distt. Hooghly (W.B.).	-do-	-do-	-do-
220.	CM/L-5079 1976-03-18	United pulverizers Agra (U.P.).	DDT water dispersible powder concentrates— IS:565—1975	-do-	1979-12-31
221.	CM/L-5086 1976-03-18	Jayshree Plastics Calcutta- 700053.	High density polyethylene pipes for potable water supplies— IS:4984—1972	-do-	1980-03-31
222.	CM/L-5353 1976-05-28	Domestic Appliances Gwalior (M.P.).	Domestic pressure cookers— IS:2347—1974	S.O. 954 dt. 1979-03-17	1979-12-15
223.	CM/L-5302 1976-06-05	Star Steel Pvt. Ltd. Maneja P.O. Baroda Distt.	Carbon steel billets blooms slabs and bars for forgings— IS:1875-1978	S.O. 1274 dt. 1979-04-21	1979-11-15
224.	CM/L-5352 1976-07-14	Crown Surgical Dressing Mfg. Co. Bombay.	Bandage cloth— IS:863—1969	S.O. 1226 dt. 1979-04-14	1978-07-15
225.	CM/L—5421 1976-08-09	Ashok Traders, Bombay.	BHC (HCH) WDP—IS : 562—1978	S.O. 3548 dt. 1979-10-20	1980-02-29
226.	CM/L-5638 1976-11-17	A.P. Industries, Calcutta.	Plywood tea-chest metal fittings— IS : 10 (Pt IV)—1976	S.O. 3761 dt. 1979-11-17	1979-11-30
227.	CM/L-5639 1976-11-17	Super India Match Co. (P.) Ltd., Distt Cachar (Assam).	Plywood tea-chest panels— IS : 10(Pt II)—1976.	-do-	1979-12-13
228.	CM/L-5650 1976-11-17	Prabhat Solvent Extraction Inds. Pvt. Ltd., Mana-Vadar-362630.	18—Litre squire tins— IS : 916—1975	-do-	1979-11-30
129.	CM/L-5679 1976-12-03	Shri Uma Steel Co., Calcutta	Plywood tea-chest metal fittings— IS : 10(Pt IV)—1976	S.O. 3762 dt. 1979-11-17	1979-11-30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
230. CM/L-5681 1976-12-10	Control Systems, Calcutta.	Foam compound for producing mechanical foams for fire fighting— IS : 4989-1974.	S.O. 3762 dt. 1979-11-17	1979-12-15	
231. CM/L-5722 1976-12-14	Kalinga Tubes Ltd., Cuttack (Orissa).	Tubular steel poles for overhead power lines— IS : 2713-1969	-do-	-do-	
232. CM/L-5736 1976-12-24	East Coast Pesticides, Distt. Ganjam, (Orissa).	Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307-1973	-do-	1979-12-31	
233. CM/L-5740 1976-12-24	Venus Rubbers, Coimbatore.	Cots for top rollers— IS : 7175-1974	-do-	1979-12-15	
234. CM/L-5744 1976-12-24	Heveacrub Rubber Pvt. Ltd., Kottayam Distt. (Kerala).	Raw natural rubber— IS : 4588-1977	-do-	-do-	
235. CM/L-5766 1977-01-06	Food & Allied Products, Vijayawada (A.P.).	DDT dusting powders— IS : 564-1975	S.O. 420 dt. 1980-02-23	1980-01-15	
236. CM/L-5771 1977-01-07	Meta Metal Works, Jullundur.	Cast copper alloy screw-down bib taps and stop valves for water services— IS : 781- 977	-do-	-do-	
237. CM/L-5780 1977-01-11	Birla Jute Mfg., Co., Ltd., 24 Parganas (W.B.)	Jute bags for packing cement— IS : 2580-1965	-do-	1979-12-31	
238. CM/L-5805 1977-01-12	Kirloskar Tractors Ltd, Nasik Road-422101 (Maharashtra).	Diesel engines— IS : 1601-1960	-do-	-do-	
239. CM/L-5806 1977-01-12	Amcet Pact Enterprises, Thana-400601 (Maharashtra)	Copper oxychloride WDP— IS : 1507-1077 (Repacking.)	-do-	1980-01-15	
240. CM/L-5807 1977-01-12	Packwell Industries, Thana-400601 (Maharashtra)	-do-	-do-	-do-	
241. CM/L-5816 1977-01-17	Ditz Electricals (India) Ltd., Delhi.	Storage type automatic electric water heater— IS : 2082-1965	-do-	-do-	
242. CM/L-5822 1977-01-24	Farnico Pvt. Ltd., Himatnagar (Gujarat)	Malathion dusting powders— IS : 2568-1978	-do-	1980-01-31	
243. CM/L-5835 1977-01-24	-do-	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633-1975	-do-	-do-	
244. CM/L-5836 1977-01-24	-do-	Carbaryl dusting powders— IS : 7122-1973	-do-	-do-	
245. CM/L-5861 1977-02-03	President Industries, Bhavnagar, (Gujarat)	BHC (HCH) dusting powders— IS : 561-1978	S.O. 731 dt. 1980-03-22	1980-02-15	
246. CM/L-5889 1977-02-28	Government Milk Scheme (Dairy Development Department Government of Maharashtra), Sangli (Maharashtra).	Milk powder (whole and skim)— IS : 1165-1975	-do-	-do-	
247. CM/L-5894 1977-02-28	Ashok Traders, Bombay,	Carbaryl WDP— IS : 7121-1973	-do-	1980-02-29	
248. CM/L-5895 1977-02-28	-do-	Carbaryl DP— IS : 7122-1973	-do-	-do-	
249. CM/L-5898 1977-02-28	Mahatha Petro-Chemicals, Madras, (T.N.)	Paraffin wax— IS : 4654-1974	-do-	1979-12-15	
250. CM/L-5919 1977-02-28	Kooverji Devshi & Co., Pvt. Ltd., Bombay.	Trailer pumps for fire bridge use— IS : 943 & IS : 944-1966	-do-	1980-02-29	
251. CM/L-5920 1977-02-28	Ashok Traders, Bombay	DDT WDP— IS : 565-1975	-do-	-do-	
252. CM/L-5964 1977-03-21	Lavish Gem (India) Pvt. Ltd., Barauni (Bihar).	Paraffin wax— IS : 4654-1974	S.O. 787 dt. 1980-03-29	1979-12-31	
253. CM/L-5992 1977-03-24	B.S. Machine Tools Corpn., Calcutta.	Enclosures for flameproof equipment— IS : 2148-1963	-do-	1980-03-15	
254. CM/L-6024 1977-04-07	Geeta Iron & Brass Works, Bajawa, Distt. Baroda.	Swing check type reflex (Non-return) valves single door pattern— IS : 5512(Pt D)—1969	S.O. 786 dt. 1980-03-29	1979-04-15	
255. CM/L-6029 1977-04-07	Amin Chand Bhola Nath, Jullundur City (Punjab).	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966	-do-	1980-02-29	
256. CM/L-6064 1977-04-25	The Assam Tubes Ltd., Gauhati-781031 (Assam).	Structural Steel (standard quality)— IS : 226-1975	-do-	1980-03-15	
257. CM/L-6097 1977-05-13	The Tiruchirapalli Distt. Co-op. Mills Ltd., Moclappati P.O. - 39101 (Trichy Distt).	Grey-cotton yarn— IS : 171-1973	S.O. 283 dt. 1981-01-24	1979-11-30	

258. CM/L-6258 1977-07-20	President Industries, Bhavanagar, (Gujarat).	DDT emulsifiable concentrates— IS : 33-1975	S.O. 754 dt. 1981-03-07	1980-02-15
259. CM/L-5384 1977-08-31	Leather Corpn. of Orissa Ltd., Balangir Distt. (Orissa)	Full chrome upper. Leather— IS : 578-1971	S.O. 755 dt. 1981-03-07	1979-11-30
260. CM/L-6506 1977-10-31	Kisan Chemical Works, Distt. Baroda (Gujarat)	DDT dusting powders— IS : 564-1975	S.O. 921 dt. 1981-03-21	1979-10-31
261. CM/L-6521 1977-11-07	Koh noor Rubber Works Pvt. Ltd., Calcutta-700011.	Rubber hot-water bottles— IS : 1867-1975	S.O. 1223 dt. 1981-04-18	1979-11-15
262. CM/L-6531 1977-11-16	-do-	Industrial and safety rubber knee boots (Type 3)— IS : 5557-1969	-do-	-do-
263. CM/L-6573 1977-12-09	Naveen Trading Corpn., Calcutta.	Plywood teacheast metal fittings— IS : 10(Pt. IV)-1976	S. O. 1222 dt. 1981-04-18	1979-12-15
264. CM/L-6596 1977-12-20	Sarada Engg. Co., Hyderabad.	Performance of constant speed internal combustion engines for general purposes— IS : 1601-1960	-do-	-do-
265. CM/L-6604 1977-12-20	Bornin Pvt. Ltd., Ahmedabad	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes— IS : 6595-1972	-do-	1979-12-31
266. CM/L-6606 1977-12-20	Gaurav Products, Muzaffarnagar (UP)	Mineral filled sheathed heating elements 200 W, 1000 W, 1500 W & 2000W— IS : 4159-1967	-do-	-do-
267. CM/L-6636 1978-01-05	Venkateswara Steels (P) Ltd., New Delhi.	Cold twisted steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966	S.O. 6115 dt. 1981-05-30	-do-
268. CM/L-6668 1978-01-16	D.K. Metal Industries, Bombay.	Wrought aluminium utensils, cooking table, serving and storing utensils— IS : 1660(Pt I)-1967	-do-	1980-01-31
269. CM/L-6692 1978-01-24	Nagarjuna Agro. & Steel Corpn., Guntur Distt. (A.P.).	BHC (HCH) water dispersible powder concentrates— IS : 562-1978	-do-	-do-
270. CM/L-6694 1978-01-24	Venkateswara Steels Pvt Ltd., Delhi.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975	-do-	-do-
271. CM/L-6701 1978-01-25	Shiv. Durga Iron Works Pvt. Ltd., Howrah	Swing check type reflex (non-return) valves single door pattern— IS : 5312(Pt I)-1969	-do-	-do-
272. CM/L-6703 1978-01-25	Vijay Industries, Baroda.	Coal dust colour preparations and mixtures— IS : 5346-1975	-do-	1980-01-31
273. CM/L-6707 1978-01-27	Swarna Electricals, Bangalore.	Mineral filled sheathed heating elements 200 W, 1000 W, 1500 W, and 2000 W— IS : 4159-1967	S.O. 1615 dt. 1981-05-30	1980-01-31
274. CM/L-6709 1978-01-27	Mahavir Industries, Bombay.	Wrought aluminium utensils, cooking, table, serving and storing utensils— IS : 1660(Pt I)-1967	-do-	-do-
275. CM/L-6734 1978-01-31	Bharat Industrial Corpn., Gauhati (Assam).	Paraffin wax, type 3— IS : 4654-1974.	-do-	-do-
276. CM/L-6735 1978-01-02	Rashtriya Engg. Works (Regd), Batala (Punjab)	Flushing cisterns for water closets and urinals— IS : 774-1971	S.O. 1661 dt. 1981-06-06	1980-02-15
277. CM/L-6738 1978-02-06	Kewlson, Delhi	Cotton drill gloves, type 15— IS : 6994(Pt I)-1973	-do-	-do-
278. CM/L-6741 1978-02-07	Nagral Electric & Radio Co., New Delhi.	Electric stoves 1000 W— IS : 2994-1965	-do-	-do-
279. CM/L-6745 1978-02-07	The Karnataka State Co-op. Marketing Federation Ltd., Bangalore.	BHC (HCH) water dispersible powder concentrates— IS : 562-1978	-do-	-do-
280. CM/L-6751 1978-02-08	Newage House Mfg. Co., Surendernagar (Gujarat).	Fire fighting hose— IS : 616-1962.	-do-	-do-







(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
281. CM/L-6768 1978-02-17	Shree S.K. Industries, Patna (Bihar).	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes— IS : 6595-1972.	S. O. 1661 dt. 1981-06-06	1980-02-29	
282. CM/L-6825 1978-03-02	Veekay Electricals Jabalpur (M.P.).	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanised steel reinforced— IS : 398(Pt II)-1976	S.O. 1664 dt. 1981-06-06	1980-03-15	
283. CM/L-6828 1978-03-03	Jayshree Plastics, Calcutta.	Low density polyethylene pipes for potable water supplies— IS : 3076-1968	-do-	1980-03-31	
284. CM/L-6878 1978-03-23	Fire Equipment Corpn., Bombay	Fire fighting hose— IS : 636-1962	-do-	-do-	
285. CM/L-6904 1978-03-29	Muzaffarnagar Steels Ltd., Muzaffarnagar (U.P.).	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915-1978	S.O. 1664 dt. 1981-06-06	1980-03-31	
286. CM/L-7082 1978-06-28	Chieviet Co. Ltd., 24- Parganas (W.B.).	Jute fabric for fertilizer bag— IS : 7407-1974	S.O. 2002 dt. 1981-07-5	1979-11-31	
287. CM/L-7167 1978-08-16	Hindustan Chemical Co., Delhi.	Paraffin wax type 3— IS : 4654-1974	S.O. 2180 dt. 1981-08-15	1979-08-31	
288. CM/L-7379 1978-11-30	Sulokha Works Ltd., 24 Parganas (W.B.)	Sealing wax— IS : 868-1956	S.O. 2270 dt. 1981-08-29	1979-12-15	
289. CM/L-7394 1978-12-06	Commercial Services Agencies, Bally Distt. (W.B.)	Pitch bound wire reeds for use in jute looms— IS : 1557-1978	S.O. 2276 dt. 1981-08-29	1979-12-15	
290. CM/L-7400 1978-12-08	Shree Agro Industries, Mysore, (Karnataka)	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates— IS : 1507-1977	-do-	-do-	
291. CM/L-7401 1978-12-08	-do-	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1978	-do-	-do-	
292. CM/L-7402 1978-12-08	-do-	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633-1975	-do-	-do-	
293. CM/L-7420 1978-12-19	Peter Atankits Pvt. Ltd., Bombay.	Portable chemical fire extinguisher foam type— IS : 933-1976	-do-	1979-12-31	
294. CM/L-7421 1978-12-19	-do-	Portable chemical fire extinguisher soda acid type— IS : 934-1976	-do-	-do-	
295. CM/L-7424 1978-12-20	Haryana Spun Pipe Co., Distt. Bhiwani	Concrete pipes (with and without) reinforcement— IS : 458-1971	-do-	-do-	
296. CM/L-7430 1978-12-20	The Bannargore Jute Factory, Calcutta.	Jute fabric for fertilizer bag— IS : 7407-1974	-do-	-do-	
297. CM/L-7441 1978-12-27	Keetakar, Distt. Thana (Maharashtra)	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1978	-do-	-do-	
298. CM/L-7461 1979-01-08	Rajivkamal Industries, Patna (Bihar)	Horizontal centrifugal pump for clear, cold, fresh water for agricultural purposes— IS : 595-1972	S.O. 2277 dt. 1981-08-29	1980-01-15	
299. CM/L-7468 1979-01-10	Suba Hosieries, Tirupur (T.N.).	Plain knitted cotton vests— IS : 4964/(Pt II)-1975	-do-	-do-	
300. CM/L-7475 1979-01-12	Eastern Chemical Industries, 24- Parganas (W.B.)	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1978	-do-	-do-	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
301. CM/L-7483 1979-01-18	Sena Industries, Agra-282004(U.P.)	Performance of constant speed internal combustion engines for general purposes— IS : 1601-1960	S.O. 2277 dt. 1980-01-15 1981-08-29		
302. CM/L-7489 1979-01-22	Netco Cable Industries, New Delhi.	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages up to and including 1100 volts— IS : 1554(Pt I)-1976	-do-		1980-01-31
303. CM/L-7521 1979-02-05	Pipcof Industries, Ghaziabad (U.P.)	Malleable cast iron pipes fittings— IS : 1879(Pt I to X)-1975	S.O. 2310 dt. 1980-02-15 1981-09-05		
304. CM/L-7526 1979-02-07	Inter Brush, New Delhi	Flat brushes for paints and varnishes— IS : 384-1971	-do-		-do-
305. CM/L-7529 1979-02-08	Ditz Electricals (India) Ltd., Delhi	Electric irons, non-automatic type voltage not exceeding 250 volts— IS : 366-1965	-do-		-do-
306. CM/L-7530 1979-02-08	-do-	Electric kettles, 230 volts, 0.15 KW and 1.5 litres capacity— IS : 367-1977	-do-		-do-
307. CM/L-7555 1979-02-24	Inter Pharmaceuticals (India) Pvt. Ltd., Patna (Bihar)	Disinfectant fluids, black and white— IS : 1061-1975	-do-		1980-02-29
308. CM/L-7587 1979-03-05	Santosh Tiles, Jaipur (Rajasthan)	Putty for use on window frames— IS : 419-1967	S.O. 2585 dt. 1981-10-03		1980-03-15
309. CM/L-7592 1979-03-05	Jai Industries, Mundi Gobindgarh, (Punjab).	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975	S.O. 2585 dt. 1981-10-03		1980-03-15
310. CM/L-7593 1979-03-05	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975	-do-		-do-
311. CM/L-7597 1979-03-08	Krishichemlin Pvt. Ltd., Bangalore, (Karnataka).	Malathion EC— IS : 2567-1978.	-do-		-do-
312. CM/L-7601 1979-03-09	Phulsons, Rajpura (Punjab).	Coolant pumps for machine tools, size 1, types 1/120, 1/70 and 1/220 — IS : 2161-1962	-do-		-do-
313. CM/L-7603 1979-03-09	Ennore Steel Enterprise Pvt. Ltd., Madras.	Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914-1978	-do-		-do-
314. CM/L-7606 1979-03-12	Everest Oil Corporation, Madras.	Paraffin wax— IS : 4654-1974	-do-		-do-
315. CM/L-7614 1979-03-12	Venkateswara Agro Chemicals & Minerals, Madras.	Carbary WDP— IS : 7121-1973.	-do-		-do-
316. CM/L-7615 1979-03-12	Ramchandra Pesticides Pvt. Ltd., Bangalore.	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633-1975.	-do-		-do-
317. CM/L-7626 1979-03-22	Associated Chemicals Inds., Madras.	Coal tar food colour preparations and mixtures— IS : 5346-1975	-do-		1980-03-31
318. CM/L-7641 1979-03-22	Kamdhenu Pesticides, Pune, (Maharashtra).	Phosphamidon water soluble concentrates— IS : 6177-1971.	-do-		-do-

[No. C.M.D./13 : 145]

क्र.सं. 4899:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिम्ब) विनियम, 1955 के नियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक बिम्बों के डिजाइन, शारीरिक विवरण तथा सम्बंधी भारतीय मानक के लिये सहित नीचे अनुसूची में दिये गये हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किये गये हैं। ये भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिम्ब) अधिनियम, 1952 और इसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के निर्मित प्रत्येक के धारों दी गई तारीखों से लागू होंगे।

प्रमुखी




क्र. मानक चिह्न का डिजाइन सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बंधी भारतीय मानक की संख्या और संशोधन	मानक चिह्न की डिजाइन का शब्दिक विवरण	लागू होने की तारीख	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS 1914		कार्बन इस्पात बॉयलर नलियां तथा प्रति तापित नलियां	IS : 1914 भाग 1 में 4)-1982 कार्बन इस्पात बॉयलर नलियों तथा प्रतितापित नलियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक संस्था पद संख्या अंकित की गई है और नीचे तत्समश्री संस्था और भाग अंकित किए गए हैं।	1984-05-16
2.					
3.					
4.		बोमिंग लाइट	IS : 10577-1982 बोमिंग लाइट की विशिष्टि	यह सा संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम की ऊपर की ओर भारतीय मानक संस्था की पद संख्या अंकित की गई है और हल्का मध्यम और भारी मोनोग्राम के नीचे अंकित किया गया है।	1984-06-01
5.					
6.					




[सं. सीएमसी 13 : 9]

S.O. 4899 :—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design (s) of which together with the verbal description of the design (s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been specified.

This/These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rule and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. Design of the No. Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS : 1914	Carbon steel boiler tubes and superheater tubes.	IS : 1914 (Part I to IV)—1982 Specification for carbon steel boiler tubes and superheater tubes (first-revision).	The monograms of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the relevant parts numbers being subscribed under the bottom side of the monograms as indicated in the designs.	1984-05-16
				
2.				
3.				

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4. IS : 10577	Lancing pipes	IS : 10577—1982—Specification for lancing pipes.	The monograms of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the words 'LIGHT', 'MEDIUM' and 'HEAVY' being subscribed on left & bottom side of the monograms as indicated in the designs.	1984-06-01	
5.					
6.					
					

[No. C.M.D./13 : 9]

सं. आ. 4900 :—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम (7) के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए व्यौरों के अनुसार निर्धारित की गई है। यह फीस प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से लागू होगी।

अनुसूची

क्र. सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	प्रति इकाई	मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तारीख
1.	कार्बन इस्पात बॉयलर नलियों तथा अतितापित नलियां	IS : 1914 (भाग 1 से 4) - 1982 कार्बन इस्पात बॉयलर नलियों और अतितापित नलियों की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एक टन	(1) पहली 3000 इकाइयों के लिए 2.00 प्रति इकाई (2) 3001 और इससे ऊपर के लिए 1.00 रु. प्रति इकाई	1984-05-16
2.	लॉसिंग नलियां	IS : 10577-1982 लॉसिंग पाइपों की विनिर्दिष्ट	एक टन	15.00 रु.	1984-06-01

[संख्या सीएमडी 13 : 10]
बी. एन. सिंह, अपर महानिदेशक

S.O. 4900 :—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, has/have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit	Date of Effect
1.	Carbon steel boiler tubes and superheater tubes	IS : 1914 (Parts I to IV) - 1982 Specification for carbon steel boiler tubes and superheater tubes (first revision).	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 3000 units and (ii) Rs. 10.00 per unit for the 3001st unit and above.	1984-05-16
2.	Lancing pipes	IS : 10577-1982—Specification for lancing pipes.	One Tonne	Rs. 15.00	1984-06-01

[No. C.M.D./13 : 10]

S/-

B.N. SINGH, Addl. Director Genl.

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1985

शुद्धिपत्र

का. आ. 4901--इस विभाग के दिनांक 1-7-1985 के आदेश जिसे भारत के असाधारण राजपत्र दिनांक 4-7-85 के भाग-II खण्ड-3 उपखण्ड (ii) में का. आ. 507(अ) आ. लोहा और इस्पात के अंतर्गत प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित त्रुटियाँ दूर कर लीं जाएं:--

के स्थान पर

पढ़िए

- (1) आदेश के अनुच्छेद 2(3) के अन्तर्गत त.चे. में चौथे पंक्ति में त.सरे शब्द "के"

"ने"

- (2) आदेश के अनुच्छेद 2(4) में द. गई अनुसूची क.

(I) मद संख्या (2) क. अन्तिम पंक्ति के प्रथम शब्द "सिल्लियाँ"

"सिल्लियाँ"

(II) मद संख्या (3) क. प्रथम पंक्ति के चौथे शब्द "का"

"कै"

(III) मद संख्या (4) (ii) में शब्दों "टायर पहिए और धूरियाँ"

"टायर, पहिए और धूरियाँ"

(IV) मद संख्या (5) क. प्रथम पंक्ति के दूसरे शब्द "क"

"या"

(V) मद संख्या (6) क. प्रथम पंक्ति में क्रमशः पांचवें और आठवें शब्दों "हण" और "स्टैपिंग"

"हण और "स्टैपिंग"

(VI) मद संख्या (10), (11) और (12) में शब्द "जोइस"

"ज्वायस्ट्रस"

(VII) मद संख्या (14) क. प्रथम पंक्ति के प्रथम शब्द "बिनागढ़"

"बिना गढ़े"

(VIII) मद संख्या (15) क. दूसरा पंक्ति में शब्दों "के मे" और "स्टेनलेस"

"में और स्टेनलेस"

3. आदेश के अनुच्छेद 2(5) में (1) प्रथम पंक्ति के चौथे शब्द "फैरो टिरे-नियम"

"फैरो टिटैनियम"

(2) अन्त से त.सरे पंक्ति के शब्दों

"फैरो नियोबियम फैरो कोलनियम" "फैरो नियोबियम/फैरो कोलम्बियम"

2. इस विभाग का दिनांक 1-7-85 का अधिसूचना जिसे भारत के असाधारण राजपत्र दिनांक 4-7-85 के भाग-II खण्ड-3-उपखण्ड (ii) में का. आ. 508 (अ.) आ. लोहा और इस्पात-2 क के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित त्रुटियाँ दूर की जाएं:--

के स्थान पर

पढ़िए

अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची क.

- (1) मद संख्या (2) क. अन्तिम पंक्ति के प्रथम शब्द "सिल्लियाँ"

"सिल्लियाँ",

- (ii) मद संख्या (6) क. प्रथम पंक्ति के शब्द "हण"

"हण"

(iii) मद संख्या (7) में शब्द

"बैल्लित"

"बैल्लित"

(iv) मद संख्या (10), (11) और (12) में शब्द "जोइस"

"ज्वायस्ट्रस,"

(v) मद संख्या (15) में शब्द "स्टेनलेस"

"स्टेनलेस"

[मि. स. एम. नं. 8(2)/84-डी-(iii)]

स. ना. गुप्त, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL

(Department of Steel)

New Delhi, the 1st October, 1985

CORRIGENDUM

S.O.4901:-In the Order dated 1-7-85 of the Department of Steel published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India: Extraordinary dated 4th July, 1985 as S.O. 507 (E)/ESS Iron and Steel, the following corrections may be made:--

For

Read

The word 'Joists' appearing in items No. (10), (11) and (12) of the First Schedule appearing in para 2(4) of the Order

2. In the Notification dated 1-7-85 of the Department of Steel published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India: Extraordinary dated 4th July, 1985 as S.O. 508 (E)/ESS/Iron and Steel-2A, the following corrections may be made:--

For

Read

the words 'Timplate, both prime and waste' appearing in item(9) of the Schedule appended to the Notification

"Tinplate, both prime and waste waste"

[F. No. SC-8(2)/84—DIII]

S.N. GUPTA, Desk Officer

पूति और वस्त्र मंत्रालय

(पूति विभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1985

का. आ. 4902--पूति विभाग के दि. 5 जून, 1985 के आदेश सं. ए-11013/4/85-प्रशासन द्वारा, पूति विभाग में पूति और वस्त्र राज्य मंत्रों के निजो स्टाफ में 1500-60-1800-100-2000 रु. के वेतनमान में सृजित निजो सचिव का अस्थायी पद, स्वर तथा उत्तरदायित्व की दृष्टि से भारत सरकार के उप सचिव के पद के समान घोषित किया जाता है।

यह घोषणा भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम 1954 के नियम 9(1) के अनुसरण में की जाती है।

[स. ए-11013/4/85 प्रशासन]

एस. बालामुन्नगियन, अवसर सचिव

MINISTRY OF SUPPLY & TEXTILES
(Department of Supply)

New Delhi, the 18th September, 1985

S.O. 4902.—One temporary post of Private Secretary on the personal staff of the Minister of State for Supply & Textiles in the Department of Supply, created in the scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 vide Department of Supply's Order No. A-11013/4/85-Admn. dated 5th June, 1985, is declared to be equivalent in status and responsibility to the post of Deputy Secretary to the Government of India.

This declaration is made in pursuance of Rule 9(1) of Indian Administration Service (Pay) Rules, 1954.

[No. A-11013/4/85-Admn.]

S. BALASUBRAMANIAN, Under Secy.

सिचार्ड और विद्युत मंत्रालय
(सिचार्ड विभाग)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1985

क्रा. सं. 4903—बेन्द.य सरकार, ब्रह्मपुत्र बोर्ड अधिनियम, 1980 (1980 का 46) के धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित व्यक्तियों को ब्रह्मपुत्र बोर्ड के सदस्य नियुक्त करते हैं, अर्थात् :—

- 1 श्री सी. एस. हुकमानो,
मुख्य इंजिनियर,
सिचार्ड विभाग,
राजस्थान सरकार।
- 2 श्री एस. एन. फूकन,
महाप्रबन्धक,
ब्रह्मपुत्र बोर्ड।
- 3 सचिव,
बाढ़ नियंत्रण विभाग,
असम सरकार।
- 4 मुख्य इंजीनियर,
निर्माण विभाग,
मेघालय सरकार।
- 5 संयुक्त निदेशक,
कृषि इंजिनियरी,
नागालैण्ड सरकार।
- 6 मुख्य इंजिनियर,
सिचार्ड और बाढ़ नियंत्रण विभाग,
मणिपुर सरकार।
- 7 मुख्य इंजिनियर,
सिचार्ड और बाढ़ नियंत्रण विभाग,
त्रिपुरा सरकार।
- 8 आयुक्त-सह-सचिव,
लोक निर्माण विभाग,
प्रदणालस प्रदेश सरकार।
- 9 निदेशक,
कृषि और भूमि संरक्षण,
मिजोरम सरकार।

- 10 सलाहकार (विद्युत),
उत्तर पूर्वी परिषद्।
- 11 संयुक्त सचिव (भूमि संरक्षण) और
भूमि मापन सचिव,
कृषि और सहायिका विभाग,
कृषि और ग्राम ण विकास मंत्रालय।
- 12 आयुक्त (मिथु जल),
सिचार्ड विभाग,
सिचार्ड और विद्युत मंत्रालय।
- 13 जिन य सलाहकार,
सिचार्ड विभाग,
सिचार्ड और विद्युत मंत्रालय।
- 14 संयुक्त सचिव,
विद्युत विभाग,
सिचार्ड और विद्युत मंत्रालय।
- 15 मुख्य इंजीनियर-सह प्रणामक,
अंतर्देशीय जल परिषद् निदेशालय,
नौवहन और परिवहन मंत्रालय।
- 16 सदस्य (बाढ़),
केंद्रीय जल आयोग।
- 7 सदस्य (जल विद्युत),
केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण।
- 18 उद्घाटनविभाग,
भारतीय भू-संज्ञानिक सर्वेक्षण,
उत्तर-पूर्वी प्रदेश।
- 19 महानिदेशक,
मौलम विज्ञान,
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग।

और उप प्रयोजन के लिए भारत सरकार के भूतपूर्व सिचार्ड मंत्रालय की अधिसूचना सं. क्रा. सं. 928(अ), तारीख 28 दिसम्बर, 1981 का निम्न प्रकार से संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में धारा (4) की उपधारा (3) के खंड (क), (ग), (घ) और (ङ) के तालिखे निम्नलिखित से संबंधित विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

धारा (4) की उपधारा (3) के खंड (क) के अधीन नियुक्त किए गए :

1. श्री सी. एस. हुकमानो, अध्यक्ष
मुख्य इंजीनियर,
सिचार्ड विभाग,
राजस्थान सरकार।
2. श्री एस. एन. फूकन, उप-अध्यक्ष
महाप्रबन्धक,
ब्रह्मपुत्र बोर्ड।
- धारा 4 की उपधारा (3) के खंड (ग) के अधीन नियुक्त किए गए :
3. सचिव, असम सरकार का प्रतिनि- सदस्य
बाढ़ नियंत्रण विभाग, धित्व करने के लिए
असम सरकार।
4. मुख्य इंजीनियर, मेघालय सरकार का प्रति- सदस्य
लोक निर्माण विभाग, निधिस्थ करने के लिए
मेघालय सरकार।

5. संयुक्त सचिव, नगरीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
6. मुख्य इंजीनियर, मिचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, मणिपुर सरकार। मणिपुर सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
7. मुख्य इंजीनियर, मिचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, त्रिपुरा सरकार। त्रिपुरा सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
8. आयुक्त-सह-सचिव, सौक्य निर्माण विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार। संघ राज्यक्षेत्र अरुणाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
9. निदेशक, कृषि और भूमि संरक्षण, मिजोरम सरकार। मिजोरम का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
10. सहायक (विद्युत), उत्तर-पूर्वी परिषद्। उत्तर-पूर्वी परिषद् का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
- धारा 4 की उपधारा (3) के खंड (ब) के अंतर्गत नियुक्त किए गए:

11. संयुक्त सचिव (भूमि संरक्षण) और भूमि संधन आयुक्त कृषि और सहकारिता विभाग कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय। कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
12. आयुक्त (मिथु जल), मिचाई विभाग, मिचाई और विद्युत मंत्रालय। मिचाई विभाग, मिचाई और विद्युत मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
13. वित्तिय सहायक, मिचाई विभाग, मिचाई और विद्युत मंत्रालय। वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
14. संयुक्त सचिव विद्युत विभाग, मिचाई और विद्युत मंत्रालय। विद्युत विभाग, मिचाई और विद्युत मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
15. मुख्य इंजीनियर-सह-प्रणालिक अंतर्राष्ट्रीय जल परिवहन निर्देशालय, मोरम और परिवहन मंत्रालय। जल और परिवहन मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य

धारा 4 की उपधारा (3) के खंड (क) के अंतर्गत नियुक्त किए गए:

16. सदस्य (बाढ़) केन्द्रीय जल आयोग। केन्द्रीय जल आयोग का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
17. सदस्य (जल विद्युत), केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य

18. उप महा-निदेशक, भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्तर-पूर्वी प्रदेश। भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
19. महा-निदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य

[सं. 1/81 बी.सी. (एफ.सी.)]
राज्यसचिव और अध्यक्ष, सचिव

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER

(Department of Irrigation)

New Delhi, the 25th September, 1985

S.O. 4903:— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 4 of the Brahmaputra Board Act, 1980 (46 of 1980), the Central Government hereby appoints the following persons as the members of the Brahmaputra Board, namely:—

1. Shri G.S. Hukmani, Chief Engineer, Irrigation Department, Government of Rajasthan.
2. Shri S.N. Phukan, General Manager, Brahmaputra Board.
3. Secretary, Flood Control Department, Government of Assam.
4. Chief Engineer, Public Works Department, Government of Meghalaya.
5. Joint Director, Agriculture Engineering, Government of Nagaland.
6. Chief Engineer, Irrigation & Flood Control Department, Government of Manipur.
7. Chief Engineer, Irrigation & Flood Control Department, Government of Tripura.
8. Commissioner-cum-Secretary, Public Works Department, Government of Arunachal Pradesh.
9. Director, Agriculture and Soil Conservation, Government of Mizoram.
10. Advisor (Power), North-Eastern Council.
11. Joint Secretary (Soil Conservation), Land Resources Commissioner, Department of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture & Rural Development.
12. Commissioner (Indus Waters), Department of Irrigation, Ministry of Irrigation & Power.
13. Financial Adviser, Department of Irrigation, Ministry of Irrigation & Power.
14. Joint Secretary, Department of Power, Ministry of Irrigation & Power.

15. Chief Engineer-cum-Administrator,
Inland Water Transport Directorate,
Ministry of Shipping & Transport.
16. Member (Floods),
Central Water Commission.
17. Member (Hydro-Electric),
Central Electricity Authority.
18. Deputy Director General,
Geological Survey of India,
North-Eastern Region.
19. Director General of Meteorology,
Indian Meteorological Department.

AND for that purpose amends the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Irrigation No. S O 926(E), dated the 28th December, 1981, as follows, namely:—

In the said notification, for the existing entries, relating to appointments under clauses (a), (c), (d) and (e) of sub-section (3) of section (4) the following entries shall be substituted, namely:—

Appointment under clause (a) of sub-section (3) of Section (4):

- | | |
|--|---------------|
| 1. Shri C.S. Hukmani,
Chief Engineer,
Irrigation Department,
Government of Rajasthan. | Chairman |
| 2. Shri S.N. Phukan,
General Manager,
Brahmaputra Board. | Vice-Chairman |

Appointed under clause (c) of sub-section (3) of section (4):

- | | | |
|---|--|--------|
| 3. Secretary,
Flood Control
Department,
Government of Assam. | To represent the
Government of Assam. | Member |
| 4. Chief Engineer,
Public Works Department,
Government of
Meghalaya. | To represent the
Government of
Meghalaya. | Member |
| 5. Joint Director,
Agriculture Engineering,
Government of
Nagaland. | To represent the
Government of
Nagaland. | Member |
| 6. Chief Engineer,
Irrigation & Flood
Control Deptt.,
Government of Manipur. | To represent the
Government of
Manipur. | Member |
| 7. Chief Engineer,
Irrigation & Flood
Control Department,
Govt. of Tripura. | To represent the
Government of
Tripura. | Member |
| 8. Commissioner-cum-Secretary,
Public Works Department,
Govt. of Arunachal Pradesh. | To represent the
Union Territory of
Arunachal Pradesh. | Member |
| 9. Director,
Agriculture & Soil
Conservation,
Government of
Mizoram. | To represent the
Union Territory of
Mizoram. | Member |

- | | | |
|--|---|--------|
| 10. Adviser (Power),
North-Eastern Council. | To represent the
North-Eastern
Council. | Member |
|--|---|--------|

Appointed under clause (d) of sub-section (3) of section (4):

- | | | |
|--|---|--------|
| 11. Joint Secretary (Soil
Conservation) and
Land Resources
Commissioner,
Department of Agriculture and Cooperation,
Ministry of Agriculture
and Rural Development. | To represent the
Ministry of Agriculture and Rural
Development. | Member |
| 12. Commissioner (Indus
Water),
Department of
Irrigation Ministry of
Irrigation and Power. | To represent the
Department of
Irrigation, Ministry of
Irrigation and Power. | Member |
| 13. Financial Adviser,
Department of Irrigation,
Min. of Irrigation &
Power. | To represent the
Ministry of Finance. | Member |
| 14. Joint Secretary,
Department of Power,
Min. of Irrigation &
Power. | To represent the
Department of
Power, Min. of
Irrigation & Power. | Member |
| 15. Chief Engineer-cum-Administrator,
Inland Water Transport
Directorate,
Ministry of Shipping
and Transport. | To represent the
Ministry of Shipping
and Transport. | Member |

Appointed under clause (e) of sub-section (3) of section (4):

- | | | |
|--|---|--------|
| 16. Member (Floods),
Central Water
Commission. | To represent the
Central Water
Commission. | Member |
| 17. Member (Hydro-Electric),
Central Electricity
Authority. | To represent the
Central Electricity
Authority. | Member |
| 18. Deputy Director
General,
Geological Survey of
India,
North-Eastern Region. | To represent the
Geological Survey
of India. | Member |
| 19. Director General of
Meteorology,
India Meteorological
Department. | To represent the
India Meteorological
Department. | Member |

[No. 1/81—BC/FC]
RAMASWAMY R. IYER, Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1985

का. आ. 4904:—तत्कालीन मन्त्रालय, राजधानी (संव के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसार में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के विज्ञापन और दृश्य प्रचार

निदेशालय के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने निम्नलिखित का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

- (1) क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक, जबलपुर।
- (2) क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक, सिमला।
- (3) क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक, इन्दौर।
- (4) क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक, वाराणसी।
- (5) क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक, बिकानेर।
- (6) क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक, चण्डीगढ़।

[संख्या ई-11011/35/83-हिन्दी]

मुनि लाल, उप निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 19th September, 1985

S.O. 4904.—In pursuance of Sub-section (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official purpose of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of Directorate of Advertising and Visual publicity of the Ministry of Information & Broadcasting, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

- (1) Field Exhibition Unit, Jabalpur.
- (2) Field Exhibition Unit, Simla.
- (3) Field Exhibition Unit, Indore.
- (4) Field Exhibition Unit, Varanasi.
- (5) Field Exhibition Unit, Bikaner.
- (6) Field Exhibition Unit, Chandigarh.

[File No. E. 11011/35/83-Hindi]
MUNI LAL, Dy. Director (OL)

अभ्यन्तर मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1985

का. आ. 4905.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स 'कम्प क्राफ्ट्स 18 फर्स्ट मेन रोड गांधीनगर, मद्रास 600020 और इसकी 286 मद्रास महाबालीपुरम रोड, तिरुवानमीयूर मद्रास-41 स्थित शाखा। नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35019(357)/85-एस.एम.-2]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 1st October, 1985

S.O. 4905.—Whereas it appears to the Central Govt. that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Comp. Crafts, 18, I Main Road, Gandhi Nagar, Madras-600020 including its Branch at 286, Madras Mahabalipuram Road, Thiruvanniyur, Madras-41 have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (10 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(357)/85-SS-II]

का. आ. 4906.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रेड बरना इंडिया, नं. 8, शाफी मोहम्मद रोड, (दूसरी मंजिल) मद्रास 600006, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स. एस-35019(359)/85-एस.एम.-2]

S.O. 4906.—Whereas it appears to the Central Govt. that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Redd Barna India, No. 8, Shafee Mohammed Road, (2nd Floor) Madras-600006, have agreed that the Provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (10 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(359)/85-SS-II]

का. आ. 4907.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फागुन कम्पनी प्रा. लिमिटेड 26, कमांडर-इन-चीफ रोड, मद्रास-105 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(360)/85 एस.एम.-2]

S.O. 4907.—Whereas it appears to the Central Govt. that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fagun Company Private Ltd., 26, Commander-in Chief Road, Madras-105, have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (10 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(360)/85-SS-II]

का. आ. 4908.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अजेकर कोम्पनिय लिमिटेड एग्जिक्यूटिव बैंक लिमिटेड पी. अजेकर-574101, करकल तालुक डी कन्नडा कर्मिक नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(358)/85-एस.एम.-2]

S.O. 4908.—Whereas it appears to the Central Govt. that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ajekar Co-operative Agricultural Bank Ltd; PO Ajekar 574101, Karkala Taluk, D. Kannada, Karnataka have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (10 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(358)/85-SS-III]

का. आ. 4909.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नवीन सूर्यसूचक, नं. 17, नरसिंवापुरम गली, मद्रास-2 नामक स्थापन के संबंध निर्योजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी कृषि विधि और प्रकीर्ण संबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 10) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(361)/85-एस.एस-2]

S.O. 4909.—Whereas it appears to the Central Govt. that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Naveen Surpicals, No. 17, Narasingapuram Street, Madras-2 have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (10 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(361)/85-SS-II]

का. आ. 4910.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मानवालाकुरिचि मिल्क प्रोड्यूसर को-ओ, मोनाफ्टी लिमिटेड, नं. धार्डी-276, मानवालाकुरिचि पोस्ट, कन्याकुमारी जिल्ला, तमिलनाडु नामक स्थापन के संबंध निर्योजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी कृषि विधि और प्रकीर्ण संबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 10) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा 1(4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(362)/85-एस एस-2]

S.O. 4910.—Whereas it appears to the Central Govt. that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manavalakurichy Milk Producers Co-operative Society Ltd., No. Y-276 Manavalakurichy Post, Kanyakumari Dist., Tamil Nadu have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (10 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(362)/85-SS-II]

का. आ. 4911.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि, कृषि संस्थापक के अधीन मैसर्स सोकस्ट वाणिज्य अर्गेंसिजेशन, ओडपुर के कर्मचारी अथवा उन प्रमुखियों को प्राप्त कर रहे हैं जो सार-

सं. मैसर्स राज्य धन अधिनियम, 1949 (1948 का 34) के अधीन उपबंधित प्रमुखियों के समान हैं।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 91-क के साथ पठित धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के धन मंत्रालय के का. आ. सं. 1762 तारीख 19 मार्च 1983 के तम में कर्मचारी राज्य धन निगम में एगमर्ज करने के पश्चात् उपर्युक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन में, 1 अक्टूबर, 1983 से 30 सितंबर 1985 तक की अवधि में यह सार्वजनिक की सम्मिलित है, अधि के लिए छूट देती है। उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात्—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की अवधि के दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तन था (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम के तहत है) ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रत्येक में और ऐसी विवरणियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य धन (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की अवधि देनी थी;

2. पूर्वोक्त छूट की पूर्ति निम्नलिखित है, अर्थात्—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि का प्रवर्तन जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तन था (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम के तहत है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्रत्येक में और ऐसी विवरणियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य धन (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की अवधि देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निर्योजक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अधि की अवधि दो गई किन्हीं विवरणों की विवरणियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य धन (साधारण) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या

(3) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन कार्यों की अवधि के प्रतिकल्प रूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, तकद में और यस्तु रूप में पाए गए हकदार घटा हुआ है, या नहीं या

(4) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबंध प्रवर्तन थे तब किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सज्जत होगी—

(क) प्रधान या अथवा नियोजक से अज्ञात करना कि वह उसे ऐसी जानकारी के बिना उपर्युक्त निर्योजक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रयासों अथवा नियोजक के अधिसूचना के बिना कारखाने स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय परीक्षण करना और उसके प्रयासों से यह अपेक्षा करना कि वह व्यवस्थाओं के नियोजन और सज्जरी के संबंध में संबंधित ऐसे लेखा या और अन्य दस्तावेज ऐसे निर्योजक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी देजित वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अधिष्ठित नियोजक को उसके अधिकारी या सेवक को, ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति कि जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना।

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किताबें, रजिस्टर लेखाबद्ध या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[सद्व्या एम-38014/23/85-एमएम-1]

स्पष्टीकारक आपन

इस मामले में छूट को भूत-वशा प्रभाव देना आवश्यक हुआ गया क्योंकि छूट के लिए आवेदन देर में प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूत-वशा प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 4911.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the M/s. Locust Warning Organisation, Jodhpur under the Ministry of Agriculture are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 read with section 91-A of the said Act, and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1762, dated the 19th March, 1983, the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned factory from the operation of the said Act for a period with effect from 1st October, 1983 upto and inclusive of 30th September, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefit in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/23/85-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

फा. आ. 4912.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के माध्यम से धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां०आ० 1439 तारीख 17 अप्रैल, 1984 के अन्तर्गत, मैसर्स लोस्ट वार्निंग ऑर्गनाइजेशन लिमिटेड कोटा (राजस्थान) को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पक्षी जूलाई 1984 से 30 सित्त 1985 तक की अवधि तक तारीख से सम्मिलित है, एक वर्ष की और अधि के लिए छूट देता है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अधि की अवधि की अवधि के दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियाँ सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (समाधारण) विनियम, 1950 के अधिनियम उक्त अधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधिनियम किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधिनियम उक्त अधि की बाबत दी गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को सम्पादित करने के प्रयोजनार्थ, या

(2) यह अभिविधित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (समाधारण) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(3) यह अभिविधित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधिनियम छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(4) यह अभिविधित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

- (क) प्रधान या अव्यवहित निरीक्षक में अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित निरीक्षक के अधिभागीय कर्मियों कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजूरी के संबंध से संबंधित ऐसे लेखा बहिया और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- (ग) प्रधान या अव्यवहित निरीक्षक को, उसके अधिकारियों सेवकों को, ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का व्यक्तिगत कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना;
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[स. एस-38014/34/84-एस.एस.-I]

स्पष्टीकारक आशय

इस भाग में छूट का भूतलक्ष्य प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट का भूतलक्ष्य प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 4912.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 1439, dated the 17th April, 1984, the Central Government hereby exempts M/s. Instrumentation Limited, Kota (Rajasthan) from the operation of the said Act, for a further period with effect from 1st July, 1984 upto and inclusive of 30th June, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/34/84-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1985

का. आ. 4913.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा (1क) के अंतर्गत कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्राप्त के लिए मैसर्स इंस्ट्रुमेंटेशन प्रैम, कोटा राजस्थान, (टी. नं./882 बी.) ने आवेदन किया है।

यदि केन्द्रीय सरकार की राय में केन्द्रीय सरकार परिवार पेंशन स्कीम, 1964 के अंतर्गत परिवार पेंशन के रूप में और कथित स्थापना के कर्मचारियों पर लागू लाभ, कथित अधिनियम और कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम 1971 के अंतर्गत दिए जाने वाले लाभों से कम अतृप्त नहीं है।

अब, इसलिए कथित अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और उसके नीचे उल्लिखित शर्तों पर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कथित स्थापना को कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के सभी उपबंधों के प्रचलन से तीन वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान करती है।

शर्तें :

- (1) स्थापना को परिवार पेंशन स्कीम में किसी वस्तु के होने हुए भी यदि किसी सदस्य को मृत्यु पर देय पेंशन का राशि उसके कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 का सदस्य होने की स्थिति में देय पेंशन की राशि से कम है तो नियोजित कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अंतर्गत प्राप्त परिवार पेंशन मंजूर करेगा।
- (2) नियोजित ऐसे श्रमिक बहालगा, ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा, और निरीक्षण के लिए एस. सुविधा प्रदान करेगा जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार निर्देश थे।

- (3) कथित स्थापना का परिवार पेंशन स्कीम के प्रशासन में जिस में लेखों का तैयार करना, लेखों और विवरणों का प्रस्तुत करना लेखों का अंतरण करना भी शामिल है, में सभी निहित खर्च नियोजन उठाएगा।
- (4) नियोजता नियमों का एक प्रति, जिसमें स्थापना के परिवार पेंशन स्कीम के सभी संशोधन, यदि कोई हो, शामिल होंगे और जो केंद्राध्यक्ष सरकार द्वारा अनुमोदित हो, कर्मचारियों को बहुमत द्वारा समझा जाने वाला भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुबाध सहित स्थापना के नॉटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करेगा।
- (5) स्थापनाओं का परिवार पेंशन स्कीम के नियमों में कर्मचारियों के हितों के विरुद्ध प्रभाव डालने वाला कोई संशोधन बिना केंद्राध्यक्ष सरकार, अथवा मंत्रालय, और केंद्राध्यक्ष भविष्य निधि आयुक्त के अनुमोदन के नहीं किया जाएगा। केंद्राध्यक्ष सरकार और केंद्राध्यक्ष भविष्य निधि आयुक्त उसमें अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपने विचार व्यक्त करने का उचित अवसर देंगे।

[स. एस-35012/3/85-एस.एस-4]

New Delhi, the 3rd October, 1985

S.O. 4913.—Whereas M/s. Government Regional Press, Vridachalam (TN/882-B) has applied for exemption from Employees' Family Pension Scheme 1971, under Sub-Section (IA) of the section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas, in the opinion of the Central Govt. the benefits in the nature of Family Pension under the Central Government Family Pension Scheme, 1964 and applicable to the employees of the said establishment are, not less favourable than the benefits provided under the said Act, and the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (IA) of Section 17 of the said Act, and subject to the condition specified hereunder, the Central Govt., hereby exempts the said establishment from the operation of all provisions of the Employees' Family Pension Scheme, 1971, for a period of three years.

Conditions :

- (1) Notwithstanding anything contained in the Family Pension Scheme of the establishment if the amount of pension payable in respect of any member upon his death is less than the amount of family Pension payable if he were a member of the Employees' Family Pension Scheme 1971 the employer shall sanction the family Pension which is admissible under the Employees' Family Pension Scheme, 1971.
- (2) The employer shall maintain such accounts, submit such returns and provide for such facility for inspection as the Central Government may from time to time direct.
- (3) All expenses involved in the administration of the Family Pension Scheme of the said establishment including maintenance of accounts, submission of accounts and returns transfer of accounts, shall be borne by the employer.
- (4) The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules incorporating therein all amendments, if any of the Family Pension Scheme of the said establishment as approved by the Central Government alongwith a translation of the salient features thereof in language understood by the majority of the employees.
- (5) No amendments of the rules of the Family Pension Scheme of the establishments adversely affecting the interests of the employees shall be made without the prior approval of the Central Government in the Ministry of Labour and the Central Provident Fund Commissioner. The Central Government and the Central Provident Fund Commissioner will before giving their approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No.S 35012/3/85-SS-TV]

का आ. 4914-केंद्राध्यक्ष सरकार कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 5 के साथ पठित पैरा 4 के उपपैरा (1) के अनुमरण में और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 99, दिनांक 19 दिसम्बर, 1981 को अधिष्ठात करने हुए, तमिलनाडु के राज्य के लिए एक क्षेत्रीय समिति का गठन करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे, अर्थात् :-

अध्यक्ष

- | | |
|---|---|
| 1. आयुक्त एवं सचिव, तमिलनाडु सरकार, श्रम विभाग, मद्रास-600009 | केंद्राध्यक्ष सरकार द्वारा नियुक्त। |
| मदस्य | |
| 2. उप सचिव, तमिलनाडु सरकार, बित्त विभाग, मद्रास-600009 | राज्य सरकार की सिफारिश पर केंद्राध्यक्ष सरकार द्वारा नियुक्त दो व्यक्ति |
| 3. श्रम आयुक्त, मद्रास-600006 | |
| 4. श्री जी. पी. ओम्मान, उप-प्रधान इम्प्लायर्स फंडेशन ऑफ माउन्टेन इण्डिया, दारे हाउस एनक्ली, 44-सूरे स्ट्रीट, मद्रास-600001 | राज्य में निजीजको के संगठनों के परामर्श से केंद्राध्यक्ष सरकार द्वारा नियुक्त निजीजको के तीन प्रतिनिधि। |
| 5. श्री टी. गोकुलमणि, सचिव सादने इंडिया मिल्स एसोसिएशन, पोस्ट बाक्स नं० 3783 रूड कोर्स रोड, कोयम्बटूर-641018 | |
| 6. श्री सी. शंकरनारायण, सचिव प्लाण्टर्स एसोसिएशन ऑफ तमिलनाडु, पोस्ट बाक्स नं० 35, "कानोबी" कून्-643101 | |
| 7. श्री पी. एच. सुब्रह्मण्यम, महासचिव इण्डियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस, 62-बिबी रोड, राजानाथापुरम, कोयम्बटूर-641018 | राज्य में कर्मचारियों के संगठनों के परामर्श से केंद्राध्यक्ष सरकार द्वारा नियुक्त कर्मचारियों के तीन प्रतिनिधि। |
| 8. श्री बी. जी. राजाराम, ट्रिपल मसटूर सभा, 145-बिबी रोड, मिथानाल्लूर, कोयम्बटूर-641005 | |
| 9. श्री ए. के. पदमानाभन, महायुक्त महासचिव, मैण्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन आफिस, बी. एच. क्लिबन ब्लॉक, एम. एल. ए., होस्टल, गवर्नमेंट एस्टेट मद्रास-600002 | |

[संख्या बी-20012/3/83-पी. एफ. -II]

पी. के. भट्टराई, अवसर सचिव

S.O. 4914—In pursuance of sub-paragraph (1) of Paragraph 4 read with paragraph 5 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 99, dated the 19th December, 1981, the Central Government hereby sets up a Regional Committee for the State of Tamil Nadu consisting of the following persons, namely :—

CHAIRMAN

- | | |
|---|--------------------------------------|
| 1. Commissioner and Secretary to the Government of Tamil Nadu, Department of Labour, Madras-600009. | Appointed by the Central Government. |
|---|--------------------------------------|

MEMBERS

2. Deputy Secretary to the Government of Tamil Nadu, Finance Department, Madras-600009.
3. The Commissioner of Labour, Government of Tamil Nadu, Madras-600009.

Two persons appointed by the Central Government on the recommendations of the State Government.

4. Shri G.P. Oomman, Vice-President, Employers' Federation of Southern India, Dare house Annexe, 44, Moor Street, Madras-600001.
5. Shri T. Rangasamy, Secretary, Southern India Mills Association, Post Box No. 3783, Race Course Road, Coimbatore-641018.
6. Shri C. Sankaranarayanan, Secretary, Planters' Association of Tamil Nadu, Post Box, No. 35, 'Canewie', Coonoor, -643101.

Representatives of the Employers appointed by the Central Government in consultation with the organisations of Employers in the State

7. Shri P.L. Subbiah, General Secretary, Indian National Trade Union Congress, 62, Trichy Road, Ramanathapuram, Coimbatore, -641018.
8. Shri V.G. Rajaram, Hind Mazdoor Sabha, 145, Trichy Road, Singanallur, Coimbatore-641005.
9. Shri A.K. Padmanadhan, Assistant General Secretary, Centre of Indian Trade Unions Office, V.L. Kitchen Block, M.L.A.'s Hostel, Government Estate, Madras-600002.

Representatives of the Employees appointed by the Central Government in consultation with the Organisations of Employees in the State.

[No. V-20012/3/83—PF. II]

A. K. BHATT RAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1985

का. अ. 4915.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार भारत कोकिंग कोल लि. की मूनीडीह कोल वाशरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-9-1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 1st October, 1985

S.O. 4915.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Moonidih Coal Washery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th September, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 41 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act., 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Moonidih Coal Washery of M/s. B.C.C.L. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri B. Lal, Advocate & Shri D. K. Verma, Advocate.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dated, the 17th September, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(362)/84-D. III(A), dated, the 4th April, 1985.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Moonidih Coal Washery of M/s. B.C.C.L. in stopping certain annual increment of Shri Sahadeo Pandey, Flitter Operator on a charge sheet dt. 22-9-1983 for his alleged misconduct is justified? If not to what relief the workman concerned is entitled?”

The case of the workmen is that Shri Sahadeo Pandey is a permanent employee of Moonidih Colliery Washery of M/s. B.C.C. Ltd., He was chargesheeted along with some other workers on receipt of a report of misconduct involving certain acts of subversive discipline. He replied to the chargesheet denying the allegation. The management not being satisfied with the reply ordered for a domestic enquiry against him. A domestic enquiry was conducted against the concerned workman and thereafter he was punished by stopping his annual increment although he was not found guilty by the Enquiry Officer. The disciplinary authority who had passed the order of punishment against the concerned workman did not give any reason as to why he was differing from the findings of the enquiry officer. The said order of punishment therefore is bad in law and on facts. The concerned workman protested against the said order of punishment stopping his annual increment but to no effect. The stoppage of annual increment of the concerned workman is not maintainable as it is illegal and unjustified. When the management did not concede the demand of the concerned workman an industrial dispute was raised on behalf of the Colliery Karamchhari Sangh before the ALC(C), Dhanbad. The conciliation failed and the ALC(C) submitted a failure report before the Central Govt. and thereafter the present reference was made. It is prayed that the management be directed to restore the annual increment and other dues arising out of it with retrospective effect.

The case of the management is that on receipt of the report of misconduct the concerned workmen was chargesheeted & the concerned workman submitted explanation to the chargesheet but the same was found to be unsatisfactory and thereafter Shri B. K. Choubey, Personnel Officer Moonidih Project was ordered to hold the domestic enquiry and to submit the findings. The concerned workman and the other workers against whom the charge was framed fully participated in the enquiry. The witnesses of the management was examined in presence of the concerned workman and the other workers. They were given full opportunity to cross-examine the management's witness. The concerned workman was given opportunity to make his own statement and to produce his witness in defence. On the basis of the materials before the Enquiry Officer a report was submitted containing the findings of the Enquiry Officer to

the Project Officer/Agent Moomidih Colliery Washery. The said report was considered along with the proceeding of the enquiry by the Project Officer/Agent to come to the conclusion that the concerned workman was guilty of instigating the workers strike. The Personnel Manager, Moomidih Project recommended the stoppage of one increment of the concerned workman and thereafter the matter was considered by the Personnel Manager Moomidih Project and the General Manager, Sudamdih Area. The General Manager, Sudamdih Area approved the recommendation of the Project Officer/Agent Moomidih Colliery Washery Project. Thereafter an order was issued on 15/16-6-84 by the Project Officer/Agent stopping one increment of the concerned workman. The domestic enquiry was held in accordance with the principles of natural justice and all reasonable opportunities had been given to the concerned workman. Considering the gravity of the misconduct proved against the concerned workman, the action taken by the management in imposing the punishment of stoppage of one increment was fully justified.

At the very outset it was submitted by Shri B. Lal, Advocate appearing on behalf of the concerned workman that he did not challenge the fairness and propriety of the domestic enquiry and as such the case was heard on merit.

The only point to be determined in this case is whether the stoppage of one annual increment of the concerned workman for the misconduct is justified.

None of the parties adduced any oral evidence and they based their case on the basis of the papers before the enquiry officer and the report of the Enquiry Officer.

Ext M-1 is the chargesheet making three allegations against the concerned workman namely (1) that he instigated the workers of the first shift to strike work on 20-9-83. As a result about 90 workers struck work and this violated the provisions of Section 28(1) of the I.D. Act which became illegal as per Section 24(1)(i) of the I.D. Act punishable under Section 27 of the I.D. Act constituting misconduct under Standing Order 17(i)(q), (2) physically obstructed the workers at the entrance of the gate attracting S.O. 17(1)(e) and (1) of the Model Standing Orders and (3) unauthorisedly entered the washery premises at the commencement of the first shift and this acted contrary to the provisions of the Mines Act and Mines Rules and Coal Mines Regulations constituting misconduct under Standing Order 17(1)(q) of the Standing orders. The Enquiry Officer in his enquiry report Ext. M-7 has discussed the evidence of the witnesses in details. His conclusion at page-17 of the report is as follows —

"Shri Sahadeo Pandey was not on duty placed that day in the first shift and he had continuously worked for 16 hours in the previous shift, as such it is doubtful whether he was present in the washery premises in the first shift of 20-9-83 also but MW-1 and MW-2 have confirmed that he was seen in the Washery premises in the first shift and had also certain talks with MW-2, but he has not been confirmed to have been indulged into any indecent or riotous behaviour by the management's witnesses. As such, simply on account of his presence in the premises which is the duty place of the workmen, he cannot be blamed to have committed an act of misconduct. Therefore he has also not proved guilty of any of the charges levelled against him."

The above conclusion of the Enquiry Officer will show that the charges levelled against the concerned workman have not been proved and that he was not guilty for any of the charges levelled against him.

Ext. M-9 dated 15/16-6-84 is the order passed by the Project Officer Moomidih Coal Washery Project stopping one yearly annual increment of the concerned workman for the charges under Standing Orders 17(i)(q). On reading of Ext. M-9 it will appear that no reason has been given by the Project Officer as to why he has differed from the findings of the Enquiry Officer. It is stated that as per report and finding of the Enquiry Officer the charges have been proved beyond doubt and as such he passed the order of stopping of yearly annual increment. As I have already quoted above it will appear that the Enquiry Officer has given his finding that the charges levelled against the concerned workman were not established and that he was found

not guilty. How then the Project Officer can say that as per report and findings of the Enquiry Officer the charges have been proved beyond doubt? If the Project Officer was differing from the findings of the Enquiry Officer he ought to have given his reasons for differing with the findings of the Enquiry Officer. He has simply passed the order of punishment on the basis of the findings of the Enquiry Officer which is in favour of the concerned workman holding him not guilty of the charges. It has been held in L.J.-1963 Vol. I page 295 (State of Assam-vrs-Bimal Kumar Pandit) and in some other decisions that if the punishing authority differs from the findings of the Enquiry Officer he must give the reasons. The punishing authority here in this case although differing from the findings of the Enquiry Officer has given no reason as to why he has differed from the findings of the Enquiry Officer and as such the said order of punishment is bad in law and cannot be sustained.

It has been submitted on behalf of the management that the Project Officer Moomidih Project vide Ext. M-8 recommended the stoppage of one increment and that the Personnel Manager of Moomidih Project by his note dated 3-5-84 who had gone into the noting of the Project Officer Moomidih Washery agreed with his views and recommended that the action may be taken as recommended by the Project Officer and the said note were not considered in the order of punishment in Ext. M-9. On perusal of Ext. M-9 it will appear that the notes in Ext. M-8 was not mentioned in the order Ext. M-9 and that the same was not considered. There ought to have been a speaking order by the punishing authority giving reasons as to why he was differing from the findings of the Enquiry Officer and the management cannot take the help of the notes in aid to supplement reasons in Ext. M-9. I am of the confirmed view that the punishing authority did not consider the noting and did not give any reason for differing with the findings of the Enquiry Officer and as such the order of punishment is wholly untenable.

In the result, I hold that the action of the management of Moomidih Colliery Washery of M/s. B.C.C. Ltd., in stopping one annual increment of the concerned workman Shri Sahadeo Pandey, Fitter Operator on a chargesheet dated 22-9-83 for his alleged misconduct is not justified and the order of punishment stopping of one annual increment is set aside. The concerned workman will be entitled to the annual increment which have been stopped as a way of punishment and the same annual increment is restored respectively.

This is my Award.

Dt. 17-9-85.

J. N. SINHA, Presiding Officer

[No. I.-20012(362)/84-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1985

का. अ. 4916:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारत कोकिंग कोल लि. की खरखरी कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2 धनबाद के पेशाब को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-9-1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 8th October, 1985

S.O. 4916.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kharkhari Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th September, 1985.

(ANNEXURE)

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 37 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d)
of the I. D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kharkharee
Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited
and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri J. P. Singh, Advocate.
On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 20th September, 1985

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(148)/84-D.III(A), dated, the 21st July, 1984.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kharkharee Colliery of M/s. BCCL in not promoting S/Shri S. P. Ghosal, Suresh Singh, Mosahib Mian and Sarfuddin from Grade-C to Grade-B as per cadre scheme formulated in the year 1978 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

The concerned four workmen are very old employees of Kharkharee Colliery. They were promoted from Grade-D to Grade-C by an order dated 9/10-8-78 while Shri S. P. Ghosal held the post of Electrician and the rest of the concerned workmen were mechanical fitters. After their promotion in Grade-C in the year 1978 they were not promoted to Grade-B. The normal time for promotion was three years according to the principles and policies contained in the cadre scheme formulated by M/s. B.C.C.L. dated 20-2-78. The Sr. Executive Engineer and the Superintendent of Kharkharee Colliery in their note sheet dated 24-9-82 recommended for promotion of the concerned workman Mosahib Mian Sarfuddin and Suresh Singh in Grade-B as they were working efficiently in Grade-C for a long time. The said recommending authorities had considered their case and found that their stand for promotion to Grade-B was justified. The concerned workmen and their union approached the management for their due promotion to Grade-B but the management went on putting off the matter for long time. Thereafter the union of the concerned workmen raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad, and after a failure report sent to the Government of India the present reference was made. The management took up a plea in the conciliation that although the promotion policy stipulates eligibility for promotion on completion of 3 years in Grade-C the same is subject to vacancy available. The case of the management is that there was no vacancy and therefore the case for promotion of the concerned workmen have not been taken up. According to the workmen it is submitted that the management has deliberately kept them in Grade-C for over 6 years in spite of the recommendation made by the colliery management with ulterior motive. The management in order to deprive the promotion of the concerned workmen to Grade-B did not form any departmental promotion committee. The management is acting with a mala fide motive and unfair labour practice in order to deprive them from their due promotion. It is prayed on behalf of the concerned workmen that they should be promoted under the cadre scheme in the year 1981 with effect from 10-8-81 and they

should be deemed to be promoted to Grade-B and that they should also be paid the difference of wages between Grade-B and C.

The case of the management is that the concerned workmen have based their claim of promotion from Grade-C to Grade-B without any basis. The cadre scheme for electrical and mechanical non-executive was circulated on 20-2-78 setting out the norms for promotion from one Category to the next higher category and from one grade to the next higher grade. The promotion from Grade-C are affected to fill up the vacancies in higher grade-B and unless vacancies exist in Grade-B a workman in Grade-C cannot be promoted. According to the management there is no vacancy in the higher grade-B in the colliery to promote the concerned workmen from Grade-C to Grade-B. On the basis of the recommendation of the D.P.C. promotion from lower to the higher grade is made in which the merits of all the individual eligible candidates are considered. The D.P.C. prepares the list of candidates selected on the basis of seniority cum-merit subject to the qualification, experience and passing specified trade test of a particular category. The seniority for promotion of a workman from Grade-C to Grade-B has to be considered on the basis of the entire organisation due to want of vacancies the D.P.C. was not constituted to recommend promotion from Grade-C personnel to Grade-B and as such the cases of the concerned workmen have not been considered for promotion. It appears that the union have demanded promotion on a wrong notice that after completion of three years experience in Grade-C the concerned workmen were automatically entitled to be promoted. The promotions cannot be made on the basis of note sheets and it has to be made by the D.P.C. alone. It is submitted on behalf of the management that the concerned workmen are not entitled to be promoted and are not entitled to any relief.

The simple question to be determined in this case is whether the concerned workmen are entitled to be promoted from Grade-C to Grade-B as per cadre scheme formulated by the management in the year 1978.

The workmen have examined two witnesses to prove their case and the management have also examined one witness in support of their case. Besides that the management have produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-7 and the documents produced on behalf of the workmen have been marked as Ext. W-1 to W-3.

It will appear from the case of the workmen in the W.S. that promotion from Grade-C to Grade-B is being claimed on the basis of the promotion policy of the management dated 20-2-78 and also on the facts that the Sr. Executive Engineer and the Superintendent of Kharkharee Colliery under the note sheet dated 24-9-82 recommended for promotion of the concerned workman Mosahib Mian, Sarfuddin Mian and Suresh Singh. According to the management the promotion policy dated 20-2-78 does not provide for automatic promotion after completion of three years of service in Grade-C. As such it will appear that both the parties are putting their claim on the basis of the promotion policy dated 20-2-78. The management has produced the promotion policy for E&M non-executive cadre in BCCL dt. 20-2-78 which is marked as Ext. M-3. Now let us look to the said document which is admittedly the basis of the case of both the parties. It will appear from Ext. M-3 that an employee having electrical supervisorship certificate has to be considered for promotion to the post of Asstt. Foreman in Technical Grade-C and thereafter he will have promotional opportunities from Technical Grade-C to B and from technical Grade-B to A after completion of 3 years in the below grade subject to the availability of vacancies. It will further appear that according to the above promotion policy the General Manager of the area concerned is the Cadre controlling authority for the post upto Cat. VI of technical Supervisor Grade-C and the Chief Engineer (E&M) is the cadre controlling authority for the post of Technical and Supervisory Grade-B and A and they are to exercise their authority subject to clause VI of the scheme. The promotion has to be made on the basis of the approved staffing pattern of the colliery which will be finalised in the manner laid down in Clause 6 of the cadres scheme. In Clause 7 point 3 the consideration zone for promotion to Grade-B and A is

the company and the Chief Engineer (E&M) is the cadre controlling authority. The procedure for selection by the D.P.C. is laid down in clause 9 of the cadres scheme. The selection has to be made in each colliery/project on the basis of the seniority-cum-merit subject to qualification and experience and also passing of stipulated trade test indicated at different stages for consideration to next higher post. It will thus appear that the scheme of promotion policy has stated the eligibility norms for promotion from Grade-C to B and it does not mean that a person in Grade-C will automatically be promoted in Grade-B after his completion of three years in Grade-C. When a personnel of Grade-C completes three years of experience in Grade-C he is only eligible for being considered for promotion in Grade-B and not that he is to be automatically promoted in Grade-B after a person has experience of three years in Grade-C his case may be considered for promotion by the D.P.C. if there is post vacant in Grade-B. The management's witness MW-1 has stated that there has been no promotion from Grade-C to Grade-B after 1978. He has further stated that there is no norm of promotion automatically from Grade-C to Grade-B, merely on the basis of number of years of experience. He has not stated that there is any vacancy in Grade-B. WW-1 who is one of the workmen also could not say if there was any vacancy in Grade-B. He has stated that no vacancy list of Grade-B was published by the area and the D.P.C. did not take place in respect of the technical staff. WW-2 who is working as Foreman Incharge and is the General Secretary of Coal Mines Engineering Workers Association and had raised the industrial dispute did not state that he had any information of the vacancy position of Grade-B from the Area or the headquarters. It is clear therefore that there is no vacancy in Grade-B. It will appear from the evidence of WW-1 that he claims promotion on the basis of the promotion policy as he has completed three years of service in Grade-C. Considering the promotion policy of the management which has been discussed above it will appear that a workman in Grade-C cannot claim automatic promotion in Grade-B merely by completing three years of service in Grade-C. For the promotion from Grade-C to Grade-B there must be vacancy in Grade-B and thereafter all the persons of the Company eligible for promotion in Grade-C are to be considered by the D.P.C. on seniority-cum-merit basis and then alone workmen in Grade-C has to be promoted in Grade-B. Any notion carried by the concerned workman to the contrary is not at all supported by the promotion policy on the basis of which the concerned workmen have put their claim.

The workmen have exhibited Ext. W-1 dated 20-12-82 which is a note sheet by the Senior Executive Engineer and the Superintendent of Kharkharee Colliery. They have recommended that the three concerned workmen working as Fitters are efficiently working in Grade-C in this colliery and that their stand for promotion seems to be justified as they are working in present grade since 7-6-78 and the General Manager was requested to consider the case of those concerned workmen for promotion in Grade-B. Admittedly, the concerned workmen are efficiently working in Grade-C but that in itself is no ground for promotion in Grade-B. The D.P.C. has to consider experience efficiency seniority-cum-merit of all the workmen working in Grade-C for promotion to Grade-B on the list of the company and a person working efficiently in one colliery alone cannot be considered for promotion in the higher grade. In my opinion the stand of the management on this score as well stands on a sound basis and the concerned workmen cannot be promoted on the basis of the note sheet Ext. W-1.

It will appear from Ext. W-2 and W-3 that the workmen during the conciliation stage were claiming Grade-B on the basis that they were already working in the higher capacity continuously against permanent vacancies in Grade-B but the said stand is not emphasised in the case of the concerned workmen in the W.S. filed in the present reference. Moreover the said stand is negated by their own document Ext. W-1. It will appear from the note sheet of the Senior Executive Engineer and the Superintendent of Kharkharee Colliery that the concerned workmen were working efficiently as Fitter in Grade-C in the colliery and were making claim for promotion in Grade-B. It is not stated in Ext. W-1 that the concerned workmen were working in the higher grade-B and as such they should be regularised in Grade-B.

Considering the entire matter I hold that the action of the management of Kharkharee Colliery of M/s. B.C.C.I. in not promoting the concerned workmen from the Grade-C to Grade-B as per cadre scheme formulated in the year 1978 is justified and that the concerned workmen are not entitled to any relief.

This is my Award.

Dated 20-9-85.

I. N. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012(148)/84-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1985

का. अ. 4917:- नूता पत्थर और डोलोमाइट खान थर्म कल्याण निधि नियम, 1973 के नियम 3 के उपनियम (2) के तहत पठित नूता पत्थर और डोलोमाइट खान थर्म कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की धारा 6 द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के थर्म मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. अ. 791 (अ), तारीख 7 नवम्बर, 1981 का अधिनियम करते हुए, केन्द्रीय सरकार कर्नाटक राज्य की मलाहकार समिति को पुनर्गठित करती है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात:-

1. थर्म मंत्री, जध्यक्ष
[कर्नाटक सरकार]
2. कल्याण आयुक्त, उपाध्यक्ष पदेन
थर्म कल्याण संगठन,
संख्या 75, मिलर्स रोड,
बंगलौर
3. प्रादेशिक थर्म आयुक्त (केन्द्रीय) केन्द्रीय सरकार का
बंगलौर क्षेत्र, प्रतिनिधित्व करने वाले,
[बंगलौर।] पदेन
4. श्री भिवानेनी कानवैया सदस्य
विधान सभा सदस्य,
[होमपेट, कर्नाटक।]
5. श्री आर. आर. सिंह, प्रबंधक, (कामिक), दी एसोसिएटेड कंपनी लिमिटेड, बाडी सीमेंट वर्क्स, चक्रधर-बाडी-585225।
6. श्री आर. ए. एस. नारायण, एजेंट और उप महाप्रबंधक, को. आई. एस. एल. भद्रावती, [जिला शिमोगा।]
7. श्री बिस्मो गोखडा, सदस्य, कार्यकारी समिति, इंटक, 3/86, इम्पूबड "ए" पेपर टाउन पोस्ट भद्रावती।
8. श्री एन. गिबसा, जनरल सेक्रेटरी, सीसूर सीमेंट इम्प्लाहज एसोसिएशन, अम्मासाव्वा टुम्कुल।
9. श्रीमती दुर्गा देवी, महिला प्रतिनिधि
[बिल्लरी, कर्नाटक,]
10. कल्याण प्रशासक, सचिव,
[लाहमस्टोन और डोलोमाइट खान थर्मिक कल्याण निधि बंगलौर।]

2. उक्त नियमों के नियम 18 के अनुसार, केन्द्रीय सरकार उक्त मलाहकार समिति का मुख्यालय बंगलौर निर्धारित करती है।

[सं. य. - 19012/15/84-कल्याण-2/डक्यू. ए. (सी.)]

रवि दत्त मिश्र, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd October, 1985.

New Delhi, the 4th October, 1985

S.O. 4917:— In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972), read with Sub-rule (2) of rule 3 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, and in supersession of Notification No. S.O. 791 (E) of 7th November, 1981 of the Govt. of India in the Ministry of Labour, the Central Government hereby reconstitutes an Advisory Committee for the State of Karnataka consisting of the following members, namely:—

- | | |
|--|---|
| 1. Minister for Labour,
Government of Karnataka. | Chairman |
| 2. The Welfare Commissioner,
Labour Welfare Organisation,
No. 75, Millers Road,
Bangalore. | Vice-Chairman
(ex-officio) |
| 3. The Regional Labour Commissioner
(Central),
Bangalore Region,
Bangalore. | Representing Central Government
(ex-officio) |
| 4. Shri Bhiwaneni Kondaiah,
Member Legislative Assembly,
Hospet,
Karnataka. | Member |
| 5. Shri R.R. Singh,
Manager (Personnel),
The Associated Cement Company
Limited,
Wadi Cement Works,
Post Office Wadi-585225. | Employers' Representatives |
| 6. Shri R.A.S. Narayana Das,
Agent and Deputy General,
Manager,
VISL Bhadravathi,
District Shinoga | |
| 7. Shri Thimme Gowda,
Executive Committee Member
INTUC,
3/86, Improved 'H' Paper Town
Post,
Bhadravathi. | |
| 8. Shri N. Shivanna,
General Secretary,
Mysore Cements Employees
Association,
Ammasandra,
Tumkur. | Employees' Representatives. |
| 9. Smt. Durga Devi,
Bellary,
Karnataka. | Women Representative |
| 10. Welfare Administrator,
Limestone & Dolomite Mines
Labour Welfare Fund,
Bangalore. | Secretary |

2. Under rule 18 of the said Rules, the Central Government hereby fixes Bangalore to be the headquarters of the said Advisory Committee.

[No. U—19012/15/84-W-II/W. A. (C)]
R.D. MISHRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1985

का. अ. 4918 -- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार ज्वलपुर मैनेजर टेलीकम्युनिकेशन एम्प्लॉयर्स लैबर वेलफेयर फंड के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25 सितम्बर, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 4918:— In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of General Manager, Telecommunication, MP Circle, Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th September, 1985.

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, 1417, WRIGHT TOWN,

JABALPUR

Case No. CGIT/LC(R)(3)/1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of General Manager, Telecommunication, M.P. Circle, Bhopal and their workman Shri Prabhakar Vat C/o Q1. No. 26/26, South T.T. Nagar, Bhopal (M.P.)

APPEARANCES :

For workman—Shri B. L. Tiwari and Shri Prabhakar Vat.

For management—Shri D. R. Bodhmaghe.

INDUSTRY : Telecommunication — DISTRICT :
Bhopal (M.P.)

AWARD

Dated : September 13, 1985

The Central Government in the Ministry of Labour vide Notification No. L-40012(15)/83-D.II(B) dated 26-12-1984 referred the following dispute for adjudication and directed the workman concerned to file the statement of claim complete with the relevant documents, list of reliance and witness, with the Tribunal within 15 days of the receipt of the order of reference and also to forward a copy of such statement to the opposite party under Clause 10B of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 :—

“Whether the action of the management of G.M. (T) M. P. Circle Bhopal in terminating the employment of Prabhakar Vat w.e.f. 31-5-1983 is legally justified ? If not to what relief is the workman entitled ?”

2. Parties took about eight months time to file their written statements. On 5-8-1985 when they filed their statements and documents the following issues were framed and the case was fixed for evidence on 3-9-1985 :—

ISSUES

- Whether the provisions of the Industrial Disputes Act are not applicable in this particular wing of the department as per provisions indicated in the enclosed letter from D.G.P&T No. 249/23/75-STB-I dated 22-3-1980?
- (a) Whether the workman has completed 1200 days as daily wages worker ?
(b) Whether the workman is entitled to be a regular worker?
- Any other relief that the workman may be entitled to?

3. On 3-9-1985 Shri B. L. Tiwari, representative of the workman, appeared and prayed for adjournment because he was ill. Therefore the case was adjourned to 6-9-1985. The workman concerned appeared personally on 6-9-1985, filed an application and also stated on oath that since he has been selected for regular post he does not wish to press the claims under reference. In view of this statement of the workman the management's representative did not press the issues raised in the management's written statement.

4. Since the workman does not press his claims under the present reference as he has been selected for regular post stated by him on oath, I record my award accordingly. The workman is not entitled to any relief.

V. S. YADAV, Presiding Officer.

13-9-1985.

[No. L-40012(15)/83-D.II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1985

का. अ. 4919--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, न्यू मैंगलोर पोर्ट ट्रस्ट न्याय के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण बंगलूर के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20 सितम्बर, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 4th October, 1985

S.O. 4919.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bangalore, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the New Mangalore Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th September, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAKA BANGALORE

Dated, this the 10th day of September, 1985

Central Reference No 10 of 1984

I PARTY

The Secretary, New Mangalore Port Staff Association, NMPT Administrative Office Building, Panambur, Mangalore-10.

II PARTY

The Chairman, New Mangalore Port Trust, Panambur, —vs— Mangalore

APPEARANCES :

For the I Party—Sri K. M. Paul, President of I Party Association.

For the II Party—Sri K. S. Bhat, Advocate, Mangalore

REFERENCE :

(Government Order No. L-45012/3/83-D, IV(A) dated 15-3-1984).

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, shortly called Act, has referred the above noted dispute for adjudication as per the Schedule below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of NMPT, Panambur in depriving the monetary benefits of 5 increments to Shri Vedaratnam and Osmund V. J. Fernandes LDCs, who were appointed against the Special Quota while refixing their scales of pay in the new scale as per the terms of settlement dated 4-1-1981 is proper and justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

2. Consequent to receipt of this reference, notices were issued to both the parties. The General Secretary representing the workmen Osmund V. J. Fernandes and S. Vadaratnam, hereinafter referred as workmen, has filed the claim statement as follows :—

3. The Chairman called for applications for the post of Lower Division Clerks in the pay scale of Rs. 260—400 exclusively from outstanding sportsmen. In response to that the above two workmen have applied and got selected. The appointment orders issued on 18-8-1980 offering them on starting pay of Rs. 290 including 5 advance increments in the scale of Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8,390.10,400. Both the workmen joined the service on 29-8-1980 and 27-8-1980 respectively.

4. It is further averred that the New Mangalore Port, hereinafter referred as Port, was under the direct control of Government of India, Ministry of Shipping & Transport upto 31-3-1980 and employees of the Port were drawing pay and allowances at the rates applicable to Central Government employees. The Government of India extended the provision of the Major Port Trust Act, 1963 with effect from 1-4-1980. The employees of Major Port Trust are entitled to draw pay and allowances at the rates agreed to between the Government of India and Federations of Port & Dock Workers from time to time. The period of settlement dated 14-7-1977 on wages for Port Trust employees expired on 31-12-1979 and hence the employees were entitled to get revised pay and allowances with effect from 1-1-1980. The settlement on wage revision for Major Port Trust employees was signed on 4-1-1981 and it came into force with effect from 1-4-1980. While implementing the said settlement the Chairman of the Port fixed the pay of these workmen at Rs. 425 per month as on the date of their appointment viz., the minimum of the revised pay scale of Rs. 425-12-437-EB-14-549-EB-16-741. By fixing the pay at the minimum of LDCs revised scale the benefit of 5 advance increments granted to them at the time of their appointment was withdrawn thereby reduced their basic pay to the extent of 5 annual increments.

5. Aggrieved by the above pay fixation, a representation was submitted on 29-2-1981, 11-3-1981 and 8-5-1981 which was rejected by the Trust Management. Having failed to get favourable reply the Association raised the issue as an industrial dispute and the conciliation proceedings held on 16-7-1983 ended in failure.

6. It is further averred that the 5 advance increments was granted by the Chairman after the formation of Port Trust Board under the provisions of Major Port Trust Act, 1963. The employees of the New Mangalore Port Trust were entitled to get the revised pay and allowances with effect from 1-4-80. Hence the above workmen appointed after 1-4-1980 were also entitled to get their pay and 5 additional increments in the revised scale. The advance increment was sanctioned under the powers vested with the Chairman at the time of their appointment and that power continued even after 4-1-1981. Under the same power, the Chairman has allowed advance increment to Computer Analysts on their appointment in the Port and they still continued to draw the benefit. The additional monetary benefit was granted to the workmen as an incentive for their outstanding talents in sports.

7. It is further averred the exclusion of monetary benefit of 5 additional increment prevailing prior to the signing of the settlement dated 4-1-81 is nothing but withdrawal or curtailment of an existing benefit merely as a consequence of the implementation of the settlement. Such withdrawal by a party to the settlement or their representative is a breach of agreement reached on good faith.

8. It is further averred the other LDCs who have joined after 1-4-1980 and before 4-1-1981 were getting a basic pay of Rs. 260 per month in the Central scale of Rs. 260-400 whereas the above named workmen were drawing basic pay of Rs. 260 plus 5 advance increments i.e. Rs. 290. Therefore the fixation of pay to the above workmen at the minimum of Port Trust scale while implementing the 4-1-1981 settlement on par with other LDCs who were drawing Rs. 260/- is incorrect. This is, in fact, pushed these two LDCs back to the position of the ordinary LDCs without any special distinction. They prayed for the restoration of the monetary benefit of 5 increments in the revised pay scale of LDCs and other consequential benefits with effect from the date of their appointment in the Port i.e. 29-8-1980 and 27-8-1980 respectively.

9. The II Party have filed their objections containing that the New Mangalore Port was declared as a Major Port with effect from 4-5-1974 and was administered by the Central Government. The fundamental and supplementary rules which are applicable to the Central Government were applicable to the employees of New Mangalore Port. With effect from 1-4-1980 a Port Trust was set up. Even there after the provisions contained in Fundamental and Supplementary Rules were made applicable to the employees of New Mangalore Port Trust in the same manner as they were made applicable to the employees of other sister Major Port Trusts.

10. It is further contended that in September 1980, soon after the formation of the Port Trust Board, an advertisement was issued for recruitment of sportsmen and among the applicants above named workmen were selected against the sportsmen quota. They were appointed in the pay scale of Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-390-10-400 and while appointing they were given a higher start in the basic pay to the extent of 5 increments voluntarily by the II Party by virtue of the power conferred under FR-27 and thus the basic salary fixed at Rs. 290/- which includes 5 advance increments. He further contended that the said 5 increments were given in the existing pay scale which are not in the nature of any special allowance attached to the Post. In the normal course, recruitment for LDC was done through the Employment Exchange with Recruitment Regulations. If the above two workmen had come through in the normal course they would not have been selected due to keen competition. Their selection being on sportsmen quota the 5 advance increments were given voluntarily not with any intention that they will continue to get higher salary even after the revision of pay scales as compared to LDCs.

11. It is further contended that at the time of selection the revision of pay scale was under examination and as per the settlement dated 4-1-1981 the pay of the employees appointed to any grade on or after 1-4-1980 will be fixed at the minimum of the scale as per clauses 7.2 and 8.3 of the settlement. Accordingly the pay scale was fixed at Rs. 425-12-437-EB-14-533-EB-16-741. The pay of the above workmen was fixed at the minimum of Rs. 425/- in consonance with the terms of the settlement. The contention that they should be given 5 increments in the revised scale applicable on 1-4-1980 on the ground that prior to 1-4-1980 the difference of pay of these two LDCs and their juniors were given 5 increments and that the same difference should be maintained is not tenable. It is further contended that their demand was turned down by the Central Government and decided at the time of the implementation of Wage Revision Committees Report in other Major Ports that in all cases of fresh appointments at higher initial pay under FR-27 on or after 1-1-1974 the pay would be fixed at the minimum of the revised scale. The same principle was applied even in the case of pay revision with effect from 1-4-1980 in the II Party. Such a contingency was considered before a settlement was reached and it was decided that the pay in respect of those who were appointed from 1-1-1971 would be fixed at the minimum of the revised scale. Similarly, all new appointees in New Mangalore Port Trust would be getting the minimum of pay after 1-4-1980.

12. It is further contended that as per clause 8.3 of the settlement dated 4-1-1981 the pay of an employee appointed to any grade on or after 1-4-1980 will be fixed at the minimum of the scale. As per clause 28, during the currency of the said settlement, no demand relating to any matters covered by recommendations of the Wage Revision Committee as implemented by the settlement dated 14-7-1977 between the Government and Federations and orders subsequently issued in pursuance of agreed conclusions of discussions between the Government and Federations or wages, allowances and benefits covered by this settlement, will be high by any Federation or its affiliates or any employee covered by the said settlement. Therefore the present demand is barred by virtue of clause 28 of the settlement dated 4-1-1981.

13. It is further contended that clause 26 of the settlement has no application to the facts of this case. The 5 advance increments given to the said employees is not a facility, privilege, amenity, benefit monetary or otherwise, or concession given to the employees as contemplated in that clause.

14. It is further contended that the case of Dr. A. N. Bhat, System Analyst is altogether different in as much as he is a Class II Officer. He is covered by O.S.D. Report and his pay was revised with effect from 1-8-1982 as per the Government communication dated 1-2-1984 and the restrictions stipulated in the settlement dated 4-1-1981 to the effect that the pay of the new entrants in the New Mangalore Port after 1-4-1980 should be fixed at the minimum will not apply in the case of Dr. Bhat. Nevertheless, although the pay of Dr. Bhat was revised with effect from 1-8-1982, because of his entry into the port in February 1983 he is denied the fitment benefit as envisaged in the Ministry of Shipping & Transport's letter dated 1-2-1984. His gross emoluments in the revised scale works out to Rs. 1,646/- while his gross emoluments in the pre-revised O. S. D. works out to Rs. 1,670.70. The difference has been recovered. It is not correct to say that the Chairman has allowed advance increments to Computer Analysts on their appointment in the Port and they still continue to draw the benefit. Therefore they prayed for rejection of the reference.

15. The II Party in justification of the points at dispute have not led any oral evidence, rightly done so, and the learned counsel has submitted that this dispute can be resolved within a narrow campus relying on the documents which are not in dispute by both the parties. However, the I Party Association have examined the two workmen on whose instance this dispute was referred for adjudication. It is not found necessary to advert to various aspects of the evidence given by them as it is not in dispute that these two workmen have been appointed on 27-8-80 and 29-8-80 as LDCs by the Chairman of the II Party considering as talented sportsmen at a starting salary of Rs. 290/- basic in the wage scale of Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400 by giving them 5 increments.

16. As admitted by both the parties the Government of India extended the provisions of the Major Port Trust Act, 1963 with effect from 1-4-1980 and a settlement on wage revision for Major Port Trust employees throughout India was signed on 4-1-1981 which was implemented with retrospective effect from 1-1-1980 to all other ports and from 1-1-1980 to the II Party Port. According to this settlement the earlier wage scale of Rs. 260-400 was revised to Rs. 425-12-437-EB-14-549-EB-16-741. Under clause 8.3 of the settlement marked as Ext. W-16 it is stipulated that the pay of an employee appointed in that grade or after 1-4-1980 will be fixed at the minimum of the scale. Admittedly, that above two workmen have been appointed after 1-4-1980 in the pay scale of Rs. 260-400 and hence their revised pay was fixed at the minimum of the new scale i.e. Rs. 425-741. Now the question that arises for determination is that under that clause of the settlement the 5 advance increments given to the above workmen can be deprived when the revised scale was introduced.

17. The learned counsel for the I Party has submitted that the above workmen were appointed when the Major Port Trust Act was extended and 5 advance increments were given to them under the Fundamental Rule 27 which is as good as serving 5 years to get that increments and such a privilege extended to them cannot be taken away by the subsequent settlement which is against the principles of clause 26 of the said settlement. The learned counsel further submitted that the Chairman is the competent authority to appoint and fix the salary of special category under special circumstances under FR-27 and it is the sole discretion of the Chairman to extend this benefit even after settlement and Government is not the proper authority to give the acceptance and the Chairman has failed to exercise his discretion under FR-27. The learned counsel further submitted that stoppage of 5 advance increments amounts to reduction of pay which can only be done as a punishment and if that is so the management should follow the Fundamental Rules by inflicting the penalty after conducting an enquiry. The learned counsel has further submitted that great injustice has been caused to these workmen as according to the stand taken by the management that an employee who has been appointed for the post of LDC in the wage scale of Rs. 260-400 will be given the benefit of revised pay scale of Rs. 425-741 and also to an employee whose wage scale was Rs. 290/- to accept the minimum of Rs. 425/- and such an anomaly is against the natural justice.

18. Against this submission, the learned counsel for the II Party Sri K. S. Bhat has submitted that the 5 advance increments have been granted as a token of recognition for the special talent possessed by these 2 workmen in the field of sports and the same cannot be taken as the privilege which can be extended for all the times to come. He has further submitted that these 5 advance increments were given under the power vested to the Chairman under PF-24 and since there is a wage revision by the agreement of the parties the workmen cannot claim the benefit of 5 advance increments in the new revised scale.

19. Under the Fundamental Rule, which with all force applicable to II Party from 1-4-80, an authority may grant a premature increment on a time scale of pay if it has power to create a post in the same cadre on the same scale of pay. Under clause (2) in the case of increments granted in advance it is usually the intention that the officer should be entitled to increments in the same manner as if he had reached his position in the scale in the ordinary course and in the absence of special orders to the contrary he should be placed on exactly the same footing, as regards future increments has an officer, who has so risen.

20. Under sub-clause (3)(i) Authorities who are competent to create a post (permanent or temporary) may grant a premature increment not only to the incumbent of the post created under their own powers but also to those appointed to other posts in the same cadre on the same scale of pay, created with the concurrence of the higher administrative authorities or the Ministry of Finance. There is no quarrel about applicability of this procedure by the II Party. It is to be noted that when these two workmen were appointed by the Chairman by extending 5 advance increments, the Major Port Trust Act, 1963 was extended to the II Party and the II Party was aware that at the time of this appointment the talks were going on for the wage revision between the Government of India and the workmen of Major Port Trust represented by various ports and Dock Workers Federations.

21. Though under clause 8.3 of the settlement dated 4-1-1981 that the pay of an employee appointed to any grade on or after 1-4-80 will be fixed at the minimum of the scale, this clause is not applicable to the above two workmen for the following reasons :

This clause obviously made to the regular category of employee who have been appointed on or after 1-4-80 because on the date of the settlement dated 4-1-81 there will not be any cases of having reached an increment as from 1-4-80 to 4-1-81 there will not be completion of one year, hence the minimum of the scale was fixed to the employees appointed on or after 1-4-80. The II Party cannot take shelter under this clause in case of these workmen as they were drawing 5 advance increments which is to be from the minimum of scale fixed to that category.

22. The learned counsel for the I Party next submitted that in view of clause 26 of the settlement the privilege extended to these workmen after appointing them 5 advance increments cannot be withdrawn. Clause 26 of the settlement reads as follows :

"Merely as a consequence of the implementation of this settlement, any facility, privilege, amenity, benefit monetary or otherwise, or concession to which an employee or a category of employees might be entitled to by way of any award, practice, or usage, shall not be withdrawn, reduced or curtailed, except to the extent and manner as provided for in this settlement."

23. On a plain reading of the above, the 5 advance increments granted to the above workmen amounts to a monetary benefit due to their special talent in the sports and the same shall not be withdrawn except to the extent and manner as provided for in the settlement. The learned counsel for the II Party has not convinced this Tribunal to any of the other clauses provided in this settlement except to clause 8.3 which I have discussed already at supra. Clause (1) of FR-27 has recognised the increment granted in advance on exactly on the same footing as if he had reached his position as an officer who has put up five years of service in that category. By reading clause 26 of the settlement dated 4-1-1981 in the

light of FR-27 clause (1), the advance increments earned by the above workmen at the time of their appointment cannot be withdrawn or curtailed. Hence the II Party are not justified in depriving the monetary benefits of 5 advance increments while re-fixing the scale of pay in the new scale as per the terms of the settlement dated 4-1-1981. Though the copy of the settlement is produced, there is no mention of the revised wage scale applicable to a person whose basic salary is Rs. 290/- at the time of the settlement. Hence I make the following award :—

AWARD

The wage scale of Sri Vedaratnam and Osmund V. J. Fernandes, LDCs is fixed at Rs. 485/- including the 5 advance increments in the scale of pay Rs. 425-12-437-EB-14-549-EB-16-741 from the date of their appointment and they are also entitled for consequential benefits flowing from in view of the new fixation of pay scale. In the circumstances, the parties shall bear their own costs.

(Dictated to the Stenographer, transcribed and typed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. I-45012/3/83-D. IV(A)]

K.J. DYVA PRASAD, Desk Office

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1985

का.का. 4919.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का योग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि माहकियों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्थापनाएँ तैयार की हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेजा है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में, तथा अधिसूचना में का आ. 4356, तारीख 5 दिसम्बर, 1967 को उन बातों के निवाय अधिक्रान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने से बाँध किया गया है, उक्त प्रस्थापनाओं को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है ;

2 सूचना की जाती है कि उक्त प्रस्थापनाओं की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजने का हक्क व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, 11वाँ तन, प्रगति टावर, 36, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्थापनाएँ

(1) यह अधिसूचित करना कि माहकियों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण होगा ;

(2) इस आदेश के उपाबंध 1 में उपयुक्त माहकिय निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1985 के प्रावप के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसी माहकियों पर लागू होंगे।

(3) (क) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों तथा निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त अन्य निष्ठाओं के मानकों को ;

(ख) इस आदेश के उपाबंध 2 में उपबणित न्यूनतम विनिर्देशों के अधीन रहते हुए अंश और विक्रेता के बीच करार पाए गए निर्यात संधिदा के विनिर्देशों को, साइकिलों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना।

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में किसी साइकिलों के निर्यात को तब तक प्रशिक्षित करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित या मान्यता प्राप्त किसी भी अधिकरण द्वारा जारी किया गया इस भाव का निरीक्षण प्रमाण पत्र न लगा हो कि साइकिलें क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करती हैं तथा निर्यात योग्य हैं।

3. इस आदेश की कोई भी बात भू माग, जल मार्ग या वायु मार्ग द्वारा 500 रुपये (केवल पांच सौ रुपये) मूल्य तक के साइकिलों के नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी।

4. इस अधिसूचना में, साइकिल से बो पहिया या तिपहिया यान अभिप्रेत है जिसमें पहियों को आगे पीछे करने की सुविधा, सवार के लिए, गद्दी, एक स्टैरिंग हैंडल तथा सवार के पैरों से नौदन के लिए फ्रेंक लगे हों तथा इसमें उसके फालतू पुर्जों संघटक और उपसाध भी सम्मिलित हैं।

उपाबंध 1

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन तथा अधिसूचना सं. का.आ. 4357, तारीख 5 दिसम्बर, 1967 को उन बातों के सिवाए अधिभार करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया जाता है या करने में लोप किया है, बनाए जाने वाले प्रस्थापित नियमों का प्रारूप।

1. संक्षिप्त नाम—इन नियमों का संक्षिप्त नाम साइकिल निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1985 है।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) “अधिनियम” से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ;

(ख) “परिषद” से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद अभिप्रेत है ;

(ग) “अधिकरण” अधिनियम की धारा 7 के अधीन मुख्य, कलकत्ता कोषान बिल्मी और मद्रास में स्थापित निर्यात निरीक्षण अधिकरणों में से कोई एक अधिकरण अभिप्रेत है -

(घ) “अनुसूचा” से इन नियमों से संलग्न अनुसूचा अभिप्रेत है ;

(ङ) “परिशिष्ट” से इन नियमों से संलग्न परिशिष्ट अभिप्रेत है।

(च) “साइकिल” से बो पहिया या तिपहिया यान अभिप्रेत है जिसमें पहियों को आगे पीछे करने की सुविधा, सवार के लिए, गद्दी, एक स्टैरिंग हैंडल तथा सवार के पैरों से नौदन के लिए फ्रेंक लगे हों तथा इसमें उस के फालतू पुर्जों, संघटक और उपसाधन भी सम्मिलित हैं।

3. निरीक्षण का आधार—साइकिलों का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि साइकिलों की क्वालिटी केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है; अर्थात् :-

(क) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों तथा निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त निकायों के मानक ;

(ख) उपाबंध-2 में उपबणित न्यूनतम विनिर्देशों के अधीन रहते हुए अंश और विक्रेता के बीच करार पाए गए निर्यात संधिदा के विनिर्देश।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया -- (1) साइकिलों का निरीक्षण इस दृष्टि से किया जाएगा कि वे केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप हैं। यह या भी,--

(क) यह सुनिश्चित करने किन जाएगा कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान, नियम-4 के उपनियम 2 (क) के अधीन परिशिष्ट 1 में यथा विनिर्दिष्ट प्रक्रियागत क्वलिटी नियंत्रण अस्थापित किए गए हैं।

(ख) नियम 4 के उपनियम 2 (ख) के अनुसार किए गए निरीक्षण के आधार पर किया जाएगा, या

(ग) दोनों प्रकार से किया जाएगा।

(2) निम्नलिखित स्कामो में से कोई एक स्काम या दोनों स्कामों अपनई जाएगा, अर्थात् :-

(क) प्रक्रियागत क्वलिटी नियंत्रण (प्र. क्व. नि.)

(1) कोई भी विनिर्माणकर्ता यूनिट जिसके पास उपाबंध 2 के अनुसार प्रक्रियागत क्वलिटी नियंत्रण का पर्याप्त व्यवस्था है अधिकरण के निकटतम कार्यालय को अवैदन करेगा;

(2) अधिकरण परिषद द्वारा गठित विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा विनिर्माणकर्ता यूनिट में जाने का प्रबंध करेगा और यह निर्धारित करेगा कि क्या प्रमाणा प्रक्रियागत क्वलिटी नियंत्रण पद्धति विद्यमान है।

(ख) परेक्षणानुसार निरीक्षण—कोई ऐसा विनिर्माता या निर्यात कर्ता जो खंड (क) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है, अपने निर्यात परेक्षणों का किसी भी अधिकरण को निरीक्षण के लिए पेश करेगा जो यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि उसके द्वारा विनिर्मित उत्पाद केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप हैं।

(3) साइकिलों के परेक्षण का निर्यात करने का आशयित निर्यातकर्ता अपने ऐसा करने के आशय की सूचना देगा और ऐसी सूचना के साथ, ऐसे निर्यात से संबंधित निर्यात संधिदा में अनुबंधित सभी तकनीकी विशेषताओं के ब्यारे देते हुए विनिर्देशों को घोषणा भी किसी अधिकरण को पेश करेगा जिसने कि ऐसे अधिकरण नियम 4 के उपनियम (2) के खंड (क) या खंड (ख) या दोनों खंडों के अनुसार निरीक्षण करने में समर्थ हो गके।

(4) उपनियम (2) के खंड (क) के अधीन अनुमोदित यूनिट द्वारा विनिर्मित साइकिलों का निर्यात करने के लिए, निर्यात कर्ता ऐसी सूचना के साथ यह भी एक घोषणा करेगा कि निर्यात के लिए आशयित साइकिलों का विनिर्माण उपाबंध 2 में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग करके किया गया है और परेक्षण इस प्रयोजन के लिए अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

(5) उपनियम (3) और (4) के अधीन प्रत्येक सूचना और घोषणा विनिर्माता के परिसर में परेक्षण के भेजे जाने से कम से कम तीन दिन पहले अधिकरण के कार्यालय में पहुंच जायेंगे।

(6) निर्यातकर्ता अधिकरण को निर्यात किए जाने वाले परेक्षण पर लगाए जाने वाले पहचान चिन्ह भी देगा।

(7) अभिकरण, सूचना और घोषणा प्राप्त होने पर,

(क) नियम-4 के उप-नियम (2) के खंड (क) के अधीन अनुमोदित यूनिटों द्वारा विनिर्मित उत्पादों का निर्यात करने की दशा में नियामक अपना यह समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान यूनिट ने उपाबंध-2 के अधीन यथा उपबंधित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग किया गया है और इस संबंध में परिषद द्वारा जारी किए गए अनुदेशों का, यदि कोई हो, अनुसरण किया है, तीन दिन के भीतर यह घोषणा करने हुए प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि साइकिलों का परेषण नियमितयोग्य है। तथापि, अभिकरण कालिका निरीक्षणों और स्पॉट ऑड द्वारा यह सुनिश्चित करेगा कि विनिर्माण परिसरों में पर्याप्त नियंत्रणों का प्रयोग किया गया है और उत्पाद मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है, और

(ख) नियम 4 के उपनियम (2) के खंड (ख) के अंतर्गत आने वाले यूनिटों द्वारा विनिर्मित उत्पादों का निर्यात करने की दशा में निर्यातकर्ता साइकिलों के निरीक्षण यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से करेगा कि उत्पाद इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप हैं।

(ग) अभिकरण निरीक्षण की समाप्ति के तुरंत पश्चात परेषण के पैकेजों को इस रीति से मोतबंद करेगा जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मोतबन्द पैकेजों के साथ छेड़-छाड़ न की जा सके।

(घ) परेषण के अस्वीकृत हो जाने की दशा में, यदि निर्यातकर्ता ऐसा चाहें तो परेषण अभिकरण द्वारा मोतबंद नहीं किया जाएगा।

(ङ) ऐसे मामलों में, तथापि, निर्यातकर्ता अस्वीकृत के विरुद्ध कोई अपील या हक्कार नहीं होगा।

(च) यदि अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि साइकिलों का परेषण इन नियमों के अधीन अपेक्षाओं के अनुरूप है तो सो वह निरीक्षण की समाप्ति के तीन दिन के भीतर निर्यातकर्ता को यह घोषणा करने हुए प्रमाण-पत्र देगा कि परेषण नियमित योग्य है :

परन्तु अर्हा अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है बल्कि वह निर्यातकर्ता को एसी घोषणा का प्रमाणपत्र देने से इंकार कर देगा कि साइकिलों का परेषण नियमित योग्य है और ऐसे इंकार की सूचना निर्यातकर्ता को उसके कारण सहित सात दिन के भीतर देगा।

5. निरीक्षण का स्थान :- इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण (क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसर पर, या (ख) उस परिसर पर किया जाएगा जहां निर्यातकर्ता भाग प्रस्तुत करता है, परन्तु यह तब जब वहां निरीक्षण और परिक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हों।

6. निरीक्षण फीस :- निर्यातकर्ता अभिकरण को निम्नानुसार फीस संवत्त करेगा :-

(1)(क) प्रक्रियागत क्वालिटी नियंत्रण के अधीन निर्यात के लिए परेषण के अधीन रहते हुए, पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.2 प्रतिशत की दर से किन्तु कम से कम 20 रुपए प्रति परेषण ;

(ख) परेषणवार निरीक्षण के अधीन निर्यात के लिए, पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से किन्तु कम से कम 20 रुपए प्रति परेषण।

(2) उन विनिर्माताओं निर्यातकर्ताओं के लिए जो संबंधित राज्य/सम राज्य क्षेत्र सरकारों के पास लघु उद्योग यूनिटों के रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं, (क) और (ख) के लिए दरें क्रमशः 0.18 प्रतिशत और 0.36 प्रतिशत होंगी किन्तु फीस कम से कम 20 रुपए प्रति परेषण होगी।

(3) उन यूनिटों द्वारा विनिर्मित भवों के निर्यात के लिए, उनके पास पर्याप्त प्रक्रियागत क्वालिटी नियंत्रण स्तर है तथा जो वाणिज्यिक निर्यातकर्ताओं द्वारा निर्यात की जाती है, न्यूनतम 20 प्रतिशत रुपए प्रति परेषण के अधीन रहते हुए पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.3 प्रतिशत की दर से किन्तु कम से कम 20 रुपए प्रति परेषण।

अपील

(1) नियम 4 के उप नियम (5) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाणपत्र देने से इंकार करने से व्यपित कोई व्यक्ति ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिन के भीतर इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, अपील कर सकेगा।

(2) निर्यात के विशेषज्ञों के पैनल को कुल सदस्यता के 4 में कम दो-तिहाई अवश्य गैर सरकारी होंगे।

(3) निर्यात के पैनल की गणपूर्ति तीन होगी।

(4) अपील प्राप्त होने के पंद्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

उपाबंध - 2

[नियम 4(2) (ख) देखिए]

1. घंटों :-

1. डिजाइन और विमाएं :-

1.1 डिजाइन और विमाएं क्रेता और विक्रेता के बीच करार के अनुसार होंगी।

2. कारीगरी और फिनिश :-

2.1 पुर्जे सुरक्षित, खरोचों और अन्य विनिर्माण दोषों से मुक्त होंगे।

2.2 घंटी-बोम और लीवर निकल तथा क्रोम चूड़ें होंगी जिसमें बाहरी सतह पर निकल की न्यूनतम मोटाई 0.008 मिलीमीटर होगी। परत (प्लेटिंग) एक सी होगी और परत दोष जैसे गड्ढे, उठावे, प्लेट न हुए भाग, दरारे और छम्बों से मुक्त होगी। परन्तु मूल धातु पर जब सी से छम्बी होनी चाहिए और रक्ष रहित होगी। अन्य सभी पुर्जों और बोम की अंदर की सतह का जग निवारण के लिए समुचित रूप से उपचार किया जाएगा। लीवर मालूमबद्ध हो सकता है या उन पर जिक्र भी नहीं हो सकती है।

3. निष्पादन :-

3.1 घंटी ठीक से बजेगी, और स्पष्ट बजने की धात्विक आवाज उत्पन्न करेगी।

4. परिक्षण :-

4.1 आसंजन परीक्षण :- परिशिष्ट 1 के अनुसार फैरोक्सिस परीक्षण -- परिशिष्ट-1 के अनुसार।

2. निचले ब्रेकॉट का धुरी

1. डिजाइन और विमाएं :-

1.1 निम्नलिखित के अधीन रहते हुए डिजाइन और विमाएं क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होंगी।

प्रकार I

प्रकार—II

(क) बियरिंग

भाग का

व्यास न्यू. 16.45 मि.मी.

16.45 मि.मी.

अधि. 16.65 मि.मी.

16.65 मि.मी.

(ख) क्रॉक भाग न्यू. 15.65 मि.मी.

15.80 मि.मी.

का व्यास अधि. 15.80 मि.मी.

16.00 मि.मी.

(ग) काटर पिन् न्यू. 12.60 मि.मी.

12.30 मि.मी.

स्पाट की

- मोटाई अधि. 12.90 मि.मी. 12.70 मि.मी.
(घ) कुल लंबाई की सहायता ± 1.0 मि.मी. होगी।
(ङ) धुरी के अंतिम सिरे और काटर पिन स्लाट के निकटतम सिरे के बीच की न्यूनतम दूरी 3 मि.मी. होगी।
2. कारीगरी और फिनिश
- 2.1 धुरी का फिनिश समतल, खुरदरेपन से, खरोंचों और अन्य विनिर्माण कृदियों मुक्त होगी। दोनों बिरिंग संज्ञक के मध्य ग्राह्य उत्केंद्रता 0.30 मि.मी. से अधिक नहीं होगी।
- 2.2 धुरी रासायनिक रूप से रंग की हुई या विद्युतलेपित होगी। जब विद्युतलेपित हो तब सतह परत दोषों जैसे, गड्ढे, उठाने, प्लेटम हुए भाग और दरारों से मुक्त होगी।
3. कठोरता :-
- 3.1 धुरी का समुचित रूप से उष्मा उपचार किया जाएगा। कठोरता 30 किलोग्राम भार पर 400 उच्च बोलेटता (एचवी) और 800 उच्च बोलेटता (एचबी) के बीच होगी।
3. निम्नले ब्रेकेट के रूप (समायोज्य और स्थिर)
1. डिजाइन और विमाणः
- 1.1 निम्नले ब्रेकेट के कर्णों का डिजाइन और विमाणः निम्नलिखित के अधीन रहने हुए, केता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी :-
- (क) निम्न-निम्न प्रकार के कर्णों की न्यूनतम आंतरिक गहराई और पूर्ण चौड़ाई निम्नलिखित के अनुसार होगी :-
- | | अंदर न्यूनतम गहराई मि.मी. | संपूर्ण चौड़ाई मि.मी. |
|------------------------|---------------------------|-----------------------|
| 1. स्थिर प्रकार I | 10.5 | 13.9 |
| 2. स्थिर प्रकार II | 8.8 | 12.2 |
| 3. स्थिर प्रकार III | 8.50 | 12.50 |
| 4. समायोज्य प्रकार II | 10.5 | 13.9 |
| 5. समायोज्य प्रकार II | 10.0 | 13.4 |
| 6. समायोज्य प्रकार III | 10.50 | 13.90 |
- (ख) बाह्य सिरों पर कर्णों की सीतरी व्यास:-
न्यूनतम 29.8 मि.मी.
अधिकतम 30.2 मि.मी.
2. कारीगरी और फिनिशः
- 2.1 रूप खुरदरेपन, खरोंचों और बीजारों के चिह्नों से मुक्त होगा। बिरिंग भाग की समुचित रूप से पालिश होगी।
- 2.2 समायोज्य और स्थिर कर्णों के लिए चूड़ी 34.8 × 24 टी.पी.आई. या 34.8 × 26 टी.पी.आई. या 35 × 1 मि.मी. पिच साइकिल चूड़ी आर एच या एन एच का हो या केता की अपेक्षानुसार होगी। चूड़ियां पूरी बनी तथा सही होंगी। अधिकतम और न्यूनतम मुख्य व्यास सुसंगत भा. मा. विनिर्देशों में दी गई सह्यताओं के अनुसार होना चाहिए।
- 2.3 रूप रासायनिक रूप से रंग किए हुए, या विद्युत लेपित होंगे। यदि विद्युत लेपित हो तो वे परत कृदियों, जैसे गड्ढों, उठाना प्लेट बिना रहे भागों और दरारों से मुक्त होंगे।
3. कठोरता.
- 3.1 आधारित ब्रेकेट के कर्णों का समुचित रूप से, उष्मा उपचार किया जाएगा। कठोरता 30 किलो ग्राम एक भार पर न्यूनतम 400 उच्च बोलेटता (एच बी) होगी।

4. आधारित ब्रेकेट लोक रिंग
1. डिजाइन और विमाणः
- 1.1 आधारित ब्रेकेट लोक रिंग की डिजाइन और विमाणः केता और विक्रेता के बीच करार के अनुसार निम्नलिखित के अधीन रहने हुए होंगी :-
- (i) मोटाई - 2.75 मि.मी. न्यूनतम
- (ii) आंतरिक चूड़ी 34.8 × 24 टीपीआई या 26 टी पी आई या 35 × 1 मि.मी. पिच साइकिल चूड़ी - आर एच या केता की अपेक्षानुसार होगी।
2. कारीगरी और फिनिश
- 2.1 वे नुकीले किनारों, खुरदरे या अन्य विनिर्माण दोषों से मुक्त होंगी।
- 2.2 चूड़ियां पूरी बनी और सही होंगी।
- 2.3 रिंग रासायनिक रूप से रंग किए हुए विद्युत लेपित होंगी। यदि जब विद्युत लेपित हों तो परत दोषों, जैसे गड्ढों, उठानों, प्लेट न हुए भागों और दरारों से मुक्त होंगी।
5. ब्रेक
1. डिजाइन और विमाणः
- 1.1 डिजाइन और विमाणः केता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होंगी।
2. कारीगरी और फिनिश
- 2.1 ब्रेक के भाग खुरदरे और नुकीले किनारों से मुक्त होंगे। रिबेट सही होंगे।
- 2.2 ब्रेक तिकों की ड्रिल संकेन्द्रित होंगी।
- 2.3 नट और पैरों की चूड़ियां सही होंगी।
- 2.4 ब्रेक के पुर्जों या निकल और क्रोम खड़े होंगे या स्टीव एनेमल के एकसार फिनिश होंगे या गान्धनीकृत होंगे। परत दृश्यमान परत दोषों, जैसे गड्ढों, उठानों, प्लेट न हुए भाग, दरारों या घर्षणों से मुक्त होंगे। ब्रेक की पादाधार पर जब निकल या क्रोम खड़े हो तो न्यूनतम निकल मोटाई 0.006 मि.मी. और बच्चों की साइकिल के लिए 0.005 मि.मी. होगी।
3. कठोरता :
- 3.1 ब्रेक जूने की रबड़ की कठोरता 70° से 90° क्वान्टीस्कोप के बीच होगी।
4. परीक्षण :
- 4.1 विद्युत लेपन
- (क) आसंजत परीक्षण - परिणित 1 के अनुसार
- (ख) फेरोमिगल परीक्षण - परिणित 1 के अनुसार
6. पंप
1. डिजाइन और विमाणः
- 1.1 डिजाइन और विमाणः केता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होंगी।
2. कारीगरी और फिनिश
- 2.1 पंप खुरदरेपन और नुकीले किनारों से मुक्त होगा।
- 2.2 पंप संयोजनों में और पंप की बाड़ी में चूड़ियां टांक से लगी होंगी।
- 2.3 पंप का कार्यकरण निर्वाध होगा।
- 2.4 बाड़ी में जुड़े पंप के जोड़ों या ट्यूब से जुड़े जोड़ों में से हवा का रिमाव नहीं होगा।

- 2.5 पंप पर निकल और क्रोम बढ़ा होगा जिसमें न्यूनतम निकल की मोटाई 0.008 मि. मी. होगी या स्टोक एनैमल से एक सार पूर्ण होगी। अब परत चढ़ी हो तो बहुवृष्यमान परत दोषों जैसे गड्ढे, उठानों, सफेद धब्बों, बिना प्लेट न हुए भागों, दरारों या धब्बों से मुक्त होगी।
- 2.6 परत, मूल धातु पर मजबूती से जमी होगी और रंध्र रहित होगी यदि पेंट किया गया है तो 3.2 में दिए गए परीक्षण पर खरा उतरना चाहिए और अब निकल या क्रोम का परत बढ़ा हो तो 3.3 में दी हुई अपेक्षाओं की पूर्ति होना चाहिए।

3. परीक्षण

- 3.1 कार्य क्षमता परीक्षण—पंप 1 किलोग्राम 2 में मी. 2 के दबाव को विकलित करने में सक्षम होगा।

- 3.2 लक्षण धोल परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार

3.3 विद्युत लेपन

(क) आसंजन परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार

(ख) फेरोक्सिल परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार

7. चैन, पहिया और क्रेक

1. डिजाइन और विभाग

- 1.1 डिजाइन और विभाग निम्नलिखित अपेक्षाओं के अधीन रहने हुए, केता और विक्का के बीच हुए करार के अनुसार होंगे :-

प्रकार—I

प्रकार—II

- (क) गियर कैंस
निकासी न्यू. 8.9 मि.मी. न्यूनतम 8.9 मि.मी.
- (ख) धुरी छिद्र न्यू. 15.80 मि.मी. न्यूनतम 16.0 मि.मी.
का व्यास
- (ग) काटर पिन न्यू. 9.4 मि.मी. न्यूनतम 9.0 मि.मी.
छिद्र का अधि 9.7 मि.मी. अधिकतम 9.15 मि.मी.
व्यास
- (घ) पैडल छिद्र न्यू. 9.5 मि.मी. न्यूनतम 9.50 मि.मी.
पर क्रेक
की मोटाई
- (ङ) अक्षारित न्यू. 17.5 मि.मी. न्यूनतम 17.50 मि.मी.
क्रेक धुरी
पर बाएं
क्रेक की
मोटाई
- (च) निकले क्रेक न्यू. 6.15 मि.मी.
धुरी पर
चारों ओर
बाधक क्रेक (साइकिल के लिए न्यूनतम 5.00 मि.मी.)
की मोटाई
- (छ) चैन पहिये 12.70 मि.मी.
के बलों की
बुनियादी दूरी तत्स्थाना चैन से जोड़ की जाएगी।
- (ज) पैडल धुरी एक एक ओर आर एच क्रेक के लिए करण
छिद्र पर 14.3×20 टीपी टी आई या
बुडी 14.00×1.25 मि.मी. की विश एन. एच.
या आर. एच
- (झ) क्रेक की कुल लंबाई पर सहायता ±3 मि.मी. होगी।
- (ञ) निकले क्रेक की धुरी की मध्य लाइन और काटर पिन छिद्र के मध्य की दूरी 9 मि.मी. से 8.4 मि.मी. के मध्य होगी।

(ट) चैन पहिये की मोटाई 2.64 मिलीमीटर से कम नहीं होगी।

2. कारीगरी और फिनिश

- 2.1 क्रेक में गहराई दोष, जैसे दरारें, गड्ढे और स्केप नहीं होंगे। क्रेक एक फिनिश का होगा और तुकड़ी किनारों को गोब किया गया होगा।
- 2.2 चैन पहिया एक लेन में सही बैठने वाला होगा। दाहिने सही और ठीक बैठने वाले होंगे तथा साइकिल की चैन के उपयुक्त होंगे। चैन पहिये बुरे लेपन, दरारों और अन्य दोषों से मुक्त होंगे तथा केन्द्रीय धुरी के लिए क्रेक छिद्र सकेन्द्रित होंगे।
- 2.3 क्रेक और चैन के पहिये पर निकल और क्रोमियम चढ़ी होगी। निकल की परत की मोटाई कम से कम 0.008 मिलीमीटर होगी। परत चढ़ी मतलब वृष्यमान दोषों जैसे गड्ढों, उठानों बिना प्लेट हुए भागों, दरारों आर धुरी से मुक्त होंगे। परत धातु पर मजबूती से जमी होगी और रंध्र रहित होगी।

3. परीक्षण

3.1 विद्युत लेपन

- 3.2 आसंजन परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार

3.1.2 फेरोक्सिल परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार

- 3.2 भारत परीक्षण—क्रेक चैन का पहिया के संयोजन मजबूती से मराट क्रेक पर अर्द्ध रूप से समतल पर लगाया जाएगा और पैडल स्पिडल के लिए भारत छिद्र के बीच से माप किया जाएगा। समायोजन की पैडल छिद्र पर बिना टूटे या जोड़ खुले बिना 180 किलोग्राम भार जेबना होगा। बच्चों को साइकिल के लिए संयोजन में पैडल छिद्र पर बिना टूटे या जोड़ खुले बिना 150 किलोग्राम का भार जेबना होगा।

8. काटर पिन

1. डिजाइन और विभाग

- 1.1 निम्नलिखित के अधीन रहने हुए, डिजाइन और विभाग केता और विक्का के बीच हुए करार के अनुसार होंगे।

प्रकार—I

प्रकार—II

- (क) गुंडाकार
भाग की
न्यूनतम
लंबाई 18 मि.मी. 18 मि.मी.
- (ख) गुंडाकार न्यू. 7.4 मि.मी. न्यूनतम 7.00 मि.मी.
के छोटे
किनारों की
मोटाई अधिक 7.8 मि.मी. अधिकतम 7.40 मि.मी.
- (ग) गुंडाकार न्यू. 9.3 मि.मी. न्यूनतम 8.80 मि.मी.
के बड़े
किनारों का
व्यास अधिक 9.53 मि.मी. अधिकतम 9.00 मि.मी.
- (घ) गुंडाकार भाग की न्यूनतम लंबाई—10 मि.मी.
- (ङ) बुडी मपाना—67×26 टी पी आई या 7×1 मि.मी. पैच दूरी (पिन) आर. एच.
काटर पिन के साथ उचित बाधक और डिबरी लवाई जाएगी।

2. कारीगरी और फिनिश

- 2.1 काटर पिन की कटाई और कटाव एडसार होंगे तथा केन्द्रीय धुरी पर क्रेक को मजबूती से उचित सुविधा देना।
- 2.2 बुडिया एक जैमा और नहीं होंगी जिसमें कि क्रेक को हिलाने या कटा होने से बचाने के लिए तैयारी को करने में सुविधा रहे।
- 2.3 काटर पिन, बाधक और नट पर या तो क्रोमियम या निकल क्रोम का परत चढ़ी होगी।

9. डायनमों
1. डिजाइन और विमाण
- 1.1 डिजाइन और विमाण, केला और विकेला के बीच हुए करार के अनुसार होंगी।
2. कारीगरी और फिटिंग
- 2.1 संयुक्त सुरक्षेपन और चुकीले किनारों से मुक्त होंगे।
- 2.2 चम्बक धुरी पर स्वतंत्र और सही बनेगा, अधिकतम उत्केंद्रिता 0.2 मि.मी. (0.008) से अधिक नहीं होगी।
- 2.3 संश्लिष्ट बिंदुओं अधिकतम 0.05 मि.मी. उत्केंद्रिता के साथ संकेन्द्रित होंगे।
- 2.4 संयोजन में रोवर की उत्केंद्रिता 0.05 मि.मी. से अधिक नहीं होगी।
- 2.5 (i) डायनमों का आगे और पीछे की बत्ती पर निकल और क्रोम की परत चढ़ी होगी जिसमें निकल की मोटाई अधिकतम 0.01 मि.मी. होगी। परत दृश्यमान दोषों, जैसे गड्ढों, छटाओं, धुंधले छम्बों, प्लेट न हुए भागों, बरतारों और छम्बों से मुक्त होगी। परत धूल वाष्प पर मजबूती से जमी होगी और रख रखा होगा।
- (ii) पीछे की बत्ती और आगे की बत्ती किसी भी समुचित प्लास्टिक से बनाई जा सकती है।
- (iii) डायनमों की पीछे की बत्ती और आगे की बत्ती पर ऐंसेमल भी किया जा सकता है।
- 2.6 आगे और पीछे की बत्ती के अंदर की ओर जंग रोधी लेपन किया जाएगा।
- 2.7 डायनमों के साथ समुचित आगे और पीछे की बत्ती जिसमें सब डायनमों कलैम्प, बाबी सैट कलैम्प और जोड़ने वाली तार लगी होंगी दी जाएगी।
3. परीक्षण 3.1 (i) कार्यक्षमता परीक्षण—(क) डायनमों का परीक्षण 10 एम पी एच या 18 कि. मी. एच की गति से किया जाएगा। उत्पादित बोल्टता 1 प्रतिशत बोल्टता से ± 10 प्रतिशत से अधिक भिन्न नहीं होगी।
- (ख) कैकेट को फिटिंग की कार्यक्षमता का परीक्षण करने के लिए 50 बार संचालित किया जाएगा जो परीक्षण के अंत में टूट-फूट का कोई चिह्न दर्शाते नहीं करेंगे।
- (i) विद्युत लेपन—
- (क) आसंजन परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार
- (ख) जैरोकितल परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार
10. पहिए का ताने (स्वोक और निष्पल)
1. सामग्री
- 1.1 ताने (स्वोक) आमकवार गास्वनीकृत उच्च कार्बन स्टील तार से बनाई जाएंगी जिनकी अंतिम तनन क्षमता 105 किगोडाम मि.मी. से कम नहीं होगी।
2. डिजाइन और विमाण
- 2.1 निम्नलिखित विमाओं और सह्यताओं के अधीन रहते हुए (स्वोक) और निष्पल का डिजाइन और विमाण, केला और विकेला के बीच हुए करार के अनुसार होंगी।
- (क) तानीय तार का व्यास ± 0.03 मि.मी.

(क) कुल लंबाई ± 1.0 मि.मी.

(ग) चूड़ी की लंबाई न्यूनतम 10 मि. मी.

(घ) मुका कोण निष्पल 950 \pm 500

(क) कुल लंबाई न्यूनतम 10 मि. मी.

(

तान (स्वोक) तार	15 जी	14 जी	13 जी	12 जी	10 जी
	(1.0 मि.मी.)	(2.0 मि.मी.)	(2.3 मि.मी.)	(2.64 मि.मी.)	(3.25 मि.मी.)

निष्पल के ध्रुवभाग का

व्यास मि. मी.	6.0	6.0	7.3	7.3	9.2
वर्गाकार भार मि.मी.	3.26	3.20	3.8	3.8	5.0

निष्पल ध्रुवभाग के व्यास पर सह्यता ± 0.5 मि. मी.

—0.1 मि. मी.

वर्गाकार भार पर सह्यता

± 0.13 मि.मी.

3. कारीगरी और फिटिंग

3.1 स्वोक पर चूड़ी इस प्रकार होनी चाहिए जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि निष्पल और स्वोक के बीच सभी प्रकार फिट हो जाएगी और उनकी प्रवला बदली भी की जा सके।

3.2 गास्वनीकृत होनी या निकल परत चढ़ी स्वोक होगी।

3.3 निष्पल, निकल की परत चढ़ी होगी और दृश्यमान दोषों से मुक्त होगी

3.4 वायर, गास्वनीकृत, टिन चढ़ा या पत्तर चढ़ा होगा।

4. परीक्षण

4.1 मुकाब परीक्षण (स्वोक) आगे और पीछे की और कम से कम तीन बार 180 कोण पर अपनी परिधि के बराबर अर्ध व्यास पर बिना टूटन बिना दृष्टि मुका होगा 190° पर पहला मुकाब गिनती में नहीं लिया जाएगा।

4.2 लेपन परीक्षण

स्वोक को मंडाइन स्ट्रिट से साफ करने के बाद 1.86 (18 \times 2° सेंटीग्रेड) ध्रापेक्षिक घनत्व वाले कापर सम्फेट योल में 30 मिनट तक डुबोया जाएगा। परीक्षण के अंत में स्वाक को पानी में धोने के पश्चात् उस पर कोई ताल बीज जमा नहीं बिखनी चाहिए।

4.3 विद्युत लेपन

आसंजन परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार

11. मुक्त पहिया (फ्री व्हील)

1. डिजाइन और विमाण

1.1 मुक्त पहिए का डिजाइन और विमाण, केला और विकेला के बीच हुए करार के अनुसार होंगी। दातेदार पहिए के दांतों का आकार ऐसा होगा जो साइकिल चैन के लिए उपयुक्त हो।

1.2 पन्थ हब पर फिटिंग के लिए मुख्य भाग में साइकिल चूड़ी 34.8 \times 24 टी पी आई या 34.7 \times 1 मि. मी. पिच पी होगी। मुक्त पहिए पर चूड़ी की जांच करते हेतु चूड़ी में जो पर मुमकिन भारतीय मानक या बि मानक के अनुसार दी गई सह्यता का अनुपालन किया जाएगा। बच्चों का साइकिल के लिए मुख्य भाग में साइकिल चूड़ी 0.970 \times 20 टी पी आई या इसके समतुल्य होगी।

2. कारीगरी और फिनिश

2.1 गोली धावपथों की आन्तरिक सतह अच्छी तरह से परिष्कृत होगी जिसमें कि यह सुनिश्चित हो सके कि गोलियाँ निबंध रूप में चलेगी।

2.2 संघटकों को पूर्ण रूप से धोया जाएगा और गोली धावपथों में संयोजन में पूर्ण धोम लगाई जाएगी।

3. कठोरता

3.1 संघटकों को नीचे कथित न्यूनतम कठोरता तक कठोर किया जाएगा :

- (i) मुक्त पहिए की दंतुरिका — 5 किलोग्राम भार पर 400 एच, बी
- (ii) पैच बैजल — 5 किलोग्राम भार पर 400 एच, बी
- (iii) मुख्य भाग — 5 किलोग्राम भार पर 400 एच, बी
- (iv) स्टील की गोली — 5 किलोग्राम भार पर 800 एच, बी
- (v) पाव — 5 किलोग्राम भार पर 444 एच, बी

टिप्पण :- स्टील की गोली अच्छे कार्बन और अच्छे क्रोमियम स्टील में विभिन्न की जाएगी। गोलियाँ भारतीय मानक 2898—1976 के अनुसार टूटन परीक्षण में समाधान रूप से सही उत्तरनी चाहिए।

4. परीक्षण

4.1 पूर्ण परीक्षण — मुक्त पहिया बिना असम्यक वर्षण के और बिना कंपन पैदा किए घूमेगा।

4.2 विशेष परीक्षण — मुक्त पहिए को जब ठीक से चढ़ाया जाए और पहिया दंतुरिका को घुमाया जाए तो घुरीय और क्षिप्य विक्षेप 0.4 मि. मी. से अधिक नहीं होगा। बहुगति वाले मुक्त पहिए के लिए घुरीय क्षिप्य विक्षेप क्रमशः अधिकतम 0.8 मि. मी. और 0.5 मि. मी. अनुश्रेय होंगे। विशेष को मुक्त पहिए चक्र के गोलाकार किनारे से मापा जाएगा। मुक्त पहिया जब घुरीय और क्षिप्य विक्षेप दोनों के लिए दंत तल पर चैक किया जाएगा तब घुरीय और क्षिप्य विक्षेप दोनों पर मूल्य 0.5 मि. मी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

12. घाते का चिमटा

1. डिजाइन और विमाण

1.1 डिजाइन और विमाण प्रेरणा और विवेका के अंज हुए करार के अनुसार निम्नलिखित के अधीन रहने हुए होगी।

- (क) फोर्क, कालम 25.4 × 1.62 मि. मी. नली से बनाया जाएगा।
- (ख) कालम का आन्तरिक व्यास प्रकार में अधिकतम 22.83 मि. मी. और न्यूनतम 22.25 मि. मी. तक बढ़ाया जाएगा।
- (ग) कालम पर बूझ की न्यूनतम लम्बाई 25 मि. मी. होगी।
- (घ) चिमटे के किनारे का व्यास 26.67 मि. मी. और 26.77 मि. मी. के बीच या 27.00 और 27.10 मि. मी. के बीच होगा। बच्चों की साइकिल के लिए फोर्क किनारे का व्यास 26.75 मि. मी. ± 1 मि. मी. या 27.10 ± 1 मि. मी. होगा।

(ड.) क्राउन के आधार से 50.8 मि. मी. दूरी पर चिमटे की टांगों के बीच की दूरी 50.8 मि. मी. से कम नहीं होगी।

(च) चिमटे के कालम की चौड़ाई 25.4 मि. मी. और 24, 26 टी पी आई या इसके समतुल्य होगी।

2. कारीगरी और फिनिश

2.1 चिमटे की दोनों टांगों और उर्व पट्टे फोर्क के बीच से लम्बाई के अनुसार बर्गिकार फिट किया जाएगा और जोड़ों पर ठीक से टांके लगाए जाएंगे। दोनों मांगों उर्व पट्टे की केन्द्र रेखा के समानान्तर होंगी।

2.2 हब की घुरी, केन्द्र रेखा समान लिखित होगी। चिमटे के किनारे समानान्तर और बर्गिकार होंगे। बूझियाँ इस प्रकार बनी होंगी जिससे कि लगाने और बदलने में सरलता हो।

2.3 अच्छी फिनिश के लिए चिमटा पूर्ण रूप से साफ, जंगरोधी, स्टोव ऐनेमल किया हुआ या विद्युत लेपित होगा। पैट एकसार और दोनों से मुक्त होंगे।

2.4 क्राउन कवर अच्छी तरह विद्युत लेपित और पीतल या स्टील से बना होगा।

3. परीक्षण

3.1 चिमटा निम्नलिखित के लिए परीक्षित किया जाएगा :-

3.1.1 टांके के लिए ध्वनि परीक्षण — चिमटे की टांगों और कालम पर 1/2 के हथोड़े से थोट की जाएगी। आवाज स्पष्ट होनी चाहिए।

3.1.2 भार परीक्षण — चिमटा अपने स्टेम पर मजबूती से लगा होगा और उसकी घुरी क्षैतिज होगी और चिमटे की टांगों के सिरे ऊपर की ओर मुड़े होंगे जिससे कि चिमटे के क्राउन और कूलमजा के बीच 8 मि. मी. दूरी रहें। ऊर्ध्वोपर भार चिमटे के सिरे पर ठीक वहाँ डाला जाएगा जहाँ सामने के हब की घुरी लगाई जानी है जिससे कि भार दोनों सिरे पर बराबर बना रहे। भार 45 किलोग्राम तक पहुँचने तक धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। (बच्चों की साइकिल के लिए भार 40 किलोग्राम होगा) चिमटे को इस प्रकार लटी हुई अवस्था में 30 सेकेंड तक रखा जाएगा, वास्तव प्रकार के क्राउन वाले चिमटे में भार हटाने के पश्चात् भार बिन्दु पर 1.6 मिलीमीटर से अधिक स्थायी संरक्षित नहीं होना चाहिए। चिमटे के अन्य डिजाइन, जैसे, दोहरी नली, अधिक-प्रकार और खेल-प्रकार, भावि में स्थायी सेट 2.5 मिलीमीटर से अधिक नहीं होगा।

3.1.3 विचारण परीक्षण — मैट या किसी अन्य उचित युक्ति पर घकेलने पर जब 13 मिलीमीटर तक उन्हें फेलाया जाए तब (बच्चों की साइकिल में 10 मिलीमीटर तक) चिमटे की टांगों और मुक्त सिरे के बीच की दूरी में माप की साधारण पद्धति के अधीन कोई भी मापने योग्य स्थायी वृद्धि दर्शित नहीं होनी चाहिए।

3.1.4 पैटिंग के लिए परीक्षण —

(क) बोल ड्राप परीक्षण — उपबंध 1 के अनुसार

(ख) तमक घोल परीक्षण — उपबंध -1 के अनुसार

3.5 विद्युत लेपन —

(क) आर्पजन परीक्षण — परिशिष्ट 1 के अनुसार

(ख) कैरोक्सिल परीक्षण — परिशिष्ट-1 के अनुसार

13. गद्दी के आधार स्वस्थ

1. डिजाइन और विमाण —

1.1 गद्दी के आधार स्वस्थ स्टील ह्यूम के बने होंगे। डिजाइन और विमाण प्रेरणा और विवेका के बीच हुए करार के अनुसार निम्नलिखित के अधीन रहते हुए होगी :

(i) पूर्ण लम्बाई न्यूनतम — 125 मि. मी.

(ii) पोवा की लम्बाई — न्यूनतम — 38 मि. मी.

- (iii) दृश्य की मोटाई न्यूनतम—1.0 मि. मी.
 (iv) धोखा भाग का बाहरी व्यास 22.22 ± 0.5 मि.मी.
 (v) गद्दी के आधार स्तम्भ का वृहत् व्यास या तो 25.4 ± 0.3 मि. मी. या 26.34 ± 0.3 मि.मी. होगा।

2. कारीगरी और फिनिश

2.1 गद्दी के आधार पर स्तम्भ की फिनिश अच्छी होगी, और रासायनिक रूप से रंगीन जिक, या कैडमियम की परत चढ़ी, एनेमल या निकल और क्रोम की परत चढ़ी होगी। निकल परत की दशा में परत की न्यूनतम मोटाई 0.006 मि. मी. होगी।

3. परीक्षण

3.1 विद्युत लेपन —

- 3.1.1 आमंजन परीक्षण—परिशिष्ट 1 के अनुसार
 3.1.2 फेरोक्सिल परीक्षण — परिशिष्ट -1 के अनुसार

14. गद्दी

1. डिजाइन और विमाण—

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी।

2. कारीगरी और फिनिश—

2.1 सभी दाब और यांत्रिक संघटक नुकीले किनारों और बुरबुरेपन से मुक्त होंगे।

2.2 चूड़ी एकसार और सही होंगी।

2.3 रिब्ट पक्के और सही होंगे।

2.4 स्ट्रिंग और अन्य भाग या तो रासायनिक रंगों, या गाल्वनीकृत काले या निकल या क्रोम के परत चढ़े होंगे।

3. परीक्षण—

3.1 सीट या तो चमड़े की बनी होगी या किसी अन्य संश्लिष्ट सामग्री की बनी होगी। गद्दी के ऊपरी भाग की फिनिश उचित प्रकार से की जाएगी वह किसी भी कटाव या अन्य वृक्षमान दोषों से मुक्त हो।

3.2 पक्का रंग—हवा में सुखाए हुए, खींच किए हुए (कलक लगा नहीं) सूखी सफेब कपड़े का परीक्षण किए जाने वाले चमड़े के नमूने को सतह पर रगड़ा जाएगा। वह परीक्षण द्वारा गीले कपड़े के साथ किया जाएगा। गीले या सूखे कपड़े पर कोई रंग नहीं उतरना चाहिए।

3.3 आर्द्रता शोषण परीक्षण—पानी में 30 मिनट तक पूर्णतः डुबाने पर साइकिल के चमड़े के भार में वृद्धि 40 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

15. साइकिल रिम

1. डिजाइन और विमाण

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार निम्नलिखित के अधीन रहते हुए होगी :—

- (क) परिधि पर सह्यता +2 मि. मी.
 —1 मि. मी.

ख) प्रोफाइल सहायता

- (i) पूरी ऊंचाई ± 0.5 मि. मी.

- (ii) पूरी चौड़ाई —0.5 मि. मी. (बच्चों की साइकिल के लिए — +मि. मी में)

- (iii) ग्रामेट्रिज चौड़ाई +0.5 मि. मी.
 (परख के मध्य) —1.0 मि. मी.

- (ग) परख ऊंचाई—अधिकतम —5.9 मि. मी.
 न्यूनतम —7.7 मि. मी.

2. कारीगरी और फिनिश—

2.1 वाल्व छिद्र विपरीत जोड़ों के केन्द्र से लगभग 2 स्पोक छिद्रों के केन्द्र पर रिम के कोण से और ड्रिल किया जाएगा।

2.2 पहिए के घेरे के आगे और रिम के समीप छिद्रों की संख्या विदेशी क्रेता के साथ हुए करार के अनुसार होगी।

2.3 पहियों के घेरे के छिद्र अनुमानतः समान दूरी पर होंगे। और अनुमानतः रिम की केन्द्रीय रेखा के किसी भी और होंगे।

2.4 रिम पर निकल या क्रोम की परत चढ़ी होगी। परत की न्यूनतम मोटाई निम्नलिखित के अनुसार होगी :

निकल—0.008 मि. मी.

क्रेता की विशिष्ट मांग की दशा में रिम के केन्द्र पर मंद फिनिश की जा सकती है।

3. परीक्षण —

3.1 संपीड़न परीक्षण— रिम को, भार विन्कुओं को जोड़ने वाली रेखा के समकोणों पर बँटव रखते हुए दो स्पोकों के बीच रखा जाएगा। रिम पर ग्रहवाधर संपीड़न के लिए भार 30 किलो से प्रारम्भ किया जाएगा भार को धीरे-धीरे 10 किलो से 70 किलो तक बढ़ाया जाएगा जो 2 मिनट तक रखा जाएगा और फिर छोड़ दिया जाएगा। रिम की परिधि पर स्थिर सैट 2.5 मि. मी. से अधिक नहीं होगा।

3.2 विद्युत लेपन —

- 3.2.1 आमंजन परीक्षण—परिशिष्ट-I के अनुसार
 3.2.2 फेरोक्सिल परीक्षण—परिशिष्ट-I के अनुसार

16. पैडल

1. डिजाइन और विमाण

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार निम्नलिखित के अधीन रहते हुए होगी।

पैडल धुरी

शेक के सिरे पर चूड़ीदार भाग की लम्बाई—न्यूनतम 8.5 मि.मी.

चूड़ी—सोघे हाथ और उल्टे हाथ की और पैडल क्रमशः 14.28×1.27 या 14×1.25 मि. मी. सोघे हाथ या बाएं हाथ होंगे।

शुक्रु—धारक छड़ क होगा। बहुत भाग औरारों के चिन्ह रहित ठीक से मशीनीकृत होगा।

खड़—खड़ के एक जोड़े का भार 165 ग्राम से अधिक नहीं होगा। खड़ विनिर्माण क दोषों से मुक्त होगी।

2. कारीगरी और फिनिश—

2.1 पैडल धुरी एक और डिबनी के दोनों किनारों की चूड़ियों की फिनिश बराबर समुचित फिटिंग सुनिश्चित की जा सके।

2.2 पैडल धुरी, पैडल छड़ एक या डिबनी पर रासायनिक रूप से रंग किया हुआ या विनिर्दिष्ट रूप से प्रत्येक किए जान पर प्रभाव प्राकृतिक रूप से किया जा सकता है।

2.3 तभी, कोर, स्ट्रेचर छड़े और तबकन यदि इस्पात के बने हों तो उसका फिनिश बराबर तथा रासायनिक रूप से रंग लिए हुए या उन पर एनैमल या निकल या क्रोम की परत चढ़ी होगी, जब परत चढ़ाई जाएगी तो निकल की न्यूनतम मोटाई 0.004 मि.मी. होगी।

3 कठोरता—

3.1 पैडल धुरी और धुरी शंकु को न्यूनतम कठोरता क्रमशः 5 किलोग्राम एफ भार पर 500 उच्च धोवटता और 5 किलोग्राम एफ भार पर 400 उच्च धोवटता होगी तथा गोली को न्यूनतम कठोरता 5 किलोग्राम एफ भार पर 800 उच्च धोवटता होगी। जहाँ कहीं भी परावर्तक लगाए जाएँ पैडल खड़े की कठोरता 70° से 90° के बीच न्यूनतम 65° होगी।

टिप्पण: इस्पात की गोली उच्च कार्बन, उच्च क्रोम इस्पात से विनिर्मित की जाएगी। गोलियाँ भारतीय मानक: 2898-1976 के अनुसार संश्लेषण परीक्षण समाधान पूर्ण रूप से करेंगे।

4. परीक्षण—

4.1 झुकाव परीक्षण—800 एन का भार धीरे-धीरे स्पिंडल पर रखा जाएगा और एक मिनट अवधि तक रखा जाएगा और तब मुक्त रखा जाएगा। स्पिंडल पर विक्षेप (स्थायी सेट) 3 मि.मी. से अधिक नहीं होगा और दरार का कोई भी चिन्ह नहीं होना चाहिए।

1 किलोग्राम एफ—9.800 न्यूटन (एन)

4.2 विद्युत लेपन—

आसजन परीक्षण—परिशिष्ट-1 के अनुसार

17. मडगाई

1. डिजाइन और विमाएँ—

1.1 डिजाइन और विमाएँ क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार निम्नलिखित के अधीन रहते हुए होगी:—

(क) चौड़ाई (मध्य भाग के निकट)

न्यूनतम 46 कि.मी. (40 मि.मी. बच्चों की साइकिल के लिए)

(ख) गहराई—न्यूनतम 180 मि.मी.

(ग) उपभोग की गई चादर की मोटाई—न्यूनतम 0.45 (0.40 मि.मी. बच्चों की साइकिल के लिए)

2. कारीगरी और फिनिश—

2.1 मडगाई नुकीले किनारों, खुरदरेपन और अन्य विनिर्माण दोषों से मुक्त होगा।

2.2 मडगाई अच्छी तरह से साफ होगा जिससे जंग, परत और तैलीय पदार्थों से मुक्त हो और फिर रासायनिक रूप से फास्फेटे और स्टोव इनेमल या रंग छिड़काव किया जाएगा या अन्यथा चमकदार परिरक्षण देने के लिए निकल या क्रोम की परत चढ़ी होगी।

2.3 रंग, मिलवटों, फकोलो, असममन और खरोंचों से मुक्त होगा।

3. परीक्षण—

3.1 लवण घोल परीक्षण—परिशिष्ट-1 के अनुसार

3.2 आसजन परीक्षण—परिशिष्ट-1 के अनुसार

18क. साइकिल का ताला

1. डिजाइन और विमाएँ—

1.1 डिजाइन और विमाएँ निम्नलिखित के अधीन रहते हुए, क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी;

मुख्य भाग और फिटिंग बिलप के लिए चाबर की न्यूनतम मोटाई—0.6 मि.मी.

चाबी के लिए चाबर की न्यूनतम मोटाई—1.6 मि.मी.

2. कारीगरी और फिनिश—

2.1 साइकिल को सीधे सही होगी और वह निर्बाध कार्य करेगा।

2.2 साइकिल के किनारे खुरदरेपन और नुकीले किनारों से मुक्त होंगे।

2.3 ताले का डिजाइन इस प्रकार का होगा कि बिना खुले ताले की स्थिति में चाबी बाहर नहीं आए। चाबी सहज रूप से कार्य करें।

2.4 ताले के आन्तरिक भागों पर जंग रोधी परत चढ़ाई जाएगी।

2.5 ताला बन्द की स्थिति में कठोर लकड़ी के टुकड़े पर मड़ेगा और ताला अपने आप नहीं खुलेगा।

2.6 ताले पर स्टोव एनेमल होगा और एकसार फिनिश होगी।

3. परीक्षण—

3.1 कार्यक्षमता परीक्षण—ताले का परीक्षण 50 बार खोलने और बंद करने से किया जाएगा। उसके किसी पुँज को नुकसान नहीं होना चाहिए।

3.2 ताले को इस रीति से पैक किया जाएगा जिससे कि निरीक्षण अभिकरण उसके अन्तःपरिवर्तनशीलता की जाँच कर सके जो बार में एक से कम नहीं होंगे।

18ख. साइकिल का केवल ताला

1. डिजाइन और विमाएँ—

1.1 डिजाइन और विमाएँ निम्नलिखित के अधीन रहते हुए क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी;

चाबी के लिए चाबर की न्यूनतम मोटाई 1.5 मि.मी. होगी।

2. कारीगरी और फिनिश—

2.1 चाबी और तालों के सभी संघटकों की फिनिश अच्छी होगी।

2.2 ताला के आन्तरिक भाग पर जिसमें तार रस्सी भी है जंगरोधी परत चढ़ी होगी।

2.3 धातु केसिंग या तो इनेमल से रंग की हुई होगी या उस पर निकल, क्रोमियम या जिक की परत चढ़ी होगी।

2.4 कठोर लकड़ी के ताला बंद स्थिति में टुकड़े पर मड़ेगा और ताला अपने आप नहीं खुलेगा।

3. परीक्षण—

3.1 कार्यक्षमता परीक्षण—ताले को 50 बार खोलकर और बंद करके परीक्षण किया जाएगा। इसमें पुँजों को कोई नुकसान नहीं होना चाहिए।

3.2 ताले इस रीति से पैक किया जाएगा जिससे कि निरीक्षण अभिकरण अन्तःपरिवर्तन की जाँच कर सके जो बार में से कम से कम एक होंगे।

19. हब संयोजन

1. डिजाइन और विमाएं—

1.1 डिजाइन और विमाएं निम्नलिखित के अधीन रहते हुए क्रेता और विक्रेता के बीच करार पाए के अनुसार होंगी :

- (क) फ्रंट इन स्पिडल की कुल लम्बाई पर सह्यता ± 2 मि.मी.
- (ख) रियर हब स्पिडल की कुल लम्बाई पर सह्यता ± 3 मि.मी.
- (ग) प्रत्येक और फ्रंट हब स्पिडल की चूड़ियों की न्यूनतम लम्बाई 30 मि.मी.
- (घ) प्रत्येक और रियर हब स्पिडल की चूड़ियों की न्यूनतम लम्बाई 40 मि.मी.

(ङ) हब स्पिडल और शंकु की चूड़ियां या 7.94×26 टी पी आई 9.52×26 टी पी आई होंगी।

(च) मुक्त पहिए को लगाने के लिए रियर हब स्पिडल पर मुक्त चूड़ियां 34.8×24 टी पी आई या 35×1 मि.मी. की पिच होंगी। बच्चों की साइकिल के लिए ये 34.8 मि.मी. या 0.970×20 टी पी आई धकी होंगी।

(छ) शंकुओं की बाह्य सतह के बीच की पूरी पर सह्यता ± 3 मि.मी. (पूरे हब में)।

(ज) हब कोरों की न्यूनतम मोटाई फ्रंट हब के लिए 1.9 मि.मी. और रियर हब के लिए 2.2 मि.मी. होंगी।

(झ) हब कोरों में छिद्रों की संख्या क्रेता और विक्रेता के बीच करार के अनुसार होगी।

2. कारीगरी और फिनिश—

2.1 (क) संघटकों की फिनिश अच्छी होगी।

(ख) विबरिया गोली धातु पंथ (के अन्दर को जिससे गोलियों का स्वतन्त्र रूप से घूमना सुनिश्चित किया जा सके)।

(ग) स्पिडल शंकु और डिबरी पर चूड़ियां समुचित होंगी। जब तक कि अन्यथा चिनिटिड न हो हब कोरों के फ्रंट हब पर 16 स्पोक छिद्र और रियर हब पर 20 स्पोक छिद्र किए जाएंगे दोनों कोरों में छिद्र भलग-भलग होंगे और स्पोक सिरों को स्वच्छ रूप से सामंजित करने के लिए प्रत्येक कोर की दोनों ओर पर घुसे हुए होंगे। फिटिंग अनुचित झटकों या कसाव रहित होंगी। चूड़ी अच्छी तरह से बड़ी होंगी। स्पिडल डिबरी शंकु या कप या तो रासायनिक रूप से रंग किए हुए होंगे या उन पर परत चढ़ी होगी। हब शैल और कोर पर निकल और क्रोम की परत चढ़ी होगी जिससे भिक्स की परत की न्यूनतम मोटाई 0.008 मि.मी. होगी। धूल रोधी डिबरी धात्विक या अन्य किसी सफिल्ट धातु की हो सकती है। यदि डिबरी धातु की होगी तो उस पर निकल क्रोम की परत चढ़ी होगी या काली होगी। विशिष्ट अनुरोध पर स्पिडल गोली पंथ और शंकु का प्रयास प्राकृतिक फिनिश में ही किया जा सकता है।

3. कठोरता—

3.1 निम्नलिखित संघटकों को नीचे कथित न्यूनतम कठोरता प्राप्त करने तक कठोर किया जाएगा।

- (i) हब कप (चक्र प्रवाह) 5 किलोग्राम एफ पर 400 उच्च बोल्टता
- (ii) शंकु 5 किलोग्राम एफ पर 400 उच्च बोल्टता
- (iii) इस्पात की गोलियां 5 किलोग्राम एफ पर 800 उच्च बोल्टता

टिप्पण: इस्पात की गोलियां अच्छे कार्बन या अच्छे क्रोमियम इस्पात से चिनिमित की जाएंगी। गोलियां भारतीय मानक 2898-1976 के अनुसार अपघर्षण परीक्षण में समाधान प्रव रूप से पास होनी चाहिए।

4. परीक्षण—

4.1 सेंक्रेट्रीयता परीक्षण—फ्रंट और रियर हब के संयोजन अपनी धुरियों पर घुमेंगे। कोरों की सतहों पर हब शैल और गोली प्रवाह की केंद्रीयता 0.4 मि.मी. से अधिक नहीं होगी।

4.2 रियर हब संयोजन अपनी धुरी पर घुमेंगे। जब गेज चूड़ी-दार भाग की परिधि पर होंगे तो सेंक्रेट्रीयता 0.4 मि.मी. से अधिक नहीं होगी।

4.3 परत परीक्षण—

4.3.1 घासजन परीक्षण—परिशिष्ट-1 के अनुसार

4.3.2 फेरोक्सिल परीक्षण—परिशिष्ट-1 के अनुसार

20. फोर्कफिटिंग

1. डिजाइन और विमाएं—

1.1 डिजाइन और विमाएं क्रेता और विक्रेता के बीच करार के अनुसार होंगी। क्रेता की बोछा के अनुसार एक फोर्क के एक सेट में 5 से 7 टुकड़ों का बना होगा।

2. कारीगरी और फिनिश

2.1 कांटे की फिनिश चिकनी, खुदरेपन से खराबों और औजार के चिन्हों से मुक्त होगी। रेसरों की विवरिंग सतहों को समुचित रूप से पालिश किया जाएगा।

2.2 स्लू रेसरों और चैक नटों की चूड़ियां पूरी और सही होंगी

2.3 क्रोम का कप 'और' चैक नट पर निकल या क्रोम की परत चढ़ी होगी और वह दृश्यमान परत दोषों जैसे गड्ढों, उठानों, धुंधले धब्बों, बिना परत चढ़े भागों, दरारों या धब्बों से मुक्त होंगे।

3. कठोरता —

3.1 बाल रेसरे के निचले सिरे फ्राउन रोर और स्क्रूरेसर का 5 किलोग्राम भार पर न्यूनतम 400 उच्च बोल्टता प्राप्त करने के लिए उष्मा उपचारित किया जाएगा। इस्पात जोली की न्यूनतम कठोरता 5 किलो ग्राम एफ पर 800 उच्च बोल्टता होगी।

टिप्पण :—इस्पात की गोली का चिनिमाण अच्छे कार्बन और अच्छे क्रोमियम से किया जाएगा। गोलियां भारतीय मानक :—

2898-1976 के अनुसार अपघर्षण परीक्षण में समाधान-प्रव रूप से प्राप्त होनी चाहिए।

21. भार कैरियर

1. डिजाइन और विमाएं—

1.1 डिजाइन और विमाएं क्रेता और विक्रेता के बीच करार के अनुसार होंगी।

2. कारीगरी और फिनिश :—

2.1 भार कैरियर नुकीले किनारों, खुदरेपन और अन्य चिनिमाण दोषों से मुक्त होंगे।

2.2 भार कैरियर को पूर्ण रूप से भाफ किया जाएगा ताकि यह जंग, खराबों, तैलीय पदार्थों से मुक्त हो और फिर उस पर रासायनिक फास्फर या स्टोथ एप्लेस, रंगीन छिड़काव किया जाएगा या अन्यथा अच्छे परिरक्षण करने के लिए परिरक्षित किया जाएगा। कैरियर पर कैंडि-यम या निकल और क्रोम की परत चढ़ी हो सकती है।

2.3 पैटिंग मुरियों, उठानों असमानताओं या खरोचों से मुक्त होगा। परत दृश्यमान परत दोषों जैसे गड्ढों, उठानों, धुंधले धब्बों, बिना परत चढ़े भागों, दरारों या धब्बे से मुक्त होगी। परत आश्रयित धातु पर अच्छी तरह से आसक्ति होगी और रक्षा रहित होगी।

3. परीक्षण :-

3.1 भार कैरियर में लगाए गए स्प्रिंग के ठोस गुण का परीक्षण कैरियर को 50 बार खोलकर और बंद करके किया जाएगा। इस परीक्षण के उपरोक्त कैरियर के कार्य करने में कोई बिपरीत प्रभाव नहीं दिखना चाहिए। यह परीक्षण केवल स्प्रिंग वाले भार कैरियर पर लागू होगा।

3.2 नमक घोल परीक्षण—I के अनुसार

3.3 आसंजन और फेरोक्सिल परीक्षण—II के अनुसार

22. हैडिल बार

1. सामग्री :-

1.1 हैडिल बार मोड़ और स्तम्भ (स्टैम) ई आर/डब्ल्यू इस्पात की ट्यूबों का बना होगा।

2. डिजाइन और विमाण :-

2.1 डिजाइन और विमाण निम्नलिखित अपेक्षाओं के अधीन रहते हुए, क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी :

हैडिल बार स्तम्भ का बाहरी व्यास—22.28 मि. मी.
22.09 मि. मी.

3. कारीगरी और फिनिश :-

3.1 हैडिल बार स्तम्भ बीच के छत्ते पर चौकोर फिट किया जाएगा। मुड़े हुए भाग पर विकृत व्यास में 2.0 मि. मी. से अधिक नहीं होगी।

3.2 छीवर शेलका का संचालन बिना किसी हकावट और हिलाने के होगा।

3.3 विस्तारक बोन्ट पर 7.94×26 टी पी आई की बुद्धियां होंगी। तार की लम्बाई 35 मि. मी. से कम नहीं होगी। बोन्ट का संयोजित शंकू और बाणर होगा। शंकू की न्यूनतम मोटाई 9 मि. मी. और विस्तृत परिधि 19.5 मि. मी. और 206 मि. मी. की होगी। कोण पर टेपर 5° से 7° के बीच में होगा। बाणर की न्यूनतम मोटाई 1.5 मि. मी. होगी।

3.4 हैडिल बार का उपयुक्त दस्ती मूठ पर फिट किया जाएगा। मूठ आकार और आकृति एक बार होगी और विनिर्माण दोषों से मुक्त होगी। हैडिल बार के सभी पुंज निकल और क्रोम की परत चढ़े होंगे। दस्ती छड़ों की परत में निकल के परत की मोटाई 0.0008 मि. मी. से अधिक नहीं होगी। यदि विदेशी क्रेता द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से अपेक्षा की गई हो तो विद्युत—ग्राह्यनीकृत स्प्रिंग भी अनिवार्य होंगी।

4. परीक्षण :-

4.1 श्रम परीक्षण—कमानी की श्रम गुण का पूर्ण परीक्षण 50 बार लीवर छड़ों की पूर्णतः दबाने और छोड़ने से किया जाएगा लीवर छड़ 50 संचालनों के पश्चात् साधारण स्थिति में आ जाएगी।

4.2 भार परीक्षण :- हैडिल बार दस्ती स्तम्भ पर (एकड़ बिन्दु में लगे हुए विस्तारक बोन्ट और शंकू और स्तम्भ को हटाने के पश्चात्) इस रीति से लगाया जाएगा कि स्तम्भ उध्वर्क हो और शाफ्ट व्यास जो 56 मि. मी. है से ढाई गुने के बराबर गहराई तक फिक्सिंग बिन्यामों में प्रविष्ट हो। 45 किलो ग्राम भार (बच्चों की सारकियों के लिए 35 किलोग्राम) मिरे (बाएं से बाएं) से 13 मि. मी. दस्ती के प्रत्येक मिरे पर धीरे-धीरे और साथ-साथ लागू किया जाएगा और उसी अवस्था में 60 मिनट के लिए छोड़ दिया जाएगा। हैडिल बार के सिरों पर स्थायी सैट बच्चों की साइकिल के लिए 2.50 मि. मी. 2 मि. मी. से अधिक नहीं होगा।

4.3 विद्युत लेपन :-

4.3.1 आसंजन परीक्षण :- परिशिष्ट—I के अनुसार

4.3.1 फेरोक्सिल परीक्षण :- परिशिष्ट—II के अनुसार

23. चैन गाई

1. डिजाइन और विमाण :-

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी।

2. कारीगरी और फिनिश :-

2.1 चैन गाई का पूर्ण रूप से साफ किया जाएगा जिसमें कि वह जंग, खरोचों और तेलीय पदार्थों से मुक्त रहे। और फिर रासायनिक रूप से कास्फेट और स्टीव एनैमल, पेंट छिड़काव किया जाएगा या अन्यथा समकदार परिरूपण करने के लिए निकल और क्रोम की परत चढ़ाया जाएगा।

2.2 पैटिंग मुरियों, उठानों, विषमताओं और खरोचों से मुक्त होगी। परत दृश्यमान दोषों से मुक्त होगी।

3. परीक्षण :-

3.1 लक्षण बोल परीक्षण—परिशिष्ट—I के अनुसार

3.2 आसंजन और फेरोक्सिल परीक्षण—परिशिष्ट—II के अनुसार

24. चैन

1. डिजाइन और विमाण :-

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार $1/2'' \times 1/8''$ (12.7/3.00 मि. मी.) जंजीरों के लिए निम्नलिखित अपेक्षाओं के अधीन रहते हुए होगी।

(क) रोलर का अधिकतम व्यास—7.75 मि.मी.

(ख) आन्तरिक कड़ी के उपर अधिकतम चौड़ाई 5.89 मि.मी.

(ग) बाहरी प्लेटों के मध्य की न्यूनतम चौड़ाई 5.75 मि.मी.

(घ) बियरिंग पिन के उपर अधिकतम चौड़ाई 10.16 मि.मी.

(ङ) 12.7 किमी के भार के ± 2.1 मि.मी.

अंतर्गत चैन की लम्बाई पर सह्यता—0.0 मि.मी.

2. कारीगरी और फिनिश :-

2.1 संघटक खुरदरेपन और नुकाले किनारों से मुक्त होंगे। चैन पर जंग रोधी तेल या ग्रीस का लेप किया जाएगा।

3. कठोरता—

3.1 चैन की कतिपय संघटकों की कठोरता निम्नलिखित होगी।

(क) पिन-5 किलोग्राम एक भार पर 460 उच्च बोस्टता न्यूनतम

(ख) प्लेट और बुश/रोलर-5 किलोग्राम एक भार पर 384 उच्च बोस्टता न्यूनतम

4. परीक्षण—

4.1 तनन परीक्षण—चैन में 127 मि.मी. लम्बे फटे भाग परीक्षण मशीन के निकलों से जोड़े जाएगा और अक्षीय खिंचाव किया जाएगा। चैन 820 किलोग्राम से कम भार पर नहीं टूटेगी।

25. मार्शकिल स्टील

1. डिजाइन और विमाण :-

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी।

2. कारीगरी और फिनिश--

2.1 स्टेड नुकोले किनारों, खुरचुरेपन और अन्य विनिर्माणकारी ढाँचों से मुक्त होंगे।

2.2 स्टेड को अच्छी प्रकार से साफ किया जाएगा जिससे कि वह जंग खरोचों तथा तैलीय पदार्थों से मुक्त हों, और फिर रासायनिक रूप से काफिर किया जाएगा और स्टील एनेमल रंग स्प्रे किया जाएगा या अन्यथा समकदार फिनिश के लिए अच्छी फिनिश की जाएगी। स्टेड पर भी कंडमियम या निकल ओर क्रोम की परत बढ़ी होगी।

2.3 पेंटिंग, झुरियाँ, उठानों विषमताओं और खराबों से मुक्त होगा। परत वृक्षमान परत दोषों जैसे गड्ढों, उठानों, धूँधलों, धब्बों, बिना परत चढ़े भागों, दरारों या धब्बों से मुक्त होंगे। परत मूल धातु पर मजबूती से जमी होगी और जंग रहित होगी।

3. परीक्षण—

3.1 साइकिल स्टेड में प्रयुक्त स्प्रिंग के श्रम गुण की जांच स्टेड के 50 बार कार्य करने से की जाएगी। इस परीक्षण के पश्चात्, स्टेड के कार्य करने में कोई दोष नहीं दिखना चाहिए।

3.2 लवण धोल परीक्षण-परिशिष्ट-I के अनुसार

3.3 आसंजन परीक्षण-परिशिष्ट-I के अनुसार

26-फ्रेम

1. सामग्री—

1.1 चैन स्टे और सीट स्टे को संभालने वाला फ्रेम ई. आर. डब्ल्यू. इस्पात की ट्यूब से बनाया जाएगा। अक्षरण और कर्णक मृदु दरपान से बने होंगे।

1.2 बी.बी. गैल मृदु इस्पात से या अधातवर्धन टलवा लोहे में से बना हुआ होगा और बी.बी. गैल पर चूड़ियाँ 24 टी पी आई या 26 टी पी आई की होंगी।

2. डिजाइन और विमाण—

2.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होंगे।

3. कारीगरी और फिनिश--

3.1 ट्यूबों को अपनी-अपनी लम्ब पर सही रूप से लगाया जाएगा और निचले ब्रिकिट की धुरी फ्रेम की सतह पर लम्बाकार होंगी।

3.2 फ्रेम को जंग, खरोचों और तैलीय पदार्थों से मुक्त करने के लिए बालू विस्फोटक न्यूनीकृत विस्फोटक या पिकॉसिंग से अच्छी तरह साफ किया जाएगा इसको फिर रासायनिक रूप से जंग रोधी बनाया जाएगा और समकदार फिनिश करने के लिए स्टील एनेमल किया जाएगा।

3.3 पेंटिंग के पश्चात् चूड़ी पर ग्रीस लगाई जाएगी।

4. परीक्षण—

4.1 फ्रेम के निम्नलिखित परीक्षण किए जाएंगे।

4.1.1 ध्वनि परीक्षण--फ्रेम को 1/2 किलोग्राम के इस्पात के हथौड़े से जोड़ों के निकट टकराया जाएगा और उसमें धात्विक ध्वनि उत्पन्न होनी चाहिए।

4.1.2 संरक्षण परीक्षण--फ्रेम का उचित संरक्षण किया जाएगा और समुचित फिक्सचर की जांच की जाएगी।

4.1.3 भार परीक्षण--इस परीक्षण के लिए फ्रेम पर चैन स्टे बीच पर लप चढ़ें हुए उचित कर्णक पर इस रीति से किया जाएगा कि जिससे कि वह रोलर आलंक पर टिक सकें फ्रेम को उम बिन्दुओं पर जहाँ हैंडिल भार और सीट जुड़े हैं : क्रमशः 23 किलोग्राम एफ तथा 82

किलोग्राम एफ का भार लादा जाएगा। भार में (बच्चों की साइकिल के लिए 75 किलोग्राम एफ) 100 किलोग्राम एफ और 350 किलोग्राम एफ (बच्चों की साइकिल के लिए 260 किलोग्राम एफ); वृद्धि की जाएगी अधिकतम भार दो मिनट के लिए रखा जाएगा और फिर हटा लिया जाएगा। पहले परीक्षण में देखी गई किसी भी विकृति पर सौर नहीं किया जाएगा और फ्रेम के पश्चात्-वार्ता तीन परीक्षणों में निचले ब्रेकेट पर 0.15 मि.मी. से अधिक कोई भी दृश्यमान विकृति नहीं होनी चाहिए।

4.1 पेंटिंग के लिए परीक्षण--

(क) बॉल ड्रप परीक्षण--परिशिष्ट-1 के अनुसार

(ख) लवण धोल परीक्षण--परिशिष्ट-1 के अनुसार

27. पश्च दृश्य वर्णण--

1. डिजाइन और विमाण--

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होंगे।

2. कारीगरी और फिनिश--

2.1 वर्णण धारों और से.टीक प्रकार से लगाया जाएगा पृष्ठ भाग धातु साइकिल पी.वी.सी. या किसी भी समुचित सामग्री का बना होगा जो नुकीले कोनों और किनारों से मुक्त होगा।

2.2 फ्रेम व कांच के बीच में किसी प्रकार की अवरोध नहीं होगी।

2.3 वर्णण में समुचित स्थायी छड़ स्थायी क्लिप और नट लगी होगी।

2.4 वर्णण के चारों ओर लगी छड़ क्लिप और धातु पर निकल तथा क्रोम की परत चढ़ी होगी या एनोडकृत होगी परत ही तो वृक्षमान परत दोषों जैसे गड्ढों, उठानों, धूँधलों धब्बों या बिना परत चढ़े भागों, दरारों या धब्बों से मुक्त होंगे। लगाने वाला क्लिप भी पी.वी.सी. खड़ की बनी होगी।

2.5 लगाने वाली छड़ और डिबरी पर उचित चूड़ियाँ होंगी।

28. रिम टेप और बकल

1. डिजाइन और विमाण--

1.1 डिजाइन और विमाण क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होंगे।

1.2 टेप निम्नलिखित के अनुसार होगी :-

(i) चौड़ाई न्यूनतम 11.0 मि.मी.

(ii) पूरी चौड़ाई में लम्बाई के अनुसार चूड़ियाँ होंगी न्यूनतम-18 अधिकतम-25

2. कारीगरी और फिनिश--

2.1 टेप ठीक प्रकार से बना होगा मृदुइस्पात से बने हुए बकल टिन किए हुए या गोल्डनीकृत होंगे बकल नुकोले किनारों और खुरचुरेपन से मुक्त होंगे।

3. परीक्षण--

3.1 20 सें.मी. पट्टी की लम्बाई पर पूर्ण चौड़ाई पर नापा गया टूटन भार 18 किलोग्राम एफ से कम नहीं होगा।

सभी साइकिल संघटकों की अनुरूपता के लिए नमूना लेना और मापदंड--

प्रत्येक परेपण के निरीक्षण के लिए नमूना लेने का कार्य और अनु-
रूपता के लिए मापदंड नोंचे दी गई सारणी के अनुसार होगा :-

सारणी

गॉट आकार	वाक्षुप और विमाओं की जांच के लिए नमूना आकार	अस्य सभी परीक्षणों के लिए नमूना आकार से निकाले जाने वाले उपनमूना आकार	दोषों की अनुसंधान संख्या स्तम्भ 2 के लिए	स्तम्भ 3 के लिए
50 तक	3	1	0	0
51 से 100 तक	5	1	0	0
101 से 300	3	2	0	0
301 से 500	13	3	1	0*
501 से 1000	20	3	1	0*
1001 से 3000	32	5	2	1
3001 और उसमें अधिक	50	6	3	1

*एक नमूने के असफल होने की वषा में 3 नमूने निकाले जाएंगे और यदि फिर कोई असफलता नहीं होती है तो परेपण पाम कर दिया जाएगा।

चिह्नन : जब तक केता विदेशी केता अस्यया विनिर्दिष्ट न करें पुर्जों पर विनिर्माता का नाम, व्यापार चिह्न या पहचान से पढ़ें जाने योग्य रूप से चिह्नित किए जाएंगे।

पैकिंग : केता के अनुबंध के अनुसार पुर्जों को इस रीति से पैक किया जाएगा जिससे कि बिना किसी हानि के उसके गंतव्य स्थान पर सुरक्षित पहुंचना सुनिश्चित हो जाए।

पैकिंग के लिए परीक्षण

परिशिष्ट

1. केवल ड्राप परीक्षण

(0 बल स्ट्रोक ड्रॉप मल के लिए)

13 मि.मी. व्यास की एक टोम इस्पात की बॉल बॉल के फ्रेम के किसी भी पैट किए हुए भाग पर 1.5 मीटर की उंचाई से गिराया जाएगा। उस स्थान पर पैट जहां इस्पात की बॉल फ्रेम से टकराई है वरार या पपड़ी का कोई भी चिह्न दिखाए बिना समाधान को सहन करेगा। तथापि, उन मामलों में जहां बॉल गिराने वाला परीक्षण किया गया है वहां यदि असफल हो जाते हैं या संवेह पूर्ण परिणाम देते हैं तो परीक्षण उसी नमूने पर किसी अन्य स्थान पर दोबारा किया जाएगा और परेपण उसी परेपण में से लिए गए दो और नमूनों पर फिर से किया जाएगा। यदि तीस परीक्षणों में से नमूने परीक्षण में असफल नहीं होते हैं तो परेपण को बॉल परीक्षण की अपेक्षाओं को पूरा करने वाला समझा जाएगा।

2. सबन घोल परीक्षण :

फ्रेम को नीचे विनिर्दिष्ट तापमान पर 5 प्रतिशत साधारणतया घोल में एक घंटे तक डुबोकर रखा जाएगा। रंग नरम नहीं होगा, पपड़ी युक्त नहीं होगा। और वह उसमें कोई परिवर्तन नहीं होगा।

काया इनेमल युक्त पेंट — 80° सेंटीग्रेड

अस्य इनेमल युक्त पेंट — 60° सेंटीग्रेड

विद्युत लेपन के लिए परीक्षण :-

1. आसंजन परीक्षण :-

परत पड़ी वस्तु का कटा हुआ टुकड़ा शिकजे पर कसा जाएगा और रेतों से कटे हुए टुकड़े पर इस रीति से रगड़ा जाएगा जिससे कि कुछ खूण इकट्ठा हो जाए। परत आधारित धातु पृथक नहीं होनी चाहिए।

2. फेरोक्सिमल परीक्षण :-

(i) एक अच्छी क्वालिटी का कागज सोखता कागज परीक्षित किए जाने वाले क्षेत्र के आकार का तें जो परीक्षण किए जाने वाली सतह को सोखने के लिए पर्याप्त हो।

(ii) साफ जिपेटिन (35° सेंटीग्रेड पर 30 ग्राम लीटर) के घोल के कागज के एक और समरूप परत चढ़ाए और उसे सूखने दें।

(iii) कागज की सतह पर गूदे एन ए सी एल घोल (30 ग्राम/लीटर) फैलाएं और उसे परीक्षा की जाने वाली सतह पर कागज की परत की हुई सतह की ओर से रख दें। सतह की एन ए सी एल घोल में गोले ब्रुश से एक समान ब्रुश करने हुए तर रखें।

(iv) 10 मिनट के पश्चात् कागज को हटा दें और पोटेशियम फेरोसाइनाइड (10 ग्राम/लीटर) के घोल में डुबो दें।

(v) कागज पर उत्पन्न नीले धब्बे परीक्षित क्षेत्र में रंगता सीमा का संकेत देने हैं।

(vi) 1000 प्रति मि. मी. में काले धब्बों की अधिकतम संख्या ड्रम परीक्षण की अपेक्षा को पूरा करने वाली समझी जाएगी।

टिप्पण :- यह परीक्षण करने के लिए केवल उन रंक्षों को गिना जाएगा जिन्हें बिना किसी सहायता के देखा जा सकता है।

उपाबंध--II

साइकिलों का प्रत्येक विनिर्माता, इससे संलग्न अनुसूची में दिए गए नियंत्रण स्तरों के साथ निम्नलिखित उत्पादों के विनिर्माण/परिरीक्षण और पैकिंग के विभिन्न प्रक्रमों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए साइकिलों का क्वालिटी नियंत्रण सुनिश्चित करेगा।

1. त्रय की गई सामग्री और संघटक नियंत्रण :-

(क) प्रयोग में की जाने वाली सामग्री या संघटकों के गुण धर्मों को समाविष्ट करने हुए विनिर्माता त्रय विनिर्देश तथा सह-यताओं के माथ-माथ ब्यौरेवार बिमाण अधिकृत करेगा।

(ख) स्वीकृत परेपणों के साथ त्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं को पूरा करने का उत्पादक परीक्षण प्रमाण-पत्र होगा या यदि ऐसा परीक्षण-प्रमाण पत्र नहीं है तो प्रत्येक परेपण में से नमूनों की त्रय विनिर्देशों से अनुरूपता की जांच करने के लिए नियमित रूप से परीक्षण किया जाएगा। उत्पादक के परीक्षण प्रमाण-पत्र की शुद्धता सत्यापित करने के लिए कम से कम पांच परेपणों में से एक की पुनः जांच की जाएगी।

(ग) जाने वाले परेषणों का सांख्यिकीय समूह योजना में क्रय विनिर्देशों में अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और परीक्षण किया जाएगा।

(घ) निरीक्षण और परीक्षण किए जाने के पश्चात् उचित पृथक्करण और दोषपूर्ण नमूनों के निपटाने के लिए व्यवस्थित प्रणाली अपनाई जाएगी।

(ङ) उपरोक्त वर्णित नियंत्रणों की बाबत पर्याप्त अभिलेख व्यवस्थित रूप में रखे जायेंगे।

2. प्रक्रिया नियंत्रण :-

(क) विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों पर विनिर्माता द्वारा, विस्तृत प्रक्रिया विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देश में अधिकथित प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त उपकरण तथा उपकरण की सुविधाएं होंगी।

3. उत्पाद नियंत्रण :-

(क) मानक विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद की जांच करने के लिए विनिर्माता के पास या तो अपनी परीक्षण सुविधाएं होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होगी जहां ऐसी सुविधाएं विद्यमान हों।

(ख) परीक्षण के लिए नमूना (जहां कहीं भी अपेक्षित हों) अभिलिखित अन्वेषणों के आधार पर होगा।

(ग) विनिर्माता, किए गए परीक्षणों की बाबत पर्याप्त अभिलेख नियमित और व्यवस्थित रूप से रखेगा।

4. मौसम विज्ञान संबंधी नियंत्रण :- उत्पादन और निरीक्षण में प्रयुक्त मेशों और उपकरणों की नियमकालिक जांच या उनका संशोधन किया जाएगा और अभिलेख बूत-कार्ड के रूप में रखे जाएंगे।

5. परिरक्षण नियंत्रण :-

(क) विनिर्माता, उत्पाद को मौसमी शर्तों के प्रतिकूल प्रभावों से सुनिश्चित करने के लिए ब्यौरेवार विनिर्देश अधिकथित करेगा।

(ख) भण्डारण और परिवहन, के दौरान उत्पाद को अच्छी तरह से परिरक्षित रखा जाएगा।

6. पैकिंग नियंत्रण :- उत्पादों को पैक करने और साथ ही निर्यात पैकेजों के लिए विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे और उनका दृढ़ता से पालन किया जाएगा।

अनुसूची

(नियम 4 (2) क देखिए)

नियंत्रण के स्तर

क्रम सं.	अपेक्षाएं	संदर्भ	परीक्षण किए जाने वाले नमूनों की संख्या	लाइट आकार
1	2	3	4	5
1.	धुरी संकेन्द्रीयता	प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देश	प्रत्येक	प्रत्येक पारी का उत्पादन
2.	हैंडिलबार भार परीक्षण	यथोक्त	एक	यथोक्त
3.	फ्रेम			
	(क) भार परीक्षण	यथोक्त	एक	यथोक्त

1	2	3	4	5
(ख) सत्यता	यथोक्त	प्रत्येक	यथोक्त	
4. चैन				
(क) प्रफ भार परीक्षण	यथोक्त	तीन	यथोक्त	
(ख) टूटन भार परीक्षण	यथोक्त	तीन	यथोक्त	
5. स्पोक और निष्पल	यथोक्त			
(क) बूटियां	यथोक्त	1% पर कम से कम 12	यथोक्त	
(ख) झुकाव परीक्षण (केवल स्पोकों के लिए)	यथोक्त	5% पर कम से कम 20	यथोक्त	
6. ब्रब विशेष परीक्षण	प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देश	पांच	प्रत्येक संयोजन मेश से प्रत्येक पारी का उत्पादन	
7. पेंडल संयोजन में स्पिडल झुकाव परीक्षण	यथोक्त	एक	प्रत्येक ताप का उत्पादन	
8. कैंक चैन पहिया संयोजन भार परीक्षण	यथोक्त	एक	प्रतिदिन का उत्पादन	
9. अगला बिमटा				
(क) भार परीक्षण	यथोक्त	एक	यथोक्त	
(ख) बिस्तार परीक्षण	यथोक्त	एक	यथोक्त	
10. सूक्त पहिया (फ्री स्पील)	यथोक्त			
(क) धुरी या त्रिज्या विशेष परीक्षण	यथोक्त	पांच	उमी संयोजन मेश पर प्रत्येक पारी का उत्पादन	
11. रिम :				
(क) संपीडन परीक्षण	यथोक्त	1% पर अधिकतम 5	प्रतिदिन का उत्पादन	
(ख) विद्युत लेपन :				
1. आसंजन	यथोक्त	एक	प्रत्येक बैच का उत्पादन	
2. मोटाई				
12. विद्युत लेपन :				
1. आसंजन	यथोक्त	एक	यथोक्त	
2. मोटाई				
13. पैकिंग	यथोक्त	तीन	प्रत्येक पारी का उत्पादन	

1	2	3	4	5
14. कारीगरी और कनिष्ठ	प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देश	प्रत्येक	प्रत्येक	प्रत्येक पारी का उत्पादन
15. संघटक और पुर्जे	प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देश	प्रत्येक		
(क) सहायताओं के अन्तर्गत विभाग				
1. विषय		प्रत्येक		
2. अर्थ	यथोक्त	अभिलेखित अन्वेषणों के आधार पर परीक्षा संख्या		
(ख) कार्यक्षमता	यथोक्त	यथोक्त		
(ग) कठोरता	यथोक्त	तीन	प्रत्येक जोड़न से प्रत्येक प्रभाग	
16. पैकेजिंग				
* (क) संरक्षण	यथोक्त	प्रत्येक		
** (ख) ड्राप परीक्षण	यथोक्त	एक	प्रति परेक्षण	
(ग) रोलिंग परीक्षण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(घ) जल फुहार परीक्षण	यथोक्त	यथोक्त	प्रति डिजाइन	

* पैकेजिंग की फिनिश अच्छी होगी और देखने में सुन्दर होगी।

** पैकेज इस प्रकार का होगा जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आंतरिक वस्तुएं नीचे दिए गए ड्राप परीक्षण, रोलिंग परीक्षण और जल फुहार परीक्षण में सही उत्तरेंगे। ड्राप परीक्षण (केवल मुख्य भागों तक निर्बाधित)

150 से. मी. की ऊंचाई से गिराया जाने वाला पैकेज एक बार सबसे बड़ी समतल सतह पर एक बार सबसे लम्बे किनारे पर और एक बार उसके किसी भी कोने पर गिराया जाएगा।

रोलिंग परीक्षण :- (केवल 500 किलोग्राम भार तक के भार तक निर्बाधित) पैकेजों को किसी भी ओर से 6 मीटर दूरी की ओर तथा 6 मीटर पीछे की ओर या 12 मीटर एक ही दिशा में लुढ़काया जाएगा।

जल फुहार परीक्षण :- पैकेज को एक मिनट के लिए सामान्य आकस्मिक मानसून बौछार के समतुल्य जल फुहार में रखा जाएगा।

[फाइल सं. 6 (2)/85-ई.पी.सी.]

एन. एस. हरिहरन, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE ORDER

New Delhi, the 19th October, 1985

S.O. 4919.—Whereas the Central Government is of the opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient so to do for the development of the Export Trade of India, that the Bicycles shall be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and

has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, and in supersession of the Notification No. S.O. 4356, dated the 5th December, 1967, excepts as respects things done or omitted to have been done before such supersession, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby;

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within fortyfive days from the date of publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, 11th floor, Pragati Tower, 26, Rajendra Place, New Delhi-8.

PROPOSALS

(1) to notify that Bicycles shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) to specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Bicycles (Quality Control and Inspection) Rules, 1985, set out in Annexure I to this Order as the type of quality control and inspection, which shall be applied to such bicycles prior to export.

(3) to recognise :—

(a) National and International Standards and standards of other bodies recognised by Export Inspection Council.

(b) the specifications of the export contract as agreed upon between the buyer and the seller subject to the minimum of the specifications set out in Annexure-II of this order.

as the standard specifications for the Bicycles.

(4) to prohibit the export, in the course of international trade of such Bicycles unless the same are accompanied by a certificate of inspection issued by any of the Agencies established or recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that Bicycles satisfy the conditions relating to quality control and inspection and are exportworthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export to samples of Bicycles by land, sea or air upto a value of Rs. 500 (Rupees Five hundred only).

4. In this notification, 'Bicycle' shall mean a two or three wheeler vehicle having a random arrangement of wheels, a saddle for the rider, a steering handle and crank for its propulsion by the feet of the rider and shall include its spare parts, components and accessories.

ANNEXURE - I

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), in supersession of the notification No. S.O. 4357, dated the 5th December, 1967, excepts as respects things done or omitted to have been done before such supersession.

1. Short title.—(1) These rules may be called the Export of Bicycles (Quality Control and Inspection) Rules, 1985.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Act at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras;

- (d) "Schedule" means the Schedule appended to these rules;
- (e) "Appendix" means an appendix to these rules.
- (f) "Bicycles" shall mean a two or three wheeler vehicle having a tandem arrangements of wheels, a saddle for the rider, a steering handle and crank for its propulsion by the feet of the rider and shall include its spare parts, components and accessories.

3. Basis of Inspection.—Inspection of the Bicycles shall be carried out with a view to ensure that the quality of the Bicycles conform to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, namely :—

- (a) National and International Standards and standards of other bodies recognised by Export Inspection Council.
- (b) the specifications of the export contract as agreed upon between the buyer and the seller subject to the minimum of the specifications set out in Annexure-II.

4. Procedure of Inspection.—(1) Inspection of the Bicycle shall be carried out with a view to seeing that the Bicycles conform to the specifications recognised by the Central Government.

either

- (a) by ensuring that during the process of manufacture the Inprocess Quality Control drills as specified in Appendix-II under sub-rule 2(a) of rule 4 have been exercised.

or

- (b) on the basis of inspection carried out in accordance with sub-rule 2(b) of rule 4.

or

- (c) by both.

(2) Any one or both of the following schemes shall be adopted namely :—

- (a) In-process Quality Control (IPQC) :

- (i) any manufacturing unit having adequate IPQC as per Appendix-II shall apply to the nearest office of the Agency.
- (ii) the agency shall then arrange a visit to the manufacturing unit by a panel of experts constituted by the Council and assess as to whether an effective IPQC system is existing therein.

- (b) Consignmentwise Inspection :

Any manufacturer or exporter not satisfying the requirements specified in clause (a) shall offer to any agency their export consignment for inspection which shall be done to ensure that the product manufactured by it conforms to the specifications recognised by Central Government.

(3) Any exporter intending to export a consignment of the Bicycles shall give an intimation in writing of his intention of the specifications giving details of all technical characteristics as stipulated in the export contract relating to such export to any of the Agencies to enable it to carry out inspection in accordance with clause (a) or clause (b) or both the clauses of sub-rule (2) of rule 4.

(4) For export of the Bicycles manufactured by units approved under clause (a) of sub-rule (2) the export shall furnish alongwith such intimation a declaration that the Bicycles intended for export have been manufactured by exercising adequate quality control as laid down in Appendix-II and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised under section 6 of the Act for this purpose.

5. Every intimation and declaration under sub-rule (3) and (4) shall reach the office of the Agency not less than

three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.

(6) The exporter shall furnish to the Agency the identification marks applied on the consignment to be exported.

(7) On receipt of the intimation and declaration, the Agency,—

- (a) in the case of an exporter exporting products manufactured by units approved under clause (a) of rule 4 on satisfying itself that during the process of manufacture the unit has exercised adequate quality control as provided under Appendix-II and followed the instructions, if any, issued by the Council in this regard, shall within three days issue a certificate declaring the consignment as exportworthy. However, the Agency shall ensure through periodic inspections and spot-checks that adequate controls are exercised at the manufacturing premises and products conform to the recognised specifications, and
- (b) in case of exporter exporting products manufactured by units falling under clause (b) of sub-rule (2) of rule 4 shall carry out inspection of the Bicycles with a view to ensuring that the products conform to the specifications recognised for the purpose.
- (c) After completion of inspection, the Agency shall immediately seal packages in the consignment in a manner so as to ensure that the sealed packages cannot be tampered with.
- (d) In case of rejection of a consignment, if the exporter so desires, the consignment may not be sealed by the Agency.
- (e) In such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.
- (f) If the Agency is satisfied that the consignment of the Bicycles complies with the requirement under these rules it shall within three days of completion of inspection issue a certificate to the exporter declaring that the consignment is exportworthy :

Provided that where the Agency is not so satisfied it shall refuse to issue a certificate to the exporter declaring the consignment of Bicycles as exportworthy and communicate such refusal within seven days to the exporter alongwith the reason therefor.

5. Place of Inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer of such products; or (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for inspection and testing exists therein.

6. Inspection Fee.—Inspection fee shall be paid by the exporter to the Agency as under :

- (i) (a) For exports under in-process quality control of the rate of 0.20 per cent of the F.O.B. value subject to minimum of Rs. 20 per consignment.
- (b) For exports under consignmentwise inspection at the rate of 0.4 per cent of the F.O.B. value subject to a minimum of Rs. 20 per consignment.
- (ii) Subject to a minimum of Rs. 20 per consignment the rate shall be 0.18 per cent and 0.36 per cent for (a) and (b) respectively for manufacturer-exporters who are registered as Small Scale Manufacturing Units with the concerned Governments of State/ Union Territories.
- (iii) For exports of items manufactured by the units having adequate in-process quality control levels and exported by merchant exporters at the rate of 0.3 per cent of F.O.B. value subject to a minimum of Rs. 20 per consignment.

7. Appeal—

- (i) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (3) of rule 4

may within ten days of the receipt of the communication of such refusal, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(ii) The panel shall consist of at least two thirds of non-officials of the total membership of the panel of Experts.

(iii) The quorum for the Panel of Experts shall be three.

(iv) The appeal shall be disposed of within fifteen days of express.

ANNEXURE—II

[See Rule 4(2)(b)]

1. BELL

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish

2.1 The parts shall be free from burrs, scratches and other manufacturing defects.

2.2 The bell dome and lever shall be nickel and chrome plated with a minimum nickel thickness of 0.008 mm on the outside. The plating shall be uniform and free from plating defects such as pits, blisters, unplated spots, cracks and stains. The plating shall adhere firmly to base metal and shall be non-porous. All other parts and inside of the dome shall be suitably treated to prevent rust. The lever may also be galvanised or zinc plated.

3. Performance

3.1 The bell shall operate smoothly and produce a clear ringing metallic sound.

4. Testing

4.1 Adhesion test—As per Appendix-I

Ferroxyl test—As per Appendix-I.

2. BOTTOM BRACKET AXLE

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :

	Type-I	Type-II
(a) Bearing portion dia	Min. 16.45 mm Max. 16.65 mm	16.45 mm 16.65 mm
(b) Crank portion dia	Min. 15.65 mm Max. 15.80 mm	15.80 mm 16.00 mm
(c) Thickness at cotter pin slot	Min. 12.60 mm Max. 12.90 mm	12.30 mm 12.70 mm
(d) The tolerances on overall length shall be ± 1.0 mm		
(e) The minimum distance between the end edge of the axle and the nearest edge of the cotter pin slot shall be minimum 3mm.		

2. Workmanship and finish

2.1 The axle shall be finished smooth, free from burrs, scratches and other manufacturing defects. The permissible eccentricity between the two bearing surfaces shall not exceed 0.30 mm.

2.2 The axle shall be chemically coloured or electroplated. When electroplated, the surfaces shall be free from plated defects such as pits, blisters, unplated spots and cracks.

3. Hardness

3.1 The axle shall be suitably heat treated. The hardness shall be between 400 HV and 800 HV at 30 kgf load.

3. BOTTOM BRACKET CUPS (Adjustable and fixed)

1. Design and dimensions

1.1 Design and dimensions of bottom bracket cups shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :

(a) The minimum inside depth and overall width of various types of cups shall be as follows :

	Min inside depth in mm	Overall width in mm
1. Fixed type I	10.5	13.9
2. Fixed type II	8.8	12.2
3. Fixed type III	8.50	12.50
4. Adjustable Type I	10.5	13.9
5. Adjustable Type II	10.0	13.4
6. Adjustable type III	10.50	13.90

(b) Inside diameter of the cups at the outer end—

Min. 29.8 mm
Max. 30.2 mm

2. Workmanship and finish

2.1 The cups shall be free from burrs, scratches and tool marks. The bearing portion shall be properly polished.

2.2 The thread shall be 34.8 x 24 TPI or 34.8 x 26 TPI or 35 x 1 mm pitch bicycle threads RH or LH or as required by the buyer, for adjustable and fixed cups as the case may be. The threads shall be fully formed and true. The maximum and minimum major diameter should be as per tolerances given in relevant IS specifications.

2.3 The cups shall be chemically coloured or electroplated. When electroplated, they shall be free from plating defects such as pits, blisters, unplated spots and cracks.

3. Hardness

3.1 The bottom bracket cups shall be suitably heat treated. The hardness shall be min. 400 HV at 30 kgf load.

4. BOTTOM BRACKET LOCK RING

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions of bottom bracket lock ring shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following

(i) Thickness—2.75 mm Min.

(ii) Inside threading shall be bicycle threads of 34.8x24 TPI or 26 TPI or 35 x 1 mm pitch RH or as required by the buyer.

2. Workmanship and finish

2.1 They shall be free from sharp corners, burrs and other manufacturing defects.

2.2 The threading shall be fully formed and true.

2.3 Ring shall be chemically coloured or electroplated. When electroplated, the same shall be free from plating defects such as pits, blisters, unplated spots and cracks.

5. BRAKES

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish

2.1 Brake parts shall be free from burrs and sharp corners. The rivetting shall be proper.

2.2 Brake links shall be drilled concentrically.

2.3 Threading of nuts and screws shall be proper.

2.4 Brake parts shall be either nickel and chrome plated or stove enamelled having a smooth finish or shall be galvanised. The plating shall be free from visible plating defects such

as pits, blisters, unplated spots, cracks or stains. Brake stirrup when nickel and chrome plated shall have a minimum nickel thickness of 0.006 mm and for children bicycle same shall be 0.005 mm.

3. Hardness

3.1 The hardness of brake shoe rubber shall be between 70° to 90° scleroscope.

4. Tests

4.1 Electroplating :

- (a) Adhesion test—as per Appendix-I
- (b) Ferroxy test—as per Appendix-I.

6. PUMPS

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish

- 2.1 The pump shall be free from burrs and sharp corners.
- 2.2 Threading in the pump connections and in the pump body shall be proper.
- 2.3 The working of the pump shall be smooth.
- 2.4 There shall be no leakage of air from the joint of pump connection to the body or the joint of connection with the tube.

2.5 The pump may be nickel and chrome plated with a minimum nickel thickness of 0.008 mm or stove enamelled to smooth finish. When plated it shall be free from visible plating defects such as pits, blisters, cloudy patches, unplated spots, cracks or stains.

2.6 The plating shall firmly adhere to the base metal and shall be non-porous. When pointed it shall withstand the test give at 3.2 and when nickel and chrome plated it shall meet the requirements given at 3.3.

3. Tests

- 3.1 Performance test—The pump shall be capable of developing a pressure of 1 kg/cm².
- 3.2 Salt solution test—As per Appendix-I
- 3.3 Electroplating
 - (a) Adhesion test—As per Appendix-I
 - (b) Ferroxy test—As per Appendix-I.

7. CHAINWHEEL AND CRANK

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following requirements :—

	Type-I	Type-II
(a) Gear Case clearance	Min 8.9 mm	Min. 8.9 mm
(b) Diameter of axle hole	Min. 15.80 mm Max. 15.95 mm	Min. 16.0 mm Max. 16.15 mm
(c) Diameter of cotter pin hole	Min. 9.4 mm Max. 9.7 mm	Min. 9.0 mm Max. 9.15 mm
(d) Thickness of the crank at the pedal hole	Min 9.5 mm	Min. 9.30 mm
(e) Thickness of the LH crank at the B.B. axle hole	Min. 17.5 mm	Min. 17.50 mm

- (f) Wall thickness of the crank around B.B. axle hole. Min 6.15 mm (Minimum 5.00 mm for children bicycle)
- (g) Circular pitch of the teeth of chainwheel 12.70 mm shall be checked with corresponding chain.
- (h) Threading on pedal axle hole. 14.3 × 20 TPI or 14.00 × 1.25 mm pitch LH or RH, for LH and RH crank respectively.
- (i) Tolerance on overall length of the crank shall be ± 3 mm.
- (j) Distance between centre line of the B. B. axle hole and the centre line of cotter pin hole shall be between 8 mm to 8.4 mm.
- (k) Thickness of the chainwheel shall not be less than 2.64 mm.

2. Workmanship and finish

2.1 The crank shall not have any forging defects such as cracks, pits and scales. The crank shall be finished smooth and sharp edges rounded off.

2.2 The chainwheel shall be true in one plane. The teeth shall be accurate and true and suit the bicycle chain. The chain wheel shall be free from burrs, cracks and other defects and concentric with the hole of the crank for central axle.

2.3 The crank and chainwheel shall be nickel and chromium plated. The minimum thickness of plating shall be 0.008mm for nickel. The plated surface shall be free from visible plating defects such as pits, blisters, unplated spots, cracks or stains. The plating shall adhere firmly to the base metal and shall be non-porous.

3. Tests

3.1 Electroplating

- 3.1.1 Adhesion test—as per Appendix-I.
- 3.1.2 Ferroxy test—as per Appendix-I.

3.2 Load test—The crank chainwheel assembly shall be rigidly fixed in a plane vertically having the crank horizontal and weight shall be applied through the hole for pedal spindle. The assembly shall sustain a weight of 180 kg at the pedal hole without breaking or yielding of the joints. For children bicycles the Assembly shall sustain a weight of 150 kg at the pedal hole without breaking or yielding of the joints.

8. COTTER PINS

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :

	Type I	Type II
(a) Minimum length of tapering portion	18 mm	18 mm
(b) Thickness at the smaller and of taper.	Min. 7.4 mm Max. 7.8 mm	Min. 7.0 mm Max. 7.40 mm
(c) Diameter of the bigger end of the taper	Min. 9.3 mm Max. 9.55 mm	Min. 8.80 mm Max. 9.00 mm
(d) Minimum length of threaded portion	— 10 mm	
(e) Threading—6.7 × 26 TPI or 7 × 1 mm pitch RH. The cotter pin shall be supplied with suitable washers and nuts.		

2. Workmanship and finish

2.1 The slope and cut of the cotter pins shall be uniform and facilitate accurate and tight fitting of the cranks on the centre axle.

2.2 The threading shall be smooth and accurate so as to facilitate tightening of the nuts to keep the cranks free from any shake or play.

2.3 Cotter pins, washers and nuts shall be either chemically coloured or coated with zinc, cadmium or nickel chrome.

9. DYNAMO

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per the agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish

2.1 The components shall be free from burrs and sharp corners.

2.2 Magnet should run free and true on its axis. The maximum eccentricity shall not be more than 0.2mm (0.008").

2.3 The synthetic bearing shall run concentric with maximum eccentricity of 0.05mm.

2.4 The eccentricity of the roller in the assembly shall not exceed 0.05mm.

2.5 (i) The dynamo head and tail light shall be nickel and chrome plated with a minimum nickel thickness of 0.01 mm. The plating shall be free from visible plating defects such as pits, blisters, cloudy patches, unplated spots, cracks or stains. The plating shall firmly adhere to the base metal and shall be non-porous.

(ii) The tail light and head lamp may be made out of any suitable plastic.

(iii) The dynamo tail light and head light may be enamelled also.

2.6 The inside of the head and tail light shall be provided with anti-rust coating.

2.7 The dynamo shall be supplied with suitable head and tail light fitted with bulbs, dynamo clamp, body set clamp and connecting wires.

3. Tests

3.1 (i) Performance test—(a) the dynamo shall be tested at a speed of 10 mph or 16 km/H. and the voltage generated shall not vary by more than $\pm 10\%$ of its rated voltage.

(b) The bracket shall be operated 50 times for checking the performance of spring which will not show any sign of damage at the end of the test.

(ii) Electroplating—

(a) Adhesion test—as per Appendix-I

(b) Ferroxyf test—as per Appendix-I.

10. SPOKES AND NIPPLES

1. Material

1.1 The spokes shall be made from galvanised high carbon steel wire having an ultimate tensile strength of not less than 105 kg/mm².

2. Design and dimensions

2.1 The design and dimensions of the spokes and nipples shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following dimensions and tolerances:

Spoke	
(a) Nominal wire dia	± 0.03 mm
(b) Total length	± 1.0 mm
900 GI/85—23	

(c) Threaded length min.	10.00 mm
(d) Angle of bend	$95^\circ \pm 5^\circ$ $- 0^\circ$

Nipples

(a) Total length min. 10.5 mm

(b)

Spoke wire mm	15 G	14 G	13 G	12 G	10 G
	(1.8 mm)	(2.0 mm)	(2.3 mm)	(2.64 mm)	(3.25 mm)
Nipple head dia mm	6.0	6.0	7.3	7.3	9.2
Square portion mm	3.26	3.29	3.8	3.8	5.0

Tolerance on nipple head dia ± 0.5 mm
— 0.1 mm

Tolerance on square portion ± 0.13 mm

3. Workmanship and finish

3.1 Threading on the spokes should be such as to ensure smooth fit between the nipple and spoke and to ensure interchangeability.

3.2 The spokes shall be supplied either galvanised or nickel plated.

3.3 The nipple shall be nickel plated and shall be free from visual defects.

3.4 The washer may be galvanised, tinned or plated.

4. Tests

4.1 Bend test—The spoke shall be bent backward and forward for atleast 3 times through an angle of 180° over a radius equal to its own diameter without showing any sign of fracture. The first bend of 90° shall not be counted.

4.2 Coating Test

The spokes after being cleaned with methylated spirit shall be subject to one dip of 30 seconds duration in copper sulphate solution of specific gravity 1.86 (at $18 \pm 2^\circ\text{C}$). The spoke at the end of the test shall not show any red deposit after washing in water.

4.3 Electroplating

Adhesion test—As per Appendix-1.

11. FREE WHEEL

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions of free wheel shall be as per agreement between the buyer and the seller. The shape of the teeth on the sprocket shall be such as to suit the bicycle chains.

1.2 The main body shall have bicycle threading of 4.8" 24TPI or 34.7x1mm pitch for fitting on the rear hubs. The tolerance as given in relevant IS or BS will be followed on thread gauges for checking the threads on the freewheel. For children bicycle the main body shall have bicycle threading 0.970"x20 TPI or its equivalent.

2. Workmanship and finish

2.1 The inside of ball faces shall be finished smooth to ensure free running of balls.

2.2 The components shall be thoroughly washed and the ball races charged with grease before assembly.

3. Hardness

3.1 The components shall be hardened to a minimum hardness as stated under:

- (i) Freewheel Chain Sprocket— 400 HV at 5 kgf load
- (ii) Screw bezel — 400 HV at 5 kgf load
- (iii) Main body — 400 HV at 5 kgf load
- (iv) Steel balls — 890 HV at 5 kgf load
- (v) Pawls — 444 HV at 5 kgf load

Note : Steel ball shall be manufactured from high carbon, high chromium steel. The balls shall satisfactorily pass the crushing test as per IS : 2898-1976.

4. Tests

4.1 Rotation test.—The freewheel shall rotate freely without undue friction and shake.

4.2 Deflection test.—The freewheel when suitably mounted the chain sprocket rotated, shall not have an axial or radial deflection of more than 0.4mm. For multispeed free wheels the maximum permissible axial and radial deflection shall be 0.8 mm and 0.5 mm respectively. The deflection shall be measured at the circular edge of the freewheel. Freewheels when checked at tooth bottom for both radial and axial deflection, the value should not be more than 0.5 mm both for radial and axial deflection.

12. FRONT FORK

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :

- (a) Fork column shall be made out of 25.4 × 1.62mm Tube.
- (b) The inner diameter of the column shall be reamed to size 22.83 mm max. and 22.25 mm min.
- (c) Minimum threading length on the column shall be 25mm.
- (d) The diameter of the fork corner shall be between 26.67 mm and 26.77 mm or between 27.00 and 27.10 mm. For children bicycle the diameter of the fork corner shall be 26.75mm ± 1mm or 27.10 ± 1mm.
- (e) The minimum distance between the fork legs at a distance of 50.8mm from the base of the crown shall be not less than 50.8mm.
- (f) Threading of fork column shall be 25.4 mm × 24.26 TPI or its equivalent.

2. Workmanship and finish

2.1 The stem and the two legs of the fork shall be fitted squarely through liners into the fork crown and the joints shall be properly brazed. The two legs shall be symmetrical with the centre line of the stem.

2.2 The axis of the hub shall be perpendicular to the centre line. The fork ends shall be parallel and square, the threads shall be so formed as to facilitate easy fitting and replacement.

2.3 The forks shall be thoroughly cleaned, rust-proofed. Stove enamelled or electroplated to give a good finish. The painting shall be smooth and free from defects.

2.4 Crown cover shall be made out of either brass or steel suitably electroplated.

3. Tests

3.1 The fork shall be tested for the following

3.1.1 Sound test for brazing.—The fork shall be struck with a steel hammer of 1/2kg. on the legs and the column. The sound shall be clear.

3.1.2 Load test.—The fork shall be clamped rigidly on its stem with its axis horizontal and the fork leg ends turned upward keeping the fork crown clear of the clamp jaws by 8mm. A vertical load shall be applied on the fork ends, just where the front hub axle is to be fitted so that the load acts on both ends equally. The load shall be increased gradually until it reaches 45 kg. (For children bicycle the load shall be 40 kg.). The fork shall be kept in this loaded state for 30 seconds. The fork with box-type crown shall not show a

permanent set of more than 1.6mm at the point of loading after the load is removed. For other designs of forks like double tube, eyelet type and spools type, the permanent set shall not be more than 2.5mm.

3.1.3 Expansion test.—The distance between the free ends of a fork legs when expanded by 13mm (10mm for children bicycle) by pushing them over a mandrel or any suitable device, shall not show any measureable permanent increase under ordinary methods of measurement.

3.1.4 Test of painting—

- (a) Ball drop test—as per Appendix-I.
- (b) Salt solution test—as per Appendix-I.

3.1.5 Electroplating—

- (a) Adhesion test—as per Appendix-I.
- (b) Ferroxyl test—as per Appendix-I.

13. SEAT PILLARS

1. Design and dimensions

1.1 The seat pillars shall be made from steel tubes. The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following requirements—

- (i) Overall length — Minimum—125 mm
- (ii) Neck length — Minimum—38 mm
- (iii) Thickness of tube — Minimum — 1.0 mm
- (iv) Outer diameter of neck portion — 22.22 ± 0.5 mm
- (v) The larger diameter of the seat pillar shall be either 25.4 ± 0.3 mm or 26.34 ± 0.3 mm.

2. Workmanship and finish

2.1 The seat pillars shall have smooth finish and shall be chemically coloured, zinc or cadmium plated, enamelled or nickel and chromium plated. In case of nickel plating the minimum thickness of plating shall be 0.006mm.

3. Tests

3.1 Electroplating

- 3.1.1 Adhesion test—As per Appendix-I.
- 3.1.2 Ferroxyl test—As per Appendix-I.

14. SADDLE

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish

2.1 All the pressed and machined components shall be free from sharp corners and burrs.

2.2 Threading shall be smooth and proper.

2.3 Rivetting shall be sound and proper.

2.4 Springs and other parts shall be either chemically coloured, galvanised, blackened or nickel or chrome plated.

3. Test

3.1 The set shall be made of leather or any other synthetic material. The top side of the saddle shall be properly finished so as to be free from any cuts or other visual defects.

3.2 Colour fastness.—A piece of air dried, bleached (but not stretched) white cotton cloth shall be rubbed over the surface of the leather sample to be tested. This test shall be repeated with the wetted cloth. There should be no staining on the dried as well as wet cloth.

3.3 Moisture absorption test.—The percentage increase in the weight of cycle leather on being completely dipped in water for 30 minutes shall not be more than 40 per cent.

5. BICYCLE RIM**1. Design and dimensions**

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :—

- (a) Tolerance on circumference — ± 2 mm
— 1 mm
- (b) Profile tolerances
 - (i) overall height — ± 0.5 mm
 - (ii) Overall width — ± 0.5 mm (for children bicycle ± 1 mm)
 - (iii) Inner width (between ears) — ± 0.5 mm
1.0 mm
- (c) Height of ear — Minimum — 5.9 mm
— Maximum — 7.7 mm

2. Workmanship and finish

2.1 The valve holes shall be punched or drilled centrally on the cone of rim at the centre of 2 spoke holes approximately opposite to the joint.

2.2 The number of spoke holes in front and rear rim shall be as per agreement with foreign buyer.

2.3 Spoke holes shall be approximately equally spaced and shall lie alternatively on either side of the central line of the rim.

2.4 The rim shall be nickel and chromium plated. The minimum thickness of plating shall be as follows :

Nickel—0.008mm.

In case of specific requirement of the buyer, a dull finish centre of the rim may be provided.

3. Tests

3.1 Compression test.—The rim shall be held between the two supports keeping the weld at right angles to the line joining the points of loading. The load shall be applied to give a vertical compression to the rim starting with 30 kg. The load shall be slowly increased in steps of 10 kg. till 70 kg. is reached which will be kept for 2 minutes and released. Permanent set on the diameter of the rim shall not exceed 2.5 mm.

3.2 Electroplating

3.2.1 Adhesion test—As per Appendix-I.

3.2.2 Ferroxy test—As per Appendix-I.

16. PEDAL**1. Design and dimensions**

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :

Pedal axle

Length of threading portion at Min. 8.5mm the crank end. Threading— 14.28×1.27 or 14×1.25 mm. RH or LH for RH and LH side pedals respectively.

Cone—Shall be from bar stock. The bearing portion shall be well machined without tool marks.

Rubber—The weight of a pair of rubber shall not be more than 165 gms. The rubber shall be free from manufacturing defects.

2. Workmanship and finish

2.1 The threading at both the ends of the pedal axle, cone and nut shall be finished smooth to ensure proper fitting.

2.2 The pedal axle pedal rod, cone and nut shall be chemically coloured or can be supplied in natural finish against specific requests.

2.3 The tubes, flanges, stretcher bars and caps, if made of steel shall be finished smooth and shall be chemically coloured or enamelled or nickel or chromium plated. When a minimum thickness of nickel shall be 0.004 mm.

3. Hardness

3.1 The pedal axle and axle cone shall have a minimum hardness of 500 HV at 5kgf load and 400 HV at 5kgf load 900 GI 85—24

respectively and the balls shall have a minimum hardness of 800 HV at 5kgf load. Pedal rubber shall have a shore hardness between 70° to 90° or minimum 65° wherever reflectors are to be fitted.

Note : Steel balls shall be manufactured from high carbon, high chromium steel. The balls shall satisfactorily pass the crushing test as per IS : 2898-1976.

4. Tests

4.1 Bend test—A load of 800N shall be applied gradually on the spindle and should remain for a period of one minute. When released, the deflection (permanent set) on the spindle shall not be more than 3mm without showing any sign of crack.

1kgf=9.806 Nettons(N).??

4.2 Electroplating

Adhesion test—as per Appendix-I.

17. MUDGUARD**1. Design and dimensions**

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :

- (a) Width (near middle portion) Min-46 mm (40 mm for children bicycle)
- (b) Depth—Min. 18.0 mm
- (c) Thickness of sheet used — Min. 0.45 mm (0.40 mm for children bicycle).

2. Workmanship and finish

2.1 The mud guard shall be free from sharp edges, burrs and other manufacturing defects.

2.2 Mud guards shall be thoroughly cleaned so as to be free from rust, scale and oily substances and shall then be chemically phosphated and stove enamelled. Spray painted or otherwise finished to give a glossy finish or nickel and chrome plated.

2.3 The painting shall be free from wrinkles, blisters unevenness and scratches.

3. Tests

3.1 Salt solution test—as per Appendix-I

3.2 Adhesion test—as per Appendix-I.

18. A BICYCLE LOCK**1. Design and dimensions**

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :—

Minimum thickness of sheet for body—0.6mm and fixed clip.

Minimum sheet thickness for key—1.5mm.

2. Workmanship and finish

2.1 The shackles shall be aligned properly and shall work smoothly.

2.1 The shackles shall be aligned properly and shall work corners.

2.3 The design of the locks shall be such that the key will not come out in the unlocked position. The key shall work smoothly.

2.4 Internal parts of the locks shall be given antirust coating.

2.5 The lock in closed position shall be struck against a hard timber block. The lock shall not open of its own accord.

2.6 Locks shall be stove enamelled and have a smooth finish.

3. Tests

3.1 Performance test—The lock shall be tested by locking and unlocking 50 times. There shall be no damage to its parts.

3.2 The locks shall be packed in such a manner so that the inspection agency could check the non-interchangeability which shall not be less than one in four.

18. B. BICYCLE CABLE LOCK

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per the agreement between the buyer and the seller subject to the following :—

Minimum sheet thickness for key shall be 1.5mm.

2. Workmanship and finish

2.1 All the components of the lock and key shall be finished smooth.

2.2 Internal parts of the lock including wire rope shall be given anti rust coating.

2.3 Metal casing shall be either painted by enamel paint or plated with nickel or chromium or zinc.

2.4 The lock in closed position shall be struck against a hard timber block. The lock shall not open of its own accord.

3. Tests

3.1 Performance test—The lock shall be tested by locking and unlocking 50 times. There shall be no damage to its parts.

3.2 The lock shall be packed in such a manner so that the inspection agency could check the non-interchangeability which shall not be less than in four.

19. HUB ASSEMBLY

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following :

- (a) Tolerance on overall length of front hub spindle ± 2 mm
- (b) Tolerance on overall length of rear hub spindle ± 3 mm
- (c) Minimum threaded length of front hub spindle on each side 30 mm
- (d) Minimum threaded length of rear hub spindle on each side 40 mm
- (e) Threading on hub spindle and cone shall be either 7.94 — \times — 26 TPI or 9.52 \times 26 TPI
- (f) Threading on the rear hub for fitting free wheel shall be — 34.8 \times 24 TPI or 35 \times 1 mm pitch. For Children bicycle the same shall be 34.8 mm \times 24 TPI or 34.70 \times 1 mm pitch or 0.970 " \times 20 TPI.
- (g) Tolerance on the distance between the outer surface of the cones — ± 3 mm (in complete hub)
- (h) The minimum thickness of hub flange shall be 1.9 mm for the front hub and 2.2 mm for rear hub.
- (i) The number of holes in hub flanges shall be as agreed upon between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish

2.1 (a) The components shall have smooth finish, (b) Inside of the cups (ball races) shall be smooth finished to ensure free running of the balls. (c) The threading on the spindle, cones and nuts shall be proper;

Unless otherwise specified, the hub flanges shall be provided with 16 spoke holes in the front hub and 20 spoke holes in the rear hub. The holes shall be staggered in the two flanges and shall be countersunk alternatively on both sides of each flange for freely accommodating the spoke heads. The fitting shall be without undue shake or tightness. The threading shall be proper. The spindle, nuts, cones and cups shall be either chemically coloured or pated. Hub

shells and flange shall be nickel and chromium plated with a minimum plating thickness of 0.008 mm of nickel. Dust cap may be metallic or of any synthetic material. If metallic the cap shall be nickel chrome plated or blackened. The spindles, ball races and cones may also be supplied in natural finish against specific requests.

3. Hardness :

3.1 The following components shall be hardened to attain a minimum hardness as stated under :—

- (i) Hub cup (ball races) — 400 HV at 5 kgf load
- (ii) Cone — 400 HV at 5 kgf load
- (iii) Steel balls — 800 HV at 5 kgf load.

Note : The steel balls shall be manufactured from high carbon and high chromium steel. The balls shall satisfactorily pass, the crushing test as per IS : 2898—1976.

4. Tests :

4.1 Concentricity test.—The front and rear hub assemblies shall be revolved on their spindles. The concentricity of hub shell and ball races at the periphery of the flange shall not exceed 0.4 mm.

4.2 The rear hub assembly shall be revolved on its spindle. When gauges at the periphery of the flange shall not exceed 0.4 mm.

4.2 The rear hub assembly shall be revolved on its spindle. When gauges at the periphery of the flange shall not exceed concentricity shall not be more than 0.4 mm.

4.3 Plating test.

4.3.1 Adhesion test.—As per Appendix-I.

4.3.2 Ferroxyl test.—As per Appendix-I.

20. FORK FITTINGS

1. Design and dimensions :

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller. A set of fork fittings may consist of 5 or 7 pieces as desired by the buyer.

2. Workmanship and finish.

2.1 The fork fittings shall be finished smooth, free from burrs, scratches and tool marks. The bearing surfaces of the racers shall be properly polished.

2.2 The threading of the screw racers and check nuts shall be full and true.

2.3 Frame cup and check nut shall be nickel and chrome plated, free from visible plating defects, such as pits, blisters, cloudy patches, unplated spots, cracks or stains.

3. Hardness :

3.1 The bottom head ball racer, crown racer and screw racer shall be suitably heat treated to attain a minimum hardness of 400 HV at 5 kg load. The hardness of the steel balls shall be 800 HV min. at 5 kgf load.

NOTE.—Steel balls shall be manufactured from high carbon and high chromium steel. The balls shall satisfactorily pass the crushing test as per IS : 2898—1976.

21. LUGGAGE CARRIER

1. Design and dimensions :

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish :

2.1 The luggage carrier shall be free from sharp edges, burrs and other manufacturing defects.

2.2 The luggage carrier shall be thoroughly cleaned, as to be free from rust, scale and oily substances and shall then be chemically phosphated and stove enamelled, spray painted or otherwise finished to give a glossy finish. The carrier may be cadmium or nickel and chrome plated also.

2.3 The painting shall be free from wrinkles, blisters, unevenness or scratches. The plating shall be free from visible plating defects such as pits, blisters, cloudy patches, unplated spots, cracks or stains. The plating shall firmly adhere to the base metal and shall be non-porous.

3. Tests :

3.1 The fatigue property of the spring used in the luggage carrier shall be checked by fully opening and closing the carrier 50 times. After this test, the carrier shall not show any adverse effect in the functioning. This test shall be applicable only for spring type luggage carriers.

3.2 Salt solution test.—As per Appendix-I

3.3 Adhesion & Ferroxy test.—As per Appendix-I.

22. HANDLE BARS

1. Material .

1.1 The handle bar bend and the stem shall be made from ERW steel tubes.

2. Design and dimensions :

2.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following requirements :

Outside diameter of handle bar stem —22.28 mm.

3. Workmanship and finish —22.09 mm

3.1 The handle bar stem shall be squarely fitted to the central lug and properly brazed. It shall not have a deformation exceeding 2.0 mm in diameter at its curved portion.

3.2 The lever rods shall have smooth operation without appreciable play or shake.

3.3 The threading on the expander bolt shall be 7.94×26 TPI. The length of threading shall not be less than 35 mm. The bolt shall have a suitable cone and a washer. The cone shall have a minimum thickness of 9 mm and a larger diameter between 19.5 and 20.6 mm. The taper on the cone shall be between 5° to 7°. The washer shall have a minimum thickness of 1.5 mm.

3.4 The handle bar shall be fitted with suitable hand grips. The grips shall be uniform in shape and size and free from manufacturing defects. All the parts of handle bars shall be nickel and chromium plated. The minimum thickness of plating for handle bar only shall be 0.008 mm for nickel. Electro-galvanised springs may also be permitted if specifically required by the foreign buyer.

4. Tests :

4.1 Fatigue test.—The fatigue property of the springs shall be checked by fully pressing and releasing and lever rods 50 times. The lever rods shall return to the normal position after 50 operation.

4.2 Load test.—The handle bar shall be fixed on the handle stem (after removing the expander bolt and cone and the stem plugged in at the point of grip) in such a manner that stem is vertical and inserted into the fixing arrangement upto depth equal to two and half time the shaft diameter that is, 56 mm. A load of 45 kg (for children bicycles 35 kgs) shall then be applied gradually and simultaneously on each end of the handle 13 mm from the ends (left right) and left in that stage for two minutes. The permanent set at the ends of handle bar shall not exceed 2 mm (for children bicycles 2.50 mm).

4.3 Electroplating :

4.3.1 Adhesion test.—As per Appendix-I.

4.3.2 Ferroxy test.—As per Appendix-I.

23. CHAIN GUARD

1. Design and dimensions

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish :

2.1 The chain guard shall be thoroughly cleaned so as to be free from rust, scale and oily substances and shall then be chemically phosphated and stove enamelled, spray painted or otherwise finished to give a glossy finish or nickel & chrome plated.

2.2 The painting shall be free from wrinkles, blisters, unevenness and scratches. The plating shall be free from visual defects.

3. Tests :

3.1 Salt solution test.—As per Appendix-I

3.2 Adhesion & Ferroxy test.—As per Appendix-I.

24. CHAINS

1. Design and dimensions .

1.1 The design and dimensions of the chains shall be as per agreement between the buyer and the seller subject to the following requirements for $\frac{1}{4} \times 1\frac{1}{8}$ " (12.7×3.00mm) chains :

(a) Maximum diameter of the roller	— 7.75 mm
(b) Maximum width over inner link	— 5.89 mm
(c) Minimum width between the outer plates	— 5.75 mm
(d) Maximum width over bearing pin	— 10.16 mm
(e) Tolerance on the length of chain under a load of 12.7 kg.	± 2.1 mm — 0.0 mm

2. Workmanship and finish :

2.1 The components shall be free from burrs and sharp edges. The chain shall be provided with a coating of anti-rust oil or grease.

3. Hardness :

3.1 The hardness of various components of chain shall be as follows :

(a) Pin—460 HV min at 5 kgf load.

(b) Plates and Bushes/Rollers—384 HV min at 5 kgf load.

4. Tests :

4.1 Tensile test.—A cut length of 127 mm from the chain shall be attached to the shackles of the testing machine and a pull shall be applied axially. The chain shall not break at a load of less than 820 kg.

25. BICYCLE STAND

1. Design and dimensions :

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish :

2.1 The stand shall be free from sharp edges, burrs and other manufacturing defects.

2.2 The stand shall be thoroughly cleaned so as to be free from rust, scale and oily substances and shall then be chemically phosphated and stove enamelled, spray painted or otherwise finished to give a glossy finish. The stand may be cadmium or nickel and chrome plated also.

2.3 The painting shall be free from wrinkles, blisters, unevenness or scratches. The plating shall be free from visible plating defects such as pits, blisters, cloudy patches, unplated spots, cracks or stains. The plating shall firmly adhere to the base metal and shall be non-porous.

3. Tests :

3.1 The fatigue property of the spring used in the bicycle stand shall be checked by working the stand 50 times. After this test, the stand shall not show any adverse effect in the functioning.

3.2 Salt solution test.—As per Appendix-I.

3.3 Adhesion test.—As per Appendix-I.

26. FRAME

1. Material :

1.1 The frame excepting chain stay and seat stay shall be made from ERW steel tubes. The liners and lugs shall be made of mild steel.

1.2 The B. B. Shell may be made out of mild steel or malleable cast iron and the threading on the B. B. Shell shall be either 24 TPI or 26 TPI.

2. Design and dimensions :

2.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

3. Workmanship and finish :

3.1 The tubes shall be fitted squarely to their respective lugs and the axis of bottom bracket shall be perpendicular to the plane of the frame.

3.2 The frame shall be thoroughly cleaned by sand blasting, shot blasting or pickling to free it from rust, scale and oily substances. It shall then be chemically rust-proof and stove enamelled to give a glossy finish.

3.3 The threading shall be well greased after painting.

4. Tests :

4.1 The frame shall withstand the following tests :

4.1.1 Sound test.—The frame shall be struck with a $\frac{1}{4}$ kg. steel hammer near the joints and it will produce a clear metallic sound.

4.1.2 Alignment test.—The frame should be aligned properly and to be checked on suitable fixture.

4.1.3 Load test.—For this test the chain stay at the frame shall be clamped on a suitable lug mounted on a bench in such a manner as to rest on a roller support. The frame shall be loaded at the points where the handle bar and the seat are to be fitted with 23 kgf and 82 kgf weights respectively. The loads shall then be increased to 100 kgf (75 kgf for children bicycle) and 350 kgf (260 kgf for children bicycle) respectively. The maximum loads shall be kept for two minutes and released. Any deformation recorded in the first test shall not be taken into consideration and the frame in the subsequent three tests shall not show any apparent deformation by more than 0.15 mm at the bottom bracket.

4.1.4 Test for painting.

(a) Ball drop test.—As per Appendix-I.

(b) Salt solution test.—As per Appendix-I.

27. REAR VIEW MIRROR

1. Design and dimensions :

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

2. Workmanship and finish :

2.1 The mirror shall be well fixed all around. The back portion which may be made of metal, plastic, PVC, or any other suitable material shall be free from sharp corners and edges.

2.2 The mirror shall not have undue play between the frame and the glass.

2.3 The mirror shall be supplied with suitable fixing rod, fixing clip and nuts.

2.4 The fixing rod, clip and metal around glass may be nickel and chrome plated or anodized. When plated, it shall be free from visible plating defects like pits, blisters, cloudy patches, unplated spots, cracks or stains. The fixing clip may also be made of rubber or PVC.

2.5 The threading on fixing rod and nuts shall be proper.

28. RIM TAPES AND BUCKLES

1. Design and dimensions :

1.1 The design and dimensions shall be as per agreement between the buyer and the seller.

1.2 The tapes shall comply with the following :

(i) Width.—Min. 11.0 mm.

(ii) Longitudinal threads.—Min. 18.
in full width.—Ma. 25.

2. Workmanship and finish :

2.1 The tapes shall be properly woven. The buckles made from mild steel shall be tinned or galvanised. Buckles shall be free from sharp edges and burrs.

3. Tests :

3.1 The breaking load measured on full width on a length of 20 cms. strip shall not be less than 18 kgf.

SAMPLING AND CRITERIA FOR CONFORMITY FOR ALL BICYCLES COMPONENTS

Sampling for inspection of each consignment and the criteria for conformity shall be in accordance with the table given below .—

TABLE

Lot Size	Sample size for visual & dimensional check	Sub sample size to be drawn out of sample for all other tests	Permissible no. of defects	
			For Col. 2	For Col. 3
Upto 50	3	1	0	0
51 to 100	5	1	0	0
101 to 300	8	2	0	0
301 to 500	13	3	1	0*
501 to 1000	20	3	1	0*
1001 to 3000	32	5	2	1
3001 and above	50	6	3	1

*In the event of failure of one sample 3 more samples shall be drawn and if there is no further failure the consignment shall be passed.

Marking.—Unless otherwise stipulated by the foreign buyer, pieces shall be legibly marked with the manufacturer's name, trade mark or identification.

Packing.—Pieces shall be packed in accordance with the stipulation of the buyer in such a manner as to ensure safe arrival at the destination without any damage.

APPENDIX-I

Tests for Painting :

1. Ball Drop test :

(For stove enamelled only.—A solid steel ball measuring 13 mm in diameter shall be dropped from a height of 1.5 metres on any painted portion of the frame. The paint at the place where the steel ball strikes the frame shall stand the impact without showing any sign of tear or peeling off. However in cases where on conducting Ball Drop Test, the sample either fail or gives doubtful results, the test shall be repeated on the same sample at another point and the test shall further be carried out on two more samples drawn from the same consignment. If in the three tests carried out as outlined, the sample does not fail in the test, the consignment shall be deemed to have met the requirement of Ball Drop Test.

2. Salt Solution Test :

The frame shall be kept dipped for one hour in a 5 per cent common salt solution at the temperatures specified below. The paint shall not soften, peel off or show any change in colour.

Black enamelled paint	— 80 °C
Other enamelled paints	— 60 °C

Tests for Electroplating :

1. Adhesion test :

A cut piece of the plated article shall be held in a vice and a file applied to the cut edget in such a manner as to raise the deposit. There shall be no separation between the coating and the basic metal.

2. Ferroxyl test :

- Take a fine textured paper (blotting paper) sufficient to adopt itself to the surface to be tested and of about the same size as the area to be tested.
- Coat one side of the paper uniformly with a solution of clear gelatine (30 gms/litre at 35°C). Allow it to dry.
- Apply pure NaCl solution (30gms/litre) to the coated surface of paper and lay it over the surface to be tested with the coated surface of the paper touching the surface to be tested. Keep the surface damp by brushing it evenly with a brush wetted with NaCl solution.
- Remove the paper after 10 minutes and immerse it in a solution of potassium Ferrocyanide (10 gms/litre).
- Blue spots produced on the paper indicate the extent of porosity in the tested area.
- Blue spots upto a maximum of one number per 1000 sq. mm. shall be considered as meeting the requirement of this test.

NOTE.—For the performance of this test only those pores that are seen by unaided eyes shall be counted.

APPENDIX-II

Every manufacturer of Bicycles shall ensure quality control of the Bicycles by effecting the following controls at different stages of manufacture, prevention and packing of the products as laid down together with the levels of control as-set out in the Schedule appended hereto.

1. Bought out materials and components control :

- Purchase specification shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and the detailed dimensions thereof with tolerances.
- The accepted consignments shall be either accompanied by a producer's test certificate corroborating the requirements of the purchase specifications or in the absence of such test certificate, samples from each consignment shall be regularly tested to check up its conformity to the purchase specifications. The producer's test certificate shall be counterchecked at least once in five consignments to verify the correctness.
- The incoming consignment shall be inspected and tested for ensuring conformity to purchase specifications against statistical sampling plans.
- After inspection and tests are carried out, systematic methods shall be adopted for proper segregation and disposal of defectives.
- Adequate records in respect of the above mentioned controls shall be systematically maintained.

2. Process Control :

- Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturers for various processes of manufacture.
- Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specification.

3. Product Control :

- The manufacturer shall either have his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specification.
- Sampling (wherever required) for testing shall be based on recorded investigations.
- Adequate records in respect of test carried out shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

4. Meteorological Control.—Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibrated and records shall be maintained in the form of history cards.

5. Preservation Control :

- A detailed specification shall be laid down by the manufacturer to safeguard the product from adverse effects of weather condition.
- The product shall be well preserved both during storage and during transit.

6. Packing Control.—Specifications shall be laid down for packing the product(s) and as well as for export package and the same shall be strictly adhered to.

SCHEDULE

[See Rule 4 (2 A)]

LEVELS OF CONTROL

Sl. No.	Requirement	Reference	No. of samples to be tested	Lot size
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Axle :			
	Concentricity	Standard specifications recognised for the purpose	Each	Each shift's production

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2.	Handle Bar : Load test	—do—	1 No.	—do—
3.	Frames :			
	(a) Load test	—do—	1 No.	—do—
	(b) Trueness	—do—	Each	—do—
4.	Chains :			
	(a) Proof Load test	—do—	3 Nos.	—do—
	(b) Breaking Load test	—do—	3 Nos.	—do—
5.	Spokes and Nipples :			
	(a) Threads	—do—	1 % subject to a maximum No. of 12.	—do—
	(b) Bend test (for spokes only)	—do—	5 % subject to a maximum No. of 20	—do—
6.	Hubs :			
	Deflection test	—do—	5 Nos.	Each shifts production from each assembly table.
7.	Spindle in pedal assembly : Bend test	—do—	1 No.	Each heat's production.
8.	Crank chain wheel assembly Load test	—do—	1 No.	Per day's Production.
9.	Front Fork :			
	(a) Load test	—do—	1 No.	—do—
	(b) Expansion Test	—do—	1 No.	—do—
10.	Freewheel :			
	(a) Axial or Radial Deflection test	—do—	5 Nos.	Each shifts production on same assembly table.
11.	Rims :			
	(a) Compression test	Standard specifications recognised for the purpose.	1 % subject to a maximum of 5 Nos.	Per day's production
	(b) Electroplating			
	(i) Adhesion	Standard specifications recognised for the purpose	1 No.	Each batch's production.
	(ii) Thickness			
12.	Electroplating			
	(i) Adhesion	Standard specifications recognised for the purpose.	1 No.	Each batch's production.
	(ii) Thickness			
13.	Painting	—do—	3 Nos.	Each shift's production.
14.	Workmanship and finish	—do—	Each	—
15.	Components and spares :			
	(a) Dimensions within tolerance			
	(i) Critical	—do—	Each	—
	(ii) Others	—do—	Adequate number based on a recorded investigation	—
	(b) Performance	—do—	—do—	—
	(c) Hardness	—do—	5 Nos.	Each change from each oven

16. Packaging

*(a) Appearance	—do—	Each	—
** (b) Drop Test	—do—	1 No.	Each consignment
(c) Rolling Test	—do—	—do—	—do—
(d) Water spraying test	—do—	—do—	Each design

*The package shall be well finished and have a good appearance.

**The package shall be such as to ensure that the inner contents shall withstand Drop Test, Rolling Test and Water Spraying test as given below.

DROP TEST : (to be restricted to head loads only) :—

The package to be dropped from a height of 150 cm once on the largest flat surface, once on the longest edge and once on any corner of its own.

Rolling Test.—(to be restricted to a weight of 500 kg only). Water spraying Test.—The package to be allowed to be exposed against a water spray equivalent to a normal accidental shower for one minute.

The package to be subjected to rolling on its sides either six metres forward and six metres backward or twelve metres in one direction.

[F. No. 6(2)/85-EI & EP]
N. S. HARIHARAN, Director

(मुख्य निर्यात आयात-निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1985

आदेश

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 25th September, 1985

ORDER

का.आ. 4920.—श्री सुदीप एस. मकानी 4378/4-बी अंसरी रोड, दार्यागंज, नई दिल्ली-2 को उद्योग विदेश में विदेशी-मुद्रा बचत के अन्तर्गत प्रिंटिंग/प्रिन्सिपल जर्मनी से पुरानी प्रिंटिंग मशीनरी के आयात के लिए 7,56,000 रु. (सात लाख छपन हजार रुपये मात्र) (पौंड 39,000 और डीएम 40,000) का एक आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2095089 दिनांक 9-02-1984 दिया गया था।

S.O. 4920.—Shri Sundip S. Makani 4378/4-B Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-2 was granted an import licence No. P/CG/2095089 dated 9-2-1984 for Rs. 7,56,000 (Rupees Seven lakhs and fifty six thousand only) (£39,000 & DM 40000) for import of Second hand printing machinery from U.K./West Germany under applicant's own foreign exchange savings abroad.

2. पार्टी ने उपर्युक्त लाइसेंस की अमूर्ति सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रति न्यू कस्टम हाउस, बम्बई के संविदा अनुभाग के पास पंजीकृत करने और आंशिक रूप से उपयोग में लाने के पश्चात् अस्थानस्थ हो गई है। कुल धनराशि जिसके लिए अब अमूर्ति प्रति की आवश्यकता है वह 6,33,093 पए) छः लाख तीस हजार त्रिगन्ध रुपये केवल) की शेष धनराशि को पूरा करने के लिए है।

2. The party has applied for issue of Duplicate Customs Purposes Copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs Copy of licence has been misplaced after having been registered with the contract section of New Custom House, Bombay, utilised partly. The total amount for which the duplicate now required is to cover the balance of Rs. 6,33,093 (Six lakhs thirty three thousand and ninety three only).

3. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने 1985-88 की आयात-निर्यात क्रिया पुस्तिका के अध्याय-2 के पैरा 86 में यथावस्थित एक शपथपत्र दाखिल किया है। तदनुसार, मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/ 2095089 दिनांक 9/2/84 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति पार्टी से अस्थानस्थ हो गई है। यथासंशोधित आयात निर्यात आदेश, 1955 दिनांक 7/12/1955 के उपखंड 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रवक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री सुदीप एस. मकानी, नई दिल्ली को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/ 2095089 दिनांक 9/2/84 की उक्त मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit as required in para 86 of Chapter II of Hand Book of Import-Export Procedure 1985—88. I am accordingly satisfied that the original customs purposes copy of Import Licence No. P/CG/2095089 dated 9-2-84 has been misplaced by the party. In exercise of the power conferred under sub-Clause 9(cc) of the Import Control Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original customs purposes copy of import licence No. P/CG/2095089 dated 9-2-84 issued to Shri Sundip S. Makani, New Delhi is hereby cancelled.

4. उक्त लाइसेंस की अमूर्ति सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति पार्टी को अलग से जारी की जा रही है।

4. A duplicate Customs Purposes Copy of the said licence is being issued to the party separately.

[का. सं. 1310/48/आई एन एस ए/83-84/सी जी-4]

पाल बेक, उप मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात
कृते, मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात

[F. No. 1310/48/INSA/83-84/CG. IV]
PAUL BECK, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

